



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

१०]

नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 7, 1981/फाल्गुन 16, 1902

No. 10] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 7, 1981/PHALGUNA 16, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए साधिकार प्रावेश और प्रधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence)

गृह मंत्रालय

(कार्यमक और प्रशासनिक सूचार विभाग)

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 1981

क्र. नं. 740.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 148 के खण्ड (5) के साथ पठित अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त विभिन्नों का प्रयोग करते हुए तथा भारतीय लेला परीक्षा और सेवा विभाग में सेवा करने वाले व्यक्तियों के सम्बन्ध में नियंत्रक-महालेला परीक्षक से परामर्श करने के पश्चात् केन्द्रीय सिविल सेवा (पेन्शन) नियम, 1972 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय सिविल सेवा (पेन्शन) (दूसरा संशोधन) नियम, 1981 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय सिविल सेवा (पेन्शन) नियम, 1972 के नियम 54 में—

(1) उपनियम (13) के पश्चात् निम्नलिखित उप-नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(13-क) ऐसा कोई सीनिक पेन्शन भोगी, जो सीनिक सेवा से निवृत्ति पर, निवृत्ति पेन्शन, सेवा पेन्शन

या अशक्त पेन्शन पर सामान्य कुदम्ब पेन्शन मंजूर किए जाने के लिए सेवा अनुबंध 2/एस/64 द्वारा या तत्सम्बन्धी नौसेना या वायुसेना अनुदेशों द्वारा शासित होता है और अधिवर्जिता की आद्य प्राप्त होने के पूर्व किसी सिविल सेवा या सिविल पद में पुनर्नियोजित हो जाता है, वह इस नियम के अधीन अनुशेय कुदम्ब पेन्शन या पूर्वोक्त सेवा/नौसेना/वायुसेना अनुदेश के अधीन पहले से प्राधिकृत कुदम्ब पेन्शन की पात्रता के प्रयोजन के लिए निम्नानुसार शासित होगा :—

(1) यदि वह पुनर्नियोजित के अनुक्रम में किसी अस्थायी हैसियत में सिविल पद धारण करते हुए मर जाता है तो उसके कुदम्ब को इस नियम के अधीन अनुशेय कुदम्ब पेन्शन या सीनिक सेवा से उसकी निवृत्ति या उन्मुक्ति के समय सेवा अनुदेश 2/एस/64 या तत्सम्बन्धी नौसेना या वायुसेना अनुदेश के अधीन प्राधिकृत कुदम्ब पेन्शन के लिए विकल्प बताने के लिए अनुज्ञात किया जा सकेगा,

(2) यदि वह किसी सिविल सेवा या सिविल पद से किसी अधिकारी हैसियत में स्थायी पद धारण किए बिना निवृत्त हो जाता है तो उसके कुदम्ब

सेवानिवृत्ति के पश्चात् उसकी मृत्यु की दशा में, सेना अन्देश 2/एस/64 या तत्सम्बन्धी नौसेना या वायुसेना अनुदेश के अधीन प्राधिकृत कुदुम्ब पेन्शन के लिए पात्र होगा,

(3) यदि अपने पुनः नियोजन के अनुक्रम में किसी सिविल सेवा में या सिविल पद पर पूर्णित पर उसने इन नियमों के नियम 19 के उप-नियम (1) के स्पष्ट (क) के अनुसार पूर्व सैनिक सेवा के लिए सेना पेन्शन प्रतिधारित करने का विकल्प प्रकट किया है तो वह इस नियम के अधीन अनुज्ञेय कुदुम्ब पेन्शन या सेना अनुदेश 2/एस/64 अथवा तत्सम्बन्धी नौसेना, वायुसेना अनुदेश के अधीन पहले से प्राधिकृत कुदुम्ब पेन्शन प्राप्त करने के लिए एक अन्य विकल्प का प्रयोग करेगा विकल्प का प्रयोग सिविल सेवा या सिविल पद पर अधिष्ठायी नियुक्ति का आदेश जारी होने की तारीख से 3 मास की अवधि के भीतर अथवा यदि वह उस दिन छुट्टी पर है तो उसके छुट्टी से बापस आने की तारीख के तीन मास के भीतर इसमें ओ भी प्रश्नात्वस्ती हो, किया जाएगा। यदि पूर्वोक्त अवधि के भीतर किसी विकल्प का प्रयोग नहीं किया जाता है तो यह समझा जाएगा कि पेन्शन भीगी ने सेना अनुदेश 2/एस/64 या तत्सम्बन्धी नौसेना या वायुसेना अनुदेश के अधीन प्राधिकृत कुदुम्ब पेन्शन के लिए विकल्प का प्रयोग किया है।

(4) यदि पुनः नियोजन के अनुक्रम में सिविल सेवा में या सिविल पद पर पूर्णित हो जाने पर उसने इन नियमों के नियम 19 के उप-नियम (1) के स्पष्ट (ल) के अनुसार सेना पेन्शन को अभ्यर्पित करने और उसके बदले में सिविल पेन्शन के लिए सैनिक सेवा की गणना किए जाने का विकल्प प्रकट किया है तो वह इस नियम के अधीन अनुज्ञेय कुदुम्ब पेन्शन द्वारा शामिल होगा”;

(2) उप-नियम (15) के स्पष्ट (ल) के स्थान पर निम्नलिखित लिख रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(ल) ऐसा सैनिक पेन्शनभोगी जो पहली जनवरी, 1964 को या उभके पश्चात् सैनिक सेवा से निवृत्त हो गया है और जिसने सिविल सेवा में या सिविल पद पर पर्निनियोजन की तारीख को वह अधिकारीता की आय जो उस पद को लागू है जिसमें उसे पर्निनियोजित किया गया है, प्राप्त कर ली थी”;

(3) उप-नियम (16) का स्रोप किया जाएगा।

[सं. 1 (13)-पेन्शन (ए)/80]
एस. पी. मदान, निदेशक

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

New Delhi, the 18th February, 1981

S.O. 740.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 read with clause (5) of article 148 of

the Constitution and after consultation with the Comptroller and Auditor-General in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Pension) (Second Amendment) Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 54 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972—

(1) after sub-rule (13), the following sub-rule shall be inserted, namely :—

“(13A) A military pensioner, who on retirement from military service, on retiring pension, service pension or invalid pension is governed for the grant of ordinary family pension by Army Instruction 2/S/64 or corresponding Navy or Air Force Instructions and is re-employed in a civil service or civil post before attaining the age of superannuation, shall for the purpose of eligibility for the family pension admissible under this rule or the family pension already authorised under the aforesaid Army/Navy/Air Force Instruction, be governed as follows :—

(i) if he dies while holding a civil post in a temporary capacity in the course of re-employment, his family may be allowed to opt for the family pension admissible under this rule or the family pension authorised at the time of his retirement or discharge from the military service under Army Instruction 2/S/64 or the corresponding Navy or Air Force Instruction,

(ii) if he retires from civil service or civil post without holding a permanent post in a substantive capacity, his family in the event of his death after retirement shall be eligible for family pension authorised under Army Instruction 2/S/64 or corresponding Navy or Air Force Instruction,

(iii) if on confirmation in a civil service or a civil post in the course of his re-employment, he has opted to retain military pension for the past military service in terms of clause (a) of sub-rule (1) of rule 19 of these rules, he shall exercise another option to receive family pension admissible under this rule or the family pension already authorised under Army Instruction No. 2/S/64 or the corresponding Navy or Air Force Instruction. The option shall be exercised within a period of three months of the date of the issue of orders of substantive appointment to a civil service or civil post or if he is on leave on that day, within three months of his return from leave, whichever is later. If no option is exercised within the period aforesaid, the pensioner shall be deemed to have opted for family pension authorized under Army Instruction No. 2/S/64 or the corresponding Navy or Air Force Instruction, and

(iv) if on confirmation in a civil service or civil post in the course of re-employment he, in terms of clause (b) of sub-rule (1) of rule 19 of these rules, has opted to surrender military pension and count in lieu thereof military service for civil pension, he shall be governed by family pension admissible under this rule.”;

(2) for clause (b) of sub-rule (15), the following clause shall be substituted, namely :—

“(b) a military pensioner who retired from military service on or after the 1st January, 1964 and who on the date of re-employment in a civil service or civil post had attained the age of superannua-

tion applicable to the post in which he is re-employed";

(3) sub-rule (16) shall be omitted.

[No. 1(13)-Pen. (A)/80]
S. P. MADAN, Director

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 4 फरवरी, 1981

आयकर

क्र. आ. 741.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (3) का अनुसरण करते हुए तथा भारत सरकार के राजस्व विभाग की दिनांक 15-9-1977 की अधिसूचना सं. 1971 (फा. सं. 404/167/77-आ. क. स. क.) का अधिलंबन करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री टी. पी. आर्य को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्र अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री टी. पी. आर्य द्वारा कर वसूली अधिकारी के पद का कार्यभार प्रहृण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं. 3829/फा. सं. 398/2/81-आ. क. स. क.]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 4th February, 1981

INCOME-TAX

S.O. 741.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 1971 (F. No. 404/167/77-ITCC), dated 15-9-77, the Central Government hereby authorises Shri T. P. Arya, being a gazetted officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri T. P. Arya, takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 3829/F. No. 398/2/81-ITCC]

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 1981

क्र. आ. 742.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (3) का अनुसरण करते हुए जारी की गई वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की दिनांक 20 मई, 1980 की अधिसूचना सं. 3444 (फा. सं. 398/15/80-आ. क. स. क.), को एतद्वारा निरस्त किया जाता है।

2. यह अधिसूचना श्री जे. डी. जोशी द्वारा कर वसूली अधिकारी का कार्यभार छोड़ने की तारीख से प्रवृत्त होगी।

[सं. 3844/फा. सं. 398/15/80-आ. क. स. क.]

New Delhi, the 12th February, 1981

S.O. 742.—The Notification issued in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 3444(F. No. 398/15/80-ITCC) dated 30-5-1980 in pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) is hereby cancelled.

2. This notification will take effect from the date on which Shri J. D. Joshi relinquishes charge of Tax Recovery Officer.

[No. 3844/F. No. 398/15/80-ITCC]

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1981

क्र. आ. 743.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (3) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, श्री बी. आर. सरवन को, जो फेद्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अंतर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री बी. आर. सरवन द्वारा कर वसूली अधिकारी के पद का कार्यभार प्रहृण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं. 3855/फा. सं. 398/3/81-आ. क. सं:क.]

New Delhi, the 16th February, 1981

S.O. 743.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri B. R. Sarwan being a gazetted officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri B. R. Sarwan takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 3855/F. No. 398/3/81-ITCC]

क्र. आ. 744.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (3) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा भारत सरकार के राजस्व विभाग की दिनांक 11 अप्रैल, 1978 की अधिसूचना संख्या 2264 (फा. सं. 404/83/77-आ. क. स. क.) में निम्नलिखित संशोधन करती है; अर्थात्—उक्त अधिसूचना में “श्री बी. के. नाडगण्डा और श्री बी. सी. बेलाड” शब्दों और अक्षरों के स्थान पर “श्री बी. के. नाडगण्डा” शब्द और अक्षर रखे जाएंगे।

[सं. 3837/फा. सं. 398/3/81-आ. क: स. क.]
एवं वेंकटरामन, उप सचिव

S.O. 744.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby makes the following amendment in the Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 2264(F. No. 404/83/77-ITCC) dated 11-4-1978 namely—In the said Notification for the words and letters S/Shri V. K. Nadganda and V. C. Bellad the words and letters “Shri V. K. Nadganda” shall be substituted.

[No. 3857/F. No. 398/3/81-ITCC]
H. VENKATARAMAN, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 1981

क्र. आ. 745.—भारतीय स्टाप्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की भारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की 6 दिसम्बर, 1980 की अधिसूचना सं. 24/80 स्टाप्प का सं. 33/13/80-

बिं ० क० (का० आ० सं० 3632) को प्रधिकार दरते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा स्टाम्प मूल्क की गणना करने के प्रयोजन से नीचे की सारणी के स्तम्भ (२) में विनिर्दिष्ट विवेशी मुद्रा को भारतीय मुद्रा में सम्पर्कित करने के लिए, विनियम की वर उसके स्तम्भ (३) में नस्मव्वशी प्रविष्टियों में निहित करती है।

सारणी

क० सं०	विवेशी मुद्रा	100 र० के समतुल्य विवेशी मुद्रा के विनियम की वर
1	2	3
1.	आस्ट्रियन शिलिंग	172.90
2.	आस्ट्रेलियन डालर	10.55
3.	बेल्जियम फ्रैंक	392
4.	कनाडियन डालर	14.72
5.	इनिश कोनर	74.30
6.	इन्डो मार्क	24.19
7.	इच शिल्डर	26.35
8.	फ्रैंच फ्रैंक	55.90
9.	हांगकांग डालर	63.75
10.	हांडालियन लीरा	11472
11.	जापानी येन	2548
12.	मलेशियन डालर	27.43
13.	नार्वेजियन कोनर	64.05
14.	पॉड स्ट्रिंग	5.2810
15.	स्वीडिश कोनर	54.10
16.	स्विस फ्रैंक	21.89
17.	अमेरीकी डालर	12.47

[सं० ६/८१-स्टाम्प/का० सं० ३३/३/८१-बिं ० क०]
जी० एस० मेहरा, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 1981

S. O. 745.—In exercise of the powers conferred by sub section (2) of section 20 the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 24/80 Stamps-F. No. 33/13/80-ST (No. S. O. 3632) dated the 6th December, 1980, the Central Government hereby prescribes in column (3) of the Table below the rate of exchange for the conversion of the foreign currency specified in the corresponding entry in column (2) thereof into the currency of India for the purpose of calculating stamp duty.

TABLE

Sl.	Foreign currency No.	Rate of exchange of foreign currency equivalent to Rs. 100
1	2	3
1.	Austrian Schillings	172.90
2.	Australian Dollars	10.55
3.	Belgian Francs	392

1	2	3
4	Canadian Dollars	14.72
5	Danish Kroners	74.30
6	Deutsche Marks	24.19
7	Dutch Guilders	26.35
8	French Francs	55.90
9	Hong Kong Dollars	63.75
10	Italian Lira	11472
11	Japanese Yen	2548
12	Malaysian Dollars	27.43
13	Norwegian Kroners	64.05
14	Pound Sterling	5.2810
15	Swedish Kroners	54.10
16	Swiss Francs	21.89
17	U.S.A. Dollars	12.47

[No. 6/81 Stamps/F No. 33/3/81-ST
G.S. MEHRA, Under Secy.

भनकर आयुक्त कार्यालय, हारियाणा

रोहतक, 21 फरवरी, 1981

भनकर

का.आ. 746 :—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक-हित में यह आवश्यक तथा समीचीन है कि धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीन यहां इसके पश्चात् विनिर्दिष्ट ऐसे करदाताओं के नाम तथा अन्य विविषितयां प्रकाशित भी जाए, जिनका शुद्ध धन वित्तीय वर्ष 1978-79 के दौरान 10 लाख रुपये से अधिक निर्धारित किया गया है।

और यतः धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की भारा 42क व्वारा प्रदत्त शक्तियों का तथा इस निर्मित उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने अपने आदेश दिनांक 7 जनवरी, 1975 के व्वारा धनकर के सभी आयुक्तों को अपने आप्राधिकार में स्थित करदाताओं से संबंधित नाम, पते, हैसियत तथा निर्धारण वर्ष तथा ऐसे करदाताओं द्वारा विवरणित धन, निर्धारेत किए गए धन तथा वित्तीय वर्ष 1978-79 के दौरान देय धनकर तथा दिए गए धनकर को प्रकाशित करने के लिए प्राप्तिकृत किया है।

अतः अब केन्द्रीय सरकार के उपर्युक्त दिनांक 7 जनवरी, 1975 के आदेश के अनुसार प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं एतद्वारा इससे संलग्न अनुसूची में उपर्युक्त करदाताओं के नाम तथा विविषितयां प्रकाशित करता हूँ।

आ धनकर विभाग

धनकर के ऐसे सभी करदाताओं के नाम, जिनका शुद्ध धन वित्तीय वर्ष 1978-79 के दौरान 10 लाख रुपये से अधिक निर्धारित किया गया था। (१) हैसियत के लिए—‘एच’ हिन्दू अधिकारी शुटुम्ब और ‘आर्द्ध’ अधिकारी के लिए, (२) कर निर्धारण वर्ष के लिए (३) दी गई शुद्ध धन विवरणी (रिटर्न) के लिए, (४) निर्धारित शुद्ध धन के लिए (५) देय कर के लिए गए कर के लिए है।

1. सेठ गरीश मोहन गनेरीवाला सिरसा, (1) 'आई' (2) 1973-74
(3) 21,80,660 रु (4) 21,61,600 रु (5) 97,592 रु
(6) 97,592 रु ।
2. सेठ गरीश मोहन गनेरीवाला सिरसा, (1) 'आई' (2) 1974-75
(3) 21,58,700 रु (4) 21,67,900 रु (5) 88,790 रु (6) 88,790 रु ।
3. सेठ गरीश मोहन गनेरीवाला सिरसा, (1) 'आई' (2) 1975-76
(3) 22,28,200 रु (4) 21,91,820 रु (5) 79,895 रु (6) 79,895 रु ।
4. सेठ गरीश मोहन गनेरीवाला सिरसा, (1) 'आई' (2) 1976-77
(3) 20,84,600 रु (4) 21,17,230 रु (5) 78,270 रु (6) 78,270 रु ।
5. सेठ गरीश मोहन गनेरीवाला सिरसा, (1) 'आई' (2) 1977-78
(3) 21,37,050 रु (4) 22,00,700 रु (5) 43,983 रु (6) 43,983 रु ।
6. भागवती देवी गनेरीवाला सिरसा, (1) 'आई' (2) 1973-74
(3) 24,75,000 रु (4) 26,41,450 रु (5) 1,15,888 रु (6) 1,15,888 रु ।
7. भागवती देवी गनेरीवाला सिरसा, (1) 'आई' (2) 1974-75
(3) 25,66,200 रु (4) 27,28,300 रु (5) 1,27,784 रु (6) 1,27,784 रु ।
8. भागवती देवी गनेरीवाला सिरसा (1) 'आई' (2) 1975-76
(3) 25,23,500 (4) 25,83,800 रु (5) 1,35,620 रु
(6) 1,35,620 रु ।
9. भागवती देवी गनेरीवाला सिरसा, (1) 'आई' (2) 1976-77
(3) 23,12,800 रु (4) 23,72,920 रु (5) 1,25,450 रु
(6) 1,25,450 रु ।
10. भागवती देवी गनेरीवाला सिरसा, (1) 'आई' (2) 1977-78
(3) 23,74,000 रु (4) 23,74,000 रु (5) 59,286 रु (6) 59,286 रु ।
11. सेठ नन्दलाल गनेरीवाला सिरसा, (1) 'आई' (2) 1974-75
(3) 26,28,215 (4) 27,15,200 (5) 1,36,330,
(6) 1,36,330 रु ।
12. मौ. कांशी राम दूनगरसी दास सिरसा, (1) 'एच' (2) 1976-77
(3) 9,53,500 (4) 11,53,170 (5) 47,254 रु
(6) 47,254 रु ।

[फा० स० 418(5)/78-79-मुख्या०]

टी० अर्टिं अग्रवाल, अनकर भायुक्त

(Office of the Commissioner of Wealth-tax, Haryana)

Rohtak, the 21st February, 1981

WEALTH TAX

S.O. 746.—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in the public interest to publish the names and other particulars hereinafter specified relating to assessees who have been assessed under the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) on net wealth exceeding Rs. 10 lakhs during the financial year 1978-79.

And whereas in exercise of the powers conferred by section 42A of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) and all other powers enabling them in this behalf the Central Government has by its order dated 7-1-1975 authorised all Commissioners of Wealth-tax to publish the names, addressees, status and assessment year relating to assessees within their jurisdiction and wealth returned by, the wealth assessed on, the wealth-tax payable and the wealth-tax paid by such assessees during the financial year 1978-79.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred upon me by the Central Government by its aforesaid order dated 7-1-1975, I hereby publish in Schedule, hereto annexed, the names and other particulars of the assessees aforesaid.

INCOME TAX DEPARTMENT

Names of all wealth-tax assessees assessed on net wealth exceeding Rs. 10 lakhs during the financial year 1978-79
(i) stands for status—'I' for Individual, 'H' for Hindu Undivided Family, (ii) for assessment year. (iii) for net wealth returned, (iv) for net wealth assessed, (v) for tax payable and (vi) for tax paid.

1. Seth Garish Mohan Ganeriwala Sirsa (i) 'T', (ii) 1973-74
(iii) Rs. 21,80,660, (iv) Rs. 21,61,600, (v) Rs. 97,592,
(vi) Rs. 97,592.
2. Seth Garish Mohan Ganeriwala (i) 'T', (ii) 1974-75,
(iii) Rs. 21,58,700, (iv) Rs. 21,67,900, (v) Rs. 88,790,
(vi) Rs. 88,790.
3. Seth Garish Mohan Ganeriwala (i) 'T', (ii) 1975-76,
(iii) Rs. 22,28,200, (iv) Rs. 21,91,820, (v) Rs. 79,895,
(vi) Rs. 79,895.
4. Seth Garish Mohan Ganeriwala (i) 'T', (ii) 1976-77,
(iii) Rs. 20,84,600, (iv) Rs. 21,17,230, (v) Rs. 78,270,
(vi) Rs. 78,270.
5. Seth Garish Mohan Ganeriwala (i) 'T', (ii) 1977-78,
(iii) Rs. 21,37,050, (iv) Rs. 22,00,700, (v) Rs. 43,983,
(vi) Rs. 43,983.
6. Bhagwati Devi Ganeriwala Sirsa (i) 'T', (ii) 1973-74,
(iii) Rs. 24,75,000, (iv) Rs. 26,41,450, (v) Rs. 1,15,888,
(vi) Rs. 1,15,888.
7. Bhagwati Devi Ganeriwala (i) 'T', (ii) 1974-75, (iii)
Rs. 25,66,200, (iv) Rs. 27,28,300, (v) Rs. 1,27,784,
(vi) Rs. 1,27,784.
8. Bhagwati Devi Ganeriwala (i) 'T', (ii) 1975-76,
Rs. 25,23,500, (iv) Rs. 25,83,800, (v) Rs. 1,35,620,
(vi) Rs. 1,35,620.
9. Bhagwati Devi Ganeriwala (i) 'T', (ii) 1976-77, (iii)
Rs. 23,12,800, (iv) Rs. 23,72,920, (v) Rs. 1,25,450,
(vi) Rs. 1,25,450.
10. Bhagwati Devi Ganeriwala (i) 'T', (ii) 1977-78, (iii)
Rs. 23,74,000, (iv) Rs. 23,74,000, (v) Rs. 59,286,
(vi) Rs. 59,286.
11. Seth Nand Lal Ganeriwala Sirsa (i) 'T', (ii) 1974-75,
(iii) Rs. 26,28,215, (iv) Rs. 27,15,200, (v) Rs. 1,36,330,
(vi) Rs. 1,36,330.
12. M/s. Kanshi Ram Doongarsi Dass, Sirsa (i) 'H', (ii)
1976-77, (iii) Rs. 9,53,500, (iv) Rs. 11,53,170, (v)
Rs. 47,254, (vi) Rs. 47,254.

[F. No. 418(5)/78-79/HQ]

T. R. AGGARWAL, Commissioner of Wealth Tax

भारतीय रिजर्व बैंक

RESERVE BANK OF INDIA

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 20th February, 1981

का० आ० 747.—भारतीय रिजर्व बैंक प्रधिनियम, 1934 के अनुमति में विसम्बर, 1980 के दिनांक 26-12-80 को समाप्त हुए संस्थाह के सिए लेखा

S.O. 747.—An account pursuant to the Reserve Bank of India Act, 1934 for the week ended the 26th day of December 1980

इशु विभाग

ISSUE DEPARTMENT

देयताएं LIABILITIES	रुपये Rs.	रुपये Rs.	आस्तियां ASSETS	रुपये Rs.	रुपये Rs.
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट			सोने का सिक्का और बुलियन :-		
Notes held in the Banking Department	11,27,93,000		Gold Coin and Bullion		
संचलन नोट			(क) भारत में रखा हुआ		
Notes in circulation	12916,93,19,000		(a) Held in India	225,58,25,000	
जारी किये गये कुल नोट			(ब) भारत के बाहर रखा हुआ		
Total Notes issued	12928,21,12,000		(b) Held outside India		
			विदेशी प्रतिभूतियां—		
			Foreign Securities	2414,05,75,000	
			जोड़		
			Total	2639,64,00,000	
			रुपये का सिक्का		
			Rupee Coin	58,63,81,000	
			भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां		
			Government of India Rupee Securities	10229,93,31,000	
			देशी विनियम बिल और दूसरे		
			वाणिज्य-पत्र		
			Internal Bills of Exchange and other commercial paper		
कुल देयताएं Total Liabilities	12928,21,12,000		कुल आस्तियां Total Assets		12928,21,12,000

विवरक

Dated the 31st day of December 1980.

गवर्नर

I.G. PATEL, Governor

26 विसम्बर, 1980 को भारतीय रिजर्व बैंक के बैंकिंग विभाग के कार्यकालाप का विवरण

STATEMENT OF THE AFFAIRS OF THE RESERVE BANK OF INDIA, BANKING DEPARTMENT as on the 26th December 1980

देयताएं LIABILITIES	रुपये Rs.	आस्तियां ASSETS	रुपये Rs.
कानूनी पूँजी Capital Paid up	5,00,00,000	नोट	
भारतीय निधि Reserve Fund	150,00,00,000	रुपये का सिक्का	11,27,93,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (विवरकालीन प्रबंधन) निधि National Agricultural Credit(Long Term Operations) Fund	920,00,00,000	Rupee Coin	2,26,000
		छोटा सिक्का	
		Small Coin	5,09,000

वेयतांग Liabilities	रुपये Rs.	आस्तियां Assets	रुपये Rs.
राष्ट्रीय कृषि क्रण (स्थिरीकरण) निधि National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	290,00,00,000	खरीदे और भुगाये गये बिल Bills Purchased and Discounted :—	
राष्ट्रीय श्रौद्धोगिक क्रण (शीघ्रकालीन प्रबलेन (निधि National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	1355,00,00,000	(क) देशी (a) Internal (ख) विदेशी (b) External (ग) सरकारी बजाना बिल (c) Government Treasury Bills	171,93,000
जमाराशिया :— Deposits :—		विदेशों में रखा हुआ बकाया Balances Held Abroad *	1858,81,92,000
(क) सरकारी (a) Government केन्द्रीय सरकार (i) Central Government राज्य सरकारें	68,58,98,000	निवेश Investments**	2029,75,49,000
(ii) State Governments (ख) बैंक (b) Banks प्रनुसारित बाणिज्य बैंक	11,94,35,000	ऋण और अग्रिम :— Loans and Advances to :—	1790,30,67,000
(i) Scheduled Commercial Banks प्रनुसारित राज्य सहकारी बैंक	3908,91,12,000	केन्द्रीय सरकार को (i) Central Government राज्य सरकारों को	—
(ii) Scheduled State Co-operative Banks गैर प्रनुसारित राज्य सहकारी बैंक	40,02,39,000	(ii) State Governments ②	272,78,97,000
(iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks अन्य बैंक	3,30,90,000	ऋण और अग्रिम :— Loans and Advances to :—	
(iv) Other Banks (ग) अन्य	4,09,88,000	प्रनुसारित बाणिज्य बैंकों को (i) Scheduled Commercial Banks† राज्य सहकारी बैंकों को	518,95,85,000
(c) Others देश बिल	1447,81,58,000	(ii) State Co-operative Banks† पूसरों को	421,60,76,000
Bills Payable अन्य वेयताएं	206,74,28,000	(iii) Others	6,13,71,000
Other Liabilities	1659,85,07,000	राष्ट्रीय कृषि क्रण (शीघ्रकालीन प्रबलेन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश	
		Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	
		(क) ऋण और अग्रिम :— (a) Loans and Advances to :—	
		राज्य सरकारों को	127,63,97,000
		(i) State Governments राज्य सहकारी बैंकों को	
		(ii) State Co-operative Banks	32,67,52,000
		केन्द्रीय भूमिक्षण बैंकों को	
		(iii) Central Land Mortgage Banks	—
		कृषि पुनर्वित्र और विकास निगम को	
		(iv) Agricultural Refinance and Development Corporation	313,20,00,000
		(ख) केन्द्रीय भूमिक्षण बैंकों के डिवेंचर्गों में निवेश	
		(b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures	6,45,29,000
		राष्ट्रीय कृषि क्रण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अग्रिम	
		Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	
		राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अग्रिम	
		Loans and Advances to State Co-operative Banks	116,19,35,000

देयताएँ Liabilities	रुपये Rs.	प्राप्तियाँ Assets	रुपये Rs.
		राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रबंधन) निधि से ऋण, अधिम और निवेश	
		Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	
(क) विकास बैंक को ऋण और अधिम			
(a) Loans and Advances to the Development Bank	1246,94,40,000		
(म) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांडों/डिबेंचरों में निवेश			
(b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank			—
प्रत्या प्राप्तियाँ Other Assets			1316,73,44,000
रुपये Rupees	10071,28,55,000	रुपये Rupees	10071,28,55,000

नकदी, आवधिक जमा और अस्तकालीन प्रतिनिधियाँ शामिल हैं।
Includes Cash, Fixed Deposits and Short-term Securities.

राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रबंधन) निधि और राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रबंधन) निधि में से किये गये निवेश शामिल नहीं हैं।

**Excluding Investments from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.

राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रबंधन) निधि से प्रदत्त ऋण और अधिम शामिल नहीं हैं, परन्तु राज्य सरकारों को किये गये अस्थायी प्रोब्रद्धापत्र शामिल हैं।

② Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund, but including temporary overdrafts to State Governments.

भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम की धारा 17(4)(ग) के प्रधान अनुसूचित बाणिज्य बैंकों को मीशावी बिलों पर अधिम दिये गये रुपये शामिल हैं।

†Includes Rs. Nil advanced to scheduled commercial banks against usance bill under Section 17(4)(c) of the Reserve Bank of India Act.

राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रबंधन) निधि और राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से प्रदत्त ऋण और अधिम शामिल नहीं हैं।

‡Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund.

दिनांक

Dated the 31st day of December, 1980

I.G. PATEL,

गवर्नर

Governor

[U.O. No. F.10/1/80-B.O.I]
C. W. MIRCHANDANI, Dy. Secy.

बाणिज्य संशालन

संयुक्त मुख्य नियंत्रण, आयात एवं नियांत्रित कार्यालय
बम्बई, 29 नवम्बर, 1980

सर्वश्री फैशन एपरेल्स,
53/3, गली नं. 7, मरोल एम. आई. डी. सी.,
महाकाली गुफा रोड, चकला,
अंधेरी (ईस्ट) बम्बई-400093

यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आवेदा, 1955 दिनांक 7-12-55
की कंडिका 9 के अधीन आयात लाइसेंस को रद्द करने के लिए
आदेश

का. ना. 748 :—जबकि आयात नीति 1979-80 के अनुबंध 5 एवं 7 में दर्शाई गई मदों के आयात के लिए अपम 44, 41, 808 रुपये के लिए एक अतिरिक्त लाइसेंस सं. पी./डब्ल्यू./2912220 दिनांक 7-8-79 को प्राप्त किया था;

और जबकि यह शिकायत की गई है कि उपर्युक्त लाइसेंस-धारी द्वारा स्वयं जालसज्जी से अथवा उनकी अवधेशण से प्राप्त किया गया है;

और जबकि यथा संशोधित आयात (नियंत्रक) आवेदा, 1955 की कंडिका 9(सी), 9(सीसी) और 9(डी) के अनुसार आपको जारी किया गया उपर्युक्त लाइसेंस रद्द करने का प्रस्ताव किया गया है;

अतः यह आप अधिका कोई बैंक अधिका अन्य किसी भी दूसरी पार्टी को जो लाइसेंस सं. पी/डब्ल्यू/2912220 दिनांक 7-8-79 से संर्विधित है, एतद्वारा कारण बताओ सूचना जारी की जानी है कि वह 15 दिन के अन्दर इस बात का जवाब दें कि उचित लाइसेंस को आदित: रद्द करने के लिए उनके विस्तृत प्रस्तावित कार्रवाई नयों न की जाए ।

इस नोटिस का जवाब अपेक्षित लिखित साक्ष्य के साथ लाइसेंसकारी के पास निर्धारित अवधि के भीतर पहुंच जाना चाहिए अन्यथा यह समझा जाएगा कि आपको इस विषय पर कुछ भी नहीं कहना है और मामले पर गृण-दोष के आधार पर एक तरफा निश्चय किया जाएगा । यदि आप व्यक्तिगत रूप से उपने मामले में कुछ कहना चाहते हों तो आपको व्यक्तिगत सूचनाएँ के लिए एक मौका दिया जाएगा । यदि आप इस अवसर का लाभ उठाना चाहते हों तो इस नोटिस में दिए गए स्थान और एवं पर व्यक्तिगत ग्रन्वार्ड के लिए बैंकधारा विनांक 10 दिसम्बर 1980 को अपराह्न 3 बजे अधोहस्ताक्षरी के सम्मुख उपस्थित होने के लिए, आपको अपने निदेशक/साक्षीदार/स्वार्मा को भेजना चाहिए । यदि आप व्यक्तिगत सूचनाएँ के लिए निर्धारित ग्रन्वार्ड के गई तारीख एवं समय पर नहीं पहुंचते हों तो मामले का फैसला रिकार्ड में उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर आपको बिना मूलिकत किए ही कर दिया जाएगा ।

आपसे यह भी अपेक्षा की जाती है कि आप अपने जवाब, गर्दि कोई हों तो उसके साथ उपर्युक्त मूल लाइसेंस की दोनों उन-लिपि प्रतियों को भेजें । ऐसा न करने पर आयात एवं नियात नियंत्रण अधिनियम, 1947 और इसके अन्तर्गत जारी किए गए आदेशों के अधीन उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी ।

[सं. एडीडीएल/एनआईसी/7/एएम/20/डी-पीओएल]

MINISTRY OF COMMERCE

(Office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports)

Bombay, the 29th November, 1980

M/s. Fashion Apparels,
53/3, Street No. 7, Marol, M.I.D.C.,
Mahakali Caves Road, Chakala, Andheri (East),
Bombay-400093.

Notice under Clause 9 of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended for cancellation of an import licence.

S.O. 748.—Whereas an Additional licence No. P/W/2912220 dated 7-8-1979 for Rs. 44,41,808 was obtained by you for import of items appearing in Appendices 5 and 7 of the Import Policy 1979-80.

And whereas it has since been reported that the licence referred to above has either been forged by the licensee himself or through his abetment.

And whereas it is proposed to cancel the above licence issued to you vide Clause 9(c), 9(cc) and 9(d) of the Imports (Control) Order, 1955 as amended.

Now, therefore, you or any Bank or any other party having interest in the licence No. P/W/2912220 dated 7-8-1979 are hereby called upon to show cause within 15 days why action as proposed should not be taken to cancel the said licence ab-initio.

Your reply to this notice duly supported by requisite documentary evidence to substantiate your stand should reach the undersigned within the stipulated period failing which it will be presumed that you have nothing to say and the matter will be decided ex parte on merits. If you want to be heard in person also to explain your case, an opportunity will be given to you for being heard in person. If you wish to avail of this opportunity, you should depute your Director/Partner/Proprietor to appear before the undersigned on Wednesday the 10th December, 1980 at 3.00 p.m. for personal

hearing at the place and address indicated in this notice. If you fail to attend the personal hearing on the date and time fixed for the same, the case will be decided on the basis of evidence on record without any further reference to you.

You are also hereby required to produce the original licence in duplicate referred to above alongwith your reply, if any. Failure to heed this will invite appropriate penal action under the Imports and Exports Control Act, 1947 and orders issued thereunder.

[No. Addl/Lic/7/AM-80, EP-I/ol]

मर्वशी गंगा, प्रकाश एण्ड ब्रदर्स,
603/605, जोली भवन नं. 1,
10, मरीन लाइन,
दमबई-400020 ।

यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 की कंडिका 9 के अधीन आयात लाइसेंस रद्द करने के लिए नोटिस ।

का. आ. 749 :—जबकि आयात नीति 1979-80 के अन्वर्ध 5 एवं 7 में दर्शाई गई मदों के आयात के लिए आपने 30, 08, 639/- सुधों के लिए एक अतिरिक्त लाइसेंस मं. पी/डब्ल्यू/2918209, दिनांक 26-11-1979 को प्राप्त किया था ;

और जबकि यह शिकायत की गई है कि उपर्युक्त लाइसेंस लाइसेंसधारी द्वारा स्वयं जालमाजी में अधिका उनकी अवग्रेरण में प्राप्त किया गया है ;

और जबकि यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की कंडिका 9(गी.), 9(सी.सी.) और 9(डी.) के अन्वर आपको जारी किया गया उपर्युक्त लाइसेंस रद्द करने का प्रस्ताव किया गया है ;

अतः अब, आप अधिका कोई बैंक अधिका अन्य किसी भी दूसरी पार्टी को जो लाइसेंस मं. पी/डब्ल्यू/2918209, दिनांक 20-11-1979 से सम्बन्धित है एतद्वारा कारण बताओ सूचना जारी की जाती है कि वह 15 दिनों के अन्वर इस बात का जवाब दें कि उक्त लाइसेंस को आदित: रद्द करने के लिए उनके विस्तृत प्रस्तावित कार्रवाहियां न की जाएँ ।

इस नोटिस का जवाब अपेक्षित लिखित साक्ष्य के साथ अधिकारी के पास निर्धारित अवधि के भीतर पहुंच जाना चाहिए अन्यथा यह समझा जाएगा कि आपको इस विषय पर कुछ भी नहीं कहना है और मामले पर गृण-दोष के आधार पर एक तरफा निश्चय किया जाएगा । यदि आप व्यक्तिगत रूप में उपने मामले में कुछ कहना चाहते हों, तो आपको व्यक्तिगत सूचनाएँ गए स्थान और एवं पर व्यक्तिगत सूचनाएँ के लिए बैंकधारा विनांक 10 दिसम्बर, 1980 के अपराह्न 3 बजे अधोहस्ताक्षरी के सम्मुख उपस्थित होने के लिए आप अपने निदेशक/साक्षीदार/स्वार्मा को भेजें । यदि आप व्यक्तिगत सूचनाएँ के लिए निश्चय की गई तारीख एवं समय पर नहीं पहुंचते हों तो मामले का फैसला रिकार्ड में उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर आपको बिना मूलिकत किए ही कर दिया जाएगा ।

आपने यह भी अपेक्षा की जाती है कि आप अपने जवाब, यदि कोई हो तो उसके साथ उपर्युक्त मूल लाइसेंस की दोनों अनुलिपि प्रतियों के साथ भेजें । ऐसा न करने पर आयात एवं नियात नियंत्रण अधिनियम, 1947 और इसके अन्तर्गत

जारी किए गए आदेशों के अधीन उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

[मं. एडीडीएल/एनडीएसी/133/एएम-80/ईपी-पीओएल]

M/s. S. Parkash and Bros,
603/605, Jolly Bhavan No. 1,
10, New Marine Lines,
Bombay-400020.

Notice under Clause 9 of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended for cancellation of an import licence.

S.O. 749.—Whereas an Additional licence No. P/W/2918209 dated 26-11-1979 for Rs. 30,03,659 was obtained by you for import of items appearing in Appendices 5 and 7 of the Import Policy 1979-80.

And whereas it has since been reported that the licence referred to above has either been forged by the licensee himself or through his abetment.

And whereas it is proposed to cancel the above licence issued to you vide Clause 9(c), 9(cc) and 9(d) of the Imports (Control) Order, 1955 as amended.

Now, therefore, you or any Bank or any other party having interest in the licence No. P/W/2918209 dated 26-11-1979 are hereby called upon to show cause within 15 days why action as proposed should not be taken to cancel the said licence ab-initio.

Your reply to this notice duly supported by requisite documentary evidence to substantiate your stand should reach the undersigned within the stipulated period failing which it will be presumed that you have nothing to say and the matter will be decided ex parte on merits. If you want to be heard in person also to explain your case, an opportunity will be given to you for being heard in person. If you wish to avail of this opportunity, you should depute your Director/Partner/Proprietor to appear before the undersigned on Wednesday the 10th December, 1980 at 3.00 p.m. for personal hearing at the place and address indicated in this notice. If you fail to attend the personal hearing on the date and time fixed for the same, the case will be decided on the basis of evidence on record without any further reference to you.

You are also hereby required to produce the original licence in duplicate referred to above alongwith your reply, if any. Failure to heed this will invite appropriate penal action under the Imports and Exports Control Act, 1947 and orders issued thereunder.

[No. Addl./LIC/133/AM-80/EP-Pol.]

लम्बाई, 4 विसम्बर, 1980

सर्वश्री फैशन एपरेल्स,

53/3, गली नं. 7, मरोल एम. आई. डी. सी.,

महाकाली गांधी रोड, चकला, अंधेरी (ईस्ट),

लम्बाई-400093।

यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 की कैडिका 9 के अधीन आयात लाइसेंस रद्द करने के लिए नोटिस।

का. आ. 750.—जबकि आयात नीति 1980-81 के अनुबंध 5 एवं 7 में दर्शाई गई मद के आयात के लागे आपने 49,00,556/- रुपये के लिए एक अतिरिक्त लाइसेंस मं. पी/डब्ल्यू/0377201, दिनांक 1-9-1980 को प्राप्त किया था।

और जबकि यह शिकायत की गई है कि उपर्युक्त लाइसेंस लाइसेंसकारी द्वारा स्वयं जालसाजी में अभाव उनकी अवग्रेशण से प्राप्त किया गया है।

और जबकि यथा संशोधित आयात (नियंत्रण), 1955 की कैडिका 9(सी), 9(मीसी), 9(डी) के अनुसार आपको जारी किया गया उपर्युक्त लाइसेंस रद्द करने का प्रस्ताव किया गया है।

अतः अब, आप अधिका कोई बांक अधिका अन्य किसी भी लूपसी पाटी को जो लाइसेंस सं. पी/डब्ल्यू/0377201, दिनांक 1-9-1980 से संवीधित है एतद्वारा कारण बताओ सूचना जारी की जाती है कि वह 15 दिनों के अन्दर इस बात का जवाब दें कि उक्त लाइसेंस को आदित: रद्द करने के लिए उनके विचल्प प्रस्तावित कार्रवाई क्यों न की जाए।

इस नोटिस का जवाब अपेक्षित निश्चित साक्ष्य के साथ अधोलिप्ताक्षरी के पास निर्धारित अवधि के भीतर पहुंच जाना चाहिए अन्यथा यह समझा जाएगा कि आपको इस विषय में कछ भी नहीं कहना है और मामले पर गण-दोष के आधार पर एक तरफा निश्चय किया जाएगा। यदि आप व्यक्तिगत रूप से अपने मामले में कछ कहना चाहते हैं तो आपको व्यक्तिगत सुनवाई के लिए एक मौका दिया जाएगा। यदि आप इस अवसर का लाभ उठाना चाहते हों तो इस नोटिस में दर्शाए गए गत 3 दिनों पर व्यक्तिगत सुनवाई के लिए गुरुवार दिनांक 10 दिसम्बर, 1980 के अपारहन 3 बजे अधोलिप्ताक्षरी के ममाल उपस्थित होने के लिए आपको अपने निदेशक/साभीदार/स्वामी को भेजना चाहिए। यदि आप व्यक्तिगत सुनवाई के लिए निश्चित की गई तारीख एवं समय पर नहीं पहुंचते हैं तो मामले का फैसला रिकार्ड में उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर आपको बिना मूलिक किए ही कर लिया जाएगा।

आपसे यह भी अपेक्षा की जाती है कि आप अपने जवाब, यदि कोई हो तो उसके साथ उपर्युक्त मूल लाइसेंस की बोनों अनुलिपि प्रतियों को साथ भेजें। ऐसा न करने पर आयात एवं नियात नियंत्रण अधिनियम, 1947 और इसके अन्तर्गत जारी किए गए अदेशों के अधीन उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

[मं. एडीडीएल/114/030762/एएम-81/एल/ईपी-पी-ओएल]

Bombay, the 4th December, 1980

M/s. Fashion Apparels,
53/3, Street No. 7, Marol M.I.D.C.,
Mahakali Caves Road, Chakala, Andheri (East),
Bombay-400093.

Notice under Clause 9 of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended for cancellation of an Import Licence.

S.O. 750.—Whereas an Additional Licence No. P/W/0377201, dated 1-9-1980 for Rs. 4900556 was obtained by you for import of items appearing in appendices 5 and 7 of the Import Policy 1980-81.

And whereas it is proposed to cancel the above licence issued referred to above has either been forged by the licensee himself or through his abetment.

And whereas it is proposed to cancel the above licence issued to you vide Clause 9(c), 9(cc) and 9(d) of the Imports (Control) Order, 1955 as amended.

Now, therefore, you or any Bank or any other party having interest in the licence No. P/W/0377201 dated 1-9-1980 are hereby called upon to show cause within 15 days why action as proposed should not be taken to cancel the said licence ab-initio.

Your reply to this notice duly supported by requisite documentary evidence to substantiate your stand should reach the

undersigned within the stipulated period failing which it will be presumed that you have nothing to say and the matter will be decided ex-parte on merits. If you want to be heard in person also to explain your case, an opportunity will be given to you for being heard in person. If you wish to avail of this opportunity, you should depute your Director/Partner/Proprietor to appear before the undersigned on Wednesday the 10th December, 1980 at 3.00 p.m. for personal hearing at the place and address indicated in this notice. If you fail to attend the personal hearing on the date and time fixed for the same, the case will be decided on the basis of evidence on record without any further reference to you.

You are also hereby required to produce the original licence in duplicate referred to above alongwith your reply, if any. Failure to heed this will invite appropriate penal action under the Imports and Exports Control Act, 1947 and the Orders issued thereunder.

[No. Addl. 114/030762/AM-81/1/EP-Pol.]

दस्तावेज़, 11 दिसम्बर, 1980

मर्दश्री श्री एन्ट्रराष्ट्रियस,

146-सतगारु नानक इंडियन एस्टेट,
ग. एक्सप्रेस हाईवे, गोरिगांव (हिंदू)
दस्तावेज़-400063।

मंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 की काडिका 9 के अधीन आयात नाइसेंस रद्द करने के लिए नोटिस।

का. आ. 751.—जबकि आयात नीति 1979-80 के अनु-अन्ध 5 एवं 7 में दर्शाई गई मदों के आश्वास के लिए आपने 17, 51, 648/- रुपये के लिए एक अतिरिक्त नाइसेंस सं। पी/डब्ल्यू/2907833, दिनांक 31-3-1979 को प्राप्त किया था।

और जर्नाल यह शिकायत की गई है कि उपर्युक्त नाइसेंस नाइसेंसधारी द्वारा स्वयं वालमाजी से अथवा उनकी अवग्रेणा से प्राप्त किया गया है।

और जबकि यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की काडिका 9(सी), 9(सीसी) और 9(डी) के अनुसार आगांते जारी किया गया उपर्युक्त नाइसेंस रद्द करने का प्रस्ताव किया गया है।

अतः अब, आप अथवा कोई लैंक अथवा अन्य किसी भी हस्ताक्षरी को नाइसेंस में पी/डब्ल्यू/2907833, दिनांक 31-3-1979 से सम्बन्धित है, एतद्वारा कारण बताओ सूचना जारी की जानी है कि वह 15 दिन के अन्दर इस बात का जवाब दें कि उक्त नाइसेंस को आदितः रद्द करने के लिए उनके विक्षु प्रस्तावित कार्रवाही वयों न की जाए।

इस नोटिस का जयात्र अपेक्षित निषिद्धि साक्ष्य के साथ अधोहस्ताक्षरी के पास निर्भारित अवधि के भीतर प्रदूष्य जाना चाहिए अन्यथा यह समझा जाएगा कि आपको इस विषय में कुछ भी नहीं कहना है और मामले पर गुण-दोष के आधार पर पूर्क तरफ निषिद्धि किया जाएगा। यदि आप व्यक्तिगत रूप से अपने मामले में कूछ कहना चाहते हैं तो आपके व्यक्तिगत मनवाही के लिए एक मौका दिया जाएगा। यदि आप इस अवसर का नाम उठाना चाहते हैं तो इस नोटिस में दर्शाए गए स्थान और पर्याप्त पर व्यक्तिगत मनवाही के लिए ब्रह्मवार दिनांक 10 दिसम्बर, 1980 को अपराह्न 3 बजे अधोहस्ताक्षरी के सम्मुख उपस्थित होने के लिए आगांको अपने निदेशक/सामी-दार/स्वामी को भेजना चाहिए। यदि आप व्यक्तिगत सुनवाई के लिए निषिद्धि की गई तारीख एवं समय पर नहीं पहुंचते हैं तो मामले का फैसला रिकार्ड में उपबन्ध साक्ष्य के आधार पर आगांको बिना संचित किए ही कर लिया जाएगा।

आपसे यह भी अपेक्षा की जाती है कि आप अपने जवाब, यदि कोई हो तो उसके साथ उपर्युक्त भूल नाइसेंस की दोनों अनुलिपि प्रतियां भेजें। ऐसा न करने पर आयात एवं नियात नियंत्रण अधिनियम, 1947 और इसके अंतर्गत जारी किए गए आदेशों के अधीन उचित कानूनी कार्रवाही की जाएगी।

[सं. एडीडीएन/एलआईसी/200/020353/एएम-79/ही-पीओएल/836]

जी. बार. नायर, उप-मूख्य नियंत्रक,
(आयात-नियात)

Bombay, the 11th December, 1980

M/s. Shree Enterprises,
146, Satgurunanak Industrial Estate,
Western Express Highway, Goregaon (East),
Bombay-400063.

Notice under Clause 9 of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended for cancellation of an Import licence.

S.O. 751.—Whereas an Additional Licence No. P/W/2907833 dated 31-3-1979 for Rs. 17,51,648 was obtained by you for import of items appearing in Appendices 5 and 7 of the Import Policy 1979-80.

And whereas it has since been reported that the licence referred to above has either been forged by the licensee himself or through his abetment.

And whereas it is proposed to cancel the above licence issued to you vide Clause 9(c), 9(cc) and 9(d) of the Imports (Control) Order, 1955 as amended.

Now, therefore, you or any Bank or any other party having interest in the licence No. P/W/2907833 dated 31-3-1979 are hereby called upon to show cause within 15 days why action as proposed should not be taken to cancel the said licence ab-initio.

Your reply to this notice duly supported by requisite documentary evidence to substantiate your stand should reach the undersigned within the stipulated period failing which it will be presumed that you have nothing to say and the matter will be decided ex-parte on merits. If you want to be heard in person also to explain your case, an opportunity will be given to you for being heard in person. If you wish to avail of this opportunity, you should depute your Director/Partner/Proprietor to appear before the undersigned on Friday the 19th December, 1980 at 3.30 p.m. for personal hearing at the place and address indicated in this notice. If you fail to attend the personal hearing on the date and time fixed for the same, the case will be decided on the basis of evidence on record without any further reference to you.

You are also hereby required to produce the original licence in duplicate referred to above along with your reply, if any, failure to heed this will invite appropriate penal action under the Imports and Exports Control Act, 1947 and the orders issued thereunder.

[No. Addl./LIC/200/020353/AM.79/EP.POL/836]
G. R. NAIR, Dy. Chief Controller
of Imports and Exports.

विधास आयुक्त का कार्यालय

सान्ताकुज इलेक्ट्रोनिक्स नियात संसाधन शोभ

दस्तावेज़, 22 जनवरी, 1981

रद्द करने का आदेश

का. आ. 752.—सर्वश्री हन्डोसिल लि., सीफज, ब्रम्बई को प्राप्त एकीगत माल का आदान करने के लिए 3, 92, 275

रूपये के लिए सीमा शुल्क निकासी परिमिट सं. फी/जे/3049349/एन/76/एल/79, दिनांक 25 जूलाई, 1979 जारी किया गया था। पार्टी ने प्रतिवेदन किया है कि उनसे सीमा शुल्क निकासी परिमिट स्थो गया/अस्थानस्थ हो गया है और उक्त सीमा शुल्क निकासी परिमिट की अनुनिष्ट प्रति जारी करने के लिए अनुरोध किया है।

आगे यह भी बताया गया है कि सीमा शुल्क निकासी परिमिट महायक सीमा शुल्क समाहर्ता, सीपज, बम्बई के पास पंजीकृत कराया गया है।

यह भी बताया गया है कि सीमा-शुल्क निकासी परिमिट 2,72,399 रुपए तक उपयोग में लाया गया है और उसमें 1,19,876 रुपए की धनराशि शेष है।

उक्त विवरण के समर्थन में आवेदक फर्म ने आयात-नियंत्रण क्रियाविधि हैंडबुक 1980-81 के पैरा 352-354 के अन्तर्गत आपेक्षित एक शपथ पत्र दाखिल किया है। मैं सत्त्वरूप हूँ कि मूल सीमा शुल्क निकासी परिमिट स्थो गया/अस्थानस्थ हो गया है।

यथा संशोधित आयात व्यापार नियंत्रण 1955 दिनांक 7-12-55 की धारा 9(सीसी) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं उक्त सीमा शुल्क निकासी परिमिट को रद्द करने का आवेदा देता हूँ।

1980-81 के लिए नियम एवं क्रियाविधि हैंडबुक की कार्डिका 352-354 के अन्तर्गत सीमा शुल्क निकासी परिमिट की अनलिपि प्रति जारी करने के लिए आवेदक के मामले पर अब विचार किया जाएगा।

[सं. अई टी सी/4/1979-80/सी जी/सीपज/1010]

ए. जी. कृष्णन, उप-विकास आयुक्त (आयात एवं नियंत्रण)

Office of the Development Commissioner

(Santacruz Electronics Export Processing Zone)

Bombay, the 22nd January, 1981

CANCELLATION ORDER

S.O. 752.—M/s. Indocil Ltd, SEEPZ, Bombay, was granted CCP No. P/J/3049349/N/76/L/79, dated 25th July, 1979 for Rs. 3,92,275 for import of Secondhand Capital Goods. The firm have reported that they have lost/misplaced the CCP No. P/J/3049349/N/76/L/79, dated 25th July, 1979 said CCP.

It is further stated that the C.C.P. has been registered with the Asstt. Collector of Customs, SEEPZ, Bombay.

It is also stated that the C.C.P. has been utilized to the extent of Rs. 2,72,399 bearing an unutilized balance of Rs. 1,19,876.

The applicant firm has filed an affidavit in support of the above statement as required under para 352-354 of Hand Book of Import Export Procedure 1980-81. I am satisfied that the Original C.C.P. has been lost/misplaced.

In exercise of the powers conferred on me under Section 9(cc) of Import Trade Control Order 1955 dated 7-12-1955 as amended, I order the cancellation of the said Customs Clearance Permit.

The applicant's case will now be considered for the issue of Duplicate Copy of CCP in accordance with paras 352-354 of Hand Book of Rules and Procedure for 1980-81.

[No. ITC/4/1979-80/CG/SEEPZ/1010]

A. G. KRISHNAN, Dy. Development Commissioner (I&E)

नागरिक पर्वत संशोधन

भारतीय सामरक संस्था

नई दिल्ली, 1981-02-12

का. आ० 733.—ममत-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणित धिन) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन 286 लाइसेंसों के ध्यारे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, उनका जनाई 1980 में नवीकरण किया जाता है।

अनुसूची

क्रम संख्या	सी.एच/प्र०	वैध	भारतीय मानक विभागित की पद संख्या	
			ने	तक
1	2	3	4	5
1. 11		80-06-16	81-06-15	IS : 1660 (भाग 1) --1967
2. 30		80-07-01	81-06-30	IS : 1660 (भाग 2 प्र० 3) --1972
3. 137		80-07-01	81-06-30	IS : 1660 (भाग 4) --1977
4. 175		80-07-01	81-06-30	IS : 220--1975 IS : 1581--1960
5. 555		80-07-16	81-07-15	IS : 398 (भाग 1 प्र० 2) --1976
6. 637		80-07-16	81-07-15	IS : 226--1975
7. 638		80-07-16	81-07-15	IS : 1977--1975
8. 681		80-07-01	81-06-30	IS : 226--1975
9. 682		80-07-01	81-06-30	IS : 1977--1975
10. 685		80-06-01	81-05-31	IS : 226--1975
11. 686		80-06-01	81-05-31	IS : 1977--1975
12. 699		80-07-16	81-07-15	IS : 1675--1971
13. 776		80-08-01	81-07-31	IS : 419--1967
14. 809		80-07-01	81-06-30	IS : 226--1975
15. 810		80-07-01	81-06-30	IS : 1977--1975
16. 1052		80-05-01	81-04-30	IS : 1029--1970
17. 1120		80-07-01	81-06-30	IS : 226--1975
18. 1121		80-07-01	81-06-30	IS : 1977--1975
19. 1137		80-07-01	81-06-30	IS : 1554 (भाग 1) --1976
20. 1215		80-07-16	81-07-15	IS : 2062--1969
21. 1220		80-07-01	81-06-30	IS : 1855--1961 प्र० IS : 1856--1970
22. 1248		80-07-01	81-06-30	IS : 2266--1970 प्र० IS : 2381--1968
23. 1298		80-07-16	81-07-15	IS : 280--1972

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
24. 1369	80-06-16	81-06-15	IS : 709--1974 श्रीर	69. 3421	80-07-01	81-06-30	IS : 834--1975		
			IS : 710--1976	70. 3446	80-07-01	81-06-30	IS : 10 (भाग 2)--		
25. 1378	80-06-16	81-06-15	IS : 1554 (भाग 1)--	71. 3449	80-07-01	81-06-30	IS : 561--1978		
26. 1382	80-07-01	81-06-30	IS : 1222--1973	72. 3450	80-07-01	81-06-30	IS : 2567--1978		
27. 1388	80-07-01	81-06-30	IS : 308 (भाग 2)--	73. 3451	80-07-01	81-06-30	IS : 1307--1973		
28. 1585	80-07-01	81-06-30	IS : 10 (भाग 3)--	74. 3460	80-07-01	81-06-30	IS : 10 (भाग 2)--		
			1974	75. 3463	80-07-01	81-06-30	IS : 1786--1966		
29. 1661	80-04-01	81-03-31	IS : 1977--1975	76. 3464	80-07-01	81-06-30	IS : 226--1975		
30. 1665	80-04-01	81-03-31	IS : 226--1975	77. 3471	80-07-16	81-07-15	IS : 7283--1974		
31. 1873	80-07-01	81-06-30	IS : 2802--1964	78. 3472	80-07-16	81-07-15	IS : 3930--1966		
32. 1880	80-07-01	81-06-30	IS : 2202 (भाग 1)--	79. 3474	80-07-16	81-07-15	IS : 4432--1967		
			1966	80. 3475	80-07-16	81-07-15	IS : 5517--1969		
33. 1948	80-07-01	81-06-30	IS : 133--1965	81. 3481	80-07-16	81-07-15	IS : 10 (भाग 4)--		
34. 1986	80-06-16	83-06-15	IS : 398 (भाग 1 श्रीर	82. 3482	80-07-16	81-07-15	IS : 1929--1961		
			2)--1976	83. 3532	79-03-16	80-03-15	IS : 6914--1973		
35. 1997	80-07-01	81-06-30	IS : 398 (भाग 1 श्रीर	84. 3551	80-05-01	81-04-30	IS : 1786--1966		
			2)--1976	85. 3616	80-08-01	81-07-31	IS : 561--1972		
36. 2068	80-07-01	81-06-30	IS : 269--1976	86. 3637	80-07-01	81-06-30	IS : 6914--1973		
37. 2207	80-07-01	81-06-30	IS : 1786--1966	87. 3638	80-07-01	81-06-30	IS : 6915--1973		
38. 2228	80-07-01	81-06-30	IS : 4057--1967	88. 3641	80-07-01	81-06-30	IS : 10 (भाग 4)		
39. 2284	80-04-01	81-03-31	IS : 10 (भाग 3)--				1976		
			1976						
40. 2287	80-06-16	81-05-01	IS : 226--1975						
41. 2288	80-06-01	81-05-31	IS : 1977--1975						
42. 2399	80-06-01	81-05-31	IS : 3196--1974						
43. 2401	80-07-01	81-06-30	IS : 1786--1966						
44. 2464	80-06-01	81-05-31	IS : 7452--1974						
45. 2687	80-06-01	81-05-31	IS : 1067--1968						
46. 2708	80-07-01	81-06-30	IS : 4199--1974						
47. 2719	80-08-01	81-07-31	IS : 2711--1966						
48. 2766	80-06-16	81-06-15	IS : 5872--1973						
49. 2780	80-06-16	81-06-15	IS : 3975--1967						
50. 2788	80-07-01	81-06-30	IS : 3975--1967						
51. 2818	80-06-01	81-05-31	IS : 1786--1966						
52. 2845	80-07-01	81-06-30	IS : 5884--1970						
53. 2973	80-07-16	81-07-15	IS : 226--1975						
54. 2981	80-04-01	81-03-31	IS : 4984--1978						
55. 2997	80-04-01	81-03-31	IS : 2509--1973						
56. 3044	80-05-01	81-04-30	IS : 226--1975						
57. 3045	80-05-01	81-04-30	IS : 1977--1975						
58. 3092	80-07-16	81-07-15	IS : 1786--1966						
59. 3095	80-07-16	81-07-15	IS : 4985--1968						
60. 3103	80-07-16	81-07-15	IS : 2108--1962						
61. 3274	80-06-16	81-06-15	IS : 3930--1966						
62. 3275	80-06-16	81-06-15	IS : 4431--1967						
63. 3276	80-06-16	81-06-15	IS : 5517--1969						
64. 3277	80-06-16	81-06-15	IS : 3195--1975						
65. 3278	80-06-16	81-06-15	IS : 3885 (भाग 1)--						
			1966 श्रीर						
			IS : 3885 (भाग 2)--						
			1969						
66. 3304	80-06-16	81-06-15	IS : 7283--1974						
67. 3305	80-06-16	81-06-15	IS : 4432--1967						
68. 3364	80-07-01	81-06-30	IS : 916--1975						

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
118.	4217	80-07-16	82-02-28	IS : 2567-1978	168.	5353	80-07-16	81-07-15	IS : 10 (भाग 1)-
119.	4244	80-07-16	81-07-15	IS : 4368-1967					1976
120.	4303	80-04-16	81-04-15	IS : 2906-1969	169.	5359	80-07-16	81-07-16	IS : 1601-1960
121.	4313	80-04-16	81-04-15	IS : 4497-1968	170.	5361	80-07-16	81-07-16	IS : 419-1967
122.	4396	80-06-16	81-06-15	IS : 2024-1970	171.	5391	80-08-01	81-07-31	IS : 1660 (भाग 1)
123.	4445	80-08-01	80-07-31	IS : 325-1970					1967
124.	4446	80-07-01	81-06-30	IS : 2888-1974	172.	5394	80-08-01	81-07-31	IS : 601-1960
125.	4455	80-07-01	81-06-30	IS : 325-1970	173.	5407	80-08-01	81-07-31	IS : 780-1969
126.	4460	80-07-01	81-06-30	IS : 325-1970	174.	5453	80-07-01	81-06-30	IS : 6915-1978
127.	4469	80-07-16	81-07-15	IS : 1601-1960	175.	5598	80-07-01	81-06-30	IS : 7122-1973
128.	4472	80-05-01	81-04-30	IS : 398-1976	176.	5646	80-07-01	81-06-30	IS : 781-1977
129.	4473	80-07-16	81-07-15	IS : 565-1975	177.	5696	80-07-16	81-07-15	IS : 633-1975
130.	4487	80-07-16	81-07-15	IS : 633-1975	178.	5761	80-07-01	81-06-30	IS : 6915-1978
131.	4503	80-08-01	81-07-31	IS : 916-1975	179.	5803	80-04-01	81-03-31	IS : 398 (भाग 1 प्रौद्योग 2)
132.	4562	80-07-01	81-06-30	IS : 6914-1978					1976
133.	4577	80-08-16	81-08-15	IS : 3903-1975	180.	5823	80-04-01	81-03-31	IS : 1977-1975
134.	4589	80-08-01	81-07-31	IS : 1239-1973	181.	5904	79-03-16	80-03-15	IS : 8056-1976
135.	4666	80-07-01	81-06-30	IS : 564-1975	182.	5930	79-02-01	80-01-31	IS : 1165 1975
136.	4826	80-07-01	81-06-30	IS : 2692-1978	183.	6043	80-07-01	81-06-30	IS : 810-1974
137.	4853	80-07-01	81-06-30	IS : 633-1975	184.	6047	80-06-01	81-05-31	IS : 1251-1973
138.	4854	80-07-01	81-06-30	IS : 4323-1967	185.	6050	80-05-01	81-04-30	IS : 226-1975
139.	4859	80-06-16	81-06-15	IS : 7406-1974	186.	6077	80-05-16	81-05-15	IS : 633-1975
140.	4896	79-03-16	80-03-15	IS : 2255-1969	187.	6103	80-05-16	81-05-15	IS : 398 (भाग 1 प्रौद्योग 2) 1976
141.	4912	80-05-16	81-05-15	IS : 7538-1975					
142.	4934	80-08-01	81-07-31	IS : 458-1971	188.	6118	80-06-01	81-05-31	IS : 10 (भाग 4) 1976
143.	4946	80-05-01	81-04-30	IS : 4985-1968					
144.	5033	80-07-16	81-07-15	IS : 2567-1978	189.	6124	80-06-01	81-05-31	IS : 2580-1965
145.	5112	80-07-01	81-06-30	IS : 1223 (भाग 1)-1970	190.	6149	80-07-16	81-07-15	IS : 4964 (भाग 2)-1975
146.	5116	80-07-01	81-06-30	IS : 4929-1978	191.	6155	80-06-16	81-06-15	IS : 1341-1976
147.	5120	80-07-01	81-06-30	IS : 398 (भाग 1 प्रौद्योग 2)-1976	192.	6164	80-06-16	81-06-15	IS : 5410-1969
148.	5130	80-07-01	81-06-30	IS : 226-1975	193.	6179	80-07-01	81-06-20	IS : 7138-1973
149.	5131	80-07-01	81-06-30	IS : 1977-1975	194.	6181	80-07-01	81-06-30	IS : 934-1976
150.	5148	80-05-01	81-04-30	IS : 7406-1974	195.	6191	80-07-01	81-06-30	IS : 2834-1964
151.	5184	80-07-01	81-12-15	IS : 561-1972	196.	6195	80-07-01	81-06-30	IS : 6914-1978
152.	5207	80-05-16	81-05-15	IS : 7371-1975	197.	6196	80-07-01	81-06-30	IS : 6915-1978
153.	5213	80-07-16	81-07-15	IS : 1977-1975	198.	6200	80-07-01	81-06-30	IS : 1166-1973
154.	5254	80-06-01	81-04-30	IS : 2347-1974	199.	6206	80-07-01	81-06-30	IS : 3062-1974
155.	5265	80-06-01	81-05-31	IS : 3749-1966	200.	6217	80-07-01	81-06-30	IS : 2567-1973
156.	5277	80-06-16	81-06-15	IS : 4323-1967	201.	6220	80-08-01	81-07-31	IS : 2567-1973
157.	5287	80-06-16	81-06-15	IS : 5950-1971	202.	6224	80-07-16	81-07-15	IS : 7946-1976
158.	5289	80-06-16	81-06-15	IS : 2906-1969	203.	6228	80-07-16	81-07-15	IS : 4964 (भाग 2) 1975
159.	5290	80-06-16	81-06-15	IS : 6914-1973					
160.	5291	80-06-16	81-06-15	IS : 6915-1973	204.	6230	80-07-01	81-06-30	IS : 1660 (भाग 1)-1967
161.	5298	80-06-16	81-06-15	IS : 398 भाग 1 प्रौद्योग 2) 1976					IS : 1660 (भाग 2) 1972
162.	5312	80-07-01	81-06-30	IS : 1536-1976					IS : 1660 (भाग 3) 1972
163.	5313	80-07-01	81-05-30	IS : 1538-1976					IS : 1660 (भाग 4) 1977
164.	5318	80-07-01	81-06-30	IS : 398 (भाग 1 प्रौद्योग 2) 1976					
165.	5332	79-03-16	80-03-15	IS : 758-1975	205.	6239	80-07-16	81-07-15	IS : 1165-1975
166.	5344	80-07-16	81-07-15	IS : 6915-1973	206.	6246	80-07-16	81-07-15	IS : 778-1971
167.	5350	80-07-16	81-07-15	IS : 6914-1973	207.	6247	80-07-01	81-06-30	IS : 6595-1973

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
208	6253	80-07-16	81-07-15	IS : 814 (भाग 1) -- 1974	256.	7717	80-05-01	81-04-30	IS : 6914-1973
209.	6259	80-08-01	81-07-31	IS : 633-1975	257.	7719	80-05-01	81-04-30	IS : 2645-1975
210.	6263	80-07-01	81-06-30	IS : 1115-1973	258.	7724	80-05-01	81-04-30	IS : 226-1975
211.	6312	80-08-01	81-07-31	IS : 1061-1975	259.	7749	80-05-16	81-05-15	IS : 778-1971
212.	6314	80-07-01	81-06-30	IS : 1970 (भाग 1) --1974	260.	7791	80-06-16	81-06-15	IS : 3984-1967
					261.	7803	80-07-01	81-06-30	IS : 398- (भाग 1 और 2) --1976
213.	6317	80-08-01	81-07-31	IS : 1165-1975	262.	7804	80-07-01	81-06-30	IS : 1786-1966
214.	6351	80-07-16	81-07-15	IS : 561-1978	263.	7805	80-07-01	81-06-30	IS : 1977-1975
215.	6245	80-07-16	81-07-15	IS : 781-1977	264.	7806	80-07-01	81-06-30	IS : 226-1975
216.	6825	80-07-16	81-07-15	IS : 398-1976	265.	7815	80-07-01	81-06-30	IS : 10 (भाग 2) -- 1976
217.	6879	80-07-01	81-06-30	IS : 5279-1969	266.	7816	80-07-01	81-06-30	IS : 1978-1971
218.	6895	80-05-01	81-04-30	IS : 1554 (भाग 1) -- 1976	267.	7817	80-07-01	81-06-30	IS : 398 (भाग 1 और 2) --1976
219.	6950	80-04-16	81-04-15	IS : 6003-1970	268.	7823	80-07-01	81-06-30	IS : 7406-1974
220.	6964	80-04-16	81-04-15	IS : 2834-1964	269.	7825	80-07-01	83-06-30	IS : 10 (भाग 2) -- 1976
221.	6970	80-04-16	81-04-15	IS : 1877-1975	270.	7826	80-07-16	81-07-15	IS : 2339-1963
222.	6972	80-07-16	81-07-15	IS : 3575-1977	271.	7827	80-07-01	81-06-30	IS : 1786-1966
223.	6980	80-05-01	81-04-30	IS : 562-1978	272.	7828	80-07-16	81-07-15	IS : 564-1975
224.	6987	80-05-01	81-04-30	IS : 2148-1969	273.	7830	80-07-16	81-07-15	IS : 8391-1977
225.	7013	80-06-01	81-05-31	IS : 226-1973	274.	7831	80-07-16	81-07-15	IS : 774-1971
226.	7017	80-06-01	81-05-31	IS : 4948-1974	275.	7836	80-07-16	81-07-15	IS : 1370-1976
227.	7029	80-06-16	81-06-15	IS : 2861-1964	276.	7838	80-07-16	81-07-15	IS : 261-1966
228.	7033	80-06-16	81-06-15	IS : 778-1971	277.	7840	80-07-16	81-07-15	IS : 916-1975
229.	7037	80-06-16	81-06-15	IS : 325-1978	278.	7847	80-07-16	81-07-15	IS : 1507-1966
230.	7038	80-06-16	81-06-15	IS : 325-1970	279.	7848	80-07-16	81-07-15	IS : 7122-1973
231.	7058	80-07-01	81-06-30	IS : 1780-1966	280.	7849	80-07-16	81-07-15	IS : 4964 (भाग 2) -- 1975
232.	7059	80-07-01	81-06-30	IS : 366-1976					
233.	7060	80-07-01	81-06-30	IS : 1222-1973					
234.	7061	80-07-01	81-06-30	IS : 5410-1969					
235.	7067	80-07-01	81-06-30	IS : 398 (भाग 2) -- 1976					
236.	7072	80-07-01	81-06-30	IS : 427-1967	281.	7854	80-07-16	81-07-15	IS : 2878-1976
237.	7073	80-07-01	81-06-30	IS : 133-1975	282.	7862	80-08-01	81-07-31	IS : 4654-1974
238.	7077	80-07-01	81-06-30	IS : 2082-1965	283.	7870	80-08-01	81-07-31	IS : 1601-1960
239.	7079	80-07-01	81-06-30	IS : 2645-1973	284.	7873	80-08-01	81-07-31	IS : 10 (भाग 4) -- 1976
240.	7086	80-07-01	81-06-30	IS : 934-1976	285.	7876	80-08-01	81-07-31	IS : 1601-1960
241.	7094	80-07-01	81-06-30	IS : 2834-1964	286.	7877	80-08-01	81-07-31	IS : 1788-1966
242.	7098	80-07-16	81-07-15	IS : 2567-1978					
243.	7102	80-07-16	81-07-15	IS : 6003-1970					
244.	7106	80-07-16	81-07-15	IS : 633-1975					
245.	7119	80-07-01	81-06-30	IS : 2878-1976					
246.	7122	80-08-01	81-07-31	IS : 10 (भाग 2) -- 1976					
247.	7412	79-12-18	80-12-15	IS : 7452-1974					
248.	7460	80-07-01	81-06-30	IS : 1601-1960					
249.	7461	80-07-01	81-06-30	IS : 6595-1972					
250.	7521	80-08-01	81-07-31	IS : 1879 (भाग 1) --1975					
251.	7606	80-03-16	81-03-15	IS : 4654-1974					
252.	7614	80-03-18	81-03-15	IS : 7121-1973					
253.	7682	80-04-16	81-04-15	IS : 7538-1975					
254.	7700	80-04-16	81-04-15	IS : 6914-1978					
255.	7701	80-04-16	81-04-15	IS : 6915-1978					

[सं. सी. एम. बी/13 : 12]

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES
INDIAN STANDARDS INSTITUTION
New Delhi, the 1981-02-12

S. O. 753.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that 286 licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been renewed during the month of July 1980 :

SCHEDULE					(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
Sl. No.	C.M./L No.	Valid From		Indian Standard Specification No.	54.	2981	80-04-01	81-03-31	IS : 4984—1978
		to	(3)	(4)	55.	2997	80-04-01	81-03-31	IS : 2509—1973
(1)	(2)			(5)	56.	3044	80-05-01	81-04-30	IS : 226—1975
					57.	3045	80-05-01	81-04-30	IS : 1977—1975
					58.	3092	80-07-16	81-07-15	IS : 1786—1966
					59.	3095	80-07-16	81-07-15	IS : 4985—1968
1. 11		80-06-16	81-06-15	IS : 1660 (Part I)—1967 IS : 1660 (Parts II & III) 1972 IS : 1660 (Part IV)—1977	60.	3103	80-07-16	81-07-15	IS : 2108—1962
2. 30		80-07-01	81-06-30	IS : 269—1976	61.	3274	80-06-16	81-06-15	IS : 3930—1966
3. 137		80-07-01	81-06-30	IS : 10 (Pt II)—1976	62.	3275	80-06-16	81-06-15	IS : 4431—1967
4. 175		80-07-01	81-06-30	IS : 220—1975 IS : 1581—1960	63.	3276	80-06-16	81-06-15	IS : 5517—1969
5. 555		80-07-16	81-07-15	IS : 398 (Pt I & II)—1976	66.	3304	80-06-16	81-06-15	IS : 7283—1974
6. 637		80-07-16	81-07-15	IS : 226—1975	67.	3305	80-06-16	81-06-15	IS : 4432—1967
7. 638		80-07-16	81-07-15	IS : 1977—1975	68.	3364	80-07-01	81-06-30	IS : 916—1975
8. 681		80-07-01	81-06-30	IS : 226—1975	69.	3421	80-07-01	81-06-30	IS : 834—1975
9. 682		80-07-01	81-06-30	IS : 1977—1975	70.	3446	80-07-01	81-06-30	IS : 10 (Pt II)—1976
10. 685		80-06-01	81-05-31	IS : 226—1975	71.	3449	80-07-01	81-06-30	IS : 561—1978
11. 686		80-06-01	81-05-31	IS : 1977—1975	72.	3450	80-07-01	81-06-30	IS : 2567—1978
12. 699		80-07-16	81-07-15	IS : 1675—1971	73.	3451	80-07-01	81-06-30	IS : 1307—1973
13. 776		80-08-01	81-07-31	IS : 419—1967	74.	3460	80-07-01	81-06-30	IS : 10 (Pt II)—1976
14. 809		80-07-01	81-06-30	IS : 226—1975	75.	3463	80-07-01	81-06-30	IS : 1786—1966
15. 810		80-07-01	81-06-30	IS : 1977—1975	76.	3464	80-07-01	81-06-30	IS : 226—1975
16. 1052		80-05-01	81-04-30	IS : 1029—1970	77.	3471	80-07-16	81-06-15	IS : 7283—1974
17. 1120		80-07-01	81-06-30	IS : 226—1975	78.	3472	80-07-16	81-07-15	IS : 3930—1966
18. 1121		80-07-01	81-06-30	IS : 1977—1975	79.	3474	80-07-16	81-07-15	IS : 4432—1967
19. 1137		80-07-01	81-06-30	IS : 1554 (Pt I)—1976	80.	3475	80-07-16	81-07-15	IS : 5517—1969
20. 1215		80-07-16	81-07-15	IS : 2062—1969	81.	3481	80-07-16	81-07-15	IS : 10 (Pt IV)—1976
21. 1220		80-07-01	81-06-30	IS : 1855—1961 &	82.	3482	80-07-16	81-07-15	IS : 1929—1961
				IS : 1856—1970	83.	3532	79-03-16	80-03-15	IS : 6914—1973
22. 1248		80-07-01	81-06-30	IS : 2266—1970 &	84.	3551	80-05-01	81-04-30	IS : 1786—1966
				IS : 2581—1968	85.	3616	80-08-01	81-07-31	IS : 561—1972
23. 1298		80-07-16	81-07-15	IS : 280—1972	86.	3637	80-07-01	81-06-30	IS : 6914—1973
24. 1369		80-06-16	81-06-15	IS : 709—1974 &	87.	3638	80-07-01	81-06-30	IS : 6915—1973
				IS : 710—1976	88.	3641	80-07-01	81-06-30	IS : 10 (Pt IV)—1976
25. 1378		80-06-16	81-06-15	IS : 1554 (Pt I)—1964	89.	3642	80-05-16	81-05-15	IS : 2148—1968
26. 1382		80-07-01	81-06-30	IS : 1222—1973	90.	3649	80-01-01	81-03-15	IS : 2148—1968
27. 1388		80-07-01	81-06-30	IS : 398 (Pt II)—1976	91.	3654	80-06-16	81-06-15	IS : 1786—1966
28. 1585		80-07-01	81-06-30	IS : 10 (Pt III)—1974	92.	3670	80-05-01	81-04-30	IS : 6915—1978
29. 1661		80-04-01	81-03-31	IS : 1977—1975	93.	3676	80-04-01	81-03-31	IS : 694—1977
30. 1665		80-04-01	81-03-31	IS : 226—1975	94.	3685	80-07-16	81-07-15	IS : 6595—1972
31. 1873		80-07-01	81-06-30	IS : 2802—1964	95.	3762	80-04-01	81-03-31	IS : 2548—1967
32. 1880		80-07-01	81-06-30	IS : 2202 (Pt I)—1966	96.	3780	80-06-16	81-06-15	IS : 6914—1973
33. 1948		80-07-01	81-06-30	IS : 133—1965	97.	3781	80-06-16	81-06-15	IS : 6915—1973
34. 1986		80-06-16	81-06-15	IS : 398 (Pt I & II)—1976	98.	7879	80-08-01	81-07-31	IS : 1601—1960
35. 1997		80-07-01	81-06-30	IS : 398 (Pt I & II)—1976	99.	3797	80-04-16	81-04-15	IS : 722 (Pt II)—1969
36. 2068		80-07-01	81-06-30	IS : 269—1976	100.	3822	80-05-01	81-04-30	IS : 694—1977
37. 2207		80-07-01	81-06-30	IS : 1786—1966	101.	3823	80-05-01	81-04-30	IS : 2465—1969
38. 2228		80-07-01	81-06-30	IS : 4057—1967	102.	3825	80-05-01	81-04-30	IS : 5423—1973
39. 2284		80-04-01	81-03-31	IS : 10 (Pt III)—1976	103.	3852	80-06-16	81-06-15	IS : 1170—1967
40. 2287		80-06-01	81-05-31	IS : 226—1975	104.	3865	80-07-01	81-06-30	IS : 5277—1978
41. 2288		80-06-01	81-05-31	IS : 1977—1975	105.	3866	80-07-01	81-06-30	IS : 6177—1971
42. 2399		80-06-01	81-05-31	IS : 3196—1974	106.	3872	80-07-16	81-07-15	IS : 10 (Pt I)—1976
43. 2401		80-07-01	81-06-30	IS : 1786—1966	107.	3880	80-07-16	81-07-15	IS : 1370—1965
44. 2464		80-06-01	81-05-31	IS : 7452—1974	108.	3881	80-07-16	81-07-15	IS : 261—1966
45. 2687		80-06-01	81-05-31	IS : 1067—1968	109.	3900	80-08-01	81-07-31	IS : 694—1977
46. 2708		80-07-01	81-06-30	IS : 4199—1974	110.	3902	80-08-01	81-07-31	IS : 10 (Pt IV)—1976
47. 2719		80-08-01	81-07-31	IS : 2711—1966	111.	3903	80-08-01	81-07-31	IS : 1785 (Pt II)—1967
48. 2766		80-06-16	81-06-15	IS : 5872—1973	112.	3904	80-08-01	81-07-31	IS : 6003—1970
49. 2780		80-06-16	81-06-15	IS : 3975—1967	113.	3913	80-08-01	81-07-31	IS : 2566—1965 &
50. 2788		80-07-01	81-06-30	IS : 3975—1967	114.	3966	80-07-01	81-06-30	IS : 1943—1964
51. 2818		80-06-01	81-05-31	IS : 1786—1966	115.	3984	80-08-01	81-09-30	IS : 4323—1967
52. 2845		80-07-01	81-06-30	IS : 5884—1970	116.	4027	80-06-01	81-05-31	IS : 6914—1978
53. 2973		80-07-16	81-07-15	IS : 226—1975	117.	4197	80-07-16	81-07-15	IS : 4398—1972

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
118.	4217	80-07-16	82-02-28	IS : 2567—1978	179.	5803	80-04-01	81-03-31	IS : 398 (Pt I & II)—1976
119.	4244	80-07-16	81-07-15	IS : 4368—1967	180.	5823	80-04-01	81-03-31	IS : 1977—1975
120.	4303	80-04-16	81-04-15	IS : 2906—1969	181.	5904	79-03-16	80-03-15	IS : 8056—1976
121.	4313	80-04-16	81-04-15	IS : 4497—1968	182.	5930	79-02-01	80-01-31	IS : 1165—1975
122.	4396	80-06-16	81-06-15	IS : 2024—1970	183.	6043	80-07-01	81-06-30	IS : 810—1974
123.	4445	80-08-01	81-07-31	IS : 325—1970	184.	6047	80-06-01	81-05-31	IS : 1251—1973
124.	4446	80-07-01	81-06-30	IS : 2888—1974	185.	6050	80-05-01	81-04-30	IS : 226—1975
125.	4455	80-07-01	81-06-30	IS : 325—1970	186.	6077	80-05-16	81-05-15	IS : 633—1975
126.	4460	80-07-01	81-06-30	IS : 325—1970	187.	6103	80-05-16	81-05-15	IS : 398 (Pt. I & II)—1976
127.	4469	80-07-16	81-07-15	IS : 1601—1960	188.	6118	80-06-01	81-05-31	IS : 10 (Pt IV)—1976
128.	4472	80-05-01	81-04-30	IS : 398—1976	189.	6124	80-06-01	81-05-31	IS : 2580—1965
129.	4473	80-07-16	81-07-15	IS : 565—1975	190.	6149	80-07-16	81-07-15	IS : 4964 (Pt II)—1975
130.	4487	80-07-16	81-07-15	IS : 633—1975	191.	6155	80-06-61	81-06-15	IS : 1341—1976
131.	4503	80-08-01	81-07-31	IS : 916—1975	192.	6164	80-06-16	81-06-15	IS : 5410—1969
132.	4562	80-07-01	81-06-30	IS : 6914—1978	193.	6179	80-07-01	81-06-30	IS : 7138—1973
133.	4577	80-08-16	81-08-15	IS : 3503—1975	194.	6181	80-07-01	81-06-30	IS : 934—1976
134.	4589	80-08-01	81-07-31	IS : 1239—1973	195.	6191	80-07-01	81-06-30	IS : 2834—1964
135.	4666	80-07-01	81-06-30	IS : 564—1975	196.	6195	80-07-01	81-06-30	IS : 6914—1978
136.	4826	80-07-01	81-06-30	IS : 2692—1978	197.	6196	80-07-01	81-06-30	IS : 6915—1978
137.	4853	80-07-01	81-06-30	IS : 633—1975	198.	6200	80-07-01	81-06-30	IS : 1166—1973
138.	4854	80-07-01	81-06-30	IS : 4323—1967	199.	6206	80-07-01	81-06-30	IS : 3062—1974
139.	4859	80-06-16	81-06-15	IS : 7406—1974	200.	6217	80-07-01	81-06-30	IS : 2567—1973
140.	4896	79-03-16	80-03-15	IS : 2255—1969	201.	6220	80-08-01	81-07-31	IS : 2567—1973
141.	4912	80-05-16	81-05-15	IS : 7538—1975	202.	6224	80-07-16	81-07-15	IS : 7946—1976
142.	4934	80-08-01	81-07-31	IS : 458—1971	203.	6228	80-07-16	81-07-15	IS : 4964 (Pt II)—1975
143.	4946	80-03-01	81-04-30	IS : 4985—1968	204.	6230	80-07-01	81-06-30	IS : 1660 (Pt I)—1967
144.	5033	80-07-16	81-07-15	IS : 2567—1978					IS : 1660 (Pt II)—1972
145.	5112	80-07-01	81-06-30	IS : 1223—(Part I)—1970					IS : 1660 (Pt III)—1972
146.	5116	80-07-01	81-06-30	IS : 4929—1978					IS : 1660 (Pt IV)—1977
147.	5120	80-07-01	81-06-30	IS : 398 (Pt I & II)—1976	205.	6239	80-07-16	81-07-15	IS : 1165—1975
148.	5130	80-07-01	81-06-30	IS : 226—1975	206.	6246	80-07-16	81-07-15	IS : 778—1971
149.	5131	80-07-01	81-06-30	IS : 1977—1975	207.	6247	80-07-01	81-06-30	IS : 6595—1972
150.	5148	80-05-01	81-04-30	IS : 7406—1974	208.	6253	80-07-16	81-07-15	IS : 814—(Pt. I) 1974
151.	5184	80-07-01	81-12-15	IS : 561—1972	209.	6259	80-08-01	81-07-31	IS : 633—1975
152.	5207	80-05-16	81-05-15	IS : 7371—1975	210.	6263	80-07-01	81-06-30	IS : 1115—197
153.	5213	80-07-16	81-07-15	IS : 1977—1975	211.	6312	80-08-01	81-07-31	IS : 1051—1975
154.	5254	80-05-01	81-04-30	IS : 2347—1974	212.	6314	80-07-01	81-06-30	IS : 1970 (Pt I)—1974
155.	5265	80-06-01	81-05-31	IS : 3749—1966	213.	6317	80-08-01	81-07-31	IS : 1165—1975
156.	5277	80-06-16	81-06-15	IS : 4323—1967	214.	6351	80-07-16	81-07-15	IS : 561—1978
157.	5287	80-06-16	81-06-15	IS : 5950—1971	215.	6245	80-07-16	81-07-15	IS : 781—1977
158.	5289	80-06-16	81-06-15	IS : 2906—1969	216.	6825	80-07-16	81-07-15	IS : 398—1976
159.	5290	80-06-16	81-06-15	IS : 6914—1973	217.	6879	80-07-01	81-06-30	IS : 5279—1969
160.	5291	80-06-16	81-06-15	IS : 6915—1973	218.	6895	80-05-01	81-04-30	IS : 1554 (Pt I)—1976
161.	5298	80-06-16	81-06-15	IS : 398 (Pt I & II)—1976	219.	6950	80-04-16	81-05-15	IS : 6003—1970
162.	5312	80-07-01	81-06-30	IS : 1536—1976	220.	6964	80-04-16	81-04-15	IS : 2834—1964
163.	5313	80-07-01	81-06-30	IS : 1538—1976	221.	6970	80-04-16	81-04-15	IS : 1977—1975
164.	5316	80-07-01	81-06-30	IS : 398 (Pt I & II)—1976	222.	6972	80-07-16	81-07-15	IS : 3575—1977
165.	5332	79-03-16	80-03-15	IS : 758—1975	223.	6980	80-05-01	81-04-30	IS : 562—1978
166.	5344	80-07-16	81-07-15	IS : 6915—1973	224.	6987	80-05-01	81-04-30	IS : 2148—1968
167.	5350	80-07-16	81-07-15	IS : 6914—1973	225.	7013	80-06-01	81-05-31	IS : 226—1975
168.	5353	80-07-16	81-07-15	IS : 10 (Pt IV)—1976	226.	7017	80-06-01	81-05-31	IS : 4948—1974
169.	5359	80-07-16	81-07-15	IS : 1601—1960	227.	7029	80-06-16	81-06-15	IS : 2861—1964
170.	5316	80-07-16	81-07-15	IS : 419—1967	228.	7033	80-06-16	81-06-15	IS : 778—1971
171.	5391	80-08-01	81-07-31	IS : 1660 (Pt I)—1967	229.	7037	80-06-16	81-06-15	IS : 325—1978
172.	5394	80-08-01	81-07-31	IS : 1601—1960	230.	7038	80-06-16	81-06-15	IS : 325—1970
173.	5407	80-08-01	81-07-31	IS : 780—1969	231.	7058	80-07-1	81-06-30	IS : 1786—1966
174.	5453	80-07-01	81-06-30	IS : 6915—1978	232.	7059	80-07-01	81-06-30	IS : 366—1976
175.	5598	80-07-01	81-06-30	IS : 7122—1973	233.	7060	80-07-01	81-06-30	IS : 1222—1973
176.	5646	80-07-01	81-06-30	IS : 781—1977	234.	7061	80-07-01	81-06-30	IS : 5410—1969
177.	5696	80-07-16	81-07-15	IS : 633—1975	235.	7067	80-07-01	81-06-30	IS : 398 (Pt II)—1976
178.	5761	80-07-01	81-06-30	IS : 6915—1978	236.	7072	80-07-01	81-06-30	IS : 427—1967
					237.	7073	80-07-01	81-06-30	IS : 133—1975
					238.	7077	80-07-01	81-06-30	IS : 2082—1965

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
239.	7079	80-07-01	81-06-30	IS : 2645—1975	263.	7805	80-07-01	81-06-30	IS : 1977—1975
240.	7086	80-07-01	81-06-30	IS : 934—1976	264.	7806	80-07-01	81-06-30	IS : 226—1975
241.	7094	80-07-01	81-06-30	IS : 2834—1964	265.	7815	80-07-01	81-06-30	IS : 10 (Pt II)—1976
242.	7098	80-07-16	81-07-15	IS : 2567—1978	266.	7816	80-07-01	81-06-30	IS : 1978—1971
243.	7102	80-07-16	81-07-15	IS : 6003—1970	267.	7817	80-07-01	81-06-30	IS : 398 (Pt I & II)—1976
244.	7106	80-07-15	81-07-15	IS : 633—1975	268.	7823	80-07-01	81-06-30	IS : 7406—1974
245.	7119	80-07-01	81-06-30	IS : 2878—1976	269.	7825	80-07-01	81-06-30	IS : 10 (Pt II)—1976
246.	7122	80-08-01	81-07-31	IS : 10 (Pt II)—1976	270.	7826	80-07-16	81-07-15	IS : 2339—1963
247.	7412	79-12-16	80-12-15	IS : 7452—1974	271.	7827	80-07-01	81-06-30	IS : 1786—1966
248.	7460	80-07-01	81-06-30	IS : 1601—1960	272.	7828	80-07-16	81-07-15	IS : 564—1975
249.	7461	80-07-01	81-06-30	IS : 6595—1972	273.	7830	80-07-16	81-07-15	IS : 8391—1977
250.	7521	80-08-01	81-07-31	IS : 1879 (Pt I)—1975	274.	7831	80-07-16	81-07-15	IS : 774—1971
251.	7606	80-03-16	81-03-15	IS : 4654—1974	275.	7836	80-07-16	81-07-15	IS : 1370—1976
252.	7614	80-03-16	81-03-15	IS : 7121—1973	276.	7838	80-07-16	81-07-15	IS : 261—1966
253.	7682	80-04-16	81-03-15	IS : 7538—1975	277.	7840	80-07-16	81-07-15	IS : 916—1975
254.	7700	80-04-16	81-04-15	IS : 6914—1978	278.	7847	80-07-16	81-07-15	IS : 1507—1966
255.	7701	80-04-16	81-04-15	IS : 6915—1978	279.	7848	80-07-16	81-07-15	IS : 7122—1973
256.	7717	80-05-01	81-04-30	IS : 6914—1973	280.	7849	80-07-16	81-07-15	IS : 4964 (Pt II)—1975
257.	7719	80-05-01	81-04-30	IS : 2645—1975	281.	7854	80-07-16	81-07-15	IS : 2878—1976
258.	7724	80-05-01	81-04-30	IS : 226—1975	282.	7862	80-08-01	81-07-31	IS : 4654—1974
259.	7749	80-05-16	81-06-15	IS : 778—1971	283.	7870	80-08-01	81-07-31	IS : 1601—1960
260.	7791	80-06-16	81-06-15	IS : 3984—1967	284.	7873	80-08-01	81-07-31	IS : 10 (Pt IV)—1976
261.	7803	80-07-01	81-06-30	IS : 398 (Pt I & II)—1976	285.	7876	80-08-01	81-07-31	IS : 1601—1960
262.	7804	80-07-01	81-06-30	IS : 1786—1966	286.	7877	80-08-01	81-07-31	IS : 1786—1966

[No. CMD/13 : 12]

मई दिल्ली, 1981-02-13

का० आ० 754—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विभाग) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा प्रधिसूचित किया जाता है कि जिन 94 लाइसेंसों के और नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, लाइसेंसधारी को मानक सम्बन्धी सुहर लगाने का प्रविकार देते हुए जुलाई 1977 में स्वीकृत किए गए हैं।

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस की संख्या और तिथि	वैधता की अवधि		लाइसेंसधारी का नाम और तथा	लाइसेंस के प्रधीन वस्तु/प्रक्रिया और तत्सम्बन्धी पद्धति
		से	तक		
1.	सी एम/एल-6226 1977-07-01	77-07-16	78-07-15	रामकृष्ण प्रसाद वैस्टीसाइट्स, कोप्परबूरि, निकट नामबूर, रेलवे स्टेशन—गुन्टूर कार्यालय : 20-9-70 इट्टुकुर रोड, गुन्टूर-522003 (भान्डा प्रदेश)	सी० ई० ई० पायमीय सामग्री— IS : 633-- 1975
2.	सी एम/एल-6227 1977-07-08	77-07-16	78-07-15	आर० आर० स्प० पाइप इन्डस्ट्रीज, जिराकुपुर चौक (चंडीगढ़ के पास) आकड़र भासत (बैलतसिंह वाला) जि० पटियाला, कार्यालय : 1224 सेक्टर 8 सी, चंडीगढ़-160008	80 से 600 मिमी के सामान्य व्यास थाले मार० सी० ई० की पाइप एन० सी० 2 थोणी— IS : 458-- 1971
3.	सी एम/एल-6228 1977-07-08	77-07-16	78-07-15	सोनिजिन निटिंग क०, ४/३ राम नगर, तीसरी गली, तिरुपुर-638602 कार्यालय : १७/३ रामनगर, तीसरी गली, तिरुपुर-638602	साथी थुगी सूती बनियान, प्रकार : (1) गोल गले, छोटी बाजू की (मार एन एस) ; (2) गोल गला, बिना बाजू की चौड़ी या पतली कन्दे की पट्टियाँ बाली (मार उन) IS : 4964 (भाग II)-- 1975
4.	सी एम/एल-6229 1977-07-08	77-07-16	78-07-15	भंडारी कैमेसिट्स प्रा० लि०, ८२-ए, इंडस्ट्रियल एरिया, ए बी रोड, देवास (म० प्र०)	416 थोल्ड और ३ के बी ए आर तक विवृत भासित के लिए शंट कैमेसिटर— IS : 2834—1964

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
5. सी एम/एल-6230 1977-07-08	77-07-01	78-06-30	सुप्ति इंडस्ट्रीज, एक्टर सै० सी-43, रो म० 22, भागले इंस्टेट, ठाणे-400064	पिटवा एसुमिनियम एवं एलुमिनियम मिश्रधातु के बर्तन, ग्रेड 19800 और 31000 ग्रेड IS : 21-1975	
6. सी एम/एल-6231 1977-07-08	77-07-16	78-07-15	वेसाई एंड क०, शेड न० 3, इमारत न० 3, नवु उच्चोग सहकारिता इंस्टेट, सी बी पटेल रोड, गोरे गांव (पूर्व), बम्बई-400063	पिटवा एसुमिनियम और एलुमिनियम मिश्र- धातु के बर्तन, ग्रेड 19000 IS : 21-1976	
7. सी एम/एल-6232 1977-07-08	77-07-16	78-07-15	भारत इंसुलेटेड केबल क०, 446-II, तेज कालीनी, रोहतक हरयाणा	पी बी सी रोडित केबल, एसुमिनियम के बालकों बाले 250/440 बोल्ट IS : 694 (भाग II) — 1964	
8. सी एम/एल-6233 1977-07-08	77-07-16	78-07-15	भाल इंडिया मेडिकल कारपोरेशन बी 3/13 से 15, जी आई सी इंस्टेट, नरोडा- 382325 जि० महमदाबाद	डी बी टी घूलम पाउडर-- IS : 564-1975	
9. सी एम/एल-6234 1977-07-08	77-07-16	78-07-15	रुकमणि स्टोल इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, हुजूर फोर्ल, कडागोडि बांगलार-562137 बंगलौर कार्यालय : 29/2, के एच रोड, शक्तिनगर, बंगलौर-560027	सामान्य इंजनयारिंग कार्यों के लिए मशीनहात पुर्जों के उत्पादन हेतु काली छड़— IS : 2073-1970	
10. सी एम/एल-6235 1977-07-08	77-07-16	78-07-15	नागर्जुन एंड स्टील कारपो०, टोडेली- 522601, जि० गुद्दूर (मान्ध्र प्रदेश)	डी बी टी घूलन पाउडर-- IS : 564-1975	
11. सी एम/एल-6236 1977-07-08	77-07-16	78-07-15	रामकृष्ण प्रसाद एस्टी साइक्स, कोपूरलैटि, निकट नामदूर, (रेलवे इंस्टेशन) नामदूर ज्ञाकन्दर 522608 गुद्दूर जिला कार्यालय : 20-9-70 इट्कुर रोड, गुद्दूर-522602 (मान्ध्र प्रदेश)	डी बी टी जल परिसेपी घूण सान्ध-- IS : 565-1975	
12. सी एम/एल-6237 1977-07-08	77-09-01	78-08-31	मेसूर इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज लि०, इलेक्ट्रिकल डिवीजन, टुमकुर रोड, याकवन्सपुर, बंगलोर- 510022	विद्युत प्रणाली सुरक्षा के लिए विद्युत रिले— (1) छह फेज कम बोल्टना रिले (पी बी बी प्रकार) (2) समय अन्तराल रिले (एम ई टी बार प्रकार)— IS : 3231-1965	
13. सी एम/एल-6238 1977-07-12	77-06-16	78-07-15	बैंकटेक्सर स्टील (प्रा०) लि०, 63 शिवाजी मार्ग महै रिली	संरचना इस्तात (मालक किस्म) IS : 226-1975	
14. सी एम/एल-6239 1977-07-12	77-07-16	78-07-15	वि हरयाणा डेवरी इंजिनियरिंग फैब्रिकेशन लि०, दूध संयंत्र, जीद	पूर्व का पाउडर (पूर्ण और भव्य निकला हुआ) -- IS : 1165-1975	
15. सी एम/एल-6240 1977-07-12	77-07-16	78-07-15	भारत पेस्टीसाइक्स इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, 84 गुजरात आपरी महामण्डल श्रीबोगिक बसाहत लि० ग्रोवर्स-382410	कारबराइल घूलन पाउडर-- IS : 7122-1973	
16. सी एम/एल-6241 1977-07-12	77-07-16	78-07-15	वेबी एयल (सेस) प्रा० लि०, 50/ए, जी आई डी सी इंस्टेट, कलोल, जि० पंचमहल, (गुजरात राज्य)	इंडोसल्फान पायसनीय सान्ध-- IS : 4323-1967	
17. सी एम/एल-6242 1977-07-12	77-07-16	78-07-15	देवीदयाल (सेस) प्रा० लि०—50/ए, जी आई इंडोसल्फान घूलन पाउडर-- डी सी इंस्टेट, कलोल, जि० पंचमहल (गुजरात)	IS : 4322-1967	
18. सी एम/एल-6243 1977-07-12	77-07-16	78-07-15	व्होरेक्स लैबोरेटरीज (इंडिया) प्रा० लि०, ग्रांधक का अम्ल-- विरोगिनर इंडस्ट्रीज एरिया, ग्रामालाहुली, पुरान मद्रास रोड, बंगलोर-560049	IS : 266-1961	
19. सी एम/एल-6244 1977-07-12	77-07-16	78-07-16	वि सिंगमा स्टील इंडस्ट्रीज (रजिस्टर्ड), ए-2, हाथ से चलाने वाले, सगातार एक तली वाले इंडस्ट्रियल इंस्टेट, सुप्रियाना-141003	रकावकार पम्प-- IS : 1971-1975	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
20. सी एम/एल-6245 1977-07-12	77-07-16	78-07-15	हिन्द मेटल एंड एकाइष इंडस्ट्रीज, 25 वी एफ इंडस्ट्रियल इस्टेट, बदाला	जन सेक्यूरिटीज के लिए 15 मिमी माप वाले बालू दले पीतल के बैच बाले चिप टीटियां और बंग टीटियां— IS : 781—1967	
21. सी एम/एल-6246 1977-07-12	77-07-16	78-07-16	जेलोटो इंडस्ट्रीज, कपूरथाला रोड, जलधर- 144002	गन मेटल के गेट बालू, साइज 15 से 50 मि मी IS : 778—1971	
22. सी एम/एल-6247 1977-07-13	77-07-01	78-06-30	रामहरण इंडस्ट्रियल प्रा० लि०, 123—126, मध्यमाली रोड, पीलामेडू, कोयम्बटूर- 641004	कृषि कार्यों के लिए साफ ठंडा और ताजे पानी के लिए, 75 मिमी -- 65 मिमी माप के अपकेंद्री शक्तिशाली पम्प— IS : 6595—1972	
23. सी एम/एल-6248 1977-07-13	77-07-01	78-06-30	अमिति इंस्टीलरीज प्रा० लि०, 96 अं मील, टुमकुर रोड, घासराहल्ली-562139, जि० बंगलौर	रम— IS : 3811—1976	
24. सी एम/एल-6249 1977-07-14	77-07-16	78-07-15	कृष्णमणी स्टील इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, हू० बाइट फील्ड, कडापोडी बंगलौर-कार्यालय : 29/2 के० एच रोड, बंगलौर-560027	केम कठोरकारी इस्पात, पदनाम : 10 सी सी 14, सी 15, मैग 76 और 11 मैग 2 चित्तरण की शर्तों का प्रकार 'ए' IS : 4432—1967	
25. सी एम/एल-6250 1977-07-14	77-07-16	78-07-15	ओमवाल इस्पात उद्योग जी ए० रोड, तालीधांध रायपुर (म० प्र०) कार्यालय : 2, मालवीय नगर, हुमै (म० प्र०)	संरचना इस्पात (मानक किस्म)-- IS : 226—1975	
26. सी एम/एल-6251 1977-07-14	77-07-16	78-07-15	"	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)-- IS : 1977—1975	
27. सी एम/एल-6252 1977-07-14	77-07-16	78-07-15	गोधीमगर बुड इंडस्ट्रीज, गोधीनगर, जंक्शन, पेरुमवेकाड, डाकघर जि० काटाम- 686016	चाय की पेटियों के लिए पट्टियां— IS : 10 (भाग 3)—1970	
28. सी एम/एल-6253 1977-07-14	77-07-16	78-07-15	सर्वनै इलेक्ट्रोइल्स लि०, मोला अन्नी इंडस्ट्रियल इस्टेट, हीरापाट-500040	मुकु इस्पात की वेलिंग के लिए सामान्य प्रबोध इलेक्ट्रोड टाइप मेटल प्रारूप वेलिंग के लिए लाभ घड़े इलेक्ट्रोड— IS : 814 (भाग 1)—1974	
29. सी एम/एल-6254 1977-07-20	77-08-01	78-07-31	कागार्जुन एण्ड एंग्री स्टील कारपोरेशन, टावे- पल्ली-533501 जि० गुंदूर	बी एच सी धूलन पाउडर-- IS : 561—1972	
30. सी एम/एल-6255 1977-07-20	77-08-01	78-07-31	रामहरण प्रसाद पेट्रीसीएस्ट्रीम, पांचपुरबूरि, निकट पाम्बूर, (रिसेप्ट स्टेशन)-522508 जिला गुंदूर (भा० प्र०) कार्यालय : 20-9-70 इंदूकुर रोड, गुन्डूर-522003 (भा० प्र०) प्रवेश	बी डी टी धूलन पाउडर-- IS : 564—1975	
31. स बी एम/एल-6256 1977-07-20	77-07-16	78-07-15	बेविन केमिकल कारपोरेशन, बी-32, ग्रामरन गेट रोड, मोटिया हुर्ज, कलकत्ता-700024	बी एच सी पायसनीय तेज़दीव— IS : 632—1972	
32. सी एम/एल-6257 1977-07-20	77-08-01	78-07-31	मैसूर एंग्री केमिकल कॉ०, सी-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, यम्बादि, मंगलोर-575008 कार्या- लय:ग्रामा निलय मंन 17, मरोली, मंगलोर- 575005	बी एच सी जल जल परिशेषी सान्द्र— IS : 562—1972	
33. सी एम/एल-6258 1977-07-20	77-08-01	78-07-31	प्रैसिडेन्ट इंडस्ट्रीज, 95/5, चिक्का इंडस्ट्रियल इस्टेट, भाव नगर कार्यालय : गंगा जलिया तलास, भावनगर-364001	बी डी टी पायसनीय सान्द्र— IS : 633—1975	
34. सी एम/एल-6259 1977-07-20	77-08-01	78-07-31	सैगरीप (इंडिया), बी/2, भोल्ड एम० ग्राई० बी०सी०, मोकोला (महाराष्ट्र)	बी डी टी पायसनीय सान्द्र— IS : 633—1975	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
35. सी एम/एल-6260 1977-07-20	77-08-01	78-07-31	प्यार बन्द केशरी मल पोखरा, काश्मीर- 441001 जि० नागपुर	वीडियो— IS : 1925—1970	
36. सी एम/एल-6261 1977-07-21	77-08-01	78-07-31	भारत केस्टीसा इंडिया, प्रा० लि०, 84 गुजरात व्यापारी महामंडल सहकारी प्रौद्योगिक वसाहत लि०, ओवर, महमदा- बाद (गुजरात) कार्यालय : दूसरी मंजिल, मोती लाल हीरोशाही मार्केट, समुद्र रेखा स्टेशन कर्पोरेशन बाजार, अहमदाबाद- 380002	डी डी टी धूलन पाउडर— IS : 564—1975	
37. सी एम/एल-6262 1977-07-21	77-08-01	78-07-31	सेन्ट्रल इंस्टीसाइट्स एंड फर्टीसाइज्स, विहार लेक रोड, साकेतनाला, बम्बई- 400072	कारबाराइल धूलन पाउडर— IS : 7122—1973	
38. सी एम/एल-6263 1977-07-22	77-07-01	78-06-30	केमिलियम्स प्रा० लि०, विश्वनीर मल्टी रोड, मद्रास-600044	धूलनशील कटाई में प्रयुक्त तेल— IS : 1115—1973	
39. सी एम/एल-6264 1977-07-25	77-08-01	78-07-31	गुप्ता केमिकल्स (प्रा०) लि०, बी-1 114, रोड संख्या 9, इंडस्ट्रियल इस्टेट, जयपुर- 302013	डाइपियोएट पायसनीय साफ्ट— प्रब— IS : 3903—1975	
40. सी एम/एल-6265 1977-07-25	77-07-16	78-07-15	प्योरेक्स सेबोरेरीज (इंडिया) प्रा० लि०, विस- गोनगर, इंडस्ट्रियल इस्टेट, अवलाहल्सी ओल्ड मद्रास रोड, वंगलौर-560049	हाइड्रोक्लोरिक अम्ल, सीपी घौर ए भार ग्रेड— IS : 265—1976	
41. सी एम/एल-6266 1977-07-25	77-07-16	78-07-15	"	माइट्रिक अम्ल सी पी घौर ए भार ग्रेड— IS : 264—1976	
42. सी एम/एल-6267 1977-07-25	77-08-01	78-07-31	श्री राम टाइस्स प्लाट नं० 10, इंडस्ट्रियल इस्टेट, श्रीराम पुर रेलवे स्टेशन, बेलापुर- 413715 (म० २०) जि० अहमदनगर	फर्न देने के लिए सीमेंट कंक्रीट के टाइल— IS : 1237—1959	
43. सी एम/एल-6268 1977-07-25	77-08-01	78-07-31	श्री कृष्ण साधन लि०, आगरा रोड, पंचवटी, नासिक-422003	रक्त धाप मारी निव्रत प्रकार— IS : 7652—1975	
44. सी एम/एल-6269 1977-07-25	77-08-01	78-07-31	शाहज एंड केमिकल्स इंडस्ट्रीज, मुमताज इस्टेट, १/५ स्वीनहो सेन, कलकत्ता- 700042	पैराफिन मोम-प्रकार ३— IS : 4654—1974	
45. सी एम/एल-6270 1977-07-25	77-07-16	78-07-15	अम्बाल इंस्ट्रीज, १०/२२, कटरा बजीर खां, हाथ रस रोड, आगरा-282006	बी एच सी धूलन पाउडर— IS : 561—1972	
46. सी एम/एल-6271 1977-07-25	77-07-16	78-07-15	प्रीमियर पेस्टीसाइट्स प्रा० लि०, ई भार जी रोड, एर्टी फ्लूम, कोचीन-682001	मिथाइल पारापियन पायसनीय साफ्ट की पुनः पैकिंग— IS : 2805—1964	
47. सी एम/एल-6272 1977-07-25	77-07-16	78-07-15	तोशिका आनन्द लैम्प्स लि०, गांव चैंगमानाद, तलुक अलवाई, एरनाकुलम, कार्यालय : 1/1089, महात्मा गांधी रोड, एरनाकुलम, कोचीन-682011	टंगस्टन किलोमेटर बाली सामान्य सेवाओं के लिए जिली के बत्त २५० रुपये, शादी १०० बाट रुपये— IS : 418—1963	
48. सी एम/एल-6273 1977-07-25	77-08-01	78-07-31	कार्टीन्स प्रा० लि०, हिटोरा माडगाव, गोवा-403602	टाइपराईटर के बिन प्रकार १ घौर ३— IS : 4174-1967	
49. सी० एम/एल-6274 1977-07-25	77-08-01	78-07-31	अमीत पैक इंटरप्राइजेज, विवान बन्द इंस राज महाता समुद्र खेलमैन इंडिया लि०, डापे-400061	किवाल कॉस पायसनीय तेज की पुनः पैकिंग— IS : 8028—1976	
50. सी एम/एल-6275 1977-07-25	77-08-01	78-07-31	बोकारो स्टील लि०, बोकारो स्टील गाहर, जि० धनबाद, (बिहार)-827001	शीत वेल्सिट की गई कार्बन इस्पात की चारदे साधारण प्रकार— IS : 513—1973	

1	2	3	4	5	6
51. सी० एम/एल-6276 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	भारत पेस्टीसाइड्स इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, 84, गृजरात व्यापारी महामण्डल सहकारी शोषो- गिक धसहात लि० घोड़व, अहमदाबाद (गुजरात) - 382002 कार्यालय : दूसरी मणिल, भोती लाल हीरा भाई मार्केट सम्मुख रेलवे स्टेशन, कपसिया बाजार, अहमदा- बाद-380002	मालाधियोन धूलन पाउडर— IS : 2568-1973	
52. सी० एम/एल-6277 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	बम्बई फूड्स प्रा० लि०, पर्स ग्लास फैक्टरी अल० पी० जी० के साथ प्रयोग वाले घरेलू भ्रह्मा पटेल इलेट, गोरेगांव, पूर्व बम्बई- 400063, कार्यालय : 53 / 57, लक्ष्मी इंस्प्रोरेन्स विल्डिंग, सर० पी० एम० रोड, बम्बई-400001	गैस के चूल्हे— IS : 4246-1972	
53. सी० एम/एल-6278 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	श्री कैमिकलस 26, एम आई० डी० सी० इंडस्ट्रियल एरिया सिरोती पुलार्ही, जि० कोल्हापुर	मालाधियोन पायसनीय साम्ब- IS : 2567-1973	
54. सी० एम/एल-6279 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	इन्डियन फ्लास्टिक्स लि०, व्यासर शिंज, कांडीवली, बम्बई-400067	पूरिया फारमालिंग्हाइड, दुलारी पवार— IS : 3389-1965	
55. सी० एम/एल-6280 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	मिनरल्स एवं कैमिकलस इंडस्ट्रीज 17 सी, बी० एच० सी० धूलन पाउडर— इंडस्ट्रीयल एरिया, डा० विरागांव, जि० रायपुर (म० प्र०)	IS : 561-1972	
56. सी० एम/एल-6281 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	आदित्य मिनरल्स ट्रैडर्स, कांडा पुरम, रेलवे मालाधियोन पायसनीय तेज इव— स्टेशन, कुण्डा जि० (ग्रा० प्र०)	IS : 2567-1975	
57. सी० एम/एल-6282 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	श्री देवी पलवराइजर्स, पोरेचरला, जि० ला० गुंद्रेर बी० एच० सी० (एच०सी०एच०) (ग्रा० प्र०)	धूलन पाउडर— IS : 561-1972	
58. सी० एम०/एल-6283 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	पोल्युर पलवराइजर्स, सी-6, इंडस्ट्रीयल इस्टेट बी० एच० सी० (एच० सी० एच०) धूलन वारंगल-506007 (ग्रा० प्र०)	पाउडर IS : 561-1972	
59. सी० एम/एल-6284 1977-07-28	77-07-01	78-07-31	"	श्री० बी० टी० धूलन पाउडर IS : 364-1973	
60. सी० एम/एल-6285 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	वैकेल इंडस्ट्रीज, कोलेश्ट रोड, ठाणे (महाराष्ट्र)	किनाल फैस पायसनीय तेज इव IS : 8028-1976	
61. सी० एम/एल-6286 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	कालिटी फूटावियर्स, पूर्यांगी कलब विल्डिंग, सिंधी कालोनी, डाकघर एप्रिलो जमशेद- पुर-831001	खानों तथा भारी धातु उद्योगों के लिये जमड़े घौर रबड़ की सोलं वाले मुख्या बूट एवं जूते— IS : 1989-1973	
62. सी० एम/एल-6287 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	श्री आश्वर एलाय स्टील प्रा० लि०, सैक्टर 'F' न्यू इंडस्ट्रियल इस्टेट, सनबर रोड, सुखालिया, इल्होर-452003 (म० प्र०)	कंट्रीट प्रबलन के लिए उंची भरोड़ी विकृत इस्पात की सरिथा IS : 1786-1966	
63. सी० एम/एल-6288 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	गोरे प्राइट्स, 25/1, गांधी नगर कालीनी मुजफ्फरनगर-251001	1.5 शीर 2 कि० बा० धासे विक्सी के बुबाऊ हीटर— IS : 368-1963	
64. सी० एम/एल-6289 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	श्री ईश्वर एलाय स्टील प्रा० लि०, सैक्टर-बी, न्यू इंडस्ट्रियल इस्टेट, सनबर रोड, सुखालिया, इल्होर 452003	संरचना इस्पात (मानक किस्म) IS : 226-1975	
65. सी० एम/एल-6290 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	"	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) IS : 1977-1973	

1	2	3	4	5	6
66. सी एम/एल-6291 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	इंडियन डेवरो इन्डर प्रेनियर्स एंग्रीकलचरल कं लिंग, इंडस्ट्रीयल एरिया, रानीबाड़ा कला, रेलवे स्टेशन, डाकघर रानीबाड़ा, जिला० जलौर (राजस्थान)	मस्तन निकले रूध का पाउडर IS : 1165-1975	
67. सी एम/एल-6292 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	प्रकाश कलर एंड कैमिकल्स इंडस्ट्रीज, 5/3, कीर्ति नगर, नई दिल्ली-110015	वालित रंग के सीमेंट रंग IS : 5410-1969	
68. सी एम/एल-6293 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	एशियन केवल्म कारपोरेशन, दूसरा पोब्लरान रोड, ठाणे-400601	पत्थर और लोहे धातु की खानों के लिए 650 बोल्ट की फैनबस प्रबलन रहित लचीले कस्टिने योग्य केबल— IS : 1026-1968	
69. सी एम/एल-6294 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	टेक्समो इंडस्ट्रीज, गानाम्बिकै मिल्स, डाकघर कोयम्बतूर-641029	मोनोस्लाक पम्प सेटों के: साईंज प्रकार 75×65 मिमि ढी एम एच 8 75×65 " " 9 75×65 " " 6 IS : 6595-1972	
70. सीएम/एल-6295 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	मिनहाफिवप एड कं०, 3 पेयमैन्ट्स गार्डन नेन, कलकत्ता-700015, कार्यालय 7, भगोहर मुकुर रोड, कलकत्ता-700026	खनिकों के लिए फैनबस चड़े रबड़ के सुरक्षा जूते—प्रकार 2 हर साइजों में IS : 3976-1975	
71. सी एम/एल-6296 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	सिथाड कैमिकल्स प्रा० लि०, आनन्द सोनिता रोड, वल्लभ विद्या नगर, जिं रुडा, गुजरात राज्य	लाफ स्टापर— IS : 1223 (भाग 1)—1970	
72. सी एम/एल-6297 1977-07-08	77-08-01	78-07-31	कैरा इस्ट्रिक्ट कोआपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स यूनियन लि०, भोगरताल, आनन्द-388001 जिला कैरा (गुजरात)	जीं रस युक्त रूध खाद्य प्रकार 2— IS : 1806-1975	
73. सी एम/एल-6298 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	पासल इंडस्ट्री, शेष नं० ए1-96/जी० आई डी सी, नन्दे सरी, जिला बडोदा	डी डी टी पायसनीय तेज द्रव्य IS : 633-1975	
74. सी एम/एल-6299 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	इंडिया कैपेसिटर्स लि०, 99, मोतीलाल गुप्ता रोड, बेहता, कलकत्ता-700008 कार्यालय : 49/1गडिया हाट रोड, कलकत्ता-700019	10 के बी ए भार, 415 बोल्ट तक पावर प्राणालियों के लिए शट कैपेसीटर— IS : 2834-1964	
75. सी एम/एल-6300 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	जिल्ला इंडिया प्रा० लि०, 4 धर्मसाला रोड, ज्ञा० बेनूरमठ, जिला हावड़ा, कार्यालय : 2/1 धर्मद माधूजी स्ट्रीट, डा० लिमुजा हावड़ा	मृत्यु इस्पात की नलियां हल्की, मध्यम और भारी प्रकार की— IS : 1239 (भाग 1)—1973	
76. सी एम/एल-6301 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	एम पी एमो पेस्टीसाइक्स लि०, इंडस्ट्रीयल फ्लैट, वीना (मध्य रेलवे) जिला सागर— (म० प्र०), कार्यालय : 29—भवधमदा रोड, न्यू मार्केट, भोपाल-462003 (म० प्र०)	बी एच सी (एच सी एच) धूलन पाउडर— IS : 561-1972	
77. सी एम/एल-6302 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	एम पी एमो पेस्टीसाइक्स लि०, इंडस्ट्रीयल फ्लैट, वीना (मध्य रेलवे), जिला सागर (म० प्र०), कार्यालय : 29 भवधमदा रोड, धू मार्केट, भोपाल-462003 (म० प्र०)	बी शी टी धूलन पाउडर— IS : 564-1975	
78. सी एम/एल-6303 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	"	मालशियोन पायसनीय तेज द्रव्य IS : 2567-1973	
79. सी एम/एल-6304 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	एन्ट्रोक्टा पेस्टीसाइक्स, 7बॉ मील, मधुरा रोड, कोका कोला फैक्टरी के सन्मुख, आगरा-282007	बी एच सी (एच सी एच) धूलन पाउडर— IS : 561-1975	
80. सी एम/एल-6305 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	"	डी डी टी धूलन पाउडर— IS : 564-1975	

1	2	3	4	5	6
81. सी एम/एल-6306 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	छोलिया एण्ड मरेश्वरी ला० कांकर बाग रोड, नेट नं० 28, पटना-800028 कार्यालय : एकजीवीकान रोड, पटना-800001	निम्नलिखित रेटिंग वाले ऊर्ध्व एवं सिसेम्बर, चार स्ट्रोक, जलशीत, शीतल इंजन— कि०वा० 3.7 (5 हा० पा) आवरण विशिष्ट ईंधन खपत वर्ग शी 1500 IS : 1601—1960	कांकर प्रति मिनट 200 प्राम/वी एच पी
82. सी एम/एल-6307 1977-07-30	77-08-01	78-07-31	गुजरात एण्ड इंडस्ट्रीज कारपो० लि०, कारंजबाग, चेस्ट हिसीज के हस्याताल के पास, एन एच नं० 8, नरोडा, अहमदाबाद-382330 कार्यालय : खेतु उद्यम से उद्योग भवन, नौरंग पुर के सन्मुख, अहमदाबाद-380014	शी एच सी (एच सी एच) धूलन पाउडर— IS : 561—1972	धूलन पाउडर—
83. सी एम/एल-6308 1977-07-30	77-08-01	78-07-31	यूनाइटेड बायर रोप लि०, मार्केट कुमार रोड, ठाणे-400606	गोल छड़ वाले मार्गदर्शी रस्ते तकन पदमुमा— IS : 3623—1966	पदमुमा—
84. सी एम/एल-6309 1977-07-30	70-78-01	77-08-31	सिथीकोल इस्टर्नेट 279, अफना काम्पाउंड बेउर पो० नं० 27, पालघर-401404 जिला ठाणे	कोवतार लाल रंग नियितियाँ और मिश्रण— IS : 5346—1975	कोवतार लाल रंग नियितियाँ और मिश्रण—
85. सी एम/एल-6310 1977-07-30	77-08-01	78-07-31	लिलुआ स्टील एण्ड बायर को० लि०, 15/2 बेशुर रोड, लिलुआ, हावड़ा कार्यालय : 23-ए, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता -700001	कंकीट प्रबलम के लिए ठंडी मरोड़ी विक्री इस्यात की सरीया— IS : 1786—1966	कंकीट प्रबलम के लिए ठंडी मरोड़ी विक्री इस्यात की सरीया—
86. सी एम/एल-6311 1977-07-30	77-08-01	78-07-31	साईटीफिक इंस्टीटीग्याइज्स क० (प्र०० दि० साईटीफिक फार्टीसाइजर क० प्रा०लि०) 447/1, मंगलगिरी रोड, गुंदूर।	शी शी टी जल परियोपी तेज चूर्ण— IS : 365—1975	शी शी टी जल परियोपी तेज चूर्ण—
87. सी एम/एल-6312 1977-07-30	77-08-01	78-07-31	सिस्को फार्मासिटीकल्स मद्रास, 106 नायडूर रोड, मद्रास-600086	कीटाणु नाशी तरल पदार्थ प्रेष 3, काला बने ए प्रकार सामान्य— IS : 1061—1975	कीटाणु नाशी तरल पदार्थ प्रेष 3, काला बने ए प्रकार सामान्य—
88. सी एम/एल-6313 1977-07-30	77-08-01	78-07-31	बेल प्रथमूर्विंग प्राइडक्ट्स प्रा०लि०, 4 ए (एम पी) तीसरी बेल रोड, इण्डस्ट्रियल इस्टेट, अम्बूर, मद्रास-600058 कार्यालय : बेल विर्लिंग, 4, लायर साहब म्हृट, मद्रास-600002	प्रताही इंजनों के सिलिंडर लाइनर प्रकार सूख— IS : 6750—1972	प्रताही इंजनों के सिलिंडर लाइनर प्रकार सूख—
89. सी एम/एल-6314 1977-07-30	77-07-01	78-06-30	स्कोडा (ईडिया) प्रा० लि० इंडस्ट्रियल इस्टेट, भरकोणम-631002	हस्त चालित पूष्टवाही छिड़काव यंत्र— IS : 1970 (भाग 2)—1974	हस्त चालित पूष्टवाही छिड़काव यंत्र—
90. सी एम/एल-6315 1977-07-30	77-08-01	77-07-31	गोपालकृष्ण इंडस्ट्रीज, 163, पटेल रोड, कोयम्बटूर-641009	तीन पेटी प्रेरणा मोटरों 3.7 कि०वा० (5 हा०पा०) ए थ्रेणी के रोटर काले— IS : 325—1970	तीन पेटी प्रेरणा मोटरों 3.7 कि०वा० (5 हा०पा०) ए थ्रेणी के रोटर काले—
91. सी एम/एल-6316 1977-06-30	77-08-01	78-07-31	फाइबर स्टार केबल्स, 392, गांव तथा डाकघर, बादली दिल्ली-110042	एलूमिनियम चालकों वाले कार्यकारी बोल्ट्स 1100 बाल्ट तक बोल्ट्स वाले शी शी शी रोधित (भारी कार्य के लिए) विभिन्नी के केबल— IS : 1554 (भाग 1)—1964	एलूमिनियम चालकों वाले कार्यकारी बोल्ट्स 1100 बाल्ट तक बोल्ट्स वाले शी शी शी रोधित (भारी कार्य के लिए) विभिन्नी के केबल—

1	2	3	4	5	6
92	सी एम/एल-6317 1977-07-30	77-08-01	78-07-31	दि हरियाणा डेवरी ब्रेकलमेंट को. फैब्रेशन निं० दूध संयंत्र गुहाना रोड, राहतक।	मत्रिमाला दूध का पाउडर— IS : 1165—1975
93	सी एम/एल-6318 1977-07-30	77-08-01	78-07-31	पेस्टकेम एण्ड प्रॉजेक्शन रोड, बीना, जिला—माहार	श्री एच श्री (एच सी एच) धूतन पाउडर— IS : 561—1972
94	सी एम/एल-6319 1977-07-30	77-08-01	78-07-31	"	मालवियोगा /पायसनीय मान— IS : 2567—1973

[सं० सी एम शी/13 : 11]

New Delhi, the 1981-02-13

S. O. 754:—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby notifies that ninetyfour licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been granted during the month of July 1977 authorising the licensees to use the Standard Marks :

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. (CM/L—)	Period of Validity		Name and Address of the Licensee	Article/Process Covered by the Licences and the Relevant IS : No. Designation
		From	To		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	CM/L-6226 1977-07-01	77-07-16	78-07-15	Ramakrishna Prasad Pesticides, Koppuravuri, Near Nambur R. S. Guntur Office : 20-9-70, Etukur Road, Guntur-522003 (A.P.)	DDT emulsifiable concentrates— IS : 633—1975
2.	CM/L-6227 1977-07-08	77-07-16	78-07-15	R. R. Spun Pipes Industries, Zirakpur Chowk (Near Chandigarh), P. O. Bhabhat (Daulat singh wala) Distt. Patiala, Office : 1224 Sector 8-C, Chandigarh-160008.	RCC pipes 80 to 600 mm nominal dia NP2 Class— IS : 458—1971
3.	CM/L-6228 1977-07-08	77-07-16	78-07-15	Original Knitting Co., 8/3, Ram Nagar, 3rd Street, Tirupur-638602 Office : 17/3, Ram Nagar, 3rd Street, Tirupur-638602.	Plain knitted cotton vests Types : (a) Round neck short sleeves (RNS) : (b) Round neck, sleeveless with broad or narrow shoulder straps (RN)— IS : 4964 (Pt II)—1975
4.	CM/L-6229 1977-07-08	77-07-16	78-07-15	Bhandari Capacitors Pvt. Ltd., 82-A, Industrial Area, A. B. Road, Dewas (MP)	Shunt capacitors for power systems 415 V, upto 5 KVAR— IS : 2834—1964
5.	CM/L-6230 1977-07-08	77-07-01	78-06-30	Trupati Industries, Plot No. C-43, Road No. 22, Wagle Estate, Thana-400604	Wrought aluminium and aluminium alloy utensils Grade : 19500 and 31000— IS : 21—1975
6.	CM/L-6231 1977-07-08	77-07-16	78-07-15	Desai & Co., Shed No. 3, Bldg No. 1, The Small Industries Co-operative Estate, C. B. Patel Road, Goregaon (E), Bombay-400063	Wrought aluminium and aluminium alloy utensils Grade 19000— IS : 21—1975
7.	CM/L-6232 1977-07-08	77-07-16	78-07-15	Bharat Insulated Cable Co., 446-II, Tej Colony, Rohtak (Haryana)	PVC insulated cables, aluminium conductors—250/440 V— IS : 694 (Pt II)—1964
8.	CM/L-6233 1977-07-08	77-07-16	78-07-15	All India Medical Corp., B/13 to 15 G.I. D. C. Estate, Naroda-382325 Distt. Ahmedabad	DDT DP— IS : 564—1975
9.	CM/L-6234 1977-07-08	77-07-16	78-07-15	Rukmani Steel Industries Pvt. Ltd, Whitefield, Kadagodi Post-562137 Bangalore Office : 29/2, K. H. Road, Shantinagar, Bangalore-560027	Carbon steel black bars for the production of machined parts for general engineering purposes— IS : 2073—1970

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
10. CM/L-6235 1977-07-08	77-07-16	78-07-15	Nagarjuna Agro & Steel Corpn, Tadepalli-522501 Guntur Distt (A.P)	DDT DP— IS : 564—1975	
11. CM/L-6236 1977-07-08	77-07-16	78-07-15	Ramakrishna Prasad Pesticides, Kappuravuru, Near Nambur (R. S.) Nambur P. O. 522508 Guatur Distt Office : 20-9-70 Etukur Road, Guntur-522503 (A.P)	DDT WDP concentrates — IS : 565—1975	
12. CM/L-6237 1977-07-08	77-09-01	78-08-31	Mysore Electrical Industries Ltd, Electronics Division, Tumkur Road, Yeshwanthipur, Bangalore-560022	Electrical relays for power systems protection : (i) Negative phase sequence voltage relays (type PGV) (ii) Timelag relays (type METR) IS : 3231—1965	
13. CM/L-6238 1977-07-12	77-07-16	78-07-15	Venkateswara Steels (P) Ltd., 63 Shivaji Marg, New Delhi	Structural steel (standard quality)— IS : 226—1975	
14. CM/L-6239 1977-07-12	77-07-16	78-07-15	The Haryana Dairy Development Cooperative Federation, Ltd, Milk Plant, Jind	Milk powder (whole and skim)— IS : 1165—1975	
15. CM/L-6240 1977-07-12	77-07-16	78-07-15	Bharat Pesticides Industries Pvt Ltd, 84, Gujarat Vapri Mahamandal Audhogik Vasahat Ltd, Odhav-382410	Carbaryl DP— IS : 7122—1973	
16. CM/L-6241 1977-07-12	77-07-16	78-07-15	Devidayal (Sales) Pvt. Ltd, 50/A, G.I.D.C. Estate, Kalol, Distt Panchmahals, (Gujarat State)	Endosulphane EC— IS : 4323—1967	
17. CM/L-6242 1977-07-12	77-07-16	78-07-15	-do-	Endosulphane DP— IS : 4322—1967	
18. CM/L-6243 1977-07-12	77-07-16	78-07-15	Purex Laboratories (India) Pvt Ltd, Virgonagar Industrial Area, Avalahalli, Old Madras Road, Bangalore-560049	Sulphuric acid— IS : 266—1961	
19. CM/L-6244 1977-07-12	77-07-16	78-07-15	The Sigma Steel Industries (Regd), A-2, Industrial Estate, Ludhiana-141003 IS : 1971—1975	Hand operated continuous single barrel stirrup pumps— IS : 1971—1975	
20. CM/L-6245 1977-07-12	77-07-16	78-07-15	Hind Metal & Allied Industries, 25 B. F. Industrial Estate, Batala	Sand cast brass screw down bib taps and stop taps for water services size 15 15 mm— IS : 781—1967	
21. CM/L-6246 1977-07-12	77-07-16	78-07-15	Zoloto Industries, Kapurthala Road, Jullundur-144002	Gun metal gate valves size 15 to 50 mm— IS : 778—1971	
22. CM/L-6247 1977-07-13	77-07-01	78-06-30	Ramakrishna Industrials Pvt Ltd, 122-126, Avanashi Road, Peelamedu, Coimbatore-641004	Horizontal centrifugal pumps for clear, cold fresh water for agricultural purposes size 75 mm x 65 mm— IS : 6595—1972	
23. CM/L-6248 1977-07-13	77-07-01	78-06-30	Gemini Distilleries Pvt Ltd, 9th Mile Stone, Tumkur Road, Dasarahally-562139 Bangalore Distt	Rum— IS : 3811—1976	
24. CM/L-6249 1977-07-14	77-07-16	78-07-15	Rukmani Steel Industries (P) Ltd, Whitefield, Kadugodi Post, Bangalore Office : 29/2 K. H. Road, Bangalore-560027	Case hardening steel designation C 10, C 14, C 15 Mn 75 and 11 Mn 2, Type of condition of delivery A— IS : 4432—1967	
25. CM/L-6250 1977-07-14	77-07-16	78-07-15	Oswal Ispat Udyog, G. E. Road, Tatibandh Raipur (M.P) Office : 2, Malviya Nagar, Durg (M.P)	Structural steel (standard quality)— IS : 226—1975	
26. CM/L-6251 1977-07-14	77-07-16	78-07-15	-do-	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977—1975	
27. CM/L-6252 1977-07-14	77-07-16	78-07-15	Gandhinagar Wood Industries, Gandhinagar Junction, Perumbakkad P. O. Kottayam-686016	Tea-chest battens— IS : 10 (Part III)—1970	
28. CM/L-6253 1977-07-14	77-07-16	78-07-15	Southern Electrodes Ltd, Moula Ali Industrial Estate, Hyderabad-500040	Covered electrodes for metal arc welding Type nominal penetrating of electrode for welding mild steel. IS : 814(Pt I)—1974	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
29. CM/L-6254 1977-07-20	77-08-01	78-07-31	Nagarjuna Agro & Steel Corp, Tadepalli- 522501, Guntur Distt	BHC DP IS : 561—1972	
30. CM/L-6255 1977-07-20	77-08-01	78-07-31	Ramakrishna Prasad Pesticides, Kappuru- uru, Near Nambur (R. S.)-522508 Guntur Distt (A. P) Office : 20-9-70 Etukur Road, Guntur-522003	DDT DP— IS : 564—1975	
31. CM/L-6256 1977-07-20	77-07-16	78-07-15	Davison Chemical Corp, B-32, Iron Gate Road, Metlahourz, Calcutta- 700024	BHC EC— IS : 632—1972	
32. CM/L-6257 1977-07-20	77-08-01	78-07-31	Mysore Agro Chemical Co, C-11, Industrial Estate, Yeyyadi, Mangalore-575008, Office : Asha Nilaya N. H. No. 17, Maroli, Mangalore-575005	BHC WDP concentrates— IS : 562—1972	
33. CM/L-6258 1977-07-20	77-08-01	78-07-31	President Industries, 95/5, Chitra Industrial Estate, Bhavnagar, Office : Ganga Jalia Talas, Bhavnagar—364001	DDT EC— IS : 633—1975	
34. CM/L-6259 1977-07-20	77-08-01	78-07-31	Sagnap (India), B/2, Old M.I.D.C. Akola (Maharashtra)	DDT EC— IS : 633—1975	
35. CM/L-6260 1977-07-20	77-08-01	78-07-31	Pyarchand Kesharimal Porwal, Kemptee- 441001, Distt Nagpur	BIDIS— IS : 1925—1970	
36. CM/L-6261 1977-07-21	77-08-01	78-07-31	Bharat Pesticides Industries Pvt Ltd, 84, Gujarat Vapari Mahamandal Sahakari Audhogik Vashat Ltd, Odhav, Ahmedabad (Gujarat), Office : 2nd Floor, Motilal Hirabhai Market, Opp. Rly Stn, Kapasia Bazar, Ahmedabad-380002	DDT DP— IS : 564—1975	
37. CM/L-6262 1977-07-21	77-08-01	78-07-31	Central Insecticides & Fertilizers, Vihar Lake Road, Saki Naka, Bombay-400072	Carbaryl DP— IS : 7122—1973	
38. CM/L-6263 1977-07-22	77-07-01	78-06-30	Chemoleums Pvt Ltd, Thiruvnermalai Road, Madras-600044	Cutting oil soluble— IS : 1115—1973	
39. CM/L-6264 1977-07-25	77-08-01	78-07-31	Gupta Chemicals (P) Ltd, B-144, Road No. 9, Industrial Estate, Jaipur-302013	Dimethoate EC— IS : 3903—1975	
40. CM/L-6265 1977-07-25	77-07-16	78-07-15	Purex Laboratories (India) Pvt Ltd, Vis- gonagar Indl. Estate, Avalahali Old Madras Road, Bangalore-560049	Hydrochloric acid Grades CP & AR IS : 265—1976	
41. CM/L-6266 1977-07-25	77-07-16	78-07-15	-do-	Nitric acid Grades CP & AR— IS : 264—1976	
42. CM/L-6267 1977-07-25	77-08-01	78-07-31	Shriram Tiles, Plot No. 10, Industrial Estate, Shrirampur Rly Stn, Delapur- 413715 (CR) Distt Ahmedanagar	Cement concrete flooring tiles— IS : 1237—1959	
43. CM/L-6268 1977-07-25	77-08-01	78-07-31	Shree Krishni Sadhan Ltd, Agra Road, Panchvati, Nasik-422003	Sphygmomanometer aneroid type— IS : 7652—1975	
44. CM/L-6269 1977-07-25	77-08-01	78-07-31	Dyes & Chemicals Industries, Mumtaz Es- tate, 9/15, Swinhoe Lane, Calcutta- 700042	Paraffin wax—type 3— IS : 4654—1974	
45. CM/L-6270 1977-07-25	77-07-16	78-07-15	Agarwal Industries, 10/22, Katra Wazir Khan, Hathras Road, Agra-282006	BHC DP— IS : 561—1972	
46. CM/L-6271 1977-07-25	77-07-16	78-07-15	Premier Pesticides Pvt Ltd, E.R.G. Road, Ernakulam Cochin-682001	Repacking of methyl parathion EC— IS 2865—1964	
47. CM/L-6272 1977-07-25	77-07-16	78-07-15	Toshiba Anand Lamps Ltd, Chengam- nad Village, Alwaye Taluk, Ernakulam, Office : XXXI/1089, Mahatma Gandhi Road, Ernakulam, Cochin-682011	Tungston filament general service electric lamps; 250 volts, wattage upto 100 watts— IS : 418—1963	
48. CM/L-6273 1977-07-25	77-08-01	78-07-31	Cartybon Pvt Ltd, Entorda, Madgaum, Goa-403602	Typewriter ribbons Type I & II— IS : 4174—1967	

(1)	2	3	4	5	6
49.	CM/L-6274 1977-07-25	77-08-01	78-07-31	Amcet Pack Enterprises, Diwanchand Hansraj Compound, Opposite Wellman India Ltd, Thana-400061	R packing of quinalphos EC— IS : 8028—1976
50.	CM/L-6275 1977-07-25	77-08-01	78-07-31	Bokaro Steel Ltd, Bokaro Steel City, Distt Dhanbad (Bihar)-827001	Cold rolled carbon steel sheets Type "Ordinary"— IS : 513—1973
51.	CM/L-6276 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	Bharat Pesticides Industries Pvt Ltd, 84, Gujarat Kepari Mahamandal Shakari Audhogik Vashat Ltd, Odhay, Ahmedabad-382002 Office : 2nd Floor, Motilal Hariabhai Market, Opp. Rly Stn., Kapasia Bazar, Ahmedabad-380002	Malathion DP— IS : 2568—1973
52.	CM/L-6277 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	Bombay Foods Pvt Ltd, Pearl Glass Factory Compound, Patel Estate, Goregaon East, Bombay-400063 Office : 53/57 Laxmi Insurance Bldg. Sir P. M. Road, Bombay-400001	Domestic gas stoves for use with LPG— IS : 4246—1972
53.	VM/L-6278 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	Shree Chemicals, 26, M.I.D.C. Industrial Area, Shiroli Pulachi, Distt Kolhapur	Malathion EC— IS : 2567—1973
54.	CM/L-6279 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	Indian Plastics Ltd, Poisar Bridge, Kandivli, Bombay-400067	Urea formaldehyde moulding materials— IS : 3389—1965
55.	CM/L-6280 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	Minerals & Chemicals Industries, 17-C, Industrial Area, P. O. Birgaon, Distt Raipur (M.P)	BHC DP— IS : 561—1972
56.	CM/L-6281 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	Audithiya Mineral Traders, Kondapuram R.S. Cuddapah Distt. (A.P)	Malathion EC— IS : 2567—1973
57.	CM/L-6282 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	Shri Devi Pulverizers, Porecherla, Guntur Distt (A.P)	BHC (HCH) DP— IS : 561—1972
58.	CM/L-6283 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	Shekhar Pulverizers, C-6, Industrial Estate, Warangal-506007(A.P.)	BHC (HCH) DP— IS : 561—1972
59.	CM/L-6284 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	—do—	DDT DP— IS : 564—1975
60.	CM/L-6285 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	Packwell Industries, Kolshet Road, Thana (Maharashtra)	Quinalphos EC— IS : 8028—1976
61.	CM/L-6286 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	Kwality Footwears, Puryabi Club Building, Sindhi Colony, P.O. Agrico, Jamshedpur-831001 Office : Azad Market, TELCO Jamshedpur-831004	Safety boots & shoes, with leather and rubbers soles for mines and heavy metal industries— IS : 1989—1973
62.	CM/L-6287 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	Shri Ishar Alloy Steels Pvt. Ltd., Sector 'D', New Industrial Estate, Sanwer Road, Sukharia, Indore-452003 (M.P.)	Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforcement— IS : 1786—1966
63.	CM/L-6288 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	Gouray Products, 25/1, Gandhi Colony, Muzaffarnagar-251001	Electric immersion water heaters, 1, 1.5, and 2 KW— IS : 368—1963
64.	CM/L-6289 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	Shri Ishar Alloy Steels Pvt. Ltd., Sector 'D', New Industrial Estate, Sanwer Road, Sukharia, Indore-452003	Structural steel (standard quality)— IS : 226—1975
65.	CM/L-6290 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	—do—	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977—1975
66.	CM/L-6291 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	Indian Dairy Entrepreneurs Agricultural Co. Ltd, Industrial Area, Raniwara Kalan Rly. Stn. P.O. Raniwara, Distt Jalore (Rajasthan)	Skim milk powder— IS : 1165—1975
67.	CM/L-6292 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	Parkash Colour & Chemical Industries, 5/3, Kirti Nagar, New Delhi-110015	Cement paint colour as required— IS : 5410—1969
68.	CM/L-6293 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	Asian Cables Corp. Ltd., 2nd Pokhran Road, Thana-400601	Flexible tralling cables for use in quarries and in metalliferous mines'650 V without canvas reinforcement— IS : 1026—1966

1	2	3	4	5	6
69. CM/L-6294 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	Texmo Industries, Ganambikai Mills Post Coimbatore-641029	Monoblock pump sets of : Size 75 x 65 mm 75 x 65 mm 75 x 65 mm IS : 6595—1972	Type TMH—6 TMH—9 TMS—6
70. CM/L-6295 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	Minequip & Co., 3 Paymental Garden Lane, Calcutta-700015 Office : 7 Monoharpukur Road, Calcutta-700026	Safety rubber canvas boots for miners. Type 2 all sizes— IS : 3976—1975	
71. CM/L-6296 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	Synthad Chemicals Pvt. Ltd, Anand Sojitra Road, Vallabh Vidyanagar, Distt. Kaira, (Gujarat State)	Lock stoppers— IS : 1223(Pt I)—1970	
72. CM/L-6297 1977-07-08	77-08-01	78-07-31	Kaira District Co-operative Milk Producers Union Ltd., Mogartal, Anand-388001 Distt. Kaira (Gujarat)	Malted milk feed type II— IS : 1806—1975	
73. CM/L-6298 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	Parul Industries, Shed No. A1-96 G.I.D.C. Nandesari, Distt. Baroda	DDT EC— IS : 633—1975	
74. CM/L-6299 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	India Capacitors Ltd., 99, Motilal Gupta Road, Behala, Calcutta-700008 (Office : 49/1 Gariahat Road, Calcutta-700019).	Shunt capacitors for power system upto 10 KVAR, 415 V IS : 2834—1964	
75. CM/L-6300 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	Jindal (India) Pvt. Ltd., 4 Dharmatala Road, P.O. Belurmath, Distt. Howrah Office : 2/1, Ahmed Mamuji Street, P.O. Liluah, Howrah	Mild steel tubes, light medium and heavy type — IS : 1239 (Pt I) - 1973	
76. CM/L-6301 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	M.P. Agro Pesticides Ltd., Industrial Estate, Bina (C. Rly), Distt. Sagar (M.P.) Office : 29 Bhadbhoda Road, New Market, Bhopal-462003 (M.P.)	BHC (HCH) dusting powders— IS : 561—1972	
77. CM/L-6302 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	-do-	DDT dusting powders— IS : 564—1975	
78. CM/L-6303 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	M.P. Agro Pesticides Ltd., Industrial Estate, Bina (C. Rly) Distt. Sagar (M.P.)	Malathion EC— IS : 2567—1973	
79. CM/L-6304 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	Insecta Pesticides, 7th Mile Stone, Mathura Road, Opp. Coca Cola Factory, Agra-282007	BHC (HCH) DP— IS : 561—1972	
80. CM/L-6305 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	-do-	DDT DP— IS : 564—1975	
81. CM/L-6306 1977-07-28	77-08-01	78-07-31	Chhapolia & Maheshwary Bros., Kankarbagh Road, Gate No. 28, Patna-800028 Office : Exhibition Road, Patna-800001	Vertical, single, cylinder, four stroke water cooled, diesel engines of the following ratings— kW R.P.M.	
				3.7 (5 HP) Covering Class 'B' IS : 1601—1960	1500 SFC 200 gms/BHP
82. CM/L-6307 1977-07-30	77-08-01	78-07-31	Gujarat Agro Industries Corp. Ltd., Karanjbaug, Near Chest Disease Hospital H. No. 8, Naroda, Ahmedabad-382330 Office : Khettryog Bhawan, Opp. Naurangpura, Ahmedabad-380014	BHC (HCH) dusting powders— IS : 561—1972	
83. CM/L-6308 1977-07-30	77-08-01	78-07-31	United Wire Ropes Ltd., Marutikumar Road, Trana-400606	Round rod guide ropes of tensile designation 35-50 kgf/mm ² . IS : 3623—1966	
84. CM/L-6309 1977-07-30	77-08-01	78-07-31	Synthocol Syndicate, 279, Bafna Compound, Veoor, P.B. No. 27, Palghar-401404, Distt. Thane	Coaltar food colour preparation and mixtures— IS : 5346—1975	
85. CM/L-6310 1977-07-30	77-08-01	78-07-31	Lillooah Steel & Wire Co. Ltd., 15/2, Belur Road, Lillooah Howrah Office : 23A Netaji Subhas Road, Calcutta-700001	Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforcement IS : 1786—1966	

1	2	3	4	5	6
86. CM/L-6311 1977-07-30	77-08-01	78-07-31	Scientific Insecticides Co., (Prop. : The Scientific Fertilizer Co. Pvt. Ltd.), 447/1, Managalargiri Road, Guntur	DDT WDPC— IS : 565—1975	
87. CM/L-6312 1977-07-30	77-08-01	78-07-31	Risco Pharmaceuticals (Madras), 106, Lloyds Road, Madras-600086	Disinfectant fluids Grade 3, Black, Class 'A' type normal— IS : 1061—1975	
88. CM/L-6313 1977-07-30	77-08-01	78-07-31	Vel Earthmoving Products Pvt. Ltd., 4A (SP) Third Main Road, Industrial Estate, Ambattur, Madras-600058. Office : Vel Building, 4, Thayur Sahib Street, Madras-600002	Cylinder liners for internal combustion engines Type Dry— IS : 6750—1972	
89. CM/L-6314 1977-07-30	77-07-01	78-06-30	Skoda (India) Pvt. Ltd., Industrial Estate, Arkonam—631002	Hand operated compression knapsack sprayer— IS : 1970 (Pt I)—1974	
90. CM/L-6315 1977-07-30	77-08-01	78-07-31	Gopalkrishna Industries, 163, Patel Road, Coimbatore-641009	Three-phase induction motors ; upto 3.7 kW (5HP) with class 'A' insulation— IS : 325—1970	
91. CM/L-6316 1977-07-30	77-08-01	78-07-31	Five Star Cables, 392 Village & P.O. Badli, Delhi-110042	PVC insulated (heavy duty) electric cables for working voltages upto and including 1100 volts with aluminium conductors— IS : 1554 (Pt I)—1964	
92. CM/L-6317 1977-07-30	77-08-01	78-07-31	The Haryana Dairy Development Co-op. Federation Ltd., Milk Plant, Guhana Road, Rohtak	Skim milk powder— IS : 1165—1975	
93. CM/L-6318 1977-07-30	77-08-01	78-07-31	Pest Chem & Allied Industries, Station Road, Bina, Distt. Sagar	BHC (HCH) dusting powders— IS : 561—1972	
94. CM/L-6319 1977-07-30	77-08-01	78-07-31	Pest Chem. & Allied Industries, Station Road, Bina, Distt. Sagar	Malathion EC— IS : 2567—1973	

[No. CMD/13 : 11]

कांगा० 755.—समय समय पर भौगोलिक भारतीय मानव संस्था (प्रमाणित जिन्हे) विनियम, 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानव संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन 70 लाइसेंसों के ध्योरे नीचे अनुसूची में लिए गए हैं, लाइसेंसधारी को मानक सम्बन्धी गुहर लगाने का अधिकार देते हुए प्रगति 1977 में स्वीकृत किए गए हैं।

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस की सं० और तिथि	वैधता की अवधि	लाइसेंसधारी का नाम और पता	लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया और तस्वीरनीयी	
				[IS : पदनाम]	
1	2	3	4	5	6
1. सी एम/एल-6320 1977-08-04	77-08-16	78-08-15	पेस्टकंट्रोल इंडिया प्रा० लि० एम्पेर इंडस्ट्रियल इस्टेट, शिवरी पूर्व, बम्बई-400013 फोर्म बम्बई, 400023	एस्ट्रिजन पायमनीय तेज द्रव— IS : 1307—1973	
2. सी एम/एल-6321 1977-08-04	77-08-16	78-08-15	"	मालायियोन पायमनीय तेज द्रव— IS : 2567—1973	
3. सी एम/एल-6322 1977-08-04	77-08-16	78-08-15	"	हैस्टास्टोर पायमनीय तेज द्रव— IS : 6439—1972	
4. सी एम/एल-6323 1977-08-05	77-08-16	78-08-15	ब्रैक्टो एक्सेट्राम-एच स्पन पाइप कॉ०, जी०टी० रोड, डा० मुल्लान विल्ड, प्रमुखमर	प्रार सी सी प्रबलित सीमेंट कंशीट पाइप, वर्ग एन पी 2 माप 300, 450, 600 मिंटी० IS : 458—1971	
5. सी एम/एल-6324— 1977-08-05	77-08-16	78-08-15	एस पी एम्पेर इंडिपेंडेंट प्रा० लि०, गोप्य पत्तलिया, परे बिलाली रोड, बिलमोरा (गुजरात)	ग्राम वुलाने के लिए एक नाली बाला रकाबदार पम्प— IS : 2298—1968	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
6. सी एम/एल-6325 1977-08-05	77-08-16	78-08-15	गवि इंडस्ट्रीज प्रा० नि०, नाउडा, आगरा रो०, ठाणे—400062	आग बुझाने के लिए सुवाहू शाग प्रकार का रासायनिक ग्रनिं शमन यंत्र— IS : 933-- 1976	
7. मी एम/एल-6326 1977-08-05	77-08-16	78-08-15	दिन्द कंडकटर प्रा० नि०, न्लाट नं० 209, बम्बई-पूना रोड, पिंगरी, पूना-411018	पावर प्रणालियों के लिए शट ऐप्लिकेटर, 1 के बी ए प्रार, 41 एम बी— IS : 2834-- 1964	
8. मी एम/एल-6327 1977-08-05	77-08-16	78-08-15	बम्बई कूच्स प्रा० नि०, पर्स इनाम फैक्टरी अक्षता पटेल इस्टेट, गोरेगाव पूर्व, बम्बई-400063 कार्यालय : 53/57 लक्ष्मी इंड्योरमं किल्डग, मर पी एम रोड, बम्बई-1	एम पी जी के साथ प्रयोग आले औरेल आना पकाने के रैंग गिलर सहित— IS : 4760-- 1968	
9. मी एम/एल-6328 1977-08-05	77-08-16	78-08-16	राजकमल सॉ मिल्स एण्ड इंडस्ट्रीज, ताराचल्द सदन, तिकोक रोड, आ० एक्सियासाल (जलपाइयुक्त) सिलीगुडी, (पश्चिम बंगाल) कार्यालय : 13 कैमेक स्ट्रीट, कलकत्ता-700017	लाईबुड की खाय की बेटियां के लिए ताले— IS : 10-- 1970	
10. सी एम/एल-6329 1977-08-05	77-08-16	78-08-15	राष्ट्रेंस, मैक्सीन एण्ड कॉ०, 167, वेश्वराम सासमल रोड, कलकत्ता-700033 कार्यालय : 27 बी, कैमेक स्ट्रीट, कलकत्ता-700016	सुवाहू रासायनिक ग्रनिं शमन यंत्र, सी ए प्रकल्प के— IS : 934- 1976	
11. सी एम/एल- 6330 1977-08-05	77-08-16	78-08-15	योग निटवियर्म, 41, पा बी एस सुन्दरसरोड तिस्युर-638601 (तमिलनाडु)	सावीदुनी सूती बनियान-- पार एवं और प्रार एवं एस किस के मध्य 75 से 95 सेमी० तक-- IS : 4964 (भाग II)-- 1975	
12. मी एम/एल-6331 1977-08-05	77-08-16	78-08-15	दिन्दुम्नान इंडस्ट्रीज़, 6, बरौंी इंडस्ट्रियल एरिया, दाकधर, निमत्ता, गिला बेगुमराय (गिहार)	पैराफीन मोम टाइ-३ IS : 4654-- 1974	
13. सी एम/एल-6332 1977-08-08	77-08-16	78-08-15	राष्ट्रेंस, मैक्सीन एण्ड कॉ० 167, वेश प्र० सासमल रोड कलकत्ता-700033 कार्यालय : 27 बी, कैमेक स्ट्रीट, कलकत्ता 700016	सुवाहू शाग-प्रकार का रासायनिक ग्रनिं शमन यंत्र IS : 933— 1976	
14. सी एम/एल-6333 1977-08-08	77-08-16	78-08-15	प्रोसेक्याल इस्पात, उच्चोग, जी ई रोड, ताती बांध, रायगुरु, (म०प्र०) कार्यालय : 2, मालवीय भगर, तुर्प (मध्य प्रदेश)	कंकीट प्रबल्स के लिए ठंडी मरोड़ी विहृत इस्पात की सरिया— IS : 1786-- 1966	
15. सी एम/एल-6334 1977-08-08	77-08-16	78-08-15	प्लाईट वायर प्रोडक्ट्स लि०, पाथिर पल्ली (पालेयी गिला) (केरल) कार्यालय : XXX 467 नई, एम बी रोड, एनीकुलम, कोची-682016	सामान्य ईंग्रीनियरिंग उपयोग के लिए इस्पात के पार की रस्सियाँ— IS : 2266— 1970	
16. सी एम/एल-6335 1977-08-11	77-08-16	78-08-15	टिनम्को प्रा० नि०, टिनम्को हाउस, आबनगर रोड, राजकोट (गुजरात)	18 लीटर के बौकोडे टिन-- IS : 916-- 1975	

1	2	3	4	5	6
17. सी एम/एल- 6336 1977-08-11	77-08-16	78-08-15	गोद टाइपराइटर कं., 19/32 नं. वार्डींग एंड पूर्व कम्पनी-700019 कार्यालय : 10 इकाइ रोड, कलकत्ता-700001	दाशप्रसाद रिवर्न, टाटा 1 और 2, टाटा स्थानी के-- IS : 4174- 1974	
18. सी एम/एल- 6337 1977-08-11	77-08-01	78-08-30	नेश्वर कारोबारिन आफ उर्हिसा, निं. शू फैक्टरी, कैनाल रोड, जीहारा कट्टा-753002	शानोंभरथ नी धातु उद्योग के लिए मुरक्का जूसे और बूट-- IS : 1989- 1973	
19. सी एम/एल- 6338 1977-08-12	77-08-16	78-08-15	गुरुसत एंग्री इंडस्ट्रीज कारपोरो निं. कुरंग शाग बिकांडैस्ट डिसीज हस्तनाल, एस एच बी परकिंग रोड, नोडा, अहमदाबाद-382330 कार्यालय : बैंगु उद्योग भवन उच्च आयलय के सम्बन्ध नवरंग पुरा अहमदाबाद 380014 (गुरुगम)	दी दी टी शूलन पाउडर-- IS : 564- 1975	
20. सी एम/एल- 6339 1977-08-13	77-08-16	78-08-15	ईनगार्ड ब्रॉनिस्टरी घरी, 54 और 56, नेमकर स्ट्रीट, (न्यू नारापाटा), एम्बर्ह-400008	गिर्वा प्रामुखियम और एलुमिनियम मिथ के बर्तन-- IS : 21- 1975	
21. सी एम/एल- 6341 1977-08-13	77-08-16	78-08-15	ओर्डे इंडस्ट्रीज प्रा० निं. 11 रेस कोर्ट रोड, निकट सिटी रेसब्रे स्टेशन बंगलौर (कर्नाटक) कार्यालय : 10 पट्टी मेन रोड, गांधी रोड, बंगलौर 560009	दाशप्रसाद रिवर्न, टाटा 2 बैधम स्थानी के IS : 4174- 1967	
22. सी एम/एल- 6340 1977-08-12	77-08-16	78-08-15	तारापुर कैमिकल्स एंड प्रेसिसाइक्स, प्लाट नं० ५ 47, तारापुर, इंडस्ट्रियल एरिया, बोहसार-401601, (जिला टांगे)	एण्डोसल्फाइम पायसनीय तेज त्रव-- IS : 4323- 1967	
23. सी एम/एल- 6342 1977-08-16	77-08-16	78-08-15	सर्वन स्टीलमेट एण्ड एलायज निं. ज्वाहाटकील रोड, हजाराज फुराम, बंगलौर-46	रेल के डिक्टे इत्यादि के लिए परतवार कमालिया बनाने के लिए इस्तात-- भाग 1 चाप्टे क्रिस्टे IS : 3885 (भाग 1)- 1966	
24. सी एम/एल- 6343 1977-08-12	77-08-16	78-08-15	जमशन तकुमिलियम कारोबोरेन, 10, डम्पुकुर लेन, यशवंतपुर, बंगलौर-560003	एलुमिनियम के बर्तन प्र०-19000 IS : 21- 1975	
25. सी एम/एल- 6344 1977-08-12	77-08-16	78-08-15	पलाईट व्हायर प्रोडक्ट्स, पायरीपल्ली, ऐस्पी जिला, केरल, कार्यालय-- 467 है. एस बी रोड, एनीकुलम, कोचीन- 682016	जहाजों के लिए गोल बलवार जल्दा बड़े इस्तात के तार की रसितयां, माप 8 से 28 मिमी तक-- IS : 2581- 1968	
26. सी एम/एल- 6345 1977-08-12	77-08-16	78-08-15	बैंकटेक्स एंग्री कैमिकल्स एण्ड मिल्स, प्लाट नं० ३८ (उत्तरी ओज) इंडस्ट्रियल इस्टेट, अम्बातूर मद्रास-600098	एण्डोसल्फान पायसनीय सेज त्रव-- IS : 4323- 1967	
27. सी एम/एल- 6346 1977-08-16	77-08-16	78-08-15	एशियाटिक कॉर्पकॉर्प, सी-236 इंडस्ट्रियल परियम, बुग्न्याम्हर रोड, माजियाम्हर (उत्तर प्रदेश)	एलुमिनियम लड्डावार चालक और एलुमिनियम चालक, जल्दावार इस्तात प्रक्रियत-- IS : 398 (भाग 1 और 2)- 1976	
28. सी एम/एल- 6347 1977-08-15	77-08-16	78-08-15	एम लीज लेन-११८ इंडस्ट्री, 116, बी कॉर्पोरेशन हैंडस्ट्रियल स्टेट, कार्यालय (परियम) मद्रास-400064	कोपतातार मे बड़े आदर्श रंग निपितयां और प्रक्रिया-- IS : 5346- 1975	
29. सी एम/एल- 6348 1977-08-16	77-08-16	78-08-15	एडिशन कलर स्पेशलिस्ट, साथम्भे, जमक्कला-हमगांव, जिला--सतारा (महाराष्ट्र)	"	

1	2	3	4	5	6	7
30. सी एम/एल- 6349 1977-08-16	77-08-16	78-08-15	जावाहर लेदर वर्क्स, 15/16, इंडस्ट्रियल स्टेट, सांगली-416416 (महाराष्ट्र)	खानों ग्रीष्म मारे धातु उत्तीर्णों के लिए, मुख्या जूते और बूट, टाइप।		
31. सी एम/एल- 6350 1977-08-16	77-08-16	78-08-15	सारंग प्रोडक्ट्स, 25/1, गोष्ठी कांवोरी, मुजाफ्फर भगवत् (उत्तरप्रदेश)	विज्ञानी के लेखों के भवान मैट्ट।	IS : 3481-- 1966	
32. सी एम/एल- 6351 1977-08-16	77-08-16	78-08-15	तारापुर ईंटिकल्स एण्ड प्रेसिट्सइंडस्ट्री प्लाट नं० इ 47, तारापुर इंडस्ट्रियल प्रारिद्धा, बोड्सार- 401501 ठाणे जिला (महाराष्ट्र)	सी एच सी (एच सी एच) धूलन चूर्ण-- IS : 561-- 1972		
33. सी एम/एल- 6352 1977-08-16	77-08-16	78-08-15	कामधेनु पेस्टीभाइक्स, 507/51, हृष्ण सार इंडस्ट्रियल इस्टेट, हृष्णसार, पूना-411013 कायांलय : 1379 कुपि भवन, भक्तानी पेठ, पूना-411002	डायमिथीएट पायमनीय तेज ग्रन्थ-- IS : 3903-- 1975		
34. सी एम/एल- 6353 1977-08-16	77-08-16	78-08-15	कुपि रमायन, राष्ट्रीय राज मार्ग, मं 5 आकाश : रानी ताल-756111 वालामोर जिला (उडीमा)	पर्लिंग धूलन चूर्ण-- IS : 1308-- 1974		
35. सी एम/एल- 6354 1977-08-16	77-08-16	78-08-15	"	श्री एच सी (एच सी एच) धूलन चूर्ण-- IS : 561-- 1972		
36. सी एम/एल- 6355 1977-08-16	77-08-16	78-08-15	ई आई शी पैरी (हैडिपा) लिं० राष्ट्रीयपेट, उत्तरी श्रीकांठ जिला, (तामिलनाडु)	श्री एच सी (एच सी एच) जल परिक्रमी नेत्र चूर्ण-- IS : 562- 1972		
37. सी एम/एश- 6356 1977-08-16	77-08-16	78-08-15	प्रभु स्टील ईंटस्ट्रीज प्रांतिं०, 158/160, स्माल फैक्ट्री एरिया, वागड़गंज, नागपुर-440008 कायांलय : पुराना मोटर प्रांत, हमवारी, नागपुर-440008	संरक्षना इस्पात, (मानक फिल्म) IS : 1226-- 1973		
38. सी एम/एल- 6357 1977-08-16	77-08-16	78-08-15	आर एम चट्टर्जी आहारेन फैक्ट्री प्रांति०, 63, सीतानाथ बोस लेन, सोलकिया, हावड़ा-711101	सॉक्ट ग्रीष्म बाट सहित बालू छेने लोहे के सीधे मल पाइप-- IS : 1729-- 1964		
39. सीहाम/एल- 6358	77-08-16	78-08-15	मीनांकील रवड़ मार्केटिंग एण्ड प्रोमोशनिंग कॉम्पारेटिव रिटॉल सोसाइटी लिं० सेस्टीफ्लूल सेटेक्स फैक्ट्री, नं० के-18, करुर, तां पलाई जिला कोट्टायम (करल)	शामोनिया द्वारा परिवित सान्द्रय 'ग्राहनिक रवड़ लैटरेट ग्रेड एच ए' IS : 5430-- 1969		
40. सी एम/एल- 6359 1977-08-24	77-09-01	78-08-31	एस्कोर्स लिं०, 14/4 मधुरा रोड फरीवाडा (हरयाणा)	खनिज पूरित खोलद्वारा गरमाने के एनीमेंट-- IS : 4139-- 1976		
41. सी एम/एल- 6360 1977-08-24	77-09-01	78-08-31	पेस्टीमाइस एण्ड ब्यूर्गर लिं० चित्तपुर, मायपाडा, एम बी रोड, ठाणे-400667	जस्ती 'कॉस्काइड तकनीकी-- IS : 1251-- 1973		
42. सी एम/एल- 6361 1977-08-24	77-09-01	78-08-31	"	मालापियोन तकनीकी-- IS : 1832-- 1961		
43. सी एम/एल- 6362 1977-08-24	77-09-01	78-08-31	भारत पत्तराइंजिंग मिल्स प्रांति०, भंडेगी कुरुला रोड, चंकवा नाका, भंडेगी (उत्तर) बंगलौर-400093 कायांलय : श्री निकेतन, 14 क्लीन रोड, बंगलौर-400020)	जस्ता कॉस्काइड तकनीकी-- IS : 1251-- 1973		

1	2	3	4	5	6
44. सी एम/एल- 6363 1977-08-24		77-09-01	78-08-31	लोहार स्टील इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, 12वाँ मोल पुरान, मद्रास रोड, पात्र के पाक के म.स.ने, बंगलोर-560049 कार्यालय : 20 शास्त्रीय लेन भगलौर-560002 (कर्नाटक)	कार्कीट प्रबलन के लिए ठेड़ी मरेड़ी श्रिकृष्ण इस्पात की सरिया-- IS : 1786-- 1966
45. सी एम/एल- 6364 1977-08-24		77-09-01	78-08-31		संरचना इम्पाल (मानक फिल्म) IS : 226-- 1975
46. सी एम/एल- 6365 1977-08-24		77-09-01	78-08-31		संरचना इम्पाल (साधारण फिल्म) IS : 1977-1975
47. सी एम/एल 6366 1977-08-24		77-09-01	78-08-31	स्टील रोलिंग मिल्स आफ हिन्दुस्तान प्रा० लि०, 47 हाइड रोड, कलकत्ता-700027	गडाई के लिए कार्बन इमान की लहे-- IS : 1875-- 1971
48. सी एम/एल- 6467 1977-08-25		77-09-01	78-08-31	कृषि इमायर नेशन, राष्ट्रीय राजमार्ग में 5, दक्षिण : रामी नाल- 756111 जिला-भालामौर	दी ई टी धूलत चूणी-- IS : 564-- 1975
49. सी एम/एल- 6368 1977-08-24		77-09-01	78-08-31	जयलक्ष्मी प्रेसो, कैमिकल्स, गोरखनाल, अमरावती रोड, मुंद्रर कार्यालय : बिकटारायपुरम, टानकु पण्डिम गोदावरी जिला	
50. सी एम/एल- 6369 1977-08-24		77-09-01	78-08-31	श्री वेंकटेश्वर मिनरल्स प्रा० लि०, 3 एलाय मुकामी, स्ट्रीट, तोडेरायपेट, मद्रास-600081 कार्यालय : तम्मुच्चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-600001	दी ई टी जन धिमजंमीय ने ज चूणी-- IS : 565-1975
51. सी एम/एल- 6370 1977-08-24		77-08-16	78-08-15	चित्राक्षय चत्तियाल क०, 55-ए, बगापुरम रोड, चिरुपुर-638604 (तमिलनाडू)	लादी भुनी सूरी बनियाल, टाइप भार एम प्र० भार एत एम, मात 75 मे 90 सेमी सक--
52. सी एम/एल- 6371 1977-08-24		77-08-16	78-08-15	मेटल मोलिंग एण्ड प्रेसिंग वर्क्स, लेक रोड, भास्तुरा, बम्बई-400078	पिटो ग्ल्यूमीनियम के बर्नेन मेड 19000- IS : 21--1975
53. सी एम/एल- 6372 1977-08-25		77-08-01	78-08-31	श्री गोपेश इंडस्ट्रीज, पसवानी अहाता, निकट इंडियन एन्सुमीनियम क०, पुराना ठाणे रोड, कलवा जिला ठाणे (महाराष्ट्र)	एन्सुमीनियम पर एन्टीडाय लेपन IS : 1864-- 1968
54. सी एम/एल- 6373 1977-08-25		77-08-01	78-08-31	ट्रैम्बोीनिक्स, 10-वी बैड स्ट्रीट, कलकत्ता-700019	ट्रिस्ट्रिक्स के लिए अवानासह चैन-- 1 डाइरेक्ट ग्रान भान्ड स्टार्टर-37 किला (50 ज्वा पा) तक, टाइप टी जी/डी ओ एल-1 2 आयुर्मीनिल प्रकाश ट्रांसफार्मर, पाक केज 7, 5 के ली ए टाइप टी जी/एल टी-4 ग्रूप-1 IS : 2148- 1968
55. सी एम/एल- 6374 1977-08-25		77-09-01	78-08-31	मर्जन इंक फैक्टरी, उडरदुम्बुन, बेलोर-632006	रसकों से बनी काउन्टेन पैन की स्थानी रॉप्स नीली --
56. सी एम/एल- 6375 1977-08-26		77-09-01	78-08-31	कृष्णा फाउण्ड्री मुख्यमिश्रमपुरम, मदुरै-625011	भूरे लोहे की बनी बद्दुर-ग्रेड 20 IS : 210-1970
57. सी एम/एल- 6376		77-09-01	78-08-31	एंकर इंडस्ट्रीज, 185, बम्बई टाकीज भाद्राता मलाड (पश्चिम) बम्बई-400064 (महाराष्ट्र)	परेल ग्रीर ईसे ही उपयोगों के लिए स्थित-- IS : 3854- 1966

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
58. सी एम/एल- 6377 1977-08-24	77-09-01	78-08-31	प्रारं डी वरमले एण्ड क० प्रा० लि० 20 के एम, मेरठ रोड, गाजियाबाद (उ०प्र०)	दो लंडों के स्वाम बाल्ड, वर्ग 1300 सिरों भाष पक्के-- IS : 780-- 1969	
59. सी एम/एल- 6378	77-09-01	78-08-31	दुर्गा पेस्टर्साइर्स इंडस्ट्रियल इस्टेट, वरहनपुर-450331 (म०प्र०)	डी डी टी शूलन चूर्ण-- IS : 564-- 1975	
60. सी एम/एल- 6379 1977-08-30	77-09-01	78-08-31	वैस्थियन पेन्ट कलर एण्ड बालिस क० ए-३/१ एवं २ बिल्डिंग इंडस्ट्रियल एरिया, गाजियाबाद, देहराजी-110032	मङ्क पर नियानी के लिए शूग से लम्बे बाला तैयार मिश्रित रंग रोगन-- रंग नं 356 सुहूता पीला सफेद और काला-- IS : 164-- 1966	
61. सी एम/एल 6380 1977-08-30	77-08-01	78-08-31	विश्विनी इंडस्ट्रीज प्रा० लि० बारोड, जिला रत्नाम (म०प्र०)	कंकीट प्रबलन के लिए ठंडी मरंडी विकृत इस्पात की सरिया-- IS : 1786-- 1966	
62. सी एम/एल- 6381 1977-08-30	77-09-01	78-08-31	प्रांतिकान कारपोरेशन आफ केरल लि०, कालांडी सुप कैटरी, बेट्टीलापाडा इस्टेट, बेट्टीलापाडा आकाशवर बरास्ता चालकुरी, बिन्दुचर जिला कार्यालय : के के रोड, कोट्टायम-4	कंकीट प्राह्लिक रबड़, ग्रेड ए-- IS : 4588-- 1975	
63. सी एम/एल- 6382 1977-08-30	77-09-01	78-08-31	प्रताप स्टाइल रोलिंग मिल्स अमृतसर प्रा० लि० प्रताप इस्टेट, लेहरना, अमृतसर (पंजाब)	कार्बन और कार्बन मैग्नीज की कटिंग इस्पात की छड़े-- IS : 4431-- 1967	
64. सी एम/एल- 6383 1977-08-31	77-09-01	78-08-31	सेवर कारपोरेशन आफ उड़ीसा लि०, यूनिट : मृ कैटरी कैलाल रोड कट्टन-733003	प्रास उपयोग के लिए टक्के तक जूते-- IS : 583-- 1969	
65. सी एम/एल- 6384 1977-08-31	77-09-01	78-08-31	लेवर कारपोरेशन आफ उड़ीसा लि० यूनिट : टिटलापांडे नेरी गांव, संगीतुड़ा, आकाश टिटलापांडे बेलनियारी जिला उड़ीसा	पूर्ण तरह खीम युक्त जूते के उपलब्ध का बमड़ा-- IS : 578-- 3971	
66. सी एम/एल- 6385 1977-08-31	77-09-01	78-08-31	जे डी जोन्स एण्ड कम्पनी (प्रा०) लि०, प्लाट नं 800/18, 99/ए कैमरा रोड, आविष्टपुर, इंडियन एरिया, जमशेदपुर-831013 कार्यालय : 1 जूलंद रोडैसर कालोनी जमशेदपुर	की एच सी (एच सी एच) शूलन चूर्ण-- IS : 561-- 1972	
67. सी एम/एल- 6386 1977-08-31	77-09-01	78-08-31	रोल्टा इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लि०, नई इंडियन इस्टेट, बम्बई आगरा रोड, वेवास-455001 (मध्य प्रदेश)	कंकीट प्रबलन के लिए ठंडी मरंडी विकृत इस्पात की सरिया-- IS : 1786-- 1966	
68. सी एम/एल- 6387 1977-08-31	77-09-01	78-08-31	भारत मिलर एण्ड कैमिकल इण्डस्ट्रीज, इंडियन एरिया, असवर (राजस्थान)	डी डी टी शूलन चूर्ण-- IS : 564-- 1975	
69. सी एम/एल- 6388 1977-08-31	77-09-01	78-08-31	"	एल्कून प्यस्मीयथूलन चूर्ण-- IS : 1307-- 1973	
70. सी एम/एल- 6389 1977-08-31	77-09-01	78-08-31	"	की एच सी शूलन चूर्ण-- IS : 561-- 1972	

S.O.755—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulation, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that Seventy licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been granted during the month of August 1977 authorizing the licensees to use the Standard Marks:

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. (CM/L-)	Period of Validity From	To	Name and Address of the Licensee	Article Process covered by the Licences and the Relevant IS : Designation,
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	CM/L-6320 1977-08-04	77-08-16	78-08-15	Pest Control (India) Pvt. Ltd., ACME Industrial Estate, Sewri East, Bombay-400015 Office : 36 Yusuf Building, Fort, Bombay-400023	Aldrin emulsifiable concentrates— IS : 1307—1973
2.	CM/L-6321 1977-08-04	77-08-16	78-08-15	Pest Control (India) Pvt. Ltd., ACME Industrial Estate, Sewri East, Bombay-400015 Office : 36 Yusuf Building, Fort, Bombay-400023	Malathion EC— IS : 2567—1973
3.	CM/L-6322 1977-08-04	77-08-16	78-08-15	—do—	Heptachlor emulsifiable concentrates— IS : 6439—1972
4.	CM/L-6323 1977-08-05	77-08-16	78-08-15	Precio Asbestos & Spun Pipe Co. G.T. Road, RCC pipes Class NP, sizes 300, 450 and 600 mm— P.O. Sultanwind, Amritsar (Punjab)	IS : 458—1971
5.	CM/L-6324 1977-08-05	77-08-16	78-08-15	Aspee Agro Equipment Pvt. Ltd., Antallia Village, Off. : Chikhali Road, Bilmora (Gujarat)	Single barrel stirrup pump for fire fighting purposes— IS : 2298—1968
6.	CM/L-6325 1977-08-05	77-08-16	78-08-15	Ravi Industries Pvt. Ltd., Naupada, Agra Road, Thana-400602	Portable chemical fire extinguisher, foam type— IS : 933—1976
7.	CM/L-6326 1977-08-05	77-08-16	78-08-15	Hind Conductor Pvt. Ltd., Plot No. 209, Bombay Poona Road, Pimpri, Poona-411018	Shunt capacitors for power systems 1 KVAR, 41SV— IS : 2834—1964
8.	CM/L-6327 1977-08-05	77-08-16	78-08-15	Bombay Foods Pvt. Ltd., Pearl Glass Factory Compound, Patel Estate, Goregaon East, Bombay-400063 Office : 53/57 Laxmi Insurance Building, Sir P.M. Road, Bombay-400001	Domestic cooking ranges including grillers, for use with LPG— IS : 4760—1968
9.	CM/L-6328 1977-08-05	77-08-16	78-08-15	Rajkamal Saw Mills and Industries, Tarachand Sadan, Sevoke Road, P.O. Ektalsal (Jalpaiguri), Siliguri (W.B.) Office : 13 Camac Street, Calcutta-700017	Tea-chest plywood panels— IS : 10—1970
10.	CM/L-6329 1977-08-05	77-08-16	78-08-15	Roberts Mclean & Co., 167 Deshapran Sasmal Road, Calcutta-700033 Office : 27B, Camac Street, Calcutta-700016	Portable chemical fire extinguisher soda acid type— IS : 934—1976
11.	CM/L-6330 1977-08-05	77-08-16	78-08-15	Yoga Knitwears, 41-A, B.S. Sundaram Road, Tirupur-638601 (Tamil Nadu)	Plain knitted cotton vests Type RN & RNS Size 75 to 95 cm— IS : 4964 (Pt II)—1975
12.	CM/L-6331 1977-08-05	77-08-16	78-08-15	Hindustan Industries, 6 Barauni Industrial Area, P.O. Tilarath, Distt. Begusarai, (Bihar)	Paraffin wax— Type 3— IS : 4654—1974
13.	CM/L-6332 1977-08-08	77-08-16	78-08-15	Roberts, Mclean & Co., 167 Deshapran Sasmal Road, Calcutta-700033 Office : 27B, Camac Street, Calcutta-700016,	Portable Chemical fire extinguisher foam type— IS : 933—1976
14.	CM/L-6333 1977-08-08	77-08-16	78-08-15	Oswal Ispat Udyog, G.E. Road, Tatibandh Raipur (M.P.) Office : 2 Malviyanagar, Durg (M.P.)	Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforcement— IS : 1786—1966
15.	CM/L-6334 1977-08-08	77-08-16	78-08-15	Pearlite Wire Products Ltd, Pathirappally, Alleppey Distt (Kerala) Office XXX/467 M.G. Road, Ernakulam Cochin-682016	Steel wire ropes for general engineering purposes— IS : 2266—1970
16.	CM/L-6335 1977-08-11	77-08-16	78-08-15	Tinmco Pvt. Ltd., Tinmco House, Bhavnagar, Road, Rajkot (Gujarat)	18 litre square tins— IS : 916—1975

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
17. CM/L-6336 1977-08-11	77-08-16	78-08-15	Globe Typewriter Co. 19/32A, Ballygunge Place East, Calcutta-700019 Office : 10 Clive Row, Calcutta-700001	Typewriter ribbons Type I & II light— IS : 4174—1974	
18. CM/L-6337 1977-08-11	77-07-01	78-06-30	Leather Corporation of Orissa Ltd. Shop, Factory, Canal Road, Johra Cuttack-753003 (Orissa)	Safety boots and shoes for mines and heavy metal industries— IS : 1989—1973	
19. CM/L-6338 1977-08-12	77-08-16	78-08-15	Gujarat Agro Industries Corp. Ltd., Karanji Bough, Near Chest Diseases Hospital, N.H.B. Partig Road, Naroda, Ahmedabad 382330 Office : Khetudiyog Bhavan, Opp. High Court, Navrangpura, Ahmedabad-380014 (Gujarat)	DDT dusting powders— IS : 564—1975	
20. CM/L-6339 1977-08-12	77-08-16	78-08-15	Vanguard Engineering Works, 54—56, Temkar Street, (New Nagpada), Bombay-400008	Wrought aluminium and aluminium alloy utensils— IS : 21—1975	
21. CM/L-6340 1977-08-12	77-08-16	78-08-15	Khoday Industries Pvt. Ltd. No. 11, Race Course Road, Near City Rly. Station, Bangalore (Karnataka) Office : 10, 1st Main Road, Gandhi Nagar, Bangalore-560009.	Typewriter ribbons type II (Medium) — IS : 4174—1967	
22. CM/L-6341 1977-08-12	77-08-16	78-08-15	Tarapur Chemicals & Pesticides, Plot No. E-47, Tarapur Industrial Area, Boisar-401501 Bolasar-401501 Distt : Thana	Endosulfan EC IS : 4323—1967	
23. CM/L-6342 1977-08-12	77-08-16	78-08-15	Southern Steelmet & Alloys Ltd., Whitefield Road, Krishnarajapuram, Bangalore-48 Office : 29/2 K.H. Road, Shantinagar, Bangalore-27	Steel for the manufacture of laminated springs (railway rolling stock) Part: Flat section— IS : 3885(Pt I)—1966	
24. CM/L-6343 1977-08-12	77-08-16	78-08-15	General Aluminium Corp., No. 10, Tumkur Road, Yashwanthpur, Bangalore-560002	Aluminium utensils Grade 19000 — IS : 21—1975	
25. CM/L-6344, 1977-08-12	77-08-16	78-08-15	Pearlite Wire Products, Pathirapally, Alleppey Distt (Kerala). Office : XXX/467E, M.G. Road, Ernakulam, Cochin-682016.	Round strand galvanized steel wire ropes for shipping purposes sizes 8 to 28 mm— IS : 2581—1968	
26. CM/L-6345 1977-08-12	77-08-16	78-08-15	Venkateswara Agro Chemicals & Minerals, Plot No. 3B (Northern Phase) Industrial Estate, Ambattur Madras-600098	Endosulfan EC IS : 4323—1967	
27. CM/L-6346 1977-08-16	77-08-16	78-08-15	Asiatic Conductors, C-236, Industrial Area, Bulandshahar Road, Ghaziabad (U.P.)	Aluminium stranded conductors and aluminium conductors, galvanized steel reinforced— IS : 398(Pt I & II)—1976	
28. CM/L-6347 1977-08-16	77-08-16	78-08-15	S.D's Lab-Chem Industry 116-B, Kandivili Industrial Estate, Kandivili (West) Bombay-400064	Coal tar food colour preparations and mixtures— IS : 5346—1975	
29. CM/L-6348 1977-08-16	77-08-16	78-08-15	Edible Colour Products, Sanpani, Post Humgaon, Distt. Satara (Maharashtra)	Coal tar food colour preparation and mixtures— IS : 5346—1975	
30. CM/L-6349 1977-08-16	77-08-16	78-08-15	Jadhav Leather Works, 15/16, Industrial Estate Sangli-416416 (Maharashtra)	Safety boots and shoes for mines and heavy metal industries Type I— IS : 1989—1973	
31. CM/L-6350 1977-08-16	77-08-16	78-08-15	Sarang Products, 25/1, Gandhi Colony, Muzaffarnagar (U.P.)	Electric portable lamp stands— IS : 3481—1966	
32. CM/L-6351 1977-08-16	77-08-16	78-08-15	Tarapur Chemicals & Pesticides Plot No. E-47, Tarapur Industrial Area. Boisar-401501, Distt. Thana (Maharashtra)	BHC (HCH) dusting powders— IS : 561—1972	
33. CM/L-6352, 1977-08-16	77-08-16	78-08-15	Kamdhenu Pesticides, 50 A/51 Hadapsar Industrial Estate, Hadapsar, Pune-411013 Office : 1379 Krish Bhavan, Bhavani Peth, Pune-411002	Dimethoate emulsifiable concentrates— IS : 3903—1975	
34. CM/L-6353 1977-08-16	77-08-16	78-08-15	Krishi Rasayan, National Highway No. 5, P.O. Ranital-756111, Distt. Balasore (Orissa)	Aldrin dusting powders — IS : 1308—1974	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
35. CM/L-6354 1977-08-16	77-08-16	78-08-15	Krishi Rasayan, National Highway No. 5, P.O. Ranital-756111, Distt Balasore (Orissa)	BHC (HCH) dusting powders— IS : 561-1972	
36. CM/L-6355 1977-08-16	77-08-16	78-08-15	E.I.D. Parry (India) Ltd., Ranipet, North Arcot Distt (Tamil Nadu)	BHC (HCH) Water dispersible powders concentrates— IS : 562-1972	
37. CM/L-6356 1977-08-16	77-08-16	78-08-15	Prabhu Steel Industries Pvt Ltd., 159/160 Small Factory Area, Bagadganj, Nagpur-440008 Office : Old Motor Stand, Itwari, Nagpur-440008,	Structural steel (standard quality)— IS : 226-1973	
38. CM/L-6357 1977-08-16	77-08-16	78-08-15	R.M. Chatterjee Iron Factory Pvt. Ltd., 63, Sitanath Bose Lane, Salkia, Howrah-711101	Sand cast iron soil straight pipes with sockets and splgots— IS : 1729-1964	
39. CM/L-6358 1977-08-16	77-08-16	78-08-15	Mecnachil Rubber Marketing & Processing Co-operative Society Ltd., Centrifugal Latex Factory, No. K-18, Karoor, P.O. Palai, Kottayam Distt (Kerala)	Ammonia preserved concentrated natural rubber latex Grade H.A.— IS : 5430-1969	
40. CM/L-6359 1977-08-24	77-09-01	78-08-31	Escorts Limited 18/4, Mathura Road, Faridabad (Haryana)	Mineral filled sheathed leating elements 2000 W— IS : 4139-1976	
41. CM/L-6360 1977-08-24	77-09-01	78-08-31	Pesticides and Brewers Ltd., Chitalsar, Manpada, S.V. Road, Thana-400667	Zinc phosphide technical— IS : 1251-1973	
42. CM/L-6361 1977-08-24	77-09-01	78-08-31	—do—	Malathion technical— IS : 1832-1961	
43. CM/L-6362 1977-08-24	77-09-01	78-08-31	Bharat Pulverising Mills Pvt. Ltd., Andheri Kurla Road, Chakala Naka, Andheri (East) Bombay-400093 (Office : Shriniketan, 14, Queen Road, Bombay-400020)	Zinc phosphide technical— IS : 1251-1973	
44. CM/L-6363 1977-08-24	77-09-01	78-08-31	Loharu Steel Industries (P) Ltd., 12th Mile, Old Madras Road, Opp. S.K.F. Bangalore-560049 Office : 20 Shanthappa Lane, Bangalore-560002 (Karnataka)	Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforcement— IS : 1786-1966	
45. CM/L-6364 1977-08-24	77-09-01	78-08-31	—do—	Structural steel (standard quality)— IS : 226-1975	
46. CM/L-6365 1977-08-24	77-09-01	78-08-31	—do—	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977-1975	
47. CM/L-6366 1977-08-24	77-09-01	78-08-31	Steel Rolling Mills of Hindustan Pvt. Ltd., 47, Hide Road, Calcutta-700027	Carbon steel bars for forgings— IS : 1875-1971	
48. CM/L-6367 1977-08-24	77-09-01	78-08-31	Krishi Rasayan Nation National Highway No. 5, P.O. Ranital-756111 Distt. Balasore	DDT dusting powders— IS : 564-1975	
49. CM/L-6368 1977-08-24	77-09-01	78-08-31	Jayalakshmi Agro Chemicals, Gorantla, Amaravathi Road, Guntur Office : Venkaterayapuram, Tanuku, West Godavari Distt	DDT dusting powders IS : 564-1975	
50. CM/L-6369 1977-08-24	77-09-01	78-08-31	Sree Venkateswara Minerals Pvt. Ltd., 3 Elaiya Mudali Street, Tondiarpet, Madras-600081 Office : 337, Thanbu Chetty Street, Madras-600001	DDT water dispersible powder concentrates— IS : 565-1975	
51. CM/L-6370 1977-08-24	77-08-16	78-08-15	Chitralaya Banian Co, 55-A, Dharapuram Road, Tirupur-638604 (Tamilnadu)	Plain knitted cotton vests Type : RN & RNS-sizes 75 to 90 cm IS : 4964(Pt II)-1975	
52. CM/L-6371 1977-08-24	77-08-16	78-08-15	Metal Moulding & Pressing Works, Lake Road, Bhandup, Bombay-400078	Wrought aluminium utensils Grade 19000— IS : 21-1975	
53. CM/L-6372 1976-08-25	77-09-01	78-08-31	Shri Ganesh Industries, Paswani Compound, Near Indian Aluminium Co. Old Thana Road, Kalwa Distt. Thana (Maharashtra)	Anodic coatings on aluminium IS : 1868—1968	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
54. CM/L-6373 1977-08-25	77-09-01	78-08-31	Technogenics, 19-B, Broad Street, Calcutta-700019	Flameproof enclosures for (i) Direction-line-starter; upto 37 kW (50 HP); Type TG/DOL-1 and (ii) Air Cooled lighting transformer single phase 7.5 KVA; Type TG/LT-4 Group I— IS : 2148—1968	
55. CM/L-6374 1977-08-25	77-09-01	78-08-31	Surgeon Ink Factory, Uirdumbut, Vellore 632006	Dye based fountain pen ink royal blue colour IS : 1221—1971	
56. CM/L-6375 1977-08-26	77-09-01	78-08-31	Krishna Foundry Subramaniyapuram, Madurai-625011	Grey iron castings Grade 20— IS : 210—1970	
57. CM/L-6376	77-09-01	78-08-31	Anchor Industries, 185, Bombay Talkies, Compound, Malad (West) Bombay- 400064 (Maharashtra)	Switches for domestic and similar purposes IS : 3854—1966	
58. CM/L-6377 1977-08-29	77-09-01	78-08-31	R.D. Verma Co. (Pvt) Ltd., 20 K.M. Meerut Road, Ghaziabad (U.P.)	Cast iron sluice valves, Class I size upto 300 mm— IS : 780—1969	
59. CM/L-6378 1977-08-29	77-09-01	78-08-31	Durga Pesticides, 139, Industrial Estate, Burhanpur-450331 (M.P.)	DDT dusting powders— IS : 564—1975	
60. CM/L-6379 1977-08-30	77-09-01	78-08-31	Champion Paint Colour & Varnish Co ; A-5/1&2, Jhilmil Industrial Area, Shahdara Delhi-110032	Ready mixed paint, brushing for road marking to Indian Standard colour No. 356 golden yellow and white and black— IS : 164—1951	
61. CM/L-6380 1977-08-30	77-09-01	78-08-31	Digvijay Industries (P) Ltd., Bangrod, Distt. Ratlam (M.P.)	Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforcement— IS : 1786—1966	
62. CM/L-6381 1977-08-30	77-09-01	78-08-31	Plantation Corporation of Kerala Ltd., Kaladay Group Factory, Vettilappara Estate, Vettilappara P.O., Via Chalakudy, Trichur Distt Office : K.K. Road, Kotta- yam-4	Raw natural rubber Grade A1— IS : 4588—1975	
63. CM/L-6382 1977-08-31	77-09-01	78-08-31	Pratap Steel Rolling Mills (Amritsar) Pvt. Ltd., Partap Estates, Chheharta Amritsar (Punjab)	Carbon and carbon manganese free cut- ting, steel bars— IS : 4431—1967	
64. CM/L-6383 1977-08-31	77-09-01	78-08-31	Leather Corpn. of Orissa Ltd., Unit : Shoe Factory, Canei Rd., Cuttack-753003 (Orissa)	Ankle Boots for General Purposes IS : 583—1969	
65. CM/L-6384 1977-08-31	77-09-01	78-08-31	Leather Corpn. of Orissa Ltd, Unit: Titil- garh Tannery Village Sangiguda, P.O. Titilagarh, Balangir, District (Orissa)	Full chrome upper leather IS : 578—1971	
66. CM/L-6385 1977-08-31	77-09-01	78-08-31	J.D. Jones & Co. (Pvt) Ltd., Plot No. 800/18 99/A, Kandara Road, Adityapur, Industrial Area, Jamshedpur-831013 Office 1, Juland Road, Kaiser Colony, Jamshed- pur-831005	BHC (HCH) dusting powders— IS : 561—1972	
67. CM/L-6386 1977-08-31	77-09-01	78-08-31	Rolta Industries (P) Ltd. New Industrial Estate, Bombay-Agra Road, Dewas- 455001 (M.P.)	Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforcement— IS : 1786—1966	
68. CM/L-6387 1977-08-31	77-09-01	78-08-31	Bharat Mineral & Chemical Industries, 1, Industrial Area, Alwar (Rajasthan)	DDT dusting powders— IS : 564—1975	
69. CM/L-6388 1977-08-31	77-09-01	78-08-31	-do-	Aldrin emulsifiable concentrates— IS : 1307—1973	
70. CM/L-6389 1977-08-31	77-09-01	78-08-31	-do-	BHC dusting powders— IS : 561—1972	

का० आ० 756.—समय समय पर संगोष्ठित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणित चिन्ह) विभिन्नम 1955 के विनियम 14 के उपनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस संस्था की एम/एल-7593 जिसके बारे में यहां गाए हैं, लाइसेंसधारी की लाइसेंस चालू रखने के लिए रुचि न होने के कारण 80-09-16 से रद्द कर दिया गया है:

प्रम	लाइसेंस संख्या	लाइसेंसधारी का नाम और पता	रद्द किए गए लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रतियोगी	तत्संबंधी भारतीय मानक
1	2	3	4	5
1.	मी. एम/एल-7595 79-03-08	सर्वेश्वर फर्म मशीन्स प्रा० लि०, 13, रंगस्वामी सेट, कोयम्बतूर- 641002 तमिलनाडु हाला कार्यालय 13/18, पेरिया तामो चोड, कोयम्बतूर 641002 तमिलनाडु में है।	पावर बालित (IS : 7347 के अनुसूप IS : 7593 (भाग 1) 1975 पार्ट "प्राइवेट और मुहर योग्य इंजन" वाले बालित भारतीय तथा भूलित भी वार्ताय पृष्ठकामी प्रकार के स्प्रेयर विभिन्न भाग 1 पृष्ठकामी प्रकार के हैं।	[सूची एम/एल-7595] पी० पी० बनर्जी, अधिकारी निदेशक

S. O. 756.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks), Regulations, 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that Licence No. CM/L-7595 particulars of which are given below has been cancelled with effect from 80-09-16 as the licensee is not interested to operate the licence.

SCHEDULE

Sl. Licence No. & date No.	Name & address of the licensee	Article/Process Covered by the licences Cancelled	Relevant Indian Standards
CM/L-7595 79-03-08	M/s. Ramesh Farm Machines Pvt Ltd, 13, Rangaswamy Road, Coimbatore-641002 (Tamilnadu) having their office at 13/18, Peryaswamy Road, Coimbatore-641002 (Tamilnadu)	Powder 'operated' (filled) with ISI marked engines as per IS:7347 pneumatic sprayer-cum-duster knapsack type	IS : 7593 (Part II—1975) specification for Power-operated pneumatic sprayer-cum-duster Part I Knapsack type

[No. CMD/55 : 7595]

A. P. BANERJI, Addl. Dir. General,

छार्ज भवालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1981

का० आ० 757.—मेन्ट्रीय सरकार ने कोयला धारक की (प्रजन और विकास) प्रधिनियम 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के छार्ज भवालय (कोयला विभाग) की प्रधिसूचना सं० का० आ० 2703, तारीख 4 सितम्बर 1978 द्वारा उक्त प्रधिसूचना से उपावधि अनुसूची में विनियित भीर हस्ते उपेक्षद अनुसूची में पुनः "प्रस्तुत परिक्षेत्र में 2832.38 एकड़ (लगभग) या 1146.22 हेक्टर" (लगभग) या 4.42 बर्ग मील (लगभग) क्षेत्रफल काली भूमियों में कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने अधिकारी की सूचना दी थी;

और उक्त भूमियों की वाक्त उक्त प्रधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन कोई सूचना नहीं दी गई है;

ग्रातः केन्द्रीय सरकार उक्त धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त भूमियों का प्रयोग करते हुए 4 सितम्बर, 1980 से भारत में वाली एक वर्ष की भीर प्रधिकारी को एकी अधिकारी के रूप में विनियिष्ट करती है जिसके भीतर केन्द्रीय सरकार उक्त भूमियों को अधिकारी की वाक्त या उनमें या उन पर किन्हीं अधिकारीयों को अंतिम करने के अपने भागाय की सूचना दे सकेगी।

अनुसूची

सोनपुर ज़िला
रामगंग कोयला क्षेत्र

दाइंग सं० 33/1883
तारीख 15-2-1978

(पूर्वेक्षण के लिए अधिसूचित भूमि वर्गित करते हुए)

क्र. सूची	धारा	पुलिस स्टेशन जिला	एकड़ों में टिप्पणी			
सं० (ग्राम)	सं० (धारा)	क्षेत्र				
1	2	3	4	5	6	7
1. नदापाम	20	अन्तर्गत बरेवान	850.90	भाग		
2. भीलुका	21	—पर्वीक्षा— बरेवान	219.17	संस्पृष्ट		
3. सोनपुर	22	—पर्वीक्षा— बरेवान	1352.30	सम्पृष्ट		
4. हस्तिहा	27	—पर्वीक्षा— बरेवान	409.81	संस्पृष्ट		

कुल क्षेत्र
मा

2832.38 एकड़ (लगभग)
1146.22 हेक्टर (लगभग)

सीमा वर्णन:—

क—क—रेखा, सोनपुर और विलपहाड़ी मौजों के सभ्य सामान्य सीमा के साथ-साथ जानी है और विन्दु "क" पर जा मिलती है।

स—ग—रेखा, सोनपुर और बानबहल मौजों के मध्य सामान्य सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ग" पर जा मिलती है।

ग—घ—रेखा, सोनपुर और जोलबंगा मौजों के मध्य सामान्य सीमा के साथ साथ जाती है और बिन्दु "घ" पर जा मिलती है।

घ—इ—रेखा, नवग्राम और जोलबंगा मौजों के मध्य सामान्य सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "इ" पर जा मिलती है।

इ—च—रेखा, नवग्राम और भटभुरा के मध्य सामान्य सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "च" पर जा मिलती है।

च—छ—रेखा, नवग्राम और कोनार छिह्नी मौजों के मध्य सामान्य सीमा के भाग के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ग" पर जा मिलती है।

छ—ज—रेखा, वर्मान बंकोल कोयला खान की खनन पट्टा सीमा के साथ-साथ नवग्राम मौजों को पार कर के जाती है और सीमा के नवा ग्राम की पश्चिमी सीमा पर बिन्दु "ज" पर मिलती है।

ज—झ—रेखा, नवग्राम और धंकरपुर मौजों के मध्य सामान्य सीमा के भाग के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "झ" पर मिलती है।

झ—अ—रेखा, हंसडिहा और बानबहल मौजों के मध्य सामान्य सीमा के साथ साथ जाती है और बिन्दु "ट" पर मिलती है।

अ—ट—रेखा, हंसडिहा और बानबहल मौजों के मध्य सामान्य सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ट" पर मिलती है।

ट—ठ—रेखा, सोनपुर और बानबहल मौजों के मध्य सामान्य सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ठ" पर मिलती है।

ठ—इ—रेखा, सोनपुर और कुमार खोलादी मौजों के मध्य सामान्य सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ट" पर मिलती है।

इ—ह—रेखा, सोनपुर और बजरी मौजों के मध्य सामान्य सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ह" पर मिलती है।

ह—क—रेखा सोनपुर और केन्द्री खोलादी मौजों के मध्य सामान्य सीमा के साथ साथ जाती है और प्रारंभिक बिन्दु "क" पर जा मिलती है।

[सं० 19 (31)/80 सी एल]

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 23rd February, 1981

S.O. 757.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) S.O. No. 2703 dated the 4th September, 1978 issued under sub section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in lands measuring 2832.38 acres (approximately) of 1146.22 hectares (approximately) or 4.42 square miles (approximately) in the locality specified in the Schedule appended to that notification and reproduced in the Schedule appended here-to ;

And, Whereas, in respect of the said lands, no notice under sub section (1) of section 7 of the said Act has been given ;

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by the said sub section (1) of section 7, the Central Government hereby specifies a further period of one year commencing from the 4th September, 1980, as the period within which the Central Government may give notice of its intention to acquire the said lands or any rights in or over such lands.

SCHEDULE SONPUR BLOCK RANIGANJ COALFIELD

Drg. No. 33/1883

Dated : 15-2-1978

(Showing lands notified for prospecting)

Sl. Mouza No. (Village)	Thana Num-ber	Police Station (Thana)	District	Area in Re-Acres	Re-marks
1. Nabagram	20	Andal	Burdwan	850.90	Part
2. Bhaluka	21	-do-	-do-	219.17	Full
3. Sonpur	22	-do-	-do-	1352.40	Full
4. Hansdihia	27	-do-	-do-	409.91	Full

Total area—2832.38 acres
(Approximately)
or 1146.22 hectares
(Approximately)

Boundary Description :

A—B	Line passes along the common boundary between Sonpur and Bilpanari mouzas and meets at point 'B'.
B—C	Line passes along the common boundary between Sonpur and Dalurband mouzas and meets at point 'C'.
C—D	Line passes along the common boundary between Sonpur and Joalbhanga mouzas and meets at point 'D'.
D—E	Line passes along the common boundary between Nabagram and Joalbhanga mouzas and meets at point 'E'.
E—F	Line passes along the common boundary between Nabagram and Bhatmura mouzas and meets at point 'F'.
F—G	Line passes along part common boundary between Nabagram and Monardihia mouzas and meets at point 'G'.
G—H	Line passes across Nabagram mouza, along mining lease boundary of existing pankola colliery and meets at point 'H' on the Western boundary of mouza Nabagram.
H—I	Line passes along part common boundary between Nabagram and Shankarpur mouzas and meets at point 'I'.
I—J	Line passes along the common boundary between Kansdihia and Shankarpur mouzas and meets at point 'J'.
J—K	Line passes along the common boundary between Hansdihia and Banbhal mouzas and meets at point 'K'.
K—L	Line passes along the common boundary between Sonpur and Banbhal mouzas and meets at point 'L'.
L—M	Line passes along the common boundary between Sonpur and Kumar-Khala mouzas and meets at point 'M'.
M—N	Line passes along the common boundary between Sonpur and Bajari mouzas and meets at point 'N'.
N—A	Line passes along the common boundary between Sonpur and Kendra Khotadi mouzas and meets at the starting point 'A'.

[No. 19 (31)/80-CL]

का० ला० 758 :—केन्द्रीय सरकार ने, भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3 उपखण्ड (ii) तारीख 25 मार्च, 1978 में प्रकाशित, भारत सरकार के उज्ज्वल मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं० का० भा० 840 तारीख 8 मार्च, 1978 द्वारा, कोयला धारक क्षेत्र (प्रज्ञन भारत विभाग) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा ४ की उपधारा (1) के प्रधीन उक्त अधिसूचना से संलग्न भूमि में व्यानाविष्ट परिवर्तन में 270.00 एकड़ (लगभग) या 109.26 हेक्टर (लगभग) भूमि में कोयले के पूर्वक्षण के अपने आपय की सूचना थी थी ;

और केन्द्रीय सरकार ने, भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) तारीख 8 मार्च, 1978 में प्रकाशित, भारत सरकार के भूमूलीय इसात, आव और कोयला मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं० का० भा० 542, तारीख 21 फरवरी, 1980 द्वारा, उक्त अधिनियम का धारा 7 की उपधारा (1) के प्रधीन 25 मार्च, 1980 से प्रारम्भ होने वाली एक वर्ष की और अवधि को ऐसी अवधि के रूप में विनिविष्ट करते हुए, सूचना थी थी जिसके भीतर केन्द्रीय सरकार, उक्त भूमि या उसमें या उस पर किन्हीं अधिकारों को अंजित करते के अपने आपय की सूचना दे सकती है ;

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त भूमि में कोयला अभिन्नाप्य है ;

अतः केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (प्रज्ञन और विकास) अधिनियम 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रवर्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे संलग्न अनुसूची में वर्णित 270.00 एकड़ (लगभग) या 109.26 हेक्टर (लगभग) माप वाली उक्त भूमि को अंजित करते के अपने आपय की सूचना देती है ;

टिप्पण 1—इस अधिसूचना के प्रधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरीक्षण उप आयुक्त का कार्यालय, हजारीबाग (बिहार) में या कोयला नियंत्रण का कार्यालय, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता-1 में या सेन्ट्रल कोल फैलड्स, लिमिटेड का कार्यालय (राजस्व भनुभाग) वरमंगा हाउस, रांची (बिहार) में किया जा सकता है ।

टिप्पण 2—कोयला धारक क्षेत्र (प्रज्ञन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 8 के उपबंधों की ओर व्यान आकर्षित किया जाता है जिसमें निम्नलिखित रूप में उपबंधित किया गया है ;

8(1) कोई व्यक्ति जो किसी भूमि में जिसकी बाबत धारा 7 के अर्थात् अधिसूचना निकाली गई है, हितबद्ध है, अधिसूचना के निकाले जाने से तीस दिन के भीतर सम्पूर्ण भूमि या उसके किसी भाग या ऐसी भूमि में या उस पर किन्हीं अधिकारों का अर्जन किए जाने के बारे में आपति कर सकता ।

स्पष्टीकरण—इस धारा के अर्थात् वह आपति नहीं मानी जाएगी कि कोई व्यक्ति किसी भूमि में कोयला उत्पादन के लिए स्वयं खनन संक्रियाएं करता चाहता है और ऐसी संक्रियाएं केन्द्रीय सरकार या किसी अन्य व्यक्ति को नहीं करनी चाहिए

(2) उपधारा (1) के प्रधीन प्रत्येक आपति सक्षम प्राधिकारी को लिखित रूप में की जाएगी और सक्षम प्राधिकारी आपत्तिकर्ता को स्वयं सुने जाने या विधि अवसायी द्वारा सुनवाई का अवसर देता और ऐसी सभी आपत्तियों को सुनने के पश्चात् और ऐसी भूमि के विभिन्न टुकड़ों या ऐसी भूमि में या उस पर के प्रधिकारों के संबंध में आपत्तियों पर प्रपनी

मिकारियों और उसके द्वारा की गई कार्यवाही के अभिलेख सहित विभिन्न रिपोर्टें केन्द्रीय सरकार को उसके विनियन्य के लिए देगा ।

(3) इस धारा के प्रयोजनों के लिए वह अवित्त किसी भूमि में हितबद्ध समझा जाएगा जो प्रतिकर में किसी हित का दावा करते का हकदार होता, यदि भूमि या ऐसी भूमि में या उस पर प्रधिकार इस अधिनियम के प्रधीन अंजित करनिए जाते ।

टिप्पण 3—कोयला नियंत्रण, 1 काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता को केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिनियम के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है ।

अनुसूची

दिवा-दितमा विस्तार व्यापार (परिवहन बोर्डरों कोयला क्षेत्र)

रेखांचित्र सं० राजस्व/79/80 तारीख 22-9-80

सभी अधिकार (जिसमें अंजित की जाने वाली भूमि दर्शित है)

क्रम सं०	ग्राम धाना धाना सं०	जिला	क्षेत्र	ठिप्पण
1. राबोध माहू	51	हजारी बाग		
	कुल क्षेत्र	270.00 एकड़ (लगभग)	या 109.26 हेक्टर (लगभग)	

ग्राम राबोध में अंजित किए जाने वाले प्लाट संख्याक्रम—

506 (भाग), 1200 (भाग), 1219 (भाग), 1221 (भाग), 1222, 1223, 1224 (भाग), 1225 (भाग), 1226 (भाग), 1227 (भाग), 1228 (भाग), 1229 (भाग), 1230 (भाग), 1231 से 1257, 1258 (भाग), 1273 (भाग), 1283 (भाग), 1284 (भाग), 1285 से 1290, 1291 (भाग), 1292 से 1305, 1306 (भाग), 1313 (भाग) 1364 (भाग), 1365 से 1368, 1369 (भाग), 1370 (भाग), 1380 (भाग), 1381 (भाग), 1382 (भाग), 1383 (भाग), 1384 (भाग), 1385 (भाग), 1386 (भाग), 1387 (भाग), 1388, 1389, 1390 (भाग), 1391 (भाग), 1392 (भाग), 1393 (भाग), 1394 (भाग), 1395 (भाग), 1396 (भाग), 1397 (भाग), 1398 (भाग), 1399 (भाग), 1400 (भाग), 1401 से 1412, 1413 (भाग), 1422 (भाग), 1423 (भाग), 1425 (भाग), 1432 (भाग), 1433 (भाग), 1444 (भाग), 1450 (भाग), 1451, 1452 (भाग), 1453 से 1482, 1483 (भाग), 1484 से 1499, 1500 (भाग), 1501 से 1513, 1514 (भाग), 1515, 1516, 1517 (भाग), 1520 (भाग), 1521 (भाग), 1522 (भाग), 1534 (भाग), 1540 (भाग), 1582 (भाग), 1583, 1584, 1585.

सीमा बर्णन—

क-ख—रेखा, ग्राम राबोध में प्लाट संख्याक्रम 1582, 1450, 1444, 1452, 1432, 1425, 1423, 1422, 1413, 1364, 1370, 1369, 1400, 1399, 1398, 1397, 1396, 1395, 1394, 1393, 1392, 1391, 1390, 1387, 1386, 1385, 1384, 1383, 1382, 1381, 1380, 1313, 1306, 1291, 1284, 1283, 506, 1273, 1258 और 1230 से होकर जाती है।

ख-ग—रेखा, ग्राम राबोध में प्लाट संख्याक्रम 1230, 1225, 1226, 1227, 1228, 1229, 1224, 1221, 1200, 1219, 1540, 1500, 1483, 1514, 1517, 1520, 1522, 1521, 1534, और 1483 से होकर जाती है।

ग-य—रेखा, ग्राम राबोध और दतमा की भागतः सामान्य सीमा के साथ साथ होकर जाती है।

य-क—रेखा, ग्राम राबोध, और पिंड की भागतः सामान्य सीमा के साथ साथ होकर जाती है और आरम्भिक विन्दु "क" पर मिलती है।

[सं० 19(1)/80-सी एल]

S.O. 758.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 840 dated 8th March, 1978, published in the Gazette of India, part II, section 3, sub-section (ii) dated the 25th March, 1978, under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition & Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 270.00 acres (approximately) or 109.26 hectares (approximately) of the lands in the locality specified in the Schedule appended to that notification;

And whereas by the Notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines & Coal (Department of Coal) No. S.O. 542 dated the 21st February, 1980, published in the Gazette of India, part II, section-3, sub-section (ii) dated the 8th March, 1978, under sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government gave notice specifying a further period of one year commencing from the 25th March, 1980, as the period within which the Central Government may give notice of its intention to acquire the said lands or any rights in or over such lands;

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in the said lands;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition & Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notices of its intention to acquire the said lands measuring 270.00 acres (approximately) or 109.26 hectares (approximately) described in the Schedule appended hereto;

Note 1.—The plan of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Deputy Commissioner, Hazaribagh, (Bihar) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta-1 or in the Office of the Central Coalfields Limited (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi (Bihar).

Note 2.—Attention is hereby invited to the provisions of section 8 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, (20 of 1957), which provides as follows;

8(1) Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been issued may, within thirty days of the issue of the Notification, object to the acquisition of the whole or any part of the land of any rights in or over such land.

Explanation.—It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or by any other person.

(2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the competent authority in writing, and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further inquiry, if any, as he thinks necessary, either make a report in respect of the land which has been notified under sub-section (1) of section 7 or of rights in or over such land, or make different report in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land, to the Central Government, containing his recommendations on the objections, together with the record of the proceedings held by him, for the decision of that Government.

(3) For the purposes of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under this Act.

Note 3.—The Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta, has, been appointed by the Central Government as the competent authority under the Act.

SCHEDULE

Pindra-Datma Extension Block

(West Bokaro Coalfield)

Drg. No. Rev/79/80 Dated 22-9-80

All Rights

(Showing lands to be acquired).

Sl. No.	Village	Thana	Thana No.	District	Area	Re- marks
1.	Rabodh	Mandu	51	Hazaribagh	Part	
Total area : 270.00 acres (approximately) or 109.26 hect. (approximately)						

Plot numbers to be acquired in village Rabodh:—

506(part), 1200(part), 1219(part), 1221(part), 1222, 1223, 1224 (part), 1225 (part), 1226(part), 1227(part), 1228 (part), 1229 (part), 1230 (part), 1231 to 1257, 1258(part), 1273 (part), 1283 (part), 1284 (part), 1285 to 1290, 1291(part), 1292 to 1305, 1306 (part), 1313 (part), 1364(part), 1365 to 1368, 1369 (part), 1370 (part), 1380(part), 1381(part), 1382(part), 1383(part), 1384(part), 1385(part), 1386(part), 1387(part), 1388, 1389, 1390(part), 1391(part), 1392(part), 1393(part), 1394(part), 1395(part), 1396(part), 1397(part), 1398(part), 1399(part), 1400 (part), 1401 to 1412, 1413(part), 1422 (part), 1423 (part), 1425(part), 1432(part), 1444(part), 1450(part), 1451, 1452 (part), 1453 to 1482, 1483 (part), 1484 to 1499, 1500(part), 1501 to 1513, 1514 (part), 1515, 1516, 1517(part), 1520(part), 1521(part), 1522 (part), 1534(part), 1540(part), 1582(part), 1583, 1584, 1585.

Boundary description:—

A—B	Line passes through plot numbers:—1582, 1450, 1444, 1452, 1432, 1425, 1423, 1422, 1413, 1364, 1370, 1369, 1400, 1399, 1398, 1397, 1396, 1395, 1394, 1393, 1392, 1391, 1390, 1387, 1386, 1385, 1384, 1383, 1382, 1381, 1380, 1313, 1306, 1291, 1284, 1283, 506, 1273, 1258 and 1230 in village Rabodh.
B—C	Line passes through plot numbers:—1230, 1225, 1226, 1227, 1228, 1229, 1224, 1221, 1200, 1219, 1540, 1500, 1483, 1514, 1517, 1520, 1522, 1521, 1534 & 1483 in village Rabodh.
C—D	line passes along the part common boundary, of villages Rabodh and Datma.
D—A	line passes along the part common boundary of villages Rabodh and Pindra and meet at starting point 'A'.

[No. 19(1)/80-CL]

का. आ. 759.—केन्द्रीय सरकार ने कोयला भारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की भारा 4 की उपभारा (1) के अधीन, भारत सरकार के तत्कालीन द्विस्थात, खान और कोयला मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं. का. आ. 3338, सारील 29 सितम्बर, 1979 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट परिक्षेत्र की 3400.00 एकड़ (लगभग) या 1357.00 हैक्टर (लगभग) भूमि में कोयला का पर्येक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्स भूमि में से 1750.00 एकड़ (लगभग) या 708.19 हैक्टर (लगभग) भूमि में कोयला अभिप्राप्त है,

अतः, केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उसमें संलग्न अनुसूची में वर्णित 1750.00 एकड़ (लगभग) या 708.19 हैक्टर (लगभग) भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना दी गई है;

टिप्पण 1.—इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरीक्षण कलक्टर, मिज़ापुर (उत्तर प्रदेश) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक के 1 कौसिल हाउस स्ट्रीट कलकत्ता स्थित कार्यालय में या सैन्टल कोलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) दरभंगा हाउस, रांची (दिल्ली) के कार्यालय में किया जा सकता है।

टिप्पण 2.—कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 8 के उपबन्ध की ओर ध्यान आकर्षित कराया जाता है जिसमें निम्नलिखित उपबंधित है—

“8. (1) कोई व्यक्ति जो किसी भूमि में जिसकी बाबत धारा 7 के अधीन अधिसूचना निकाली गई है, हितब्रह्म है, अधिसूचना के निकाले जाने से तीस दिन के भीतर सम्पूर्ण भूमि या उसके किसी भाग या ऐसी भूमि में या उस पर किन्हीं अधिकारों का अर्जन किए जाने के बारे में आपत्ति कर सकेगा।

स्पष्टीकरण.—इस धारा के अधिनियम यह आपत्ति वहीं मानी जाएगी कि कोई व्यक्ति किसी भूमि में कोयला उत्पादन के लिए स्वयं स्वनन संक्रियाएं करना चाहता है और ऐसी संक्रियाएं केन्द्रीय सरकार या किसी अन्य व्यक्ति को नहीं करना चाहिए।

(2) उपधारा (1) के अधीन प्रत्येक आपत्ति संक्षम प्राधिकारी को लिखित रूप में की जाएगी और संक्षम प्राधिकारी आपत्तिकर्ता को स्वयं स्वनने का या विधि व्यवसायी द्वारा सुनार्हा का अवसर देगा और ऐसी सभी आपत्तियों को स्वनने के पश्चात् और ऐसी अतिरिक्त जांच, यदि कोई है, करने के पश्चात् जो वह आवश्यक समझता है वह या तो धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचित भूमि के या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में एक रिपोर्ट या ऐसी भूमि के विभिन्न दुकड़ों या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में आपत्तियों पर अपनी सिफारिशों और उसके द्वारा की गई कार्यवाही के अभिलेख सहित विभिन्न रिपोर्टें केन्द्रीय सरकार को उसके विनिश्चय के लिए देगा।

(3) इस धारा के प्रयोजनों के लिए वह व्यक्ति किसी भूमि में हितब्रह्म समझा जाएगा जो प्रतिकर में हित का दावा करने का हकदार होता यदि भूमि या ऐसी भूमि में या उस पर अधिकार इस अधिनियम के अधीन अर्जित कर लिए जाते।

टिप्पण 3.—कोयला नियंत्रक, 1, कौसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता को केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिनियम के अधीन संक्षम प्राधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

अनुसूची
भाकरी ब्लाक एक्सरेंट
(सिगरौली कोयला क्षेत्र)
रेखांक सं० राजस्व 105/80
तारीख 28-10-80

(अर्जित की जाने वाली भूमि को उपदण्डित करते हुए)

सभी भविकार	तहमील	परगना
क्रम संख्या ग्राम	दृष्टि	मिगरौली
1. ग्रोदी	दृष्टि	मिगरौली
2. ककरी	"	"
3. नकटी	"	"
4. परामी	"	"
परगना संख्या	ग्राम	जिला-धोनी
—	मिगरा (खरेवा)	मिज़ापुर
77	"	"
108	"	पूर्ण
36	"	"

कुल क्षेत्र 1750.50 एकड़ (लगभग)

या 708.19 हैक्टर (लगभग)

ग्राम ग्रोदी में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्यांक:—
919 (भाग), 921 (भाग), 922 (भाग), 1176 (भाग), 1177 (भाग), 1178 (भाग), 1179 (भाग), 1180 (भाग), 1181 (भाग), 1182 (भाग), 1191 (भाग), 1197 (भाग), 1198 (भाग), 1199 (भाग), 1200 (भाग), 1202 (भाग), 1206 (भाग), 1207 (भाग), 1219 से 1255, 1256 (भाग), 1257 (भाग), 1258 (भाग), 1259 (भाग), 1260 से 1269, 1270 (भाग), 1271 (भाग), 1272 (भाग), 1275 (भाग), 1277 (भाग), 1278 (भाग), 1279 (भाग), 1320, 1321, 1322, 1325 से 1370 और 2271।

ग्राम ककरी में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्यांक:—

1,2,3 (भाग), 4 (भाग), 5 से 13,14 (भाग), 15 से 20, 21 (भाग), 31 (भाग), 32,33,34, 35 (भाग), 37 (भाग), 368 (भाग), 369 से 381, 382 (भाग), 383 (भाग), 384 (भाग), 392 (भाग), 393 (भाग), 416 (भाग), 421 (भाग), 422 से 425, 426 (भाग), 427 से 483, 484 (भाग), 485 (भाग), 494 (भाग), 495 से 497, 499 (भाग), 1098 (भाग), 1099 (भाग), 1100 से 1124, 1125 (भाग), 1126, 1127, 1128, 1148 (भाग), 1149 (भाग), 1150 (भाग), 1151 (भाग), 1152, 1153 (भाग), 1154 (भाग) और 1183 (भाग)।

ग्राम नकटी में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्यांक 1 से 51।

ग्राम परामी में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्यांक:— 1 से 46, 47 (भाग), 48 से 88, 89 (भाग), 90 (भाग), 91 (भाग), 148 (भाग), 149 से 271, 272 (भाग), 277 (भाग), 278, 279 (भाग), 280 (भाग), 281 से 284, 285 (भाग), 286 (भाग), 287 (भाग), 288 (भाग), 330 (भाग), 331 (भाग), 407 (भाग), 419 (भाग), 485 (भाग), 486 (भाग), 487 (भाग), 488 से 495, 496 (भाग), 497 से 2948, 2952 से 3541, 3542 (भाग), 3544 (भाग), 3585, 3586, 3587, 3588, 3589, 3590, 3591 और 3592।

सीमा वर्णन:—

क—ख—रेखा जिला सीधी (म० प्र०) और मिज़ापुर (उ० प्र०) की सीमा के साथ साय जाती है।

प्रा-ग-ध—रेखाएँ प्राम ककरी के प्लाट संख्यांक 3, 4, (माझे), 21, 31, 35, 37, 34, 368, 382, 383, 384, 392, 393, 421, 426, 416, 485, 484, 494, 499, 1098, 1099, 1098, 1154, 1153, 1151, 1150, 1149, 1148-1125 के बीच से और प्लाट संख्यांक 1128, 114 की दक्षिणी सीमा प्लाट संख्यांक 1183 के बीच से होकर, प्राम परासी के प्लाट संख्यांक 47, 89, 91, 90, 148, 272, 277, 279, 280, 288, 287, 286, 285, 330, 331 407, 496, 419, 487, 486, 485, 3544, 3542 के बीच से होकर जाती है।

प्रा-ध—रेखा प्राम परासी के प्लाट संख्यांक 2950, 2951 और 2949 की परिवर्ती सीमा के साथ साथ जाती है।

प्रा-ध—रेखा प्राम परासी और अन्याय, परासी और ध्रौदी की भागत: साक्षी सीमा से होकर जाती है।

प्रा-ध—रेखा (सड़क प्लाट संख्यांक 1371) की भागत: परिवर्ती सीमा के साथ साथ जाती है।

प्रा-ज—रेखा प्राम ध्रौदी के प्लाट संख्यांक 1319, 1324 और 1274 की भागत: दक्षिणी सीमा के साथ साथ, प्लाट संख्यांक 1322 की दक्षिणी सीमा से होकर जाती है।

प्रा-ज—रेखा प्राम नकटी और ध्रौदी की भागत: माझी सीमा के साथ साथ जाती है।

प्रा-भ-क—रेखाएँ प्राम ध्रौदी के प्लाट संख्यांक 1272, 1271, (नाला), 1276, 1275, (नाला), 1279, 1275 (नाला), 1278, 1277, 1275 (नाला), 1259, 1258, 919, 1257, 921, 1256, 922, 1176, 1177, 1178, 1179, 1180, 1181, 1182, 1191, के बीच से प्लाट संख्यांक 1236 की उत्तरी सीमा, प्लाट संख्यांक 1197, 1198, 1199, 1200, 1202, 1206, 1207, के बीच से प्लाट संख्यांक 1219 की उत्तरी सीमा के साथ होकर जाती है और भारतीय बिन्दु 'क' पर मिलती है।

[पंस० 19 (63)/80 सी०एल]
स्वर्ण सिंह, प्रब्रह्म सवित्र

S.O.739.—Whereas by the notification of the Government of India in the then Ministry of Steel, Mines and Coal (Department of Coal) No. S.O. 3338 dated the 29th September, 1979, under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 3400.00 acres (approximately) or 1357.00 hectares (approximately) of the lands in locality specified in the Schedule appended to that notification;

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in 1750.00 acres (approximately) or 708.19 hectares (approximately), out of the said lands,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the lands measuring 1750.00 acres (approximately) or 708.19 hectares (approximately) described in the schedule appended hereto;

Note 1 : The plan of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Collector, Mirzapur (Uttar Pradesh) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the office of the Central Coalfields Ltd. (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi (Bihar).

Note 2 : Attention is hereby invited to the provision of section 8 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) which provides as follows:—

"8(1) Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been issued may, within thirty days of the issue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the land or any rights in or over such land.

Explanation : It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or any other person.

(2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the competent authority in writing and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further inquiry, if any, as he thinks necessary either make a report in respect of the land which has been notified under sub-section (1) of section 7 or of rights in or over such land or make different reports in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land, to the Central Government, containing his recommendation on the objections together with the record of the proceedings held by him for the decision of that Government.

(3) For the purpose of this section a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any right in or over such land were acquired under this Act.

Note 3. The Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta has been appointed by the Central Government as the competent authority under the Act.

SCHEDULE

Kakari Block Extension
(Singruli Coalfield)

Drg. No. Rev/105/80
Dated 28-10-80

(Showing lands to be acquired).

All Rights

Sl. No.	Village	Tahsil	Pargana	
1. Aundi	Dudhi	Singruli		
2. Kakari	"	"		
3. Nakti	"	"		
4. Paras	"	"		
Pargana Number	Thana	District	Area	Remarks
—	Misra (Khairwa)	Mirzapur	Part	
77	"	"	"	Full
108	"	"	"	Part
36	"	"	"	
Total area : or		1750.00 acres 708.19 hectares	(appr.)	"

Plot numbers to be acquired in village Aundi :—

919(part), 921(part), 922(part), 1176(part), 1177(part), 1178 (part), 1179(prat), 1180(part), 1181(part), 1182(part), 1191 (part), 1197(part), 1198(part), 1199(part), 1200(part), 1202 (part), 1206 (part), 1207(part), 1219 to 1255, 1256 (part), 1257(part), 1258(part), 1259(part), 1260 to 1269, 1270(part), 1271(part), 1272(part), 1275(part), 1277(part), 1278(part), 1279(part), 1320, 1321, 1322, 1325 to 1370 and 2271.

Plot number to be acquired in village Kakari :—

1, 2, 3 (part), 4(part), 5 to 13, 14(part), 15 to 20, 21(part), 31(part), 32, 33, 34, 35(part), 37(part), 368(part), 369 to 381, 382(part), 383(part), 384(part), 392(part), 393(part), 416(part), 421(part), 422 to 425, 426(part), 427 to 483, 484(part), 485(part), 494(part), 495 to 497, 499(part), 1098(part), 1099(part), 1100 to 1124, 1125(part), 1126, 1127, 1128, 1148(part), 1149(part), 1150(part), 1151(part), 1152, 1153(part) 1154(part). and 1183 (part).

Polt numbers to be acquired in village Nakti :—

1 to 51.

Plot numbers to be acquired in village Parasi :—

1 to 46, 47(part), 48 to 88, 89(part), 90(part), 91(part), 148 (part), 149 to 271, 272(part), 277(part), 278, 279(part), 280 (part), 281 to 284, 285(part), 286(part), 287(part), 288(part), 330(part), 331(part), 407(part), 419(part), 485(part), 486(part), 487(part), 488 to 495 (part), 497 to 2948 (part), 2952 to 3541, 3542 (part) 3544(part), 3585, 3586, 3587, 3588, 3589, 3590, 3591 and 3592.

Boundary Description :—

A—B Line passes part along the district boundary of Sidhi (M.P.) and Mirzapur (U.P.).

B—C—D Lines pass through plot numbers 3, 4 (Road), 21, 31, 35, 37, 14, 368, 382, 383, 384, 392, 393, 421, 426, 416, 485, 484, 494, 499, 1098, 1099, 1098, 1154, 1153, 1151, 1150, 1149, 1148, 1125, and Southern boundary of plot number 1128, through plot number 1183 in village Kakari, again through plot numbers 47, 89, 91, 90, 148, 272, 277, 279, 280, 288, 287, 286, 285, 330, 331, 407, 496, 419, 487, 486, 485, 3544, 3592 in village Parasi.

D—E Line passes along Western boundary of plot numbers 2950, 2951 and 2949 in village Parasi.

E—F Line passes along the part common boundary of villages Parasi and Ankara, Parasi and Aundi.

F—G Line passes along the part Western boundary of (road) plot number 1371.

G—H Line passes along the part southern boundary of plot numbers 1319, 1324 and 1274, western boundary of plot number 1322 in village Aundi.

H—I Line passes along the part common boundary of villages Nakti and Aundi.

I—J—A Lines pass through plot numbers 1272, 1271(Nalla) 1270, 1275(Nalla), 1279, 1275(Nalla), 1278, 1277, 1275(Nalla), 1259, 1258, 919, 1257, 921, 1256, 922, 1176, 1177, 1178, 1179, 1180, 1181, 1182, 1191, northern boundary of plot number 1236, through plot numbers 1197, 1198, 1199, 1200, 1202, 1206, 1207, northern boundary of plot number 1219 in village Aundi and meets at starting point 'A'.

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 1981

का. आ. 760.—फेन्ड्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में इस्पात और खान मंत्रालय, खान विभाग के अधीन निम्नलिखित कार्यालयों को, जिनके कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्य-साधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, उक्त उप-नियम के प्रयोजनों के लिए अधिसूचित करती है।

- भारतीय खान व्यूरो (मूल्यालय), नागपुर।
- क्षेत्रीय कार्यालय, भारतीय खान व्यूरो, नागपुर।
- क्षेत्रीय कार्यालय, भारतीय खान व्यूरो, हजारीबाग।
- क्षेत्रीय कार्यालय, भारतीय खान व्यूरो, अजमेर।
- क्षेत्रीय कार्यालय, भारतीय खान व्यूरो, उदयपुर।
- क्षेत्रीय कार्यालय, भारतीय खान व्यूरो, देहरादून।
- क्षेत्रीय कार्यालय, भारतीय खान व्यूरो, हैदराबाद।
- क्षेत्रीय कार्यालय, भारतीय खान व्यूरो, जबलपुर।

[संख्या E-11017/5/78-हिन्दी]

राजनीति प्रसाद राय, उप सचिव

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(Department of Mines)

New Delhi, the 18th February, 1981

S.O. 760.—In pursuance of Sub-rule (4) of rule 10 of the Official Languages (use for Official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notify the following offices under the Ministry of Steel and Mines, Deptt. of Mines, the staff whereof have acquired working knowledge of Hindi, for the purposes of said Sub-rule :—

- Indian Bureau of Mines (Head Office), Nagpur.
- Regional Office, Indian Bureau of Mines, Nagpur.
- Regional Office, Indian Bureau of Mines, Hazaribag.
- Regional Office, Indian Bureau of Mines, Ajmer.
- Regional Office, Indian Bureau of Mines, Udaipur.
- Regional Office, Indian Bureau of Mines, Dehradun.
- Regional Office, Indian Bureau of Mines, Hyderabad.
- Regional Office, Indian Bureau of Mines, Jabalpur.

[No. E-11017/5/78-Hindi]

R. P. RAI, Dy. Secy.

कृषि मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

आवेदन

नई दिल्ली, 2 फरवरी, 1981

का. आ. 761.—यह: केन्द्रीय सरकार ने खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयों, उपायिक निदेशालयों और खाद्य विभाग के वेतन तथा लेखा कार्यालयों द्वारा किए जाने वाले खाद्यान्वयों के क्रय, भण्डारण, संचालन, परिवहन, वितरण तथा विक्रय के कृत्यों का पालन करना बन्द कर दिया है जो कि खाद्य नियम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) की भारा 13 के अधीन भारतीय खाद्य नियम के कृत्य है।

और यह: खाय विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयों, उपापित निदेशालयों और खाद्य विभाग के वेतन तथा सेवा कार्यालयों में कार्य कर रहे और उपरिवर्णित कृत्यों के पालन में लगे निम्न-लिखित अधिकारियों और कर्मचारियों ने केन्द्रीय सरकार के स्तरीय 16 अप्रैल, 1971 के परिपत्र के प्रत्यक्तर में उसमें विनिर्दिष्ट तारीख के अन्दर भारतीय खाद्य निगम के कर्मचारी न बनने के अपने आशय को उक्त अधिनियम की धारा 12ए की उप-

धारा (1) के परन्तु कद्वारा यथा अपेक्षित सूचना नहीं दो है ।

अतः अब खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) यथा अद्यतन संशोधित की धारा 12ए प्रवर्त्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित कर्मचारियों को प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से भारतीय खाद्य निगम में स्थानान्तरित करती है :—

क्रम सं०	प्रधिकारी/कर्मचारियों का नाम	केन्द्रीय सरकार के प्रधीन स्थायी पद	स्थानान्तरण के समय केन्द्रीय सरकार के प्रधीन पद	भारतीय खाद्य निगम में स्थानान्तरण की तारीख
1	2	3	4	5
1.	श्री करतार सिंह	—	गोदाम लिपिक	1-3-69
	सुमुक्त श्री जगत सिंह	स्टिचर	—	1-3-69
2.	श्री ओंकार नाथ दुबे	वाचमैन	वाचमैन	1-3-69
3.	श्री मुथाया/येलियाह	वाचमैन	वाचमैन	1-3-69
4.	श्री रामराज्याम/नरसिंहम	गोदाम लिपिक	गोदाम लिपिक	1-3-69
5.	श्री नजीर अली	चपरासी	चपरासी	1-3-69
6.	श्री एस०सी० कादम	एस०सी०डी०	एस०सी०डी०	1-3-69
7.	श्री सैयद हुसैन	गोदाम लिपिक	गोदाम लिपिक	1-3-69
8.	श्री जै० हनुमन्ता	शेड मुपरवाइजर	शेड मुपरवाइजर	1-3-69
9.	श्री तुलसीदास वेलजी शिंगडे	—	—	—

[संख्या 52/1/79-एफ०सी० III(भाल्यम-VI)]
एस० एस० कम्बोह, प्रब्रह्म सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE
(Department of Food)
ORDER

New Delhi, the 2nd February, 1981

S.O. 761.— Whereas the Central Government has ceased to perform the functions of purchase, storage, movement, transport, distribution and sale of foodgrains done by the Department of Food, the Regional Directorates of Food, the Procurement Directorates and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food which under section 13 of Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) are the functions of the Food Corporation of India.

And whereas, the following officers and employees serving in the Department of Food, the Regional Directorate of Food, the Procurement Directorates and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food and engaged in the performance of the functions mentioned above have not, in response to the circular of the Central Government dated the 16th April, 1971 intimated, within the date specified therein, their intention of not becoming employees of the Food Corporation of India as required by the proviso to sub-section (I) of section 12A of the said Act;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by section 12A of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) as amended upto date the Central Government hereby transfer the following officers and employees of the Food Corporation of India with effect from the date mentioned against each of them.

S. Name of the Permanent Post held un- Date of
No. Officer/emp- post held un- der the Central transfer
ployees ployees der the Central Govt. at the to F.C.I.
Govt. Govt. time of transfer

1	2	3	4	5
1.	Shri Kartar Singh S/o Shri Jagat Singh	..	Godown Clerk	1-3-69
2.	Shri Onkar Nath Dubey	..	Stitcher	1-3-69
3.	Shri Muthaiah/ Yeliaiah	Watchman	Watchman	1-3-69
4.	Shri R. Jagannatha- tham/Narasimham	Watchman	Watchman	1-3-69
5.	Shri Nazir Ali	Godown Clerk	Godown Clerk	1-3-69
6.	Shri S. B. Kadam	Peon	Peon	1-3-69
7.	Shri Sayed Hussan	SCD	SCD	1-3-69
8.	J. Hanumantha	Godown Clerk	Godown Clerk	1-3-69
9.	Tulsidas Shingade	Shed Super- visor	Shed Super- visor	1-3-69

[No. 52/1/79-FCIII (Vol.VI)]
S. L. KAMBOH, Under Secy.

सिवाई मंत्रालय

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 20 फरवरी, 1981

का०क्रा० 762.—भारत के राजपत्र, अमाघारण, भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii), तारीख 26 जुलाई, 1980 के पृष्ठ सं० 1091 से 1114 पर प्रकाशित भारत सरकार के सिवाई मंत्रालय की ग्रधिमूलना सं० का० का० 577(प्र), तारीख 26 जुलाई, 1980 में, नीचे सारणी के सम्बन्ध (3) ने उल्लिखित और उक्त सारणी के सम्बन्ध (3) और (4) में दर्शित सम्बन्ध सं० और पक्षित में आने वाले शब्द, अंक और पत्रों के स्थान पर, उसके सम्बन्ध (6) में उल्लिखित शब्द, अंक और पद पढ़ें।

सारणी

क्रम सं०	पृष्ठ सं०	सम्बन्ध	पक्षित	निम्नलिखित के स्थान पर	निम्नलिखित पढ़े
1	2	3	4	5	6
1.	1091	पहला	4	का०क्रा०	का०क्रा०
2.	1092	दूसरा	13	करार हुआ	हुआ करार
3.	1092	दूसरा	28	है	हुए
4.	1093	पहला	20	व्यक्तरणिक रूप के भेदों	व्याकरणिक रूप भेदों
5.	1093	पहला	अन्तिम	सदत	संवत्त
6.	1093	दूसरा	नीचे से चौथी	29. 12. 75	19. 12. 75
7.	1094	पहला	8	प्राप्त	प्राप्ति
8.	1094	पहला	34	जाएग	जाएगा
9.	1094	पहला	नीचे से दूसरी	की प्रस्थापना करता	का
10.	1095	पहला	16	महाराष्ट्र	महाराष्ट्र
11.	1096	दूसरा	1	मध्य प्रदेश	उड़ीसा
12.	1096	दूसरा	1	आंध्र प्रदेश	मध्य प्रदेश
13.	1096	दूसरा	23	कहि	महि
14.	1096	दूसरा	37	करार हुआ	करार हुआ कि
15.	1096	दूसरा	39	सुनिश्चित	सुनिश्चित करके
16.	1097	पहला	16	मिली-जुली	सांझी
17.	1097	पहला	30	निमन	निमन
18.	1097	पहला	30	निम जन	निमज्जन
19.	1097	पहला	36	अंशभाजन	विभाजन
20.	1097	दूसरा	1	उपाधन्य “क”	उपाधन्य “क”
21.	1097	दूसरा	36	लिंग	लिंगती
22.	1098	दूसरा	13	प्राणहिता	प्राणहिता
23.	1099	पहला	17	ग्राम	ग्राम
24.	1099	पहला	35	अवस्थिति	प्रवस्थिति
25.	1099	दूसरा	23	संकर्मी	संकर्मी
26.	1099	दूसरा	नीचे से चौथी	80° - 19' - 36"	80° - 19' - 35"
27.	1099	दूसरा	नीचे से दूसरी	20° - 04' - 12",	20° - 04' - 42",
28.	1100	पहला	13	21° - 52'	21° - 52' - 30"
29.	1100	पहला	20	बिकारी	तिकारी
30.	1100	दूसरा	9	में	से
31.	1100	दूसरा	10	संगठक	संघटक
32.	1100	दूसरा	22	करने के लिए	करने के
33.	1100	दूसरा	30	20° - 50' - 0"	20° - 61' - 0"
34.	1100	दूसरा	35	गोदानगांव	गोदानगांव

1	2	3	4	5	6
35.	1101	पहला	3	निकट दोना	निकट दीना
36.	1101	पहला	18	79°-38'-0"	79°-28'-0"
37.	1101	पहला	21	नामेश्वर	नामेश्वर उपरा
38.	1101	पहला	25	() (2) (क) (1) से () (2) (क) (3) (ग) आनंद प्रवेश	(1/)(2) (क) (i) गे (1/)(2) (क) (xi/ii) (3) आनंद प्रवेश
39.	1101	पहला	32		
40.	1101	पहला	नीचे से नीमरी	आनंद	आनंद
41.	1101	दूसरा	25	18°-21'-35"	आनंद 18°-21'-35"
42.	1102	पहला	नीचे से आठवीं	जलाशय	हृष्मपली जलाशय
43.	1102	दूसरा	1	जी-ii	जी-11
44.	1102	दूसरा	24	भोगालपटनम्/	भोगालपटनम् ।
45.	1102	दूसरा	28	चिट्ठावाम् परियोजना	चिट्ठावाम्
46.	1102	दूसरा	33	18°-46'-34"	18°-56'-34"
47.	1103	पहला	12	कोटरी निक्करा	कोटरी निक्करा
48.	1103	पहला	33	इम स्थान	उम स्थान
49.	1103	दूसरा	34	(8) (क)	(8) (क) और (ल)
50.	1104	पहला	10	आर एल 150	आर एल + 150
51.	1104	पहला	29	स्प्रोग	स्प्रोग
52.	1104	पहला	32	(x)	(ix)
53.	1104	पहला	41	ननसमान	ननसमान
54.	1104	पहला	48	2 टीएमसीसी	2 टी एम सी
55.	1104	दूसरा	38	कर सकना	कर सकने
56.	1104	दूसरा	15	समिमित	समिमित है
57.	1105	पहला	8	7 अगस्त, 1980	7 अगस्त, 1978
58.	1105	पहला	20	चिचा	चिचार
59.	1105	पहला	36	श्री बी० सुखदीप्यन	श्री बी० सुखदीप्यन
60.	1105	दूसरा	4	चुलकीनाला	चुलकीनाला
61.	1105	दूसरा	33	घन 150 फीट	घन 150 फीट
62.	1107	पहला	26	परियोजनाओं	परियोजना
63.	1107	दूसरा	20	खण्ड	खण्ड 11
64.	1107	दूसरा	38	फायदे के लिए	फायदे के प्रयोजन के लिए
65.	1108	दूसरा	9	के मामले	की स्थिति
66.	1108	दूसरा	10	स्थल की दशा	स्थलों के मामले
67.	3308	दूसरा	16	(1) यह भी	(ल) यह भी
68.	1108	दूसरा	16	(1) और (1)	(1) और (11)
69.	1108	दूसरा	20	को बीच	के बीच
70.	1108	दूसरा	34	प्रतिशत	प्रतिशत
71.	1109	पहला	13	पूँछ में	पूँछ 28 मे
72.	1109	पहला	16-17	बन, जीवन	बन जीवन
73.	1109	दूसरा	23	5179-कजा	5179-केजी
74.	1109	दूसरा	41	से जल	से प्रधिक जल
75.	1110	दूसरा	30	मापने पर करने	मापने
76.	1110	दूसरा	43	जाएगा	जाएगा जो गेज स्थान पर पाया
77.	1110	दूसरा	45	हो कर श्री जाएगी	कर दी जाएगी
78.	1111	पहला	13	गवायन	गवायन
79.	1111	पहला	19	18°-41'-45"	18°-41'-25"
80.	1111	पहला	41	स्थान पर तक	स्थान तक
81.	1111	दूसरा	9	18°-34'-02"	18°-34'-03"
82.	1113	पहला	18	आर एल 140	आर एल-1 140

[संख्या 1/1/80-ज-0विं(पार्ट)]
प्रारं बी० शाह, उपमुखिय

MINISTRY OF IRRIGATION

CORRIGENDA

New Delhi, the 20th February, 1981

S.O. 762.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Irrigation No. S.O. 577(E), dated the 26th July, 1980, published in the Gazette of India, Extra-ordinary, Part II Section 3 Sub-Section (ii), dated the 26th July, 1980, at pages 1114 to 1137, for the words, figures and expressions mentioned in column (5) of the Table below and occurring in column No. and line indicated in column (3) and column (4), respectively, of the said Table, read the words, figures and expressions mentioned in column (6) thereof.

TABLE

Sl. No.	Page	Column	Line	For	Read
1	2	3	4	5	6
1.	1114	second	39	Final Order of the Tribunal	"Final Order of the Tribunal
2.	1115	first	37	reservoirs	reservoir
3.	1115	first	38	reckosed	reckoned
4.	1116	second	3	aforesid	aforesaid
5.	1117	second	33	fit.	ft.
6.	1117	second	49	te	the
7.	1118	second	14	and 1093	and MWL 1093
8.	1118	second	31	Manjida	Manjira
9.	1118	second	35	agreement	agreement
10.	1118	second	45	ra	tra
11.	1119	second	10	below	above
12.	1119	second	19	agree	agreed
13.	1120	second	4	discussion	discussions
14.	1121	first	41	under,	under
15.	1121	second	11	20°-12'-30" N	20°-12'-30" N
16.	1121	second	11	78°-18'-10" E	78°-18'-10" E
17.	1121	second	40	long 78°-57"E	Long. 78°-57"E
18.	1122	second	9	78°-50-0"	78°-50-0"
19.	1123	first	32	Dhut	Dhuti
20.	1123	first	35	nea	near
21.	1123	second	34	(I)	(I)(i)
22.	1124	first	10	(v)(1)(F)	(V)(1)(F)
23.	1124	first	34	80°-75'-30" E	80°-15'-30" E
24.	1124	second	31	reckoned	reckoned
25.	1125	first	42	storages	storage
26.	1125	second	50	a	as
27.	1126	first	7	Minor	Minur
28.	1126	second	27	81°-17'-56"E	81°-18'-56"E
29.	1126	second	40	Sabari, the	Sabari, of the
30.	1126	second	Last Line	(VII) (A) & (B)	(VIII) (A) & (B)
31.	1127	first	37	2.5	1.5
32.	1127	second	Penultimate line	Government	Governments
33.	1128	first	13	Discussion	Discussions
34.	1128	first	Penultimate line	of	or
35.	1128	second	17	agreed	agrees
36.	1129	first	1	quanti	quantity
37.	1129	first	Last line	tream	stream
38.	1130	first	33	40 U Tmc,	40 Tmc.,
39.	1130	second	48	proposed	proposed
40.	1130	second	52	Projects	project
41.	1130	second	Last line	projec	project
42.	1132	second	22	Godvari	Godavari
43.	1133	second	38	project	project
44.	1134	second	44	18°-42'-03" N	18°-42'-30" N
45.	1135	first	6	18°-32'-60" N	18°-32'-06" N
46.	1135	first	35	Madhy	Madhya
47.	1135	second	8	forty	forty)
48.	1135	second	19	lowered	lowered
49.	1135	second	23	inflow	inflows
50.	1135	second	27	inflow	inflows

संस्कृति विभाग

भारतीय पुस्तक सर्वेक्षण

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर, 1980

(पुस्तक)

का०आ० 763.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे संतुष्ट अनुसूची में विनिविष्ट प्राचीन संस्मारक गण्डीय महत्व के हैं,

अतः केन्द्रीय सरकार, प्राचीन संस्मारक तथा पुगातस्वाधीन स्थल और प्रवर्षोदय अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शर्कियों का प्रयोग करते हुए, और भाग 2, खण्ड 3, उप खण्ड (ii), तारीख 3 मिसाम्बर, 1977 में प्रकाशित भारत सरकार के शिक्षा और समाज काल्याण मंत्रालय, संस्कृति विभाग (भारतीय पुस्तक सर्वेक्षण), की अधिसूचना सं० का०आ० 2759, तारीख 18 अगस्त, 1977 का अधिकरण करते हुए उक्त प्राचीन संस्मारक को गण्डीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय की दो मास की सूचना देती है।

इम अधिसूचना के जारी किए जाने के पश्चात् वो मास की उक्त अवधि के भीतर उक्त प्राचीन संस्मारक में हितबद्ध किसी भी व्यक्ति द्वारा किए गए किसी आधेप पर केन्द्रीय सरकार विचार करें।

अनुसूची

राज्य	जिला	नहरील	परिक्षेत्र	प्राचीन संस्मारक का नाम	सरकार के प्रधीन सम्मिलित किए जाने वाले राजस्व प्लाट की संख्या	क्षेत्रफल
1	2	3	4	5	6	7
कर्नाटक	दुमकुर	दुमकुर	चिक्का सीमा	श्री नरसिंहासामी मन्दिर जो नीचे उक्त स्थल योजना में दर्शित सर्वेक्षण सं० 10 में संक्षिप्त है।	सर्वेक्षण सं० 10 जो कि नीचे उक्त स्थल योजना में दर्शित है।	S. 224 हेक्टर

सीमाएँ

स्वामित्व

टिप्पणी

8

9

10

उत्तर : सर्वेक्षण सं० 11

पूर्व : सर्वेक्षण सं० 15

दक्षिण : सर्वेक्षण सं० 16, 17, 19, 9

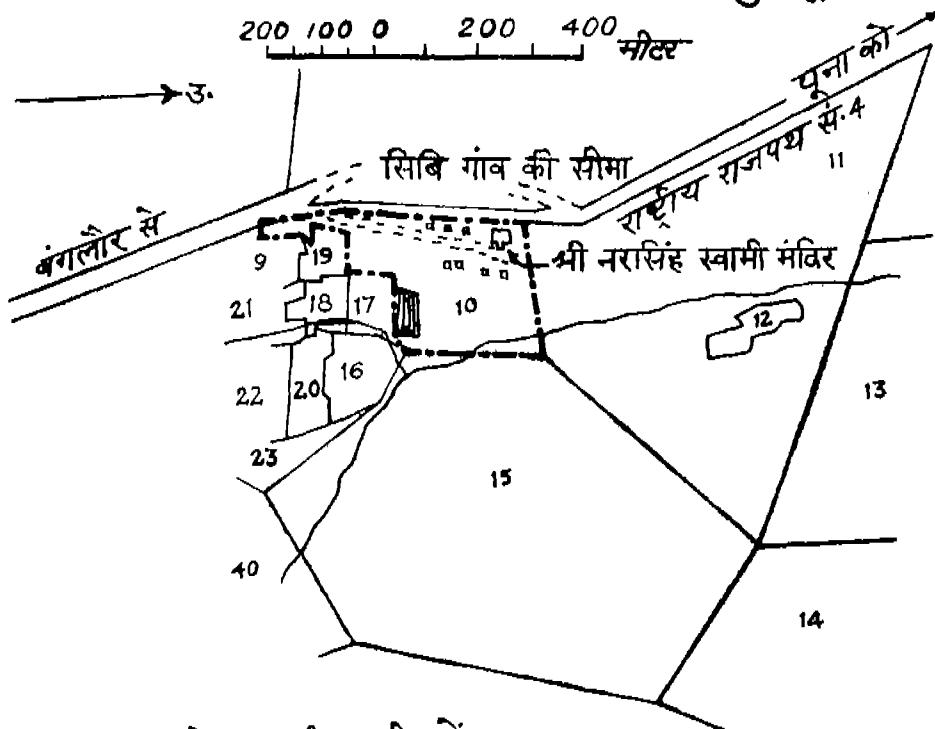
पश्चिम : गण्डीय राजमार्ग सं० 4

राज्य सरकार

मन्दिर पूजा के लिए है

श्री नरसिंह स्वामी मंदिर का स्थल मान चित्र, चिक्का सिंबि, जिला तुमकूर

200 100 0 200 400 मीटर



सुरक्षण की प्रस्तावित सीमाएँ

(Department of Culture)
ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi, the 27th December, 1980

(ARCHAEOLOGY)

S.O. 763.—Whereas the Central Government is of opinion that the ancient monument specified in the Schedule attached hereto is of national importance;

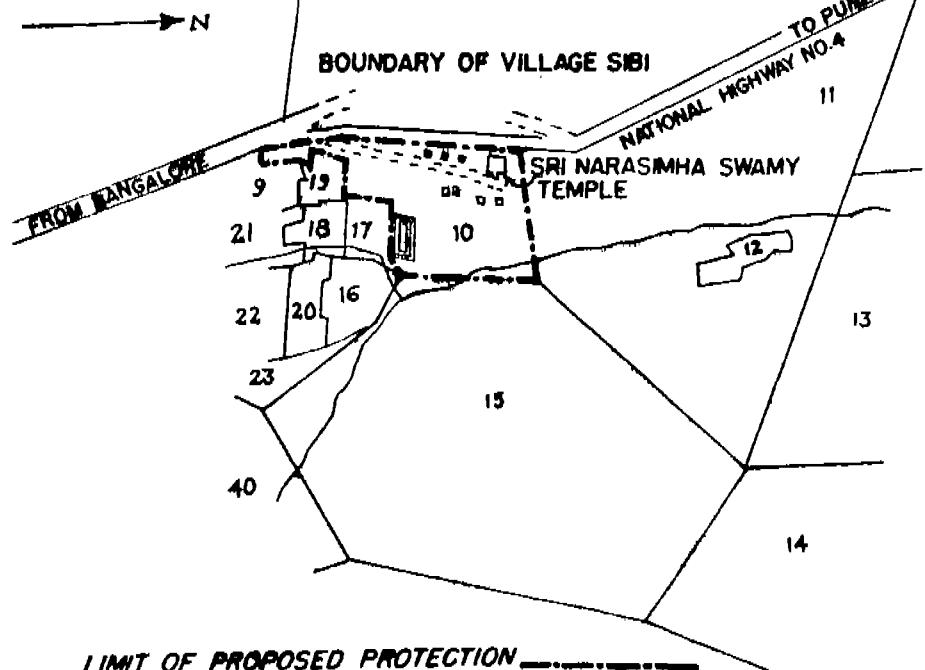
Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958),

SCHEDULE

State	District	Tehsil	Locality	Name of the ancient monument	Revenue plot numbers to be included under protection	Area	Boundaries	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Karnataka	Tumkur	Tumkur	Chikka Sibi	Sri Narasimha swamy temple comprising in survey number 10 as shown in the site plan reproduced below.	Survey number 10 as shown in the site plan reproduced below.	8.224 Hectares	North : Survey Number 11 East : Survey Number 15 South : Survey Number 16, 17 19 and 9 West : National Highway number 4	State Government	Temple is under worship

**SITE-PLAN OF SRI NARASIMHA SWAMY TEMPLE,
CHICKA SIBI, DISTRICT TUMKUR**

200 100 0 200 400 METRES



विवरण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1981

का० आ० 764.—केन्द्रीय सरकार, नरकारी स्थान (प्रधानमंत्री अधिकारी की वेदान्तार्थी) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे सारणी के स्तम्भ 1 में उल्लिखित अधिकारी को, और सरकार के राजराजित अधिकारी के मुमतुल्य है, उक्त अधिनियम के प्रयोगनों के लिए सम्बद्ध अधिकारी नियुक्त करती है और आगे लिखें देती है कि वह उक्त सारणी के स्तम्भ (2) की तत्त्वार्थी प्रविष्टि में विनियित नरकारी स्थानों के प्रधारी के संबंध में अपनी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भिन्नतर, उक्त अधिनियम के द्वारा या प्रधारी सम्बद्ध अधिकारी को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग और अधिरूपित कर्तव्यों का पालन करेगा।

सारली

अधिकारी का पक्षात्म मरकारी स्थानों का प्रधारी और अधिकारिता की स्थानीय सीमाएँ

(1)

(2)

कार्यपालक ईंजीनियर, 'P' केन्द्रीय सोक नियमित विभाग के प्रशासनिक प्रभाग, केन्द्रीय सोक नियमित विभाग, नई लोक नियमित विभाग, नई दिल्ली की अधिकारिता के भीतर स्थित है।

[फाइल सं० 21012 (4)/80-पोल 4]
भारत के० सिंह, सम्बद्ध लिखेनक

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

New Delhi, the 11th January, 1981

S.O. 764.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971) the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (1) of the table below being a gazetted officer of Government, to be estate officer for the purposes of the said act, and further directs that he shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed on estate officer by or under the said Act, within the local limits of his jurisdiction in respect of the category of the public premises specified in column (2) of the said Table.

TABLE

Designation of the officer	Category of public premises and local limits of jurisdiction
1	2
Executive Engineer 'P' Division, Central Public Works Department, New Delhi.	Premises under the administrative control of the Central Public Works Department situated within the jurisdiction of 'P' Division Central Public Works Department, New Delhi.

[File No. 21012(4)/80-PolIV]

R. K. SINGH, Director of Estates

संचार मंत्रालय

(इकाई तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1981

का० आ० 765.—स्थायी आवेदन संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम 1951 के लियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानियेक ने शाहदौल टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-4-81 से प्रमाणित दर प्रगति लागू करने का नियम किया है।

[संख्या 5-10/81-पी० एच० बी०]

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P&T Board)

New Delhi, the 19th February, 1981

S.O. 765.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies 1-4-1981 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Shahdol Telephone Exchange, M.P. Circle.

[No. 5—10/81-PHB]

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1981

का० आ० 766.—स्थायी आवेदन संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के लियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानियेक ने गोहाना टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-3-81 से प्रमाणित कर प्रणाली लागू करने का नियम किया है।

[संख्या 5-5/81-पी० एच० बी०]

New Delhi, the 23rd February, 1981

S.O. 766.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies 16th March, 1981 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Gohana Telephone Exchange, N.W. Circle.

[No. 5-5/81-PHB]

R. C. KATARIA, Asstt. Director Genl.(PHB)

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 1981

का० आ० 767.—स्थायी आवेदन संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय डाक तार नियम 1951 के लियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानियेक ने यामाम टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-3-81 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का नियम किया है।

[संख्या 5-6/80-पी० एच० बी०]

New Delhi, the 25th February, 1981

S.O. 767.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies 16th March, 1981 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Yanam Telephone Exchange, Andhra Pradesh Circle.

[No. 5-6/80-PHB]

नई दिल्ली, 28 फरवरी, 1981

का. आ. 768.—स्थायी आदेश 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड 3 के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने पर्लपाल्लि टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-3-80 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[मंस्या 5-6/81-पीएचबी]

New Delhi, the 26th February, 1981

S.O. 768.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies 16-3-1981 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Parlapalli Telephone Exchange, Andhra Pradesh Circle.

[No. 5-6/81-PHB.]

का. आ. 769.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड 3 के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने बुग्गा अग्रहारम, पालमंगलम कारवतिनगर टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-3-81 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[मंस्या 5-6/81-पीएचबी]

S.O. 769.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies 16-3-1981 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Bugga Agraharam, Palamangalur, and Karvetingar Telephone Exchanges, Andhra Pradesh Circle.

[No. 5-6/81-PHB.]

का. आ. 770.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड 3 के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने मनुबलू, सेन्ट्रलरम टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-3-81 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[मंस्या 5-6/81-पीएचबी]

S.O. 770.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies 16-3-1981 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Manubulu and Saidapuram Telephone Exchanges, Andhra Pradesh Circle.

[No. 5-6/81-PHB.]

का. आ. 771.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड 3 के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने मुनुगोड टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-3-81 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[मंस्या 5-6/81-पीएचबी]

S.O. 771.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies 16-3-1981 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Manugode Telephone Exchange, Andhra Pradesh Circle.

[No. 5-6/81-PHB.]

का. आ. 772.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड 3 के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने सिंगनमला टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-3-81 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[मंस्या 5-6/81-पीएचबी]

S.O. 772.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies 16-3-1981 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Singanamala Telephone Exchange, Andhra Pradesh Circle.

[No. 5-6/81-PHB.]

का. आ. 773.—स्थायी आदेश संख्या 627 दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड 3 के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने कांकोपाडु टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-3-81 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[मंस्या 5-6/81-पीएचबी]

S.O. 773.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies 16-3-1981 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Kankipadu Telephone Exchange, Andhra Pradesh Circle.

[No. 5-6/81-PHB.]

का. आ. 774.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड 3 के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने यनमनगंडला टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-3-81 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[मंस्या 5-6/81-पीएचबी]

आर. मी. कटारिया, महायक महानिदेशक (पी. एच. बी.)

S.O. 774.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951 as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies 16-3-1981 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Yenamanagandla Telephone Exchange, Andhra Pradesh Circle

[No. 5-6/81-PHB.]

R. C. KATARIA, Assistant Director General (PHB).

श्रम संत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर, 1981

का. आ. 775.—केंद्रीय सरकार की राय है कि इसमें उपचबूद्ध अनुसूची में विविधिष्ट विषय के बारे में नवीन मालावार ग्रामीण बैंक कल्नानांद के प्रबंधनसंघ से सम्बद्ध एक श्रीशोभित विद्याद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विवादान हैं;

श्री. बैंद्रीय सरकार उस विवाद को न्यायतिर्णयन के लिए मिर्चेशित करना चाहती है।

अप्र० आ० 776.—केंद्रीय सरकार, श्रीशोभित विद्याद अधिनियम, 1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (४) द्वारा प्रस्तुत अधिनियम के प्रयोग करने हुए, एक श्रीशोभित विद्याद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विवादान है, जिसके प्रियार्थी श्री दी० गुन्दगानम देवतियन हैं, जिनका भूम्भालय मंत्रालय में होता था। उस विवाद को उपर अधिकरण को न्यायतिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

वह नाम मालबार ग्रामीण बैंक, मालबार के प्रब्रथतव का था या यमों के ० कुर्हारामन नम्बियार, विकास अधिकारी को लेखापाल के रूप में, प्रांतन करने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो अन्य कर्मकार किम अनुसूची के हकदार हैं ?

[सं. एल-12012/121/80-डी.० II प.]
यमों के ० विकास अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR

ORDER

New Delhi, the 9th January, 1981

S.O. 775.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the North Malabar Gramin Bank, Cannanore and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed :

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri T. Sundersanam Daniel shall be the Presiding Officer, with headquarters at Madras, and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the management of North Malabar Gramin Bank, Cannanore by promoting Shri M. K. Kunhiraman Nambiar, Development Officer as Accountant is justified ? If not, to what relief are the other workmen entitled ?

[No. L-12012/121/80-D.II(A)]
S. K. BISWAS, Desk Officer

New Delhi, the 20th February, 1981

S.O. 776.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta in the industrial dispute between the employers in relation to the management of United Bank of India and their workmen over reduction of supply of summer liveries, which was received by the Central Government on the 10th February, 1981.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,
CALCUTTA

Reference No. 85 of 1978

PARTIES: Employers in relation to the management of United Bank of India, Calcutta

AND

Their Workmen

APPEARANCES:

On behalf of Employers Mr. Anjan Chatterjee, Asst. Chief Officer, Personnel Department.
On behalf of Workmen Mr. Sajal Kanti Ain, President, Working Committee.

STATE: West Bengal

INDUSTRY : Banking

AWARD

This reference under Section 10 of the Industrial Disputes Act is under the Central Government Order No. L-12011/35/78-D.II.A dated 21st/24th October, 1978. The parties to the dispute are the employers in relation to the management of United Bank of India, Calcutta, hereinafter referred to, as the

"Bank" and their workmen, represented by the General Secretary, United Bank of India Shramik Karamchari (Working Committee), 32, Brindaban Mullick Lane, Calcutta, hereinafter described as the "Samity". The dispute for adjudication is as follows:

"Whether the action of the management of United Bank of India, No. 16, Old Court House Street, Calcutta-700001 is reducing the supply of summer liveries from 4 sets to 3 sets per year to Van Drivers of the Bank mentioned in the Annexure w.e.f. Sept. 1977 is legal and justified? If not, to what relief are the workmen concerned entitled?"

ANNEXURE

LIST OF VAN DRIVERS UNDER BRANCHES IN
CALCUTTA

1. Shri Sarabanaray Jha	} Old Court House Street
2. Shri Rambichar Singh	
3. Shri Lachmi Kanta Jha	
4. Shri Mohar Singh	
5. Md. Aman Ullah	
6. Sri Balbahadur Singh	
7. Sri Jayohandra Jha	
8. Sri Surendra Jha	
9. Sri Maheswar Jha	
10. Gautam Thakur	
11. Shri Santosh Poddar	} Royal Exchange.
12. Sri Jagabandhu Das	
13. Sri Ram Kumar Singh	
14. Sri Tarak Nath Singh	} Dharamtalla Branch.
15. Sri R.A. Singh	
16. Sri Rajdeo Ram	} Calcutta Branch.

2. To-day is fixed for peremptory hearing. Mr. Anjan Chatterjee, Assistant Chief Officer, Personnel Department of the Bank's Head Office is present and Mr. Sajal Kanti Ain, President of the Samity appears on behalf of the Union. They have filed a joint petition of compromise and submit that the dispute between the parties have been amicably settled as per terms mentioned in the joint petition of compromise. They pray that an award may be passed accordingly. I have heard the parties and also perused the petition of compromise which I find voluntary, reasonable and legal. It is signed by the Deputy Chief Officer, Personnel Department of the Head Office of the Bank and also by the President of the Samity.

3. As prayed for by the parties, I pass an award in terms of the compromise appearing in the joint petition of compromise which shall form part hereof as Annexure "A".

R. BHATTACHARYA, Presiding Officer
Dated, Calcutta, [No. L-12011(35)/78-D. II (A)]
The 4th February, 1981. N.K. VERMA, Desk Officer

ANNEKURE 'A'

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL, CALCUTTA

In the matter of Order or Reference No. L-12011/35/78-D.II.A. dated the 21st/24th October, 1978

AND

In the matter of an alleged industrial dispute

BETWEEN

The Employers in relation to the Management of United Bank of India, Calcutta (hereinafter referred to as the Bank)

AND

Their workmen, represented by United Bank of India Shramik Karamchari Samity (hereinafter referred to as the Samity).

AND

In the matter of Reference No. 85/78/1368 dated 3rd/6th November, 1978 issued from the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta.

The humble joint petition on behalf of the parties named above.

Most Respectfully Sheweth:—

1. That in respect of the dispute referred to in the aforesaid Order of Reference, both parties, namely the Bank and the Samity, after prolonged negotiation, have come to the following terms of settlement:—

Terms of Settlement

- (i) That the Bank is agreeable to supply 4 sets of summer liveries to the Van Drivers whose names are mentioned in the Annexure to the aforesaid Order of Reference w.e.f. 1980.
- (ii) That the Samity had agreed on behalf of the Van Drivers to accept the offer made hereinabove.
- (iii) That this settles the dispute between the Bank and the Samity fully and finally so far as the dispute as embodied in the aforesaid Order of Reference.

2. That since the dispute referred to in the aforesaid Order of Reference has been settled by the parties, namely the Bank and the Samity, it is submitted that further adjudication on this score is not necessary.

In the circumstances, your petitioners pray that your Honour may pleased to pass an award in terms of the aforesaid settlement and the dispute may be recorded as settled between the parties accordingly.

And for this, your petitioners as in duty bound shall ever pray.

for the United Bank of India

For United Bank of India

Signature (Ineligible)

Shramik Karamchari Samity.

Designation:

Signature: Sagal Kanti Aini

Personal Dept.

Designation: President

Dy. Chief Officer

Working Committee

Witness:

Witness:

Anjan Chatterjee,

Prabhakar Chatterjee

Asstt. Chief Officer Personal

Secretary Calcutta Regional

Deptt. H.O.

Committee

Dated: The 4th Feb. 1981

S.O. 777.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Allahabad Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 10th February, 1981.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL :

CALCUTTA

Reference No. 68 of 1978

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

On behalf of Employers—Mr. M. R. Sarbadhikary, Law Officer of the Bank.

On behalf of Workmen—Mr. A. D. Singh, President, Allahabad Bank Cash Staff Association.

State : West Bengal

Industry : Banking

AWARD

This reference under Section 10 of the Industrial Disputes Act has been sent to this Tribunal by the Government of India by its Order No. L-12012/17/78-D. II, A dated 25/28th July, 1978 for adjudication of an industrial dispute between the employers in relation to the management of Allahabad Bank, hereinafter referred to as the "Bank" and their workmen represented by the General Secretary, Allahabad Bank Cash Staff Association, hereinafter referred to as the "Association" in the following terms :

"Whether the action of the management of Allahabad Bank in denying Head Cashier category 'E' allowance to Shri Vishwanath Khanna, Cashier Burdwan Branch with effect from 1st September, 1974, the day of up gradation of the Branch to 'A' category to 8th February, 1976, the day prior to the assumption of charge by the workman at Burdwan Branch is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

2. The Bank as well as the Association filed their respective written statements. The case of the Association, in short, is that the Burdwan branch of the Bank was upgraded from Grade B to Grade A on 1st September, 1974. The concerned workman Vishwanath Khanna was the senior most Head-cashier of Category C at the relevant time and he ought to have been posted at the Burdwan branch of the Bank with effect from 1st September, 1974 as a Head-cashier of category E which carries a special allowance of Rs. 85 per month. He was posted to Burdwan branch of the Bank as a Headcashier category E after a long delay and joined there on 9th February, 1976. This unreasonable and wilful delay in posting has caused loss of about Rs. 1,372.54 P to the concerned workman as he was deprived of the special allowance of Rs. 85 since 1st September, 1974. This benefit was denied to Vishwanath Khanna arbitrarily, although other promotees were given the benefit of special allowance with effect from the date of upgradation of the branch of the Bank concerned. In the case of Vishwanath Khanna there has been an wilful discrimination in the matter of allowing special allowance. The Association claimed that Vishwanath Khanna be allowed special allowance with effect from 1st September, 1974.

3. The Bank in its written statement has stated that the Burdwan branch of the Bank was upgraded to class A with effect from 1st September, 1974 and that Vishwanath Khanna selected for the post of Cashier-in-charge of category E of the said branch took up the charge at the said branch on 9th February, 1976. The Bank understands that the Association raised the claim under the provision of clause (a) of the Bank's circular No. Staff/9/23/593 dated 22nd September, 1973. According to the Bank the interpretation of the said clause does not help the concerned workman. According to the Bank the said clause says that any branch of the bank raised to the status of class A will be provided with a Cashier-in-charge in category E from the date only when the employee selected for the said post takes up the duties of the said Cashier-in-charge in category F. It is further stated that the promotions of the Bank's workmen including the Cashiers-in-charge are regulated and governed by the rules for promotion incorporated in the Bipartite agreement dated 11th January, 1975 according to which the concerned workman cannot claim any special allowance with effect from upgradation of the branch concerned. It is further stated that Vishwanath Khanna could not be released earlier to take up his assignment as Cashier-in-charge category E at Burdwan branch on some administrative grounds since his presence at Khardah branch of the bank was necessitated to watch an identification parade to be held at Alipore in connection with a dacoity case. The Bank also admits that the circular dated 22nd September, 1973 regarding the provision for Cashier-in-charge in Category F has been modified to some

PARTIES :

Employers in relation to the management of Allahabad Bank

extent by clause (c)(ii) of the Bank's circular No. Staff/12/23/248 dated 21st March, 1975. The Bank further stated in the written statement that payment of F category allowance comes under the category of special allowance as mentioned in Chapter V of 1st Bipartite Settlement dated 19th October, 1966 according to which the workman will be entitled to special allowance if he is required to perform duty/duties or undertakes the responsibilities enlisted against the category and he will be entitled to a special allowance only so long he is in the charge of such work or performance of such duty which attracts special allowance. In short, the contention of the Bank is that the circulars dated 22nd September, 1973 and 21st March, 1975 have no application to the case of Vishwanath Khanna.

4. Mr. M. R. Sarbadhikary, Law Officer of the Bank appears on behalf of the Bank and Mr. A. D. Singh, President of the Association appears on behalf of the workman. When the matter was taken up for hearing both the parties submitted that the documents filed by the parties and to be relied upon will be enough to dispose of the matter and that no oral evidence was necessary. In this view of the matter, several documents were admitted on behalf of the parties, formal proof whereof being dispensed with and the parties relied upon those documents at the time of argument.

5. According to Mr. A. D. Singh, President of Association, the concerned workman Vishwanath Khanna was Head-cashier/Cashier-in-charge of category C in West Bengal circle employed at Khardah branch of the Bank at the time when Burdwan branch of the Bank was upgraded to A class. Khardah branch was of category B. The Burdwan branch was upgraded to class A on and from 1st September, 1974. At that time, as admitted by both the parties, one. Rajendra Prasad Kapoor was Head-cashier employed at Burdwan. It has been further argued by Mr. Singh that according to the circular dated 22nd September, 1973 issued by the Bank and containing the agreement between the management and the workman, Vishwanath Khanna was entitled along with the upgradation of Burdwan branch to be transferred to Burdwan branch as Cashier-in-charge or Head-cashier of category F with an allowance of Rs. 85 per month. Mr. Singh has contended that in view of a subsequent circular dated 21st March, 1975 which made certain clarifications in respect of circular dated 22nd September, 1973 Vishwanath Khanna ought to have been transferred to Burdwan branch on or before 30-4-75 with special allowance of Rs. 85 per month. In support of his contention he has referred to certain letters of the Bank showing that in several other cases, employees were transferred to the upgraded branches with special allowance to be paid with retrospective effect in terms of the agreement.

6. Mr. Sarbadhikari has argued before me that the circulars relied upon by Mr. Singh are not applicable to Vishwanath Khanna and that Khanna's case was regulated by the provisions made in the Rules for Promotion based upon settlement between the Allahabad Bank and All India Allahabad Bank Employees' Coordination Committee on 11th January 1975 and on the basis of a Bipartite settlement dated 19th October, 1966.

7. At the hearing the parties relied upon the following important documents :

- (i) Ext. M-3—circular No. Staff 9/23/593 dated 22-9-73
- (ii) Ext. M-4—circular No. Staff 12/23/748 dated 21-3-75.
- (iii) Ext. M-1—Rules for Promotion on the basis of the settlement dated 11th January, 1975.
- (iv) Ext. M-2—Bipartite Settlement dated 19th October 1966.
- (v) Ext. M-10—List of persons placed in category C as Head-cashier/Cashier-in-charge in the West Bengal Circle.
- (vi) Ext. M-11—Agreement based upon minutes of discussion between the representative of the Allahabad Bank and the All India Allahabad Bank Employees' Coordination Committee dated 21st July, 1973.

8. Before me certain facts are admitted. There is no dispute that Burdwan branch was upgraded to class A on 1st September, 1974. At that time Vishwanath Khanna was

in category C of Head-cashier/Cashier-in-charge in Khardah branch of the Bank. There is no dispute and it also appears that at the relevant time Vishwanath Khanna was the senior-most in the gradation of category C head-cashier and Cashiers-in-charge in West Bengal circle of the Bank. There is no dispute also that on the face of the Bipartite settlement dated 19th October, 1966 an agreement was arrived at on 21-7-73 regarding the allowance for Head-cashier/Cashiers-in-charge and there is no dispute before me that the said agreement mentioned also in Ext. M-3 the circular dated 22nd September, 1973 was valid regarding special allowance. On the basis of the agreement arrived at on 21st July, 1973 the said circular was issued by the Bank. For the purpose of our case, namely, upgradation of a branch to A class, I quote the following portion of the agreement mentioned in Circular Ext. M-3 which is the reproduction of Ext. M-11 :

"ALLOWANCE FOR HEAD CASHIERS

It has been agreed by both the parties that all the branches which has been maintained deposit figure as under will be granted Head Cashier Allowance as indicated below :

- (a) All existing 'A' class branches plus other branches which may fall under 'A' class status at present or in future on the basis of Rupees one crore deposit throughout the year 1972 shall replace their existing Head Cashier Category 'A' or Category 'C' (Category 'C' to be introduced as per Para (b) below) by Head Cashier Category 'E' will effect from the date on which the employee selected takes up his duties at the branch concerned."

There is no dispute before me from the side of the Bank that according to the agreement, in case any branch is upgraded to Class A, a Headcashier or Cashier-in-charge of Category C should be transferred to the upgraded branch to replace the existing Headcashier and the said transfer or promotion to category E would be according to seniority. It is further admitted before me that according to the agreement if the person transferred joins the new assignment within 15 days from the order he will get special allowance with effect from the date of upgradation. In clause (a) mentioned above there is reference to not only the upgradation at the relevant time of agreement but also upgradation in future as mentioned therein. In the present case the Burdwan branch was upgraded not at the time of agreement but on 1st September, 1974. The agreement was arrived at on 21st July, 1973. Clause

- (i) of Circular Ext. M-3 reads as follows :

"While posting of Head Cashiers in terms of this settlement the Bank will ensure, as far as practicable, that there is least dislocation/inconvenience caused to the employees affected. It is also agreed that all postings in terms of this agreement will be finalised as early as possible but not later than three months from the date of this agreement."

The second part of clause (i) clearly says that postings according to the agreement will be finished as quickly as possible but not later than three months from the date of the agreement. In the present case, as I have already indicated, the upgradation of Burdwan branch was effected on 1st September, 1974 after three months from the date of agreement but as in the agreement there is reference to future upgradation, the terms of the agreement will also be applicable in case of upgradation regarding Burdwan branch. It appears quite clearly and there is no dispute that in spite of upgradation of Burdwan branch on 1st September, 1974 Vishwanath Khanna was not transferred there from Khardah branch. According to Mr. Singh this delay was a malafide one and most unreasonable causing financial loss to the concerned workman. In this connection I would refer to Ext. M-4, the circular which clarified some matters regarding the date from which higher special allowance is payable. According to sub-clause (iii) of clause (c) of Circular Ext. M-4, where a transfer of Head-cashier or Cashier-in-charge from any other branch is involved the higher special allowance will be paid with effect from 21st October, 1973 provided that the branch had qualified for higher status as on that date and further that the Head-cashier/Cashier-in-charge concerned had proceeded to the new branch where he is posted within 15 days from the date of receipt of instruction. In the case before me the question of special allowance payable from 21st October, 1973 does not arise because in fact Burdwan branch was upgraded

on 1st September, 1974. But according to the agreement even if there is upgradation after the date of agreement the clause for special allowance will be effective and in view of this clause in case of transfer as mentioned therein on the terms stated, the special allowance will be payable from the date of upgradation of the branch concerned. In Ext. M-4 it is stated towards the end as follows :

"It was agreed that the Agreement will be implemented on or before 30th April, 1975 from the date hereof at such places where the same has not been implemented and until such time the provisions of the new Settlement on 'Rules for Promotion' now agreed upon will not be applicable as far as it relates to the promotion within Cash Department."

9. The above circular has made it clear, therefore, that if there is any case which has not been implemented in accordance with the provisions of the agreement as mentioned in Circular Ext. M-3, that case has got to be implemented on or before 30th April, 1975. I have no doubt, therefore, that according to the agreement Vishwanath Khanna No. 1 in the seniority list of category C should have been transferred to Burdwan branch along with the upgradation of the said branch or at least within three months there from as mentioned in clause (j) of Ext. M-3 and in any view of the matter that implementation should have been done or before 30-4-75 as mentioned in Ext. M-4. In spite of this clarification appearing in Ext. M-4 no action was taken by the Bank. In this connection I may refer to some explanation given by the Bank in its written statement. In paragraph 10 of its written statement the Bank has stated in the last sentence as follows :

"It is further stated that aforementioned Sri Vishwanath Khanna could not also be released earlier to take his assignment as Cashier-in-charge in category E at Burdwan branch of the Bank on some administrative grounds since his presence at Khardah branch of the Bank was necessitated to watch an identification parade at Alipore in connection with a dacoity case."

This reason explaining the delay in transfer of Vishwanath Khanna, Cashier-in-charge in category E is not only unreasonable but carries no sense. This is no ground for administrative purpose. If really Khanna was an witness in connection with the dacoity case and required to attend the identification parade, he was not at all required for administrative purpose at the Khardah branch. He could have been easily transferred to Burdwan branch in due course and if necessary he could have attended the identification parade in connection with the dacoity case if at all necessary. This ground assigned by the Bank is totally unacceptable. I should say it is frivolous.

10. Mr. Sarbadhikari has stated that Mr. Singh has failed to adduce any evidence to show that any other employee of the Bank was transferred to another branch as of category E with upgradation. It is not for the Association to prove that fact. It is for the bank to prove that there was no occasion for transferring any Head-cashier or Cashier-in-charge of category C to another branch with upgradation. Clearly, the bank's letters, exhibits M-7, 8 and 9 and exhibit W-3 will show that other employees were transferred to other branches as Cashier-in-charge with the upgradation of other branches, of course of lower grade and in those cases those employees were given special allowance with retrospective effect. It is for the bank to prove that there was no upgradation of any branch to A class and that therefore there was no occasion for transferring any Head-cashier or Cashier-in-charge of category C as in the present case.

11. Lastly, it has been argued by Mr. Sarbadhikari that in other cases there is indication in the letters that the Bank was following the agreement embodied in the circular and that in the present case in the letter written to Vishwanath Khanna there is no reference or indication to the agreement but he was simply asked to join his assignment without mentioning about any special allowance. Mr. Sarbadhikari has argued that Vishwanath Khanna's case was under the purview of the Rules for Promotion arrived at on 11th January, 1975. I cannot accept this contention. Of course, in Rule 3 of Part II the rules for promotion, marked Ext. M-1, it is stated that promotion to the post of Head-cashier or Cashier-in-charge category E shall be made on the basis of area-wise seniority amongst the Head-cashiers/Cashiers-in-charge drawing category C allowance seniority being reckoned from the date of

assuming charge as Head Cashier/Cashier-in-charge attracting category A allowance permanently. But these rules for promotion will not be applicable to the case of Vishwanath Khanna. As I have already stated, according to the agreement he was entitled to be transferred to the Burdwan branch within three months from the date of upgradation or in any view of the matter according to circular exhibit M-4 he ought to have been transferred there on or before 30th April, 1975 with special allowance from the date of upgradation. Regarding Ext. M-2 the Bipartite settlement dated 19-10-66 I must say that when the terms of that settlement were in existence, special agreement regarding the promotion and special allowance were arrived at as per Ext. M-11 supported by Exts. M-3 and M-4. I cannot accept the contention of Mr. Sarbadhikari.

12. In view of my discussions above, I must hold that Vishwanath Khanna was entitled to get special allowance as Head-cashier/Cashier-in-charge at the rate of Rs. 85 per month from the date of upgradation of Burdwan branch, namely 1st September, 1974 onwards. The delay as explained in the written statement by the bank in the matter of transferring Khanna to Burdwan branch is groundless, flimsy and most untenable. In the circumstances, the delay in giving the assignment to Vishwanath Khanna must be held to be not bonafide. In consequence, I answer the question given in the Schedule to the reference in the negative and in favour of the workman concerned. Vishwanath Khanna will be entitled to get special allowance, as already indicated, with effect from 1st September, 1974 to 8th February, 1976 which was illegally denied to him.

This is my award.

Calcutta, the 3rd February, 1981.

R. BHATTACHARYA, Presiding Officer,
[No. L-12012/17/78-D. II(A)]

New Delhi, the 26th February, 1981

S.O. 778.—In pursuance of section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the management of United Indian Fire and General Insurance Co. Ltd., and their workman over alleged illegal termination of services, which was received by the Central Government on the 12th February, 1981.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I. D. No. 65 of 1977

In re :

Shri Hardial Singh,

315-A, Gandhi Nagar, Jammu. . . Petitioner.

Versus

The Development Manager,
United India Fire and General
Insurance Co. Ltd.,
(Unit Indian Trade), 117-119,
Sector 17-C, Chandigarh.

. . Respondent.

AWARD

The Central Govt. as appropriate Govt. vide its order No. L-17011/i/75/DII/A, dated the 14th April, 1975 referred an Industrial Dispute u/s 10 of the I.D. Act, 1947 in the following terms to Industrial Tribunal, Chandigarh :

'Whether the action of the management of the United India Fire and General Insurance Co. Ltd., Chandigarh in terminating the services of Shri Hardial Singh, an ex-employee of the erstwhile Cooperative General Insurance Society Limited with effect from the 1st July, 1972, is legal and justified ? If not, to what relief is the said workman entitled ?'

2. On receipt of the reference it was ordered to be registered and notices were sent to the parties. On receipt of these notices a statement of claim was filed by the workman on 16-5-75 and written statement was filed on 4th June, 1975

by the Management. Finally a replication was filed by the workman on 18th June, 1975. Upon the pleadings of the parties following issues were framed by Shri H. R. Sodhi, Industrial Tribunal, Chandigarh on 7-7-75.

Preliminary Issue :

1. Whether the instant reference is bad in law and without jurisdiction on the grounds pleaded by the management urging inter-alia that Shri Hardial Singh is not a workman within the meaning of Section 2(s) of the Industrial Disputes Act and no reference to this Tribunal could, therefore, be made in regard to him.

Issues on Merits :

1. What were the terms and conditions of the initial appointment of Shri Hardial Singh the alleged workman and were they afterwards varied and if so in what manner and with what effect?
2. Was the termination of services of Shri Hardial Singh legal and justified?
3. If issues No. 1 and 2 are found against the management and for the workman to what relief is the said workman entitled and with what details?

Vide order dated 23-10-1975 Shri H. R. Sodhi, directed that preliminary issue shall be decided first as it goes to the root of his jurisdiction and in consequence the case was adjourned for evidence on the preliminary issue and after the evidence on preliminary issue was concluded arguments were heard and vide order dated the 9th January, 1976 it was ordered that 'the reference is valid since Shri Hardial Singh falls in the category of a workman as defined in section 2-s of the Act. The preliminary issue has therefore no merit and stands decided against the Management'. It may be mentioned here that a writ was filed against this order which was dismissed and appeal to the Supreme Court also was dismissed as withdrawn.

2. In the meanwhile this case was transferred to Central Industrial Tribunal, Delhi and it was registered afresh and adjourned for evidence of the parties but before any evidence could be recorded the case was transferred to this Tribunal in May, 1977. It was ordered to be registered afresh and notices were issued. After the parties appeared the case was adjourned for evidence of the workman but before evidence could be recorded an application for amendment of the written statement was moved on behalf of the Management which application was allowed vide my order dated the 2nd December, 1978 and an additional issue in the following terms was framed in consequence, vide my order dated 6-12-79:

'Whether the workman has not been gainfully employed during the relevant period if so its effect?'

Thereafter evidence of the workman was recorded and then the evidence of the Management and finally the evidence of workman in rebuttal was recorded and arguments were heard.

3. I have gone through the evidence produced by the parties and have heard their representatives at length and after giving my considered thought to the matter before me I have come to the following findings on these issues:

4. The contention of the workman as disclosed from his statement of claim is that he was employed in the erstwhile Co-operative General Insurance Society Limited Ambala Cantt. vide appointment letter No. DO/71/208 dated the 1st January, 1971 as Development Secretary; that he continued to serve the Management efficiently and sincerely; that the Management abruptly terminated his services vide their letter No. 11299 dated the 27th June, 1972 w.e.f. 1st July, 1972; that the Government of India had appointed custodian of Insurance Companies in 1971 and all the control and administrative jurisdiction vested in the custodian as to the appointment and termination of services of employees in the Insurance Companies and therefore the Management was not competent to terminate his services; that the termination of his services was mala fide, unjust and illegal and liable to be set aside and the workman be reinstated with full back wages.

5. The Management has contended that the petitioner was not a workman and Industrial Dispute Act did not apply to State of Jammu and Kashmir and as such the Tribunal has no jurisdiction; that the Tribunal was not properly constituted; that no doubt workman was appointed as alleged but the said

appointment order was revised by a subsequent order dated 24-2-71 which was conveyed to the workman; that the workman did not prove useful to the Management and had not given required business and was inefficient and in consequence his services were terminated; that the termination was valid; that the workman was gainfully employed since the termination of his services; that the workman was not entitled to any relief.

6. In order to establish his contention the workman has come forward as W.W. 1 and has stated that he was appointed in the Company on 1st January, 1971 and his services were terminated on 1st July, 1972 without service of any notice or without holding of any enquiry. During cross examination he has admitted that Ex. W.W.1/1 was correct copy of his appointment letter. He has denied that any revised appointment letter was issued to him. He has admitted his signatures on documents Ex. M/6 to M/13 but has alleged that these were blank when he had signed these documents. It is also stated by him during cross examination that in his original appointment letter there was no condition requiring him to furnish a business of Rs. 60,000 to the society and he was not directly connected with providing any business and he was rather to supervise the work of field workers and agents. He has denied his signatures on mark 'X' but has admitted his signatures on Ex. M/14 to be copy of his letter of termination. The workman had re-examined himself in rebuttal on 14-5-79 but the statement recorded on 14-5-79 primarily relates to the factum of his gainful engagement after his services were terminated.

7. The Management has examined two witnesses M.W. 1 Shri G. R. Dhir and M.W. 2 Shri A. K. Verma. The statement of Shri A. K. Verma, M. W. 2 is in respect of the gainful employment of the workman while Shri G. R. Dhir apart from stating certain facts also tendered into evidence letters Ex. M/16 to Ex. M/31.

8. Issue No. 1:

The Management has examined Shri G. R. Dhir as M.W. 1. He is the Assistant Administrative Officer of the Insurance Company at Chandigarh. In his statement recorded on 25-11-75 he has stated that he was working as Branch Manager of Co-operative General Insurance Society Limited prior to nationalisation of general insurance in 1971 and the said society is now a unit of United India Fire and General Insurance Company Limited. It is further stated by him that Shri Hardial Singh was working at Jammu with the society vide letter dated the 1st January, 1971 and he has proved appointment letter Ex. M/1. It is further stated by him that the terms of service of the workman were later revised and letter office copy whereof is Ex. M/2 and is dated 24-2-71 was issued and the quota of the workman indicated in the said letter Ex. M/2 was at Rs. 60,000 per annum and his salary was fixed at Rs. 390 in the regular grade of the Company. During cross examination it is stated by this witness that the revised terms of service were communicated to Shri Hardial Singh. It is also stated by him that the original of Ex. M/2 must be with the workman. The workman has denied that the terms of his service were ever revised. He has stated that no revised appointment letter was ever issued to him. In the face of denial of Shri Hardial Singh of receipt of original of Ex. M/2 it cannot be said that the respondent—Company has established that the terms of employment of the workman in the instant case were ever revised. The burden of establishing that Ex. M/2 was in fact issued and served upon the workman was upon the Insurance Company which it has failed to discharge. The Insurance Company has not produced any documentary evidence of service of original of Ex. M/2 upon the workman and in view thereof it would follow that Insurance Company must fail on this issue. The learned counsel for the Insurance Company has tried to draw benefit from Ex. M/6 to Ex. M/13 which purport to be the receipts of payment of salary for March, April, May and June, 1971. But when I compare Ex. M/1 with Ex. M/2 I find that the salary according to Ex. M/2 was Rs. 395 whereas these receipts Ex. M/6 to Ex. M/17 show that the workman was allegedly being paid at the rate of Rs. 390 per month and this discrepancy has not been explained. For these reasons not much reliance can be placed upon this argument. Keeping in view the fact that the burden of establishing this issue was upon the Management and the Management has failed to discharge this burden I hold that

the Management has failed to establish that the terms of service and employment of this workman was changed later on and accordingly I decide this issue against the management and in favour of the workman.

9. Issue No. 2:

Ex. M/15 is the copy of letter dated the 27th June, 1972 which shows that the termination of services of this workman was in view of his very poor business performance in that year. Poor performance by Shri Hardial Singh, workman has been admitted by him in Ex. M/14 and Ex. M/3 and Ex. M/4. Ex. M/3 and Ex. M/4 are letters of regret written by the workman on 2/4/71 and 7/1/71 to the Branch Manager of the Society. It is established from these letters that the workman has expressed his regrets for supply or lack of business and had undertaken to bring his committed business to the proportionate level of his commitment. In letter Ex. M/4 dated 7/1/71 it is further stated by him that he had requested the Management not to take any strong action against him. The workman has admitted his signatures on Ex. M/14 but has denied the same on mark 'X' copy whereof is now been exhibited as Ex. M/4. Copy of Ex. M/14 is Ex. M/3. Ex. M/3 and Ex. M/4 are photostat copies and they have been proved by M.W. 1 in his statement recorded on 25-11-75. It may be mentioned here that although M.W. 1 was cross examined at length on 25-11-75 but not a word was put to this witness with regard to Ex. M/3 and Ex. M/4. Ex. M/3 and Ex. M/4 were exhibited after originals were compared with these copies by the counsel for the workman and with his consent. Non cross examination of the witness upon Ex. M/3 and Ex. M/4 would go to suggest that the workman side had nothing against these documents. Even otherwise there are coming out of proper custody. They were produced at the first opportunity and I have no reason to doubt their correctness. From the perusal of these letters it would be established that certainly the workman was called upon to show cause as to why he had not been furnishing sufficient and expected business and the workman actually did show cause and expressed his regrets and it was thereafter that his services were terminated w.e.f. 1st July, 1972. The entire sequence of events has to be seen and it was persistent failure of the workman to furnish the stipulated business which resulted in the termination of services of the workman. Letter Ex. M/15 categorically mentions the reasons of termination of his services. The failure of workman to furnish requisite and stipulated business is admitted by him in Ex. M/3 and Ex. M/4. Keeping in view these facts it cannot be said that the Management of United India Fire and General Insurance Company Limited, Chandigarh was not justified in terminating the services of this workman. A perusal of the statement of M.W. 1 read in the light of Ex. M/3 and Ex. M/4 alongwith Ex. M/15 would show that the services of this workmen were terminated for not discharging his duties properly and sufficient notice was also given to the workman before his services were terminated on that ground. In the face thereof not much weight can be attached to the arguments and contention of Id. counsel for the workman that no enquiry had been held against the charges for which the service of the workman has been terminated. Once it is admitted by the workman in Ex. M/3 and Ex. M/4 that he could not furnish the requisite and stipulated business to the Company, no further enquiry was called for into this fact. The enquiry would have been necessitated if the workman had not admitted these facts. The workman had gone beyond admitting these facts in Ex. M/4 and had even requested the Company for not taking any strong action against him. If after considering the explanation of the workman and his admission and after giving still further time to workman to improve upon his business, his services are terminated, it is urged by the Id. counsel for the workman that a reading of Ex. M/15 would show that the termination of his services was by way of punishment and stigma was attached but was invalid because no enquiry was held. In view of my discussions above, after it is admitted by the workman in Ex. M/3 and Ex. M/4 that certainly he could not give the required and stipulated business to the Company no further enquiry was called for and hence it would follow that the termination of services of the workman by the Company would be justified. Even otherwise from the perusal of testimony of M.W. 1 Mr. G. R. Dhilli it is amply established that certainly this workman had failed to give sufficient business to the Company and the liability of the workman to give sufficient business is admitted in Ex. M/3 and Ex. M/4 and independently of

Ex. M/2. Therefore on the evidence produced before the Tribunal as well it is established that certainly the workman had failed to give sufficient business in accordance with the requirements of his service and therefore also I have come to the conclusion that the order of termination of services of Shri Hardial Singh was justified and legal and enforceable. In this context I would like to make a mention of Ex. M/8 as well. This also shows that the workman had not shown any improvement in his work. Likewise a reference may be made to Ex. M/9, 20, 21, 22 and Ex. M/23, which are copies of letters of the respondent—Company. These also go to show that the workman did not show any improvement in his business. In view of my discussions above, I hold that it is established by the evidence led by the Company before me that the workman had failed to discharge his duties in the matter of providing and furnishing requisite, sufficient and desired business and as such the order of termination of his services was justified. In so far as the termination of the services of the workman was for his failure to supply the requisite and desired business and in the nature of punishment no notice or notice pay in lieu thereof is required to be paid to him before such termination. Similarly no retrenchment compensation u/s 25-F of the I.D. Act, 1947 is required to be paid in such circumstances and the termination of his services is not invalid for non service of such notice or non payment of pay in lieu of notice period or non payment of retrenchment compensation. In view of my discussions and findings above, this issue is decided against the workman and it is held that the workman is not entitled to any relief whatsoever.

10. Additional issue:

In view of my findings upon issue No. 2 this issue does not arise at all and as such does not call for any determination.

11. For my discussions and findings above, it is awarded that the action of the Insurance Company in terminating the services of workman Shri Hardial Singh in the instant case is valid and justified and the workman is not entitled to any relief whatsoever. However parties are left to bear their own costs in the peculiar circumstances of the case.

Further ordered:

That requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action at their end.

24th January, 1981.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer.
[No. L-17011/1/75-D.IIA]

S.O. 779.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi in the industrial dispute between the employees in relation to the management of State Bank of India and their workman over appointment of Shri Narindra Marwaha, which was received by the Central Government on the 12th February, 1981.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I.D. No. 161 of 1977

The Secretary,
Delhi Circle State Bank Staff Association,
House No. 2251, Sector 22-C,
Chandigarh. . . Petitioner.

Versus

Regional Manager,
State Bank of India (Region II),
Parliament Street, New Delhi. . . Respondent.

AWARD

The Central Government as appropriate Government vide its order No. L-12012/94/75/DII/A dated the 13th November, 1975 referred an Industrial Dispute u/s 10 of the I.D. Act, 1947 to Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh in the following terms :

'Whether the action of the management of the State Bank of India, Region II, New Delhi in curtailing the hours of work of Shri Narinder Marwaha, Part-time Messenger, Chintpurni sub-office under the Dehra Branch of the said Bank with effect from the 28th December, 1974 is legal and justified? If not, to what relief is the said workman entitled?'

2. On receipt of the reference it was ordered to be registered and usual notices were sent to the parties and the parties appeared before him but before any further action could be taken by him the case was transferred to Industrial Tribunal, Delhi and it was registered afresh and notices were issued to the parties. Before any progress in the case could be made, it was ordered to be transferred to this Tribunal in May, 1977 and it was registered and notices were issued to the parties. In pursuance of the notice of this Tribunal a statement of claim was filed on behalf of the workman on 7-1-78. Thereafter a written statement was filed and ultimately a replication was filed. Upon the pleadings of the parties following one issue was framed vide my order dated 8-12-78:

Issue :

As in the order of reference?

3. Then the case was adjourned for evidence of the workman and the representative of the workman came forward with the following statement on 6th January, 1979. Statement of Shri J. G. Verma on S.A.

'I do not propose to lead any oral evidence. Only documents from respondent will be summoned.'

4. In pursuance of this statement the evidence of bank was recorded and case was adjourned for arguments. Before arguments could be heard an application for additional evidence was filed on behalf of the workman which application was allowed vide my order dated 28-9-79 and the case was adjourned for evidence of the workman to 17th November, 1979. About 4 to 5 opportunities were afforded to the workman side to produce its additional evidence but no additional evidence of the workman was forthcoming. As a result thereof I was constrained to pass, following order on the 21st June, 1980.

'The evidence of workman is not present even today, more than 4 opportunities have been given to workman side. In fact at the opening of the evidence the representation of workman had stated on 6-1-79 that he does not propose to lead any oral evidence wherewithal evidence of bank was recorded. Thereafter workman side requested for permission to lead additional evidence which was granted vide my order dated 28-9-79 but since then evidence of workman is not forthcoming. It appears that the workman side is intentionally delaying the disposal of the case so I am constrained to close its evidence of workman.'

5. The case was then adjourned for arguments. Shri J. G. Verma and Shri A. C. Jaidka have argued the case on behalf of the workman and the Management respectively. I have gone through the evidence produced in the case and after giving my considered thought to the matter before me I have come to the following findings upon the issue above:

6. The contention of the workman in this case as disclosed from his statement of claim is that he was appointed as messenger to work twenty two hours a week; that the salary paid to him was less therefore a dispute was raised and the same was paid upto the month of November, 1974; that w.e.f. 1st December, 1974 the workman was coerced by the bank to mark attendance for 19 hours a week; that the said direction was without any compliance with Section 9-A of the I.D. Act, 1947 and was illegal and hence this reference.

7. The bank on the otherhand has contended that the reference is bad in as much as it was not an Industrial Dispute since no demand was raised by the workman and mere fact that a demand was made before the Conciliation Officer would not in any manner convert the matter referred as an Industrial Dispute; that there has not been any change in the service conditions of the workman and as such Section 9-A was not attracted; that the workman was appointed but not to work for 22 hours a week rather he was appointed in pursuance of an appointment letter copy produced; that he was appointed as a part time messenger at half wages of pay in 1973 but the workman

marked attendance exceeding 19 hours a week and he was paid additional wages for the said period in terms of settlement entered into between the bank and State Bank of India Staff Association 23rd November, 1974; that the salary was paid to the workman as per Chapter 14 of the Agreement regarding 'combined designation and part time'; that the workman had all along been continuosly to be a part time workman and there had not been any change in his service condition and hence he was not entitled to any relief.

8. I have already mentioned above that the workman side has not produced any evidence whatsoever to prove its contention while the Bank has examined one witness Shri Ramesh Chand, Branch Manager as M.W. 1 and he has stated that he was Branch Manager at Dehra in December, 1974 and he has tendered Ex. M/1 copy of the appointment letter issued to the workman and Ex. M/2, the memo of appointment. It is further stated by him that the workman never worked for more than 19 hours a week and on 13-12-74 he was working within 19 hours a week and in consequence he was paid vide Ex. M/3 which bears his signatures. This witness has been cross examined at length and it is stated by him therein that the witness was in service of the Bank when the workman took over as a temporary workman at Chintpurni Saheb office and he was only a messenger. It is further stated by him that the timings of sub-office were 10.00 A.M. to 2.00 P. M. for public dealings and from 2.00 P.M. to 5.00 P.M. for the remaining work and the usual duties for opening of sub-office, dusting, attending to the post office work included his duties. It is further stated by him that the closing was done by the Officer Incharge who did not have the benefit of messenger at the time of closing. Lastly it is stated by him that he did pay arrears of 1/4th wages to the workman in consequence of a settlement before ALC.

9. Since the workman has not produced any evidence, oral or documentary, the statement of this witness has to be accepted as it stands. Let us now examine the documents produced by him. Ex. M/1 is the appointment letter of this workman which says that 'with reference to the interview held at this branch, we have to inform you that you have been appointed as a Messenger-cum-farash-cum-water boy at our Chintpurni sub-office w.e.f. 13-10-73 on half scale of wages on the following terms and conditions :

- (i) You will be on probation for a period of six months with effect from 13-10-73;
- (ii) The Bank will be entitled to extend the said period of probation by three months, if your work is not found to be satisfactory during the said period;
- (iii) The bank will be entitled to terminate your services during the period of probation on giving you one months' notice and without assigning any reason for termination;
- (iv) The bank shall not entertain your application for transfer to your place or choice for at least 5 years. However, the Bank reserves the right to transfer you to any Branch/office in the circle at any time should the exigencies of service so warrant.'

From the perusal of the portions re-produced above it is conclusively established that the workman was engaged 'on half the scale of wages'. From the perusal of an endorsement encircled read on Ex. M/1 I find that these terms are specifically accepted by the workman. Ex. M/1 further shows that this workman was appointed w.e.f. 13-10-73 on probation. Ex. M/2 is the memo of particulars of the workman which are confirmed to be correct by the workman and this also shows under item no. 7 that he was appointed as a messenger 'on half the scale of wages'. According to the Bipartite Settlement a person who was engaged on 1/2 of the scale wages could be required to work for a period of 13 to 19 hours in a week and this is what the Bank has been alleging all throughout in its written statement and evidence. That being the position it would be difficult to accept the contention of the workman that the Management has effected any change in the

conditions of his service at any point of time. Of course the Management in pursuance of intervention of ALC paid additional wages for the extra period put in by the workman but that does not in any manner bring in provisions of Section 9-A of the I.D. Act, 1947. Section 9-A of the I.D. Act, 1947 comes into operation only when there is change in service conditions of the workman and not until there is any such change. From the facts on record it is not established that any change has been effected in the conditions of service applicable to this workman and that being the position Sec. 9-A is not attracted and it would consequently follow that the workman has failed to establish that the action of the Management of State Bank of India, Region II, New Delhi curtailing the hours of work of Shri Narinder Marwala, Part-time Messenger, Chitpurni Sub-office under the Dehra Branch of the said bank w.e.f. 28-12-74 is not legal and justified. That being the position it would follow that he is not entitled to any relief in the instant case. I have perused the attendance registers produced by the bank in this case but from the perusal thereof also it cannot be said that the workman can draw any benefit from the entries therein. These entries do not support the contention of the workman in any manner whatsoever. From whichever angle I may consider the matter before me I find that the Section 9-A of the I.D. Act is not attracted to this case of the workman and the action of the Management was justified and legal. In view of the terms of Ex. M 1, the appointment letter of the workman he was engaged at half the wages and the corresponding working hours group would be attracted by the case of the workman and accordingly it would follow that the Management has not even reduced the working hours or curtailed the working hours of the workman.

10. In view of my discussions and findings above, I hold that the action of the Management in the instant case is valid, legal and justified and the workman in the case is not entitled to any relief whatsoever. Parties however are left to bear their own costs in this matter.

Further Ordered :

That requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action at their end.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer.

[No. L-12012/94/75-D-II(IA)]

6th January, 1981.

New Delhi, the 27th February, 1981

S.O. 780.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Allahabad Bank, Hazrat Ganj, Lucknow and their workman, which was received by the Central Government on the 12th February, 1981.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I. D. No. 148 of 1977

In re :

The General Secretary, Allahabad Bank Karamchari Sangh, 47/13, Hatia, Kanpur. ...Petitioner

Versus

The General Manager, Allahabad Bank, Hazrat Ganj, Lucknow ...Respondent

AWARD

The Central Government as appropriate Government vide its order No. L-12012/70/73/LRIII, dated the 13th September, 1973 referred an Industrial Dispute u/s 10 of the I.D. Act to Industrial Tribunal, Kanpur in the following terms :

"Whether the action of the management of Allahabad Bank in not allowing special allowance of Daftri to

Shri Raj Narain Shukla, Peon, Mall Road Branch, Kanpur from January, 1970 is justified ? If not, to what relief is he entitled ?

2. On receipt of the reference it was ordered to be registered and usual notices were issued to the parties. In pursuance thereof statement of claim was filed and then written statement was filed. Before any other proceedings could take place the case was transferred to Industrial Tribunal No. III at Kanpur. Before the Industrial Tribunal III, Kanpur could make any progress in the case it was ordered to be transferred to Central Industrial Tribunal, Delhi and it was accordingly registered and case was adjourned for evidence of the parties. But before that Tribunal could progress the case stood transferred to this Tribunal in August, 1977. On receipt of the case by this Tribunal it was ordered to be registered and notices were issued to the parties. In pursuance of the pleadings of the parties two issues were framed vide my order dated the 29th October, 1977 and case was adjourned for evidence of the workman which was recorded on 26th October, 1977 and then the case was adjourned for evidence of the Bank. But before any evidence of the Bank was recorded an additional issue was framed on the application of the Bank in the following terms vide my order dated 5th March, 1979 :

ISSUES :

1. Whether the workman has ever worked as a Daftry as alleged ? Its effect.
2. As in order of reference.

ADDITIONAL ISSUES :

Whether the dispute referred is not an Industrial Dispute as alleged ?

3. Thereafter the evidence of the Bank was recorded. I have gone through the evidence produced by the parties and after giving my considered thought to the matter before me I have come to the following findings upon these issues :

4. Issue No. 1 :

The contention of the workman as disclosed from his statement of claim is that he was designated as a Peon and was working in the Mall Road Branch at Kanpur Office of the Allahabad Bank; that the workman was actually performing functions of a daftry for the last about 20 years; that in view of the fact that he was performing the functions of the daftry he was entitled to daftry allowance under the Bipartite Settlement; that when the Bank refused to pay the special allowance the matter was taken up with the ALC and was finally referred to this Tribunal and hence this claim.

5. It is contended by the Bank in its reply that the workman had been appointed as a Peon and he has continued to work all along as a peon; that he was never required by the Bank to work as daftry; that daftry's post involves promotion and the workman has never been promoted as daftry and was not entitled to any special allowance.

6. In order to establish its case the workman has come forward himself as W.W. 1 and has stated that he joined the bank as a peon on 18th June, 1951 and he learnt the work for about six months, and thereafter he was posted in the Security Department. It is further stated by him that he was doing filing work and was looking after the old records and forms and he continued to do the said job. It is stated by him that the said job is of daftry and he is entitled to the special allowance. During cross examination it is admitted by him that it correct that all along he was posted as peon. He has denied the suggestion that he had not been doing work of daftry. It is similarly stated by him during cross-examination that he could not say as to when he has submitted his request in writing about the claim of special pay.

7. The bank on the contrary has examined one Shri B. K. Tandon, an officer of the bank as M.W. 1 who has stated that he was in service of the bank since 1967 and the workman was working as a peon in the security department of the bank. It is further stated by this witness that the workman was never directed to work as daftry or discharge the duties of daftry. During cross-examination it is stated by him that as he had been posted in that branch therefore he could say that the workman was not asked to discharge the duties of a daftry. There is no other evidence produced on record by the parties. Certain annexures have been filed by the workman with his statement of claim but none of them

have been proved. Similarly certain other documents have been placed on record along with the application dated 2-12-74 by the workman side but none of these documents have either been proved or tendered into evidence. The burden of establishing that the workman was discharging the functions of a daftary was upon the workman side which the workman has miserably failed to establish. Oath against oath, the statement on oath of the workman is denied on oath by M.W. I and as such the party upon whom the burden lies to prove the issue must fail, particularly when it is admitted by the workman in his statement that certainly he was appointed as a peon. There is nothing on record to suggest even remotely that the workman had ever been promoted as daftary. This is neither the contention of the workman that he was ever promoted as a daftary. Until the workman was promoted as a daftary it is difficult to accept that he would be required to work as a daftary. The respondent-bank is a public undertaking and I am afraid if without formally appointing a person as a daftary it would be inclined to get work of a daftary from him. From whichever angle I may consider the matter before me I have come to the conclusion that the workman has failed to establish that he has ever worked as a daftary. It should have been possible for the workman to produce some colleague of his to show that he had been working as a daftary or in any case it should have been possible for him to examine any other member of clerical staff to show that this workman had been working as a daftary or was discharging the functions of a daftary which the workman side has failed to do. The workman side has not even got produced any documents to suggest or to lead to the conclusion that the workman had been performing the job of a daftary. According to para 3 of his statement of claim the work of daftary involves six items mentioned therein. It should be possible for the workman side to produce documentary or oral evidence to show that the workman had been discharging these functions enumerated under items no. 1 to 6 of para 3 of statement of claim which he has not cared to do. In view of my discussions this issue is decided against the workman and in favour of the Management.

8. Issue No. 2 :

In so far as the workman has failed to establish that he has ever worked as a daftary it would follow that the action of the Management of Allahabad Bank in not allowing special allowance of daftary to this workman Shri Raj Narain Shukla, Peon, Mall Road Branch, Kanpur from January, 1970 is justified and the workman was not entitled to any relief.

9. Additional Issue No. 1 :

From the perusal of the file I find that this issue was framed on a application made by the bank but from the perusal of the written statement of the Bank I do not find that the objection incorporated in this additional issue was taken up by the bank in its written statement and therefore this issue was framed under a mis-conception that the objection had been taken up in the written statement. Consequently the issue is redundant in the face of the written statement of the Management.

10. In view of my discussions and findings upon issues above, it is awarded that the action of the Management of Allahabad Bank in not allowing special allowance of a daftary to Shri Raj Narain Shukla, Peo. Mall Road Branch, Kanpur from January, 1970 is justified and the workman is not entitled to any relief. However in the peculiar circumstances of the case parties are left to bear their own costs.

Further Ordered :

That requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action at their end.

5th January, 1981

MAHFISH CHANDRA, Presiding Officer
[No. L-12012/70/73-D. II(A)]

New Delhi, the 28th February, 1981

S.O. 781.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government

hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi, in respect of a petition under Section 33-A of the said Act filed by Shri Ram Raj Upadhyay against the management of Multi Service Agency, Bank of Baroda, Kanpur, which was received by the Central Government on the 12th February, 1981.

BEFORE SHRI MAHFISH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I.D. No. 44 of 1979

In re:-

Shri Ram Raj Upadhyay, 128/159, K-Block, Kidwai Nagar, Kanpur—Petitioner.

Versus

The Manager, Multi Service Agency, Bank of Baroda, Kanpur.—Respondent.

AWARD

Shri Ram Raj Upadhyay has filed this petition u/s 33-A of the I.D. Act, 1947 alleging that the respondent Bank of Baroda had made a change in the duties performed by the workman on 7th April, 1978 by instrumenting to hand over the charge of stationery to Mr. Shankatha Prashad and he should perform the duties of cash peon even though an application u/s 33-C(2) of the I.D. Act, 1947 claiming the daftary allowance was pending before the Labour Court, Kanpur and hence the respondent have contravened the provisions of I.D. Act and it be directed to maintain the status quo.

2. In reply it is contended that the petition is u/s 33-A of I.D. Act is not maintainable and is mis-conceived in as much as any proceeding u/s 33-C(2) of I.D. Act are not an Industrial Dispute within the meaning of Section 33-A and hence there has not been any contravention thereof and hence the workman was not entitled to any relief. The workman has reiterated his position in his replication.

3. In view of the objection regarding maintainability it was though proper to hear arguments on this question in the first instance. In view thereof case was adjourned for evidence of the parties but on 17th December, 1980 the representatives of the parties came forward with the following statement :

'Statement of Shri D. R. Patel and Shri R. C. Bhatnagar for the workman and Management respectively on S.A.'

Parties would only like to argue on the maintainability of petition u/s 33-A. No evidence is proposed to be led.'

4. I have heard the arguments of the representatives of the parties and have gone through the file and after giving my considered thought to the matter before me I have come to the conclusion that certainly this petition u/s 33-A is not maintainable and that the workman is not entitled to any relief whatsoever in this petition.

5. A perusal of Section 33-A would show that it reads as under :

'Special provision for adjudication as to whether conditions of service, etc. changed during pendency of proceedings—Where an employer contravenes the provisions of Section 33 during the pendency of proceedings before a Labour Court, Tribunal or National Tribunal, any employee aggrieved by such contravention, may make a complaint in writing, in the prescribed manner, to such Labour Court, Tribunal or National Tribunal shall adjudicate upon the complaint as if it were a dispute referred to or pending before it, in accordance with the provisions of this Act and shall submit its award to the appropriate Government and the provisions of this Act shall apply accordingly.'

6. This shows that in order to enable a workman to file this petition u/s 33-A there should be a contravention of the provision of Section 33. Let us examine the provisions of Section 33. The contention of the workman is that the Management has contravened the provisions of Section 33(1)(A) of I.D. Act. This clause provides that during the pendency of any conciliation proceeding before a Conciliation Officer or a Labour Court or Tribunal or National Tribunal in respect of an Industrial Dispute no employer shall in regard to any matter connected with the dispute alter to the prejudice of the workman concerned in such dispute the conditions of service applicable to them immediately before the commencement of such proceedings. Save with the express permission in writing of authority before which the proceedings is pending." Thus essential requirement of this clause is that there should be an Industrial Dispute pending before a Labour Court or a Tribunal so as to attract the provisions of Section 33. In the instant case the workman on accepted facts as alleged by him in his statement of claim and his affidavits has failed to establish his *stare-prima facie* that any such Industrial Dispute was pending before any Labour Court or Industrial Tribunal at the appropriate time. Mere fact that a petition u/s 33-C(2) of the I.D. Act, 1947 was pending would not invoke the provisions of Section 33 and consequently the provisions of Section 33-A. Section 33-C(2) of the I.D. Act are provisions in the nature of execution proceedings for computation of claims of wages etc. of workmen where the right to the claim is not disputed. No new right can be established u/s 33-C(2) of the I.D. Act by a workman and therefore the proceedings u/s 33-C(2) of the I.D. Act cannot be accepted as an Industrial Dispute. Until the proceedings u/s 33-C(2) are deemed to be an Industrial Dispute section 33(1)(a) does not come into play and as long as section 33(1)(a) does not come into play there is no question of contravention thereof. In consequence it would further follow that Section 33-A would not be attracted and available to the case of the workman. In view of my discussion above, I hold that this petition u/s 33-A is misconceived and is not maintainable as such is liable to be dismissed and the workman is not entitled to any relief own their costs.

For my discussions and findings above, it is awarded that this petition u/s 33-A is not maintainable and the workman is not entitled to any relief. However the parties would bear their costs.

Further Ordered :

That requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action at their end.

9th January, 1981.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer.

[No. L-12014(1)/81-D.II(A)]
N. K. VERMA, Desk Officer.

बाबेदा

नई दिल्ली, 21 फरवरी, 1981

ज्ञान आ० 782--केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपर्युक्त प्रत्युम्भी में विनियोगित विषय के बारे में जयपुर के मंडल कार्यालय में सहाय एक ब्रौदीशिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है ;

ब्रौदीशिक सरकार उक्त विवाद को न्यायिक विवाद क्षमता बोल्नी चाहती है ;

प्रकृति: केन्द्रीय सरकार, ब्रौदीशिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-के और धारा 10 की उधारा (1) वे अंड (2) धारा प्रदत्त सकियों का प्रयोग करते हुए, एक ब्रौदीशिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठसीत अधिकारी श्री एम० डी० शौधरी होंगे, जिनका मुख्यालय जयपुर में होगा। और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायिक विवाद के लिए निर्देशित करती है।

अनुमति

"क्या पश्चिमी रेल, जयपुर के मंडल अधिकारी की (i) श्री पुरन प्रकाश को 1 जूलाई, 1976 में, वह तरीके जिसको उनके कनिष्ठ श्री गोवर्धन प्रसाद गुप्ता को गद्दीनाम किया था था, पदान्त न करने ; और (ii) श्री पुरन प्रकाश को 11-1-1978 से पदान्त न करने के पश्चात् 29-4-1978 से प्रतिवक्षित करने की कार्यवाही न्यायोनित है ? यदि नहीं, तो कर्मकारों किस अनुमति के तहकार है ?"

"क्या पश्चिमी रेल, जयपुर के मंडल कार्पिक अधिकारी की श्री एम० डल्लू० अच्छेरा के स्थान में श्री नवाब सुपुत्र श्री प्याश बेलदार की सेवाओं को 21-4-1978 से हस्त आधार पर पर्याप्तिक करने की कार्यवाही न्यायोनित है कि आनंदीन सभिति द्वारा उसे अनुमति देता पाया गया, परंतु वह श्री एम० डल्लू० अच्छेरा के प्रतिष्ठान में लगभग 20 साल की सेवा कर चुका था । यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुमति का तहकार है ?"

[सं० ए०-41011/10/79-ची 11(वी)]

प्र० ए० ए० शर्मा, इंस्क अधिकारी

ORDER

New Delhi, the 21st February, 1981

S.O. 782.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to their Divisional Office at Jaipur and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed ;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri M. D. Chaudhary shall be the Presiding Officer, with headquarters at Jaipur and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the Divisional Superintendent, Western Railway, Jaipur was justified in (i) not promoting Shri Puran Prakash to the post of Head Clerk with effect from 1st July, 1976, the date on which his junior, Shri Goverdhan Prasad Gupta, was promoted; and (ii) in reverting Shri Puran Prakash with effect from 29th April, 1978 after promoting him with effect from 11th January, 1978. If not, to what relief is the employee entitled ?"

"Whether the action of the Divisional Personnel Officer, Western Railway, Jaipur, is justified in terminating the services of Shri Nawab S/o Shri Pyara, Beldar in the establishment of I.O.W., Achnera, with effect from 21st April, 1978 on the ground that he was found unsuitable by the Screening Committee although he had put in nearly 20 years' service in the establishment of I.O.W., Achnera. If not, to what relief is the workman entitled ?"

[No. L-41011/10/79-D.II(B)]

A. V. S. SHARMA, Desk Officer

आदेश

नई विल्सो, 21 फरवरी, 1981

का० आ० 783.—केन्द्रीय सरकार की याच है कि इससे उपावद अनुसूची में वित्तिशिष्ट विवाद के बारे में वक्षिणी रेल, मद्रास के प्रबंध मण्डल से सम्बद्ध एक श्रौद्धोगिक विवाद नियोजकों और उसके कर्मकारों के बीच विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को व्यायनिंगन के लिए निर्देशित करना चाहती है;

अतः, केन्द्रीय सरकार, श्रौद्धोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) को धारा 7-क और धारा 10 को उपधारा (1) के अंडे (घ) द्वारा प्रवल्ल शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एवं श्रौद्धोगिक अधिकारण गठित करती है जिसके पीटासी अधिकारी श्री टी० मुद्रसन्नम डेनियल होंगे, जिनका मुख्यालय मशास में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकारण को व्यायनिंगन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

श्रौद्धोगिक विवाद (केन्द्रीय) नियम, 1957 के नियम 2 के उप-नियम (ए) के अंडे (ii) वे उप-अंडे (ग) के अधीन "नियोजक" की परिभाषा को व्याप्त हुए, क्या वक्षिणी रेल के प्रबंध मण्डल की नियमनिवित आकस्मिक कर्मकारों की, जो स्थायी मार्ग निरीक्षक (निमाण) श्रीलरपौत्राई के अधीन नियोजित थे, 24 अप्रैल, 1977 से छंटनी करने और उनसे कनिष्ठ व्यक्तियों के सेवा में रखने तथा संकर्म निरीक्षक कुप्पम के अधीन नए कर्मकारों की भर्ती करने की कार्रवाई विधिक और व्यायोचित है। यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुदोष के द्वारा है?

क्रमांक नाम	एल०टी०माइ०सं०
1. श्री अंजनेयेन्द्र	208
2. श्री चिन्नास्वामी	210
3. श्री वी० एस्लापन	572
4. श्री फ्रांसिस	453
5. श्री गोविन्दास्वामी	425
6. श्री के० कोडी	460
7. श्री पी० कोलमथाई	473
8. श्री वी० मणिकम	442
9. श्री ए० मणि	431
10. श्री के० के० मणिकम	390
11. श्री पी० मणिकम	465
12. श्री ए० नटचारायम	412
13. श्री सी० रमन	467
14. श्री के० समराज	392
15. श्री पी० शंकरन	444
16. श्री के० शास्त्रय	404
17. श्री पी० समिनाथन	624

[सं० एल-41011 (3)/77-शी 11(बी)]

एस० एस० भल्ला, डैस्ट्रॅक्ट अधिकारी

ORDER

New Delhi, the 21st February, 1981

S.O. 783.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of the Southern Railway, Madras and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri T. Sudarsanam Daniel shall be the Presiding Officer with headquarters at Madras and refer the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Keeping in view the definition of employer under sub-clause (c) of clause (ii) of sub-rule (g) of Rule 2 of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957, whether the action of the management of the Southern Railway in retrenching with effect from the 24th April, 1977, the under-mentioned casual workmen who were employed under the Permanent Way Inspector (Construction), Jolarpottai while retaining junior persons in service, and recruiting fresh workers under the Inspector of Works, Kuppam, is legal and justified? If not, to what relief are these workmen entitled?

Sl. No.	Name	L.T.I. No.
1.	Shri Anjaneyalu	208
2.	Shri Chinnasamy	210
3.	Shri V. Ellappan	572
4.	Shri Francis	453
5.	Shri Govindasamy	425
6.	Shri K. Kodi	466
7.	Shri V. Kolanthai	473
8.	Shri V. Manickam	442
9.	Shri A. Mani	431
10.	Shri K. K. Manicham	390
11.	Shri P. Manickam	465
12.	Shri A. Natchatharayam	412
13.	Shri C. Raman	467
14.	Shri K. Samraj	392
15.	Shri P. Shankaran	444
16.	Shri K. Shambath	404
17.	Shri P. Saminathan	624

[No. L-41011(3)/77-D. II(B)]

New Delhi, the 23rd February, 1981

S.O. 784.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Beas Dam Project, Talwara and their workmen represented by Workers Union, Beas Dam, Talwara, which was received by the Central Government on the 12th February, 1981.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING
OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I.D. No. 29 of 1980

STATE : Punjab.

The General Secretary,
Workers Union Beas Dam Project,
Talwara Township. ... Petitioner.

Versus

The Chief Engineer,
Beas Dam Project,
Talwara Township. ... Respondent.

PRESENT :

None—for the workman.

Shri B. S. Puri—for the Management.

AWARD

The Central Government as appropriate Government vide its order No. L-42012(25)/78-D.II(B) dated the 15th May, 1980 referred an Industrial Dispute u/s 10 of the I.D. Act to this Tribunal in the following terms :

'Whether the action of the Management of Beas Dam Project, Talwara, in superannuating Shri Ram Saran, Token No. 2111-Y, Vibrator Operator on 30th June, 1978, when he has not attained the age of 60 years as per the date of birth given in the Discharge Certificate of Bhakra Beas Dam Project is justified? If not, to what relief the workman is entitled to.'

2. On receipt of the reference it was ordered to be registered and usual notices were sent to the parties. After the receipt of the notice, parties appeared before this Court and a statement of claim was filed by the workman side. Then a written statement was filed and finally a replication was filed and the case was adjourned for filing of documents. Before any documents were filed the representatives of the Management appeared and stated that the matter under reference has been amicably settled. In pursuance whereof following statement of Shri B. R. Puri was recorded on 3rd January, 1981:

This case has been settled with the workman by the Management and the workman has been reinstated in the service of the Management with the continuity of service on old terms and conditions of employment.

I tender Ex. M/1, the settlement which bears signatures of representatives of parties. I identify the signatures and the settlement was signed in my presence. It also bears my signatures. An award in terms of settlement may be made. I tender a written request Ex. M/2 of the representative of the workman also in this behalf.'

3. I have gone through the statement as also Ex. M/1, the settlement and M/2, the written request for registration of the settlement. From the perusal of the settlement I find that it is for the benefit of the workman and as such it is registered and accordingly it is awarded that the matter under reference has been amicably settled vide settlement Ex. M/1. The parties would be bound by the terms of the settlement which would form part of this award. Parties would bear their own costs.

Further Ordered :

That requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action at their end.

Dated : the 27th January, 1981.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer

[No. L-42012(25)/78-D.II(B)]

S. S. BHALLA, Desk Officer

FORM H

Rule-58

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

NAME OF PARTIES :

Workers Union Beas Dam Project Talwara Township

AND

Beas Dam Project Talwara

Representing Employer—Shri Jagmohan Singh Palta,
Superintending Engineer, Beas Dam Circle, Talwara.

Representing Workman—1. Shri Santokh Singh, General
Secretary, Workers Union, Beas Dam Talwara.

2. Shri Ram Saran the concerned workman.

SHORT RECITAL OF THE CASE

Shri Ram Saran Vibrator Operator Token No. 2111-Y was superannuated on 30th June, 1978 on attaining the age of 60 years in terms of Written Declaration made by him on joining Beas Project in April, 1962; showing his age as 44 years. The workers Union raised an industrial dispute challenging the discharge of the workman on the plea that as per discharge certificate issued by the Bhakra Dam Project, the workman was to superannuate in April, 1982.

The dispute was ultimately referred by the Central Government adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi.

The workers Union Beas Dam Project (which is recognised by the Management since 1963) during the meeting with General Manager, Beas Project held in last of July, 1980 re-instated its approach of settlement of all differences and disputes across the table with a view to maintain stable industrial peace conducive for higher productivity. It was revealed that only one dispute was pending adjudication as Ref. No. 29 of 1980. It was felt that efforts should be made to settle this dispute also amicably. As a result of protracted discussions, the parties have agreed to resolve this dispute in the following terms, without prejudice to the legal and factual contentions of the parties :

Terms of Settlement

1. Shri Ram Saran would be re-instated with continuity of service on old terms and condition of employment, for a specified period ending 7th April, 1982 with immediate effect when he will be deemed to have been superannuated.

2. He shall not entitled to any wages, compensation or any benefit for the period from 1st July, 1978 to the date of his joining duty.

3. The period of un-employment from 1st July, 1978 to the date of joining shall be treated as leave without wages.

4. Quarter rent realized from Shri Ram Saran after 30th June, 1978 will be regularised as per leave rules applicable to the workcharged employees.

5. On representation of the workman that due to his poor financial position, he was unable to refund the amount of Rs. 4492.80 already received by him on account of Gratuity, the Management has agreed ex-gratia purely on compassionate grounds that this amount of Rs. 4492.80 will be adjusted against the dues that may accrue to him at the time of his superannuation on 7th April, 1982.

6. It was further agreed that on the next date of hearing before the Hon'ble Industrial Tribunal (C) New Delhi, the parties would request the learned Presiding Officer to give the Award in the term of this agreement so as to bind both the parties.

Signature of the parties

Representing Employer

Sd/-

Superintending Engineer,
Beas Dam Circle, Talwara.

WITNESSES :

1. Executive Engineer,
Personnel Division,
Talwara Township.

2. Labour Welfare Inspector,
Beas Project, Talwara.
PLACE : Talwara Township.

Representing Union/Workman
2. Sd/-
1. Santokh Singh
2. Ram Saran
(Workers Union Beas Dam
Project, Talwara Township).

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1981

का० आ० 785.—केन्द्रीय सरकार ने, खान अधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 5 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने द्वारा, श्री प० सी० मंडल को भारत सरकार के अम रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (अम और रोजगार विभाग) की प्रशिसूचना संलग्न का० आ० 2902 लारीब० 7 जुलाई, 1969 द्वारा खान निरीक्षक के स्पष्ट में नियुक्त किया था;

और उक्त श्री प० सी० मंडल ने 24 दिसंबर, 1980 से सेवा में त्यागपत्र दे दिया है;

अतः, इव, केन्द्रीय सरकार खान अधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 5 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने द्वारा उक्त प्रशिसूचना को विवर्णित करती है।

[संलग्न प-३९०१२/१/८०-आन-१]
जिनेन्द्र कुमार जैन, अध्यक्ष, प्रबन्ध सचिव

New Delhi, the 23rd February, 1981

S.O. 785.—Whereas in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), the Central Government had appointed Shri A. C. Mondal as Inspector of Mines by the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2902 dated the 7th July, 1969;

And whereas the said Shri A. C. Mondal has resigned from service with effect from the 24th December, 1980;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), the Central Government hereby rescinds the said notification.

[No. A-39012/1/80-M.I.]
J. K. JAIN, Under Secy.

New Delhi, the 26th February, 1981

S.O. 786.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Gua Iron Ore mine of M/s. Indian Iron and Steel Company Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 8th February, 1981.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (No. 2) DHANBAD

Reference No. 3 of 1978

In the matter of an industrial dispute under S. 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947.

PARTIES:

Employers in relation to the Gua Iron Ore Mines and their workmen.

1350 GI/80—10

APPEARANCES :

On behalf of the employers : Shri T. K. Jagdish Advocate.

On behalf of the workmen : Shri T. P. Choudhry, Advocate.

State : Bihar.

Industry : Iron Ore.

Dhanbad, 31st January, 1981

AWARD

This is a reference under S. 10 of the I. D. Act, 1947. The Central Government by its notification No. L-26011/6/78-D-II B dated 19th August, 1978 has referred this dispute to this Tribunal for adjudication on the following points:

SCHEDULE

“Whether the Chief Executive, Ore Mines of M/s. The Indian Iron and Steel Co. Ltd., P.O. Gua, Dist. Singhbhum is justified in not directing the new contractors, i.e. M/s. Eagle Mining Industries, to take the services of S/Shri A. K. Patra and R. R. Saha Ex-employees of M/s. Metallo Mining Corporation, the immediate previous contractors? If not, to what relief are these two employees entitled?”

2. The facts of this case are mostly admitted. The Gua Ore Mines (Singhbhum) is a subsidiary unit of the Steel Authority of India with its captive mines at Gua and some other places. In this reference we are concerned with Gua Ore mines. There are about 1600 workmen for various jobs connected with the mines, and several jobs being given to various contractors. One such job been done through contractors is loading, levelling and adjusting of railway wagons at New Bunker at railway yard at Gua together with allied jobs. This job is being done by successive contractors since 1957 when the mines were mechanised. The first contractor for this job were M/s. A. C. Guha and Co. who worked from 1957 to 15-9-75. On 13-3-75 the Gua Ore Mines (hereinafter called the company) issued its tender notice for the above job. Out of several tenders the tender of M/s M. N. Ghosh Sons was accepted by the company's letter dated 14-8-75. M/s. M. N. Ghosh and Sons were asked to take up the contract job on and from 16-9-75 on terms and conditions of the tender. The contractors M/s. M. N. Ghosh and Sons had been contractor of the company for various other jobs since 1940, such as mining, transportation, building, etc. Besides loading, levelling and adjusting of railway wagons from 16-9-75 M/s. M. N. Ghosh and Sons carried on some other contract work for the company. Shri A. K. Patra was employed by M/s. M. N. Ghosh and Sons in their contract work on 1-1-1971 and Shri R. R. Saha was similarly employed from 3-1-1971. M/s. M. N. Ghosh and Sons put these two workmen S/Shri A. K. Patra and R. R. Saha in the new contract work of loading, levelling and adjusting of railway wagons from 16-9-75. They were designated as shipping clerks and in the attendance register maintained for this new contract these two workmen put their attendance. They were also assigned duties in connection with this new work & their salaries were paid from the account of this contract work. According to the company these two workmen S/Shri A. K. Patra and R. R. Saha used to do work for M/s. M. N. Ghosh and Sons in respect of other contract work and so they were never exclusively employed by the contractor in this new job of loading, levelling and adjusting of railway wagons. On behalf of the workmen it was asserted that M/s. M. N. Ghosh and Sons employed them exclusively for their contract work of loading, levelling and adjusting of railway wagons. It was however admitted that they did some work of other contract works of M/s. M. N. Ghosh and Sons only on some occasions when directed by the contractor to do so.

3. The company issued notice on 29-12-76 inviting tenders for some job of loading, levelling and adjusting etc. in which M/s. Metallo Mining Corporation was the successful tender. They took up the job from 16-9-77 because the contract of M/s. M. N. Ghosh and Sons expired on 15-5-77.

According to the company M/s. Metallo Mining Corporation was a new contract firm formed by some partners of M/s. M. N. Ghosh and Sons. From 16-5-77 the names of S/Shri A. K. Patro and R. R. Saha were put in the attendance register maintained by M/s. Metallo Mining Corporation. The plea taken by the company is that even though S/Shri A. K. Patro and R. R. Saha were shown to be the employees of M/s. Metallo Mining Corporation they continued to attend various jobs under M/s. M. N. Ghosh and Sons. On behalf of the workmen the same plea which I have mentioned above was taken.

4. The company by its notice dated 11-11-77 invited fresh tenders for the same job. But this time M/s. Eagle Mining Industries were awarded the contract, and the contract of M/s. Metallo Mining Corporation was terminated w.e.f. the close of the day on 31-3-78. M/s. Eagle Mining Industries commenced the work on and from 1-4-78. It is at this stage that the trouble started. On 17-3-78 the company received letter No. MMC/6/168 dated 11th March 1978 from M/s. Metallo Mining Corporation under which they sent a list of permanent and temporary workers under them. In the said list names of S/Shri A. K. Patro and R. R. Saha were included. The company by its letter dated 30-3-78 sent the aforesaid list of workmen to M/s. Eagle Mining Industries. M/s. Eagle Mining Industries by their letter dated 30-3-78 drew attention of the company to the fact that though in terms of the tender notice they were to give employment to permanent staff and labour of the previous contractors M/s. Metallo Mining Corporation, Shri A. K. Patro and Shri R. R. Saha were old employees of M/s. M. N. Ghosh and Sons and were mainly looking after the building and other contract work of M/s. M. N. Ghosh and Sons, and as such M/s. Eagle Mining Industries should not be asked to give employment to these two persons. The company by its letter dated 31-3-78 to M/s. Metallo Mining Corporation pointed out that S/Shri A. K. Patro and R. R. Saha were not exclusively engaged in connection with the contract in question. The case of these two persons for being recommended to new contractors required further consideration. M/s. Metallo Mining Corporation by letter dated 1-4-78 pointed out to the company that they were advised by M/s. M. N. Ghosh and Sons that S/Shri A. K. Patro and R. R. Saha had been employed by them as shipping clerks permanently for loading, levelling and adjustment jobs. The company investigated and found that during the period from 3-4-75 to 15-3-78 S/Shri A. K. Patro and R. R. Saha were actively connected with the other jobs of M/s. M. N. Ghosh and Sons as contractors of the company. The company did not give direction to M/s. Eagle Mining Industries to absorb them in the work.

5. The case of the concerned workmen was taken up with the company by the General Secretary of Gua Mines Workers Union. The union by their letter dated 31-3-78 to the company requested the company to advise M/s. Eagle Mining Industries to accept these two workmen in their employment. The union also endorsed to the company a copy of their letter dated 2-4-78 addressed to the Assistant Labour Commissioner (C) Chaibasa. The union further endorsed to the company a copy of their letter dated 6-4-78 addressed to the Regional Labour Commissioner (C) Dhanbad. The Assistant Labour Commissioner (C) Chaibasa sent a copy of his letter dated 4/5/5-78 addressed to M/s. Eagle Mining Industries and asked the company to attend discussions in his office on 11-4-78. The company attended the discussions at the office of the Asstt. Labour Commissioner (C) Chaibasa on 11-4-78 and submitted a memorandum detailing all the facts and pointing out that the company was not in a position to compel M/s. Eagle Mining Industries to give employment to S/Shri A. K. Patro and R. R. Saha. The company further gave a letter to the Assistant Labour Commissioner (C) Chaibasa on 15-4-78 stressing again that S/Shri A. K. Patro and R. R. Saha were not exclusively engaged by M/s. Metallo Mining Corporation for the job of loading, levelling and adjusting of railway wagons. The ALC(C) Chaibasa by his letter dated 17-4-78 requested the company to advise the incoming contractors M/s. Eagle Mining Industries to give employment to S/Shri A. K. Patro and R. R. Saha on the ground that their names were found in the register of M/s. Metallo Mining Corporation for 254 and 270 days respectively. The company by its letter dated 22-4-78 requested the ALC (C) Chaibasa to verify the records

of M/s. M. N. Ghosh and Sons and M/s. S. Lall and Company which would prove that the contentions of the company as well as of M/s. Eagle Mining Industries regarding S/Shri A. K. Patro and R. R. Saha was correct. The ALC(C) Chaibasa held further discussions with the representatives of the union, company and the outgoing contractors and the incoming contractors on 19-4-78 and record the discussions. The ALC(C) Chaibasa again held discussions on 25-4-78 with the parties and since no settlement could be arrived at he submitted a failure report to the Government. This is how this reference was made by the Ministry of Labour, Government of India to this Tribunal for adjudication.

6. The company has taken a further plea that in the reference the action of the Chief Executive Ore Mines of M/s. Indian Iron & Steel Company in not directing new contractors M/s. Eagle Mining Industries to take S/Shri A. K. Patro and R. R. Saha in service is justified. The company has pointed out that M/s. Eagle Mining Industries is no longer the contractors of the company and so no direction can be given to M/s. Eagle Mining Industries now. The present contractor is not obliged to follow any direction of the company. Under the terms of their own tender there is no condition laid down that they have to employ the permanent employee and the labour of the erstwhile contractor. The company has asserted that mere provision in the terms of the tender to the effect that the succeeding contractors would employ the permanent employees and labour of the previous contractors could not be regarded as an enforceable right of the permanent employee and labour of the erstwhile contractors because such employees were not party to the contract. In the company's view any direction given to the Chief Executive would be infructuous. It has been asserted that since the concerned workmen were employees of the contractors, the company was not obliged to grant them any relief by way of employment when the succeeding contractors was not willing to employ them. For all these reasons it is said that the reference is incompetent and should be dismissed.

7. A question arose in this reference as to whether M/s. Metallo Mining Corporation and M/s. Eagle Mining Industries should be made parties in this reference. M/s. Metallo Mining Corporation could not be said to be a necessary party and M/s. Eagle Mining Industries wriggled out on the plea that since no direction was given by the company to employ them and since their contract had been terminated long ago, they had no liability in this reference. It was further pointed out that the reference strictly speaking rested on the question as to whether the company's Chief Executive was justified in not directing the new contractor to employ these two workmen. Since it is a fact that no direction was given to M/s. Eagle Mining Industries to employ these two workmen, they asserted that they were not necessary party to this reference. By this court's order M/s. Metallo Mining Corporation and M/s. Eagle Mining Industries were not made parties to this reference.

8. The management has filed a number of documents and they have been admitted into evidence on admission. Ext. M1 is an office copy of the tender notice No. A/75-0373 dated 13-3-75. Ext. M2 is a letter dated 26-6-75 from the company to M/s. M. N. Ghosh & Sons, Ext. M3 is a letter No. A/75-2990 of 14-8-75. Ext. M4 is a tender notice No. A/76-1597 of 29-12-1976. Ext. M6 is again a tender notice No. A/77-1365 dated 11-11-77. Ext. M6 is a letter No. A/0238 dated 28-2-78. Ext. M7 is a letter No. MMC/6/168 dated March, 1978. Exts. M8, M9 and M10 are other 3 letters. Ext. M11 is a list of work orders issued by the company to M/s. M. N. Ghosh & Sons from January 1975 onwards. Ext. M12 to M12/18 are originals of 19 bills from M/s. M. N. Ghosh & Sons. Ext. M13 is a letter dated 31-3-1978 from the General Secretary of the union to Chief Executive, Ore Mines. Ext. M14 is a letter dated 2-4-78 from the General Secretary of the union to the Assistant Labour Commissioner(C) Chaibasa. Ext. M15 is a letter dated 6-4-78 from the General Secretary of the union to the Regional Labour Commissioner(C) Dhanbad. Ext. M16 is a letter dated 4/5/4-78 from the Asstt. Labour Commissioner Chaibasa to Shri M.G. Pandava. Ext. M17 is a Memo (comments) dated 11-4-78 from Senior Manager to the ALO(C) Chaibasa. Ext. M18 is a copy of minutes of discussion held on 11-4-78 between the ALC(C) Chaibasa and

representatives of the union, Ext. M19 is a letter dated 15-4-78 from Chief Executive to ALC(C) Chaibasa, Ext. M20 is a D.O. letter No. 1(16)/78-ALC(C) Ch. dated 17-4-78 from the ALC(C) Chaibasa to the Chief Executive, Ext. M21 is a D.O. letter No. A/78-0583 dated 22-4-78 from the Chief Executive to the ALC(C) Chaibasa, Ext. M22 is a copy of minutes of discussions held on 19-4-78 between the ALC(C) Chaibasa and the representative of the union, Ext. M23 is a letter dated 19-4-78 from the ALC(C) Chaibasa to the Personnel Manager, Burnpur, Ext. M24 is a letter dated 24-4-78 from the Personnel Manager (C&M) to the ALC(C) Chaibasa, Ext. M26 is a letter dated 16-2-79 from M/s. M. N. Ghosh & Sons to the company, Ext. M25 is a copy of failure report of conciliation from the ALC(C) Chaibasa to the Secretary, Government of India, Ministry of Labour, New Delhi, Ext. M27 is a letter dated 2-3-79 from M/s. M. N. Ghosh & Sons to the company Ext. M28 to M28/3 are work orders No. 1353 dated 1-2-78, No. 1377 dated 14-8-78, No. 1378 dated 14-8-78 and No. 1388 dated 14-10-78, Ext. M29 is a letter dated 30th March, 1978 from the Partner of M/s. Eagle Mining Industries to the Chief Executive, Ext. M30 is a tender notice dated 17-1-79, Ext. M31 is a letter dated 20-3-79 from the Chief Executive, Ore Mines to M/s. Metallo Mining Corporation, Ext. M32 is a letter dated 31-3-80 from the Manager, Gua Ore Mines to M/s. Metallo Mining Corporation, Ext. M33 is a tender notice No. A/80-0075 dated 30-1-80, Ext. M34 is a deed of partnership, Ext. M35 is a deed of partnership, Ext. M36 is a letter dated 19-1-78 from M/s. Metallo Mining Corporation to the Commercial Executive Ext. M37 is a voucher receipt of Rs. 300 of M/s. Metallo Mining Corporation, Ext. M38 is a cash voucher of Rs. 300 of M/s. S. Lal & Co. Limited debited to M/s. Metallo Mining Corporation. Ext. M39 is a letter No. MMC/32/145 dated 4-2-78 from M/s. Metallo Mining Corporation to Commercial Executive, M/s. S. Lal & Co. Barbil, Ext. M40 is a receipt voucher of M/s. Metallo Mining Corporation amounting to Rs. 10,148.85, Ext. M41 is a debit voucher dated 10-2-78 amounting to Rs. 10644.40 of M/s. S. Lal & Co. Limited.

9. On behalf of the union representing the workmen certain documents on admission have been taken into evidence. Ext. W.1 is a copy of letter dated 3-9-75 from M/s. M. N. Ghosh & Sons to the Chief Executive, Ext. W2 is a copy of letter dated 26-9-75 from M/s. M. N. Ghosh & Sons to the Chief Executive, Ext. W3 is original quarter allotment order by M/s. IISCO to Shri R. R. Saha dated 8-11-77, Ext. W. 4 is the office copy of letter dated 20-1-78 addressed to M/s. M. N. Ghosh & Sons by Shri A. K. Patro & others, Ext. W. 5 is an office copy of letter dated 24-2-78 from General Secretary of the union to the Chief Executive, Ext. W. 6 is a copy of letter dated March 1978 along with a list of permanent and temporary workmen, Ext. W. 7 is letter dated 7-10-75 from M/s. M. N. Ghosh & Sons to the company, Ext. W8 is a letter dated 20-11-78 from M/s. M. N. Ghosh & Sons to the Assistant Personnel Officer, Ext. W. 9 is a letter dated 18-3-78 addressed to the Chief Executive, Ext. W. 10 is a letter dated 9-4-76 from the Manager, Gua Ore Mine to Station Master, S. E. Railway, Gua, Ext. W. 11 is a letter dated 20-3-78 from Senior Manager to M/s. Metallo Mining Corporation, Ext. W. 11/1 is a letter dated 24-2-78 from Shri R. C. Paliwal to the Chief Executive, Ore Mines, Ext. W. 11/2 is a letter dated 20-1-78 from the concerned workmen and others to M/s. M. N. Ghosh & Sons, Ext. W. 12 is a letter dated 17-8-77 from the Administrative Officer to R.P.F. Commissioner, Patna-6, Ext. W. 13 is a letter dated 22-4-77 from M/s. M. N. Ghosh and Sons to Shri R. R. Saha, Ext. W. 14 is a letter dated 22-4-77 from M/s. M. N. Ghosh & Sons to Shri A. K. Patro, Ext. W. 15 is a letter dated 30-4-77 from Shri R. R. Saha and others to M/s. Metallo Mining Corporation, Ext. W. 16 is letter dated 16/28-5-77 from the Partner, M/s. Metallo Mining Corporation to Shri A.K. Patro, Ext. W17 is a letter dated 16/28-5-77 from the Partner to Shri R. R. Saha, Ext. W18 is a letter dated 1-3-78 from M/s. Metallo Mining Corporation to Shri R. R. Saha Ext. W19 is a letter dated 1-3-78 from M/s. Metallo Mining Corporation to Shri A. K. Patro, Ext. W. 20 is a letter dated 16-2-78 from M/s. M. N. Ghosh & Sons to M/s. Metallo Mining Corporation with a copy to Shri A. K. Patro & others, Ext. W. 21 is a letter dated 23-9-75 from

M/s. M. N. Ghosh & Sons to Shri R. R. Saha, Ext. W. 22 is a letter dated 23-9-75 from M/s. M. N. Ghosh & Sons to Shri A. K. Patro.

10. It will appear that since the facts are admitted the documents proved by the parties on admission are mostly overlapping. So far as oral evidence is concerned the management has examined 3 witnesses. MW. 1 is Shri Hargovind Pandya, a partner of M/s. Eagle Mining Industries. He has admitted that in the tender notice the term specifically mentioned was that outgoing permanent employees engaged specifically in the jobs should be taken over by the incoming contractor. He has admitted that M/s. Metallo Mining Corporation was the outgoing contractors before M/s. Eagle Mining Industries. He has received Ext. M8 and he replied in his letter, Ext. M28. In Ext. M28 he has specifically given reasons why M/s. Eagle Mining Industries did not take the concerned workmen in their employment. He has said that the reasons given by him was from his personal knowledge. He had seen the two concerned workmen working for M/s. M. N. Ghosh & Sons not only at Gua but also at other places. They were also seen doing work for M/s. Metallo Mining Corporation at Gua and outside. According to him M/s. Eagle Mining Industries did not take these two workmen into jobs because they were not wholly and solely engaged in the particular contract job of loading, levelling and adjustment. MW. 2 is Shri M. Sudakhran Pillai. He had been working under M/s. L. Lal & Co. since 1961 as cashier under whom M/s. M. N. Ghosh & Sons and M/s. Metallo Mining Corporation were contractors. His evidence is that the same set of people were representing both the contractors. The witness has identified Shri R. R. Saha in the Court room and has said that Shri Saha used to come to him for collection of payment on behalf of M/s. Metallo Mining Corporation. He has proved the letter, Ext. M36 signed by Shri R. R. Saha on behalf of M/s. Metallo Mining Corporation. He has proved Ext. M37 which is a receipt under which Shri R. R. Saha received payment and gave receipt on behalf of M/s. Metallo Mining Corporation. He has proved the voucher prepared by him, Ext. M38. He has also proved Ext. M.39 which is another letter signed by Shri R. R. Saha on behalf of M/s. Metallo Mining Corporation Ext. M40 is a receipt signed by Shri R. R. Saha for obtaining payment. The supporting chaffan proved by the witness is Ext. M41, MW-3 Shri Mirtunjay Pd. Aukhary is the Sr. Administrative Officer of Gua Ore Mines. He has joined the company in January 1964 as Administrative Officer. He has said that M/s. M. N. Ghosh & Sons were the contractors of the company and similarly M/s. Metallo Mining Corporation were also contractors of the company. Their offices were located in the same building provided by the Ore Mines at Gua. His evidence is that the same set of people represented both these firms before the company in the matter of execution of contracts. He has further said that late Jotirmoy Ghosh and Shri Samir Kumar Gosh were common partners of both these firms. To the best of his knowledge both these concerns had also common staff and the partners of both the firms were living together and jointly. The witness knew Shri R. R. Saha and Shri A. K. Patro as employees of both these firms. He has admitted that Shri Saha is living in the premises of the company allotted to the contractors. He has said that Shri A. C. Guha had been contractors of the company for levelling and adjusting from 1957 to 1975. This firm was followed by M/s. M. N. Ghosh & Sons as contractors and M/s. M. W. Ghosh & Sons was succeeded by M/s. Metallo Mining Corporation. He has also said that on termination of the contract of M/s. Metallo Mining Corporation the succeeding contractor was M/s. Eagle Mining Industries. His evidence is that M/s. Metallo Mining Corporation were again contractors after termination of the contract of M/s. Eagle Mining Industries and continued as contractors upto 15th July, 1980. M/s. Metallo Mining Corporation was thereafter succeeded by Shri B. D. Mehta, contractor who is still continuing.

11. On behalf of the workmen 4 witnesses have been examined. WW-1 is Shri S. K. Chatterjee, Vice President of the Gua Mines Workers Union. He has sponsored the case of the concerned workmen. The witness was a shipping clerk in 1977. He has said that after 1961 the work of loading, levelling and adjustment were done through yearly contractors. He knew both the concerned workmen who were

employees of M/s. M. N. Ghosh & Sons. When M/s. Metallo Mining Corporation took over from M/s. M. N. Ghosh & Sons they continued to work under M/s. Metallo Mining Corporation as per terms of the tender. The two concerned workmen were shipping clerks. His evidence is that the work of the contractor goes on for all the 24 hours and during the relevant time 3 shipping clerks and 2 mates were arranging the work among themselves. The duties of the shipping clerk is to post incoming and outgoing trains, to take the empty wagons and to place them under bunkers, to supervise loading and weighing of wagons, to look after proper adjustment with levelling as per railway specification, to issue forwarding notes, exchange specimen memo., to sign 1/39 register with railway etc. He has said that since the concerned workmen were not taken in by M/s. Eagle Mining Industries he raised this dispute. The witness has further said that one Shri Sapan Ghosh who was the mate during the time of M/s. Metallo Mining Corporation was taken in by M/s. Eagle Mining Industries on the advice of the company. Regarding the concerned workmen his evidence is that they were shipping clerks doing 24 hours job and the company was not justified in refusing to advise the contractor M/s. Eagle Mining Industries to take them in their jobs.

12. WW-2 Shri Sisir Kumar Ghosh is a partner of the firm M/s. M. N. Ghosh & Sons. He has given the history of the contract work of this firm. His evidence is that M/s. Metallo Mining Corporation was formed by him, his three other brothers, Late Jotirmoy Ghosh, Shri Satil Kumar Ghosh and Shri Samir Kumar Ghosh besides two other persons of Calcutta, viz. Shri Pradip Kumar Ghosh and Shri Pradip Kumar Routh. He has said that Shri Pradip Kumar Ghosh does not belong to his family but is a relation. Shri Routh is also a relation. But according to his evidence M/s. M. N. Ghosh & Sons and M/s. Metallo Mining Corporation had separate offices at Gua. Furthermore while M/s. M. N. Ghosh is registered at Gua, M/s. Metallo Mining Corporation is registered at Calcutta. He has said that M/s. M. N. Ghosh & Sons got the contract for loading, levelling etc. They took over all the employees of M/s. A. C. Guha & Co. except 4 who did not turn up for their jobs. They informed both the company and the Assistant Labour Commissioner (C) and it was agreed that if they turn up they would be provided with the jobs. But when they did not turn up even then, they appointed Shri Sapan Ghosh, Shri Arun Nag, Shri Kalyan Nag, Shri R. R. Saha and Shri A. K. Patro. Shri A K Patra and Shri R. R. Saha worked as shipping clerks. He has given the details of the work done by the shipping clerk. When wagon is placed the shipping clerk used to inform the railway by memo to place the wagons in the bunkers for the loading. After the loading was completed his duty was to weigh the wagon on the railway bridge and to inform the railway about the completion of the loading and the weight of the wagon. The shipping clerk also had to maintain a regular register No. T/39 in which the entries were to be made by him. They are also to maintain the labour attendance, wage register and other labour records. The witness has said that there were three shipping clerks having 8 hours shift duty. He has further said that the 3 workers of A. C. Guha did not turn up so long as the contract M/s. M. N. Ghosh & Sons continued. But when M/s. Metallo Mining Corporation took the contract in September, 1977 they approached the company, and the company directed M/s. Metallo Mining Corporation verbally to take them in and accordingly they were allowed to join, and they are still working. But when M/s. Eagle Mining Industries was awarded the contract they took all the employees except Shri R. R. Saha and Shri A. K. Patro. His evidence is that Shri R. R. Saha and Shri A. K. Patro were employees of M/s. M. N. Ghosh & Sons before their appointment for the work of loading, levelling and adjustment, etc. But when M/s. M. N. Ghosh & Sons took the contract of loading, levelling and adjustment, Shri Saha and Shri Patro were formally appointed in this contract job, and they were paid their emoluments from this contract job at Gua. Then again when M/s. Metallo Mining Corporation succeeded M/s. M. N. Ghosh & Sons these two workmen viz. Shri R. R. Saha and Shri A. K. Patro were absorbed as shipping clerks and they worked upto the last day of the contract of this firm. His positive evidence is that these two workmen Shri Saha and Shri Patro while serving under their contract work at Gua, they did some work beyond their duty hours for other works of M/s. M. N. Ghosh & Sons and M/s. Metallo Mining Corporation. They were not paid for

the extra duty performed for M/s M. N. Ghosh & Sons and M/s. Metallo Mining Corporation.

13. WW-3 Shri R.R. Saha is one of the concerned workmen in this case. He has said that when the four employees of A.C. Guha & Co. did not join in the contract work of M/s. M. N. Ghosh & Sons, M/s. M. N. Ghosh & Sons transferred both the concerned workmen to this job in full time capacity. They also appointed 2 or 3 others. He and Shri Patro were designed as shipping clerks. The witness has given the details of the duties performed by him which is roughly the same as deposed by WW-2. He has further said that the wagons used to be placed at any time during 24 hours and therefore three shipping clerks were required with 8 hours shift duty. The witness has said that when M/s. Metallo Mining Corporation succeeded M/s. M. N. Ghosh & Sons they continued to work as shipping clerks till 31-3-78 when the contract was terminated. After M/s. Eagle Mining Industries got the contract, M/s. Metallo Mining Corporation forwarded to the company the names of the concerned workmen for employment by the succeeding contractors. The company did not take any action and so, they approached the Chief Executive, Ore Mines of the company. M/s. Eagle Mining Industries refused to accept 5 workmen of M/s. Metallo Mining Corporation viz. Shri R. R. Saha, Shri A. K. Patro, Shri Sapan Ghosh, Shri Kalyan Nag, Shri Arun Nag. The witness has said that Shri Jhingran the Sr. Manager of the company sent instructions to M/s. Eagle Mining Industries to take in Shri Sapan Ghosh, Shri Kalyan Nag and Shri Arun Nag, and according they were taken in. With regard to the concerned workman, Shri Jhingran was of the view that since M/s. M. N. Ghosh & Sons had not taken the consent of the company and in putting them in their contract job they should not be taken in. His evidence is that the stand of the company that M/s. M. N. Ghosh & Sons appointed him and Shri Patro in the contract job without permission of the company is wrong. He has said that the company provided them with quarters and also enrolled them in the company's provident fund. The witness has accepted that Exts. M37, M38, M39 and M40 were signed by him at the time when he was an employee of M/s. Metallo Mining Corporation, but his explanation is that he used to sign the papers on behalf of M/s. Metallo Mining Corporation and M/s. M. N. Ghosh & Sons under their special requests. The witness has also proved Exts. W.18, W.19, W.20, W.21 and W.22 which are all signed by the partners of M/s. M. N. Ghosh & Sons.

14. WW-4 is Shri Ashok Kumar Patro. He is one of the concerned workman. The two letters, Exts. M26 and M27 were placed before the witness and he denied that they were signed by him. The witness has said that these two letters were signed by one Shri T. D. Patro who was one of the employees of the contractor.

15. I have tied above to place the respective cases of the parties together with the evidence both documentary and oral adduced in this case. The facts, as I have pointed out earlier, are admitted, and so there is no controversy so far as the facts are concerned. These two concerned workmen were employees of M/s. M. N. Ghosh & Sons prior to this firm's obtaining contract for loading, levelling and adjusting of railway wagons. It is an admitted position that they were employed in this contract job of M/s. M. N. Ghosh & Sons where they worked all along as shipping clerks. M/s. Metallo Mining Corporation succeeded M/s. M. N. Ghosh & Sons as contractors and they employed these two concerned workmen Shri R. R. Saha and Shri A. K. Patro as shipping clerks. But when M/s. Eagle Mining Industries succeeded M/s. Metallo Mining Corporation they raised objections in employment of 5 of the erstwhile workers including these two concerned workmen. But subsequently on recommendation made by the company the other 3 were taken, and since no instructions about these two concerned workmen were given to M/s. Eagle Mining Industries by the company, they were not appointed. It is an admitted position that M/s. Eagle Mining Industries had initially raised objection to the employment of these two concerned workmen on the ground that they were employees of M/s. M. N. Ghosh & Sons. But even after the union took up their case before the company, no recommendation was made to M/s. Eagle Mining Industries for their being absorbed. The company's plea came into light at the conciliation stage while it was disclosed that these two workmen were

also working for M/s. M. N. Ghosh & Sons in managing some other contract works. Obviously the view taken by the company was that these two concerned workmen were not exclusively engaged in the contract work of loading, levelling and adjustment given to M/s. M. N. Ghosh & Sons and subsequently to M/s. Metallo Mining Corporation. This is the position taken even in this court in the written statement of the company. We have to see if this plea is sustainable.

16. It is an admitted position that these two concerned workmen were allowed quarters at the time when M/s. M. N. Ghosh & Sons was running the contract of loading, levelling and adjusting. They were also allotted Provident Fund Nos. I have already mentioned that Shri R. R. Saha in his evidence has admitted having signed some of the papers for M/s. Metallo Mining Corporation in connection with their other contract works with M/s. S. Lal & Co. at Barbil. These are Exts. M37, M33, M39 and M40. Even this stand with regard to Shri A. K. Patro is not substantiated because the two documents Exts. M26 and M27 purported to the envelopment of Shri Patro have not been signed by him but by someone else. There is nothing to indicate that Shri A. K. Patro had anything to do with the other contract work of M/s. M. N. Ghosh & Sons and M/s. Metallo Mining Corporation. The Company therefore cannot say that they had justification for refusing to advise M/s. Eagle Mining Industries to take Shri A. K. Patro in their contract job. I must mention that the Assistant Labour Commissioner(C) Chaibasa made repeated efforts during conciliation stage to see that these two workmen were directed by the Chief Executive of Gua Ore Mines for their employment by the succeeding contractor M/s. Eagle Mining Industries. The ALC(C) was of the view that both the workmen had completed more than 240 days in a year to attain permanency in their jobs. The tender notice even in respect of M/s. Eagle Mining Industries required them to absorb permanent employees of the preceding contractor. The company took an adamant attitude in refusing to make recommendation for their absorption on the plea that they were doing some other works for M/s. M. N. Ghosh & Sons in some other contract works. On behalf of the workmen it has been shown that they were treated as permanent workmen as shipping clerks under the contract of M/s. M. N. Ghosh & Sons and M/s. Metallo Mining Corporation. The workman Shri R. R. Saha has frankly stated that sometime when he was free he used to do some works both for M/s. M. N. Ghosh & Sons and M/s. Metallo Mining Corporation for their other contracts as and when demanded or requested. It does not mean that they were not performing their full duties in the contract work of M/s. M. N. Ghosh & Sons and M/s. Metallo Mining Corporation in loading, levelling and adjustment of railway wagons. After all they were on duty for 8 hours only each day and since they were old employees of M/s. M. N. Ghosh & Sons they could not afford to refuse them if a request was made by these 2 firms to do some extra work. The Co. has not shown that they were paid extra for such jobs and the workman, Shri Saha has positively stated in his evidence that no extra payment was made to him for the same. I must mention that even according to Government Servent Conduct Rules a government employee is debarred from doing any other job without permission of the Government. If this principle is extended to the present case there should have been objections from the employers themselves. But when the employers required their own employees to do some extra work, another party not interested cannot be allowed to take the plea that they were not exclusively employed by the employers. Even on this principle, therefore the case of the workmen cannot be defeated. It is clear that these two employees had permanency in their jobs by virtue of having put in more than 240 days in their job in a year and on this strength alone the company should have given direction to M/s. Eagle Mining Industries to absorb them in their contract work. I have already said that so far as Shri A. K. Patro is concerned the company has failed to produce any document or evidence to show that he was doing extra work for M/s. M. N. Ghosh & Sons and M/s. Metallo Mining Corporation. Thus, I have to conclude that the Chief Executive of Gua Ore Mines was not justified in not directing M/s. Eagle Mining Industries to take Shri A. K. Patro and Shri R. R. Saha in their services.

17. On behalf of the company it has been pleaded in their written statement that this reference is without jurisdiction. The reference is a simple one and I have answered the same. The Chief Executive of Gua Ore Mines should have directed

Ms. Eagle Mining Industries to absorb Shri A. K. Patro and Shri R. R. Saha which was not done. This was the reason why these two permanent employees of the erstwhile contractor M/s. Metallo Mining Corporation were not taken in and were thrown out of employment. At the conciliation stage M/s. Eagle Mining Industries took the plea that they would take them into jobs if the Chief Executive of Gua Ore Mines so directed. So at the time of conciliation M/s. Eagle Mining Industries was there and had the company taken the correct and reasonable decision these two workmen would have been employed by M/s. Eagle Mining Industries and would have continued in employment even today. This reference relates to only this question whether the action of the Chief Executive in this matter was justified. I have answered this reference that it was not justified. What the company means to say is that since M/s. Eagle Mining Industries is no longer serving as contractors no direction could be given now by the Chief Executive, Gua Ore Mines to M/s. Eagle Mining Industries to employ them. Mr. T. P. Choudhury, Advocate arguing on behalf of the workmen has rightly said that this is a reference and not a suit and therefore Specific Relief Act has no application. What he means to say is that the reference cannot be said to be barred because no consequential relief has been claimed. The reference says "If not, what relief are the two employees entitled". It means that if their action is not justified what relief could these two workmen get. Mr. T. P. Choudhury has said that the resultant effect is that they will be deemed to continue in the service of M/s. Eagle Mining Industries and the succeeding contractor. He has therefore said that so far as back wages are concerned if the contractors are not able to pay them because they have not worked with them, the principal employer is liable to pay. Reliance has been placed on 1978 Lab. J.C. Vol. II, Page 1264 :

"Where a worker or group of workers labour to produce goods or services and their goods or services are for the business of another, that other is, in fact the employer. He has economic control over the workers subsistence, skill and continued employment. If he, for any reason chokes off the worker is, virtually, laid off. The presence of intermediate contractors with whom alone the workers have immediate or direct relationship ex-contractu is of no consequence when, on lifting the veil or looking at the conspectus of factors governing employment, it is found, though draped in different perfect paper arrangement, that the real employer is the Management, not the immediate contractor."

The ruling quoted above is applicable on all force to the present case and I see no reason to debar the two concerned workmen from the relief of employment and back wages.

18. I therefore hold the following :

- (i) The action of the Chief Executive, Ore Mines, The Indian Iron & Steel Co. Ltd. At & P.O. Gua District Singhbhum is not justified in not directing the new contractors i.e. M/s. Eagle Mining Industries to take Shri A. K. Patro and Shri R. R. Saha in their services.
- (ii) The two workmen i.e. Shri A. K. Patro and Shri R. R. Saha are entitled to immediate employment under the present contractor for which the Chief Executive, Gua Ore Mines must give necessary direction.
- (iii) Shri A. K. Patro and Shri R. R. Saha are entitled to all the back wages and other emoluments from the date they were thrown out of employment primarily from the contractors and failing that from the principal employer, Gua Ore Mines of M/s The Indian Iron & Steel Co. Ltd. At & P.O. Gua, District Singhbhum.

This is my award.

J. P. SINGH, Presiding Officer
[No. L-26011(6)/78-D.III(B)]

S.O. 787.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) in the industrial

dispute between the employers in relation to the management of Shri Kodandarama Barytes Mines, Sathavaram Village, Udaygiri Taluq, Nellore District, Andhra Pradesh and their workmen, which was received by the Central Government on the 9th February, 1981.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL)
AT HYDERABAD

Industrial Dispute No. 10 of 1978

BETWEEN

Workmen of Sri Kodandarama Barytes Mine, Sankhavaram village, Vinjamur (Post) Udayagiri Taluq, Nellore Dist. A.P.

AND

The Management of Sri Kodandarama Barytes Mine, Sankharavaram village Vinjamur (Post), Udayagiri Taluq Nellore Dist A.P.

APPEARANCES :

Sri T. S. Rama Rao, President, Bharatiya Mazdoor Sangh, for Workmen.

Sarvashri S. Ravindranath and J. Devender Rao, Advocate—for the Management.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour under Sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by its L.R. No. I-29012/28/77-D, III.B dated 2-5-1978 referred to this Tribunal the following dispute between the workmen and the Management of Sri Kodandarama Barytes Mine, Sankhavaram Village, Vinjamur (Post), Udayagiri Tq. Nellore Dist.

ANNEXURE

"Whether the action of the management of Shri Kodandarama Barytes Mine, Sankhavaram Village, Udayagiri Taluq, Nellore District, Andhra Pradesh in refusing employment of Shri Bellamkonda Balaramaiah, Mazdoor w.e.f. 23-5-77 and finally terminating his services w.e.f. 11-6-77 was justified? If not, to what relief the said workman is entitled?"

2. This reference was registered as Industrial Dispute No. 10 of 1978 and notices were issued to parties.

3. The case of the Petitioner-workman is briefly as follows:—The Management failed to prove any misconduct of the Petitioner in connection with altercation that took place on 23-5-1977 between him and the Mate of the Mine. The Management has not given any prior notice of the charges levelled against him in regard to the said incident, and no opportunity was given to him to answer the alleged charges. The charges of misconduct and continued absence for more than ten days without permission, levelled against the Petitioner are false and faked up charges. The Management did not follow the procedure prescribed for taking action against the Petitioner and the same is opposed to law and natural justice. The Management illegally refused to allow the Petitioner to attend to his work in the Mine from 24-5-1977. So he was obliged to report it to the concerned Labour Authorities on 24-5-1977 itself. The continued absence of the Petitioner for more than ten days without permission for work is not of his own volition and the same was enforced by the Management by refusing work to the Petitioner. The action taken by the management in terminating the services of the Petitioner due to absence is unjust and motivated to remove him from service under one pretext or the other. The management made up its mind to remove the Petitioner from service even on 24-5-1977 itself and the letter addressed by the management on 24-5-1977 to the Labour Enforcement Officer, Gudur betrays the mind of the management as to the action to be taken against the Petitioner. Hence the Petitioner brays for reinstatement and for back wages from 24-5-1977 and such other reliefs as may be deemed fit and proper.

4. The case of the Management is briefly as follows:—This workman joined service in this Mine on 13-4-1977. On 23-5-1977 some of the lorry loaders of the Mine fell sick and they could not attend to their duties. So Sri B. Venkatareddy the Mate asked the other workers in the Mine to attend to the lorry loading work. But the Petitioner herein refused to attend to that work and he also abused the Mate in the presence of several male and female co-workers by using vulgar and filthy language. When his conduct of the Petitioner was brought to the notice of the Mine Manager, he held regular enquiry on 24-5-1977 and recorded the versions of the workers who witnesses the same. It was proved in that enquiry that without any provocation, the Petitioner abused the Mate. In spite of it, this Petitioner was asked to resume work and to be careful in future. On that day, the Petitioner worked in the Mine. But he failed to come up for work from 25-5-1977 and he absented himself without leave or permission. On 24-5-1977 the notice was issued to the Petitioner to show cause within three days why he should not be removed from the Mine for the above misconduct. Again on 27-5-1977 another notice was sent to him to show cause within three days of the receipt of the notice as to why disciplinary action should not be taken against him for his absence without leave or permission from 25-5-1977. The petitioner sent a written reply dated 1-6-1977 by stating that he was staying away from work as he was told to stop away. But he did not prefer to appear at the Worksnot for rejoining his work. Then by letter dated 10-6-1977 the Management informed the petitioner that as he was absent for more than 10 days without leave or permission, his name was removed from the list of workers in pursuance of the Mine Standing Orders. The Petitioner was involved along with another person in a theft case, and both of them were arrested and remanded to Custody. Hence a person of such reprehensible character and conduct should not be allowed to work in the Mine for it affects the morale of the workers. Soon after absenting himself from the work in the Mine, the Petitioner got himself engaged in masonry contracts like construction of culverts and hospital building and digging of wells. The Petitioner intentionally picked up a quarrel with the Mate on 23-5-1977 with the ulterior motive of leaving the work at Mine for taking up further avocation.

5. It was urged for the Petitioner as follows:—The services of the Petitioner were terminated as per Ex. M10 dated 10-6-1977 by alleging that he was absent without leave or permission for more than ten days. But the Petitioner did not attend to the duty from 24-5-1977 as the Management asked him not to attend. So the allegation of the management that he was absent for more than ten days without leave or permission is false. Even otherwise under Clause 14(e) of Standing Orders (vide page 4 of Ex. M11) habitual absence without leave or absence without leave for more than ten days amounts to misconduct. But he was not given an opportunity of explaining the same as contemplated under Clause 13(2) of the Standing Orders (vide page 4 of Ex. M11). So the above order is illegal and void. Further no enquiry was held in regard to the incident said to have taken place on 23-5-1977. So on that basis also the services of the petitioner cannot be terminated as a punishment. So in either case reinstatement with back wages has to be ordered.

6. It was urged for the Management as follows:—This is a case in which the Petitioner himself abandoned services in this Mine with a view to get himself engaged in petty contract work. So it is not a case of termination of the services of the Petitioner by the Management. As such this reference is not maintainable. Even assuming that this is a case of termination of the services of the Petitioner by the Management by virtue of Ex. M10, it has to be stated that the management established the misconduct referred to therein, i.e. the absence without leave for more than ten days and hence the said order should be treated as valid. In any case, the Petitioner is not entitled to back wages as he is engaged himself in petty contract works from the time he left this Mine. There cannot be order for reinstatement as the excavation of the Mine is not going on as lease is not renewed.

7. Even though an attempt was made on the part of the Petitioner to establish that he worked for more than 240 days in this Mine during the relevant year, it was submitted at the time of arguments that the said attempt was given up and hence it would not be urged for the Petitioner that the order of termination is void for non-payment of retrenchment compensation under Section 25(F) of the I.D. Act. The

evidence for the management shows that the total period for which the petitioner worked in this Mine is for five to six months and thus less than the requisite period of 240 days and as the Petitioner could not establish that he worked for more than 240 days in this Mine during one year prior to the order of termination, he is not entitled to retrenchment compensation under Section 25(F) of the I.D. Act and hence that attempt was given up and so there is no need to discuss the evidence in regard to the same.

8. In Ex. M10 dated 10-6-1977 it was stated that the allegation of the Petitioner in his reply that he was asked not to attend to duty in the Mine is false. But the date of that reply was not mentioned in Ex. M10. In the counter for the Management it was stated that the Petitioner sent reply dated 1-6-1977 but it was not mentioned as to when the said reply was received by the management. M.W.1 deposed that he received the said reply on 16-6-1977. As it is not the case for the management that it received another reply from the Petitioner besides the reply dated 1-6-1977, the reply referred to in Ex. M10 can be treated as the reply dated 1-6-1977. So the evidence of M.W. 1 that he received the said reply on 16-6-1977 cannot be treated as true for such reply was referred to even in letter dated 10-6-1977 (Ex. M10). So if the Management received the said reply within ten days from 25-5-1977, it cannot be stated that the Petitioner was absent without leave for more than ten days. Anyhow when no enquiry was conducted for the absence without leave for more than ten days, it is for the management to prove the said absence, and as it failed to prove that the reply of the petitioner was received after ten days from 25-5-1977, it has to be held that the management could not establish the said misconduct as per Clause 14(e) of the Standing Orders (vide Ex. M11). Having realised this, the learned counsel for the management submitted that he would not contend that this misconduct was proved.

9. Admittedly no enquiry was held in regard to the incident said to have taken place on 23-5-1977. M.W. 1 deposed that the enquiry in regard to the same, which was referred to in the counter, is only a preliminary enquiry. The learned counsel for the Petitioner had not addressed any arguments to substantiate the misconduct in regard to the alleged incident on 23-5-1977. Further the learned counsel for the Management submitted that he would not urge that the termination is for the misconduct for the incident which took place on 23-5-1977 and he would confine himself to the argument that the Petitioner himself abandoned or relinquished his service and it is not a case of termination of the services of the Petitioner by the management.

10. So the points for consideration are:—

- (1) Whether it is open to the Management to contend that the petitioner abandoned the services in this Mine and if so whether it is established that the petitioner abandoned the services in this Mine?
- (2) Whether Ex. M10 order amounts to an order of termination of the services of the Petitioner and if so whether it is illegal or void?
- (3) Whether the Petitioner is entitled to reinstatement and back wages?

11. Point 1:—At page 3 of the counter it was stated as follows:—"The haste with which he abstained from duties clearly shows that he was eager to manipulate in such a way that he must be able to take up other avocations and was awaiting for an opportunity to leave his work at the Mine." Further down in the same page, it was stated as follows:—"The fact is that the worker stopped away on his own accord and did not choose to appear in person from resuming work". Even in Ex. M10 order of termination it was stated that this petitioner himself had given up this Mine and he was attending to the work under Contractor. So in view of the above, it can be stated that this Management all along pleaded that this worker i.e. the Petitioner himself abandoned the services in this Mine. Hence I find that it is open to the Management to contend that the Petitioner abandoned his services in this Mine.

12. Now it has to be seen whether it is established that the Petitioner abandoned the services in this Mine. An incident

in which the Petitioner was involved had taken place in this Mine on 23-5-1977, and in regard to the same M.W. 1 conducted preliminary enquiry. From 25-5-1977 the Petitioner did not attend to the work in Mine. His case is that he did not attend to the work in this Mine from that date as M.W. 1 asked him not to attend to the duty, and even in his reply dated 1-6-1977 he stated like that. The case for the Management is that the Petitioner himself stopped from coming for work in this Mine as he apprehended disciplinary action in regard to the incident on 23-5-1977 or for the purpose of taking up contract work.

13. The Petitioner himself as W.W. 1 deposed that he had been doing petty contract works such as sinking wells and laying roads ever since he was removed from the service by this Management, and even by the date of his deposition he was engaged in such petty contract works. Exs. M12 to M14 are filed to show that the Petitioner was engaged in contract works.

14. In view of the material on record it was admitted even for the Petitioner that he was engaged in contact works from 25-5-1977. But it was argued for the Petitioner that as he was removed from service, he had to seek alternative avocations to maintain himself and hence on the basis of that it cannot be inferred that he abandoned the work in this Mine. It was further argued for the Petitioner that there is no prohibition for a worker to attend to some other work if it is more profitable by absenting himself from the work in the Mine when he is only a daily worker and when he is given work in the Mine only on the dates on which there is work. While this Petitioner was absent from 25-5-1977 he stated in his reply dated 1-6-1977 that he was absenting as he was asked not to attend to the work in the Mine. It is true that during the said period i.e. for about a week this Petitioner attended to work of contracts. It is not the case of the Management that after receipt of reply dated 1-6-1977 from the Petitioner, he was asked to report for duty in the Mine and then he failed to report. It was only alleged in the counter that even though the Petitioner gave such a reply, he had not come to the Mine to attend to the work. If the Management, after receipt of the reply dated 1-6-1977, asked the Petitioner to report to duty, and if this Petitioner failed to report then it can be stated that the Petitioner relinquished or abandoned the work in the Mine. So when there is no provision in Standing Orders of this Mine prohibiting a daily wage earner to attend to some other work, and when it is a case where he attended to other work for about a week only, it cannot be inferred from the same that the petitioner was interested in engaging himself in petty contract works only and hence he had given up the work in this Mine. It is true that even subsequent to Ex. M10 Order dated 10-6-1977, the Petitioner engaged himself in petty contract workers. When he had no other work, then it was proper on his part to attend to petty contract work. But on that basis it cannot be stated that he preferred contact works to work in this Mine. If in fact the Petitioner felt that the avocation of petty contract works is preferable to the work in this Mine, he would not have moved the Conciliation Officer even by 14-6-1977 that is about four days after Ex. M10 was issued. Hence in view of the material on record, it cannot be stated that the Petitioner abandoned the service in this Mine, and I find accordingly.

15. Points 2 and 3.—It has to be stated that Ex. M10 order amounts to order of termination of the service of the petitioner, as I held on point 1, that it is not a case of abandonment of the service on the part of the Petitioner and I find accordingly.

16. I already observed that as the management had not established the absence on the part of the Petitioner without permission for more than ten days, the said Order of termination can be treated as wrongful. If it is void, then it has to be stated that there is no order of termination and as such the Petitioner should be deemed to be in service, and in such a case he is entitled to full back wages whether he was otherwise gainfully employed or not. But if it is merely illegal, then the question whether he is entitled to back wages or not depends upon various circumstances including the question as to whether he was gainfully employed otherwise or not.

17. Under Standing Order No. 13(2) (vide page 4 in Ex. M11) no temporary workman shall be entitled to any notice

or pay in lieu thereof if his services are terminated, but the services of a temporary workman shall not be terminated as a punishment unless he has been given an opportunity of explaining the charges of misconduct alleged against him in the manner prescribed in paragraph 14. Under Standing Order No. 14 (2)(e) habitual absence without leave or absence without leave for more than 10 days, is treated as misconduct. Ex. M10 reads that under Standing Order No. 14(2)(e) the services of the petitioner were terminated. But admittedly no enquiry was held before Ex. M10 order was passed. In such a case it is open to the Management to prove that misconduct by adducing necessary evidence before the Tribunal (vide Management of Utkal Machinery v. Workmen, Santi Patnaik (1966 Vol. 12 FLR, page 45).) But I have already observed that the management failed to substantiate the said misconduct.

18. It was urged for the Petitioner that as the procedure contemplated under Standing Order 14 as per Ex. M11 is not followed, the order of termination should be treated as void, and in support of the said contention Sirsi Municipality v. Cecilia Kom Francis Tellis (1973 Vol. 26 FLR page 150) is referred to. Therein the Supreme Court considered the case of dismissal of an employee of a local body. At page 154 of the said decision it was observed as follows :—

"The cases of dismissal of a servant fall under three broad heads. The first head relates to relationship of master and servant governed purely by contract of employment. Any breach of contract in such a case is enforced by a suit for wrongful dismissal and damages. Just as a contract of employment is not capable of specific performance similarly breach of contract of employment is not capable of founding a declaratory judgment of subsistence of employment. A declaration of unlawful termination and restoration to service in such a case of contract of employment would be indirectly an instance of specific performance of contract for personal services. Such a declaration is not permissible under the Law of Specific Relief Act.

The second type of cases of master and servant arises under industrial law. Under that branch of law a servant who is wrongfully dismissed may be reinstated. This is a special provision under Industrial Law. This relief is a departure from the reliefs available under the Indian Contract Act and the Specific Relief Act which do not provide for reinstatement of a servant.

This third category of cases of master and servant arises in regard to the servant in the employment of the State or of other public or local authorities or bodies created under statute.

Termination or dismissal of what is described as a pure contract of master and servant is not declared to be a nullity however wrongful or illegal it may be. The reason is that dismissal in breach of contract is remedied by damages. In the case of servant of the State or local authorities or statutory bodies, courts have declared in appropriate cases the dismissal to be invalid if the dismissal is contrary to rules of natural justice or if the dismissal is in violation of the provisions of the statute. Apart from the intervention of statute, there would not be a declaration of nullity in the case of termination or dismissal of a servant of the State or of other local authorities or statutory bodies."

19. The Management herein is not a statutory body. Further it was observed therein that termination or dismissal of what is described as a pure contract of master and servant is not declared to be nullity however wrongful or illegal it may be. It was further observed therein that under the branch of Industrial law a servant who is wrongfully dismissed may be reinstated. But as the statutory bodies are creatures of statutes, they have to act within the power granted under the statutes and if the order of dismissal is not in accordance with the statutory provision, they can be treated as void. So even though I held that the order of termination of service

of the Petitioner is wrongful still it cannot be treated as void for the management herein is not a statutory body and so the above decision does not support this contention for the Petitioner.

20. Unreported decision of our High Court in Writ Petition No. 3354/72 (a copy of that judgment is filed in this case) and STATE BANK OF INDIA v. N. SUNDRA MONEY (1976 Vol. 32 FLR, page 197) are referred to show that such illegal orders should be treated as void, and in such a case the concerned workman is entitled not only to reinstatement but also back wages irrespective of the fact that he is gainfully employed during the concerned period. But in both those cases, the orders of termination are treated as void for non-compliance of Section 25F of the I.D. Act, that is due to non-payment of retrenchment compensation as contemplated under the above provisions. So those cases do not deal with regard to the wrongful orders of termination on grounds other than violation of Section 25F of the I.D. Act. Hence those decisions are not helpful to the Petitioner in this context.

21. MAFATLAL NARANDAS BAROT v. J. D. RATHOD, DVL. CONTROLLER (1966 Vol. 13 FLR, page 77), HINDUSTAN LEVER LTD. v. THEIR WORKMEN (1974 Vol. 29, FLR, page 305 and O. W. ROPES LTD., v. A. C. FOR W. C.) (1976 Vol. 33, FLR, page 103) do not deal with this aspect and hence there is no need to discuss them.

22. Hence I find that Ex. M 10 order is illegal but not void.

23. For want of renewal, this Mine is not functioning. Then the question arises as to whether the Management can be directed to reinstate the Petitioner as Ex. M10 order is held as illegal. It is admitted for the Petitioner that he was paid wages only on the days on which there was work for him in this mine and when he attended to that work. So it means that this Management need not pay to the Petitioner on the days on which there was no work. Hence when the Mine is not functioning this Management cannot be asked to reinstate the Petitioner immediately. But as and when the renewal is granted by the Central Government for operation of this Mine by the legal representatives of Sattar, the Lessee under whom the Petitioner worked in this Mine, the Petitioner has to be reinstated and I find accordingly.

24. Whenever an order of termination is held as illegal, the question whether he is entitled to back wages depends upon the circumstances of the case. If in spite of best efforts the workmen did not get any alternative job, or gets a job for wages which are less than the wages he was getting from the previous management. Those aspects have to be taken into consideration along with other factors in ordering back wages. It is for the concerned workman to show that he was not otherwise employed, or the income which he is getting from alternative avocation is less than the wages which he was getting under the Management which terminated his services.

25. In this case the Petitioner himself admitted that from the time he was out of service in this Mine, he engaged himself in contract petty. He had, not stated that the income which he got from the said contracts is less than the wages paid by this Mine. Hence he is not entitled to any back wages and I find accordingly.

26. Hence I find that the action of the Management of Sri Kodandarama Barytes Mine, Sankhavaram Village, Udayagiri Taluq, Nellore District, Andhra Pradesh in refusing employment of Sri Bellamkonda Balaramaiah. Mazdoor w.e.f. 23-5-77 and finally terminating his service w.e.f. 11-6-77 is not justified. He has to be reinstated as and when the Central Government renews lease applied by late Sattar, in favour of his legal representatives. This workman is not entitled to back wages.

The Award is passed accordingly.

27th January, 1981.

V. NEELADRI RAO, Presiding Officer

[No. L-29012(28)/77-D.III(B)]

K. K. HANNA, Under Secy.

APPENDIX OF EVIDENCES

Witnesses examined
for Workmen.

W.W. 1 Sri B. Balaramaiah
Witnesses examined
for Management.

M.W. 1 Sri M. Ramaswamy.

Documents exhibited for the Workmen.

Ex. W1—Copy of the application dt. 13-6-77 of Sri B. Balaramaiah to the Manager Sri Kodandarama Barytes Mine, Nellore Dt.

Ex. W2—Failure Report No. S/13/77-LEO-GDH, dt. 24-7-77 of the Conciliation Officer.

Ex. W3—Minutes of discussions held on 14-6-77 in the Industrial Disputes regarding termination of service of Sri B. Balaramaiah.

Documents marked for the Management.

Ex. M1—Letter dt. 19-2-76 of the Labour Enforcement Officer (Central) Gudur, Nellore Distt. with regard to inspection report for the year 1976.

Ex. M2—Letter dt. 22-3-77 of the Labour Enforcement Officer (C) Gudur with regard to the inspection report for the year 1977.

Ex. M3—Minutes of discussions dt. 25-3-76 of the Ass'tt. Labour Commissioner, Vijayawada.

Ex. M4—Entry in wages cum muster roll register for the period from 11-4-77 to 17-3-77.

Ex. M5—Entry shows in wages cum muster roll register checked by concerned authorities on 22-3-77.

Ex. M6 B. Register maintained under the Mines Act from 1974 to 1975.

Ex. M7—Entry in Ex. M6 (B. Register) shows the date of joining and the date of leaving the Mine in 1975 by B. Balaramaiah.

Ex. M8—Statement of Sri B. Balaramaiah, the Mate Venkat Reddy and some other workers of the Mine (one register).

Ex. M9—Office copy of the show cause notice dt. 27-5-77 issued by the Manager to Sri B. Balaramaiah.

Ex. M10—Office copy of the show cause notice dt. 10-6-77 issued by the Manager to Sri B. Balaramaiah informing him as to why his name should not be removed from list of employees as per Standing Orders due to his failure to report for duty.

Ex. M11—Certified copy of the Standing Orders of the Mine with the orders of the Certifying Officer.

Ex. M12—Letter of the Executive Officer Grampanchayat, Vinjamur regarding the details of work executed by Sri B. Balaramaiah.

Ex. M13—Letter Rc. No. D2-1504/79 dt. 12-9-79 from Block Development Officer, Vinjamur regarding the details of work done and payments made by Grampanchayat Samithi, Vinjamur to Sri B. Balaramaiah.

Ex. M14—Statement of work done by the Sri B. Balaramaiah furnished by Block Development Officer, Vinjamur.

Ex. M15—Money Order acknowledgement dt. 1-6-77 of Sri B. Balaramaiah.

Ex. M16—Payment of Wages Register from 16-8-74 to 25-1-1976.

Ex. M16(a) Relevant entry of Sri B. Balaramaiah joined service on 1-3-1975.

Ex. M17—B. Register from 1976 to 1978.

Ex. M17(a)—Relevant entry of B. Balaramaiah in Ex. M17 B. Register.

Ex. M18—Payment of Bonus register and the relevant entry with regard to payment of bonus to Sri B. Balaramaiah.

Ex. M19—Acknowledgement with regard to the notice sent to Sri B. Balaramaiah by the Management.

Ex. M20—
-do-

Ex. M21—
-do-

Industrial Tribunal.

New Delhi, the 26th February, 1981

S.O. 788.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Ranipur Colliery of Eastern Coalfields Limited, Sanctoria and their workmen, which was received by the Central Government on the 16th February, 1981.

**CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,
CALCUTTA**

Reference Nos. 64 and 66 of 1978

PARTIES :

Employers in relation to the management of Ranipur Colliery of Eastern Coalfields Limited, Sanctoria, P.O. Dishergarh, Burdwan.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

On behalf of Employers.—Mr. B. B. Roy, Senior Personnel Officer.

On behalf of Workmen.—Mr. Samiran Chakravorty, Vice-President, Coal Mines Employees Union.

STATE : West Bengal

INDUSTRY : Coal Mines.

AWARD

These two reference cases, namely, Case Nos. 64 and 66 both of 1978 have been heard analogously on preliminary points raised by the employers. Both the parties agreed that they would be so heard as there are the common questions of law and facts. This award shall govern both the cases.

2. Reference case No. 64 of 1978 arises out of an Order No. L-19012(49)/77-D-IV(B) dated 19th July, 1978 by which the Central Government sent it to this Tribunal under Section 10 of the Industrial Disputes Act for adjudication of an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of Ranipur Colliery of Eastern Coalfields Limited, Sanctoria, P.O. Dishergarh, District Burdwan, hereinafter referred to as the "Colliery" and their workmen represented by the Joint Secretary, Coal Mines Employees Union, hereinafter referred to as the "Union" mentioned in the following words :

"Whether the action of the management of Ranipur Colliery of Ranipur Sub-Area of Eastern Coalfields Limited, P.O. Dishergarh, Distt. Burdwan in not categorising Shri Dharam Karmakar, Tub-Repairing Mistry and Sarva/Shri Mahabir Karmakar, Lakhiram Karmakar and Harekrishna Karmakar, tub-repairing mazdoors as per their claim is justified ? If not, to what relief are the concerned workmen entitled and from what dates ?"

3. The other reference case, namely, Reference Case No. 66 of 1978 has been sent to this Tribunal under Section 10 of the Industrial Disputes Act by the Central Government by its Order No. L-19012(78)/77-D-IV(B) dated 20th July, 1978 for adjudication of an industrial dispute between the same parties as mentioned in the other reference and the dispute has been framed in the following words :

"Whether the action of the management of Ranipur 2C Incline of Ranipur Colliery of Eastern Coalfields Ltd., P.O. Dishergarh, Distt. Burdwan in not categorising Sarva-Shri Satyhan Das, Sunit Karmakar, Bimal Karmakar, Kalo Karmakar and Naru Karmakar as per their claim on the basis of the work performed is justified ? If not, so what relief are the said workmen entitled and from what dates ?"

4. In both the cases the parties filed their respective written statement in the written statement filed by the Colliery in both the cases a preliminary objection as to the maintainability of the present disputes and the jurisdiction of the Tribunal to adjudicate the dispute has been raised. The grounds are the same in both the cases. It is alleged that the Union has no existence in Ranipur colliery and is not competent to raise the present disputes, that the concerned workmen were never members of the Union during the relevant time and that the Union was never authorised by the workmen to raise the present disputes. In reply to this allegation rejoinders were filed in both the cases by the Union and as against these allegations the Union has stated that it denied that the concerned workmen were not members of the Union and that the workmen did not authorise the Union. The Union has stated that it has substantial number of members at the colliery, that the workmen demanded their proper grades and that the management failed to redress the same. According to the Union Sumit of the reference should be Sunil.

5. At the time of preliminary hearing the questions raised by the Colliery were whether the disputes raised in the cases under consideration are industrial disputes and whether the Union representing the workmen in these cases has the authority and locus standi to raise the dispute and to represent the workmen of the Ranipur colliery. On preliminary points the Tribunal has, therefore, to decide the following :

- (i) Whether the disputes in question were raised by an appreciable, reasonable and sufficient number of workmen of Ranipur Colliery,
- (ii) Whether the union represents an appreciable, sufficient or reasonable number of workmen of the Colliery,
- (iii) Whether the Union had legal authority to espouse the cause of the workmen and to raise the present disputes,
- (iv) Whether the present disputes are industrial disputes according to the provisions of the Industrial Disputes Act, and
- (v) Whether this Tribunal has jurisdiction to adjudicate upon the disputes sent to it.

In this case the Union has examined one witness as WW-1 and several documents have been exhibited on the side of the Union.

6. Mr. Samiran Chakravorty, now Vice-President of the Union represented the Union at the time of hearing and Mr. B. B. Roy, Senior Personnel Officer represented the colliery.

7. As I have already stated, the Union has examined one witness. He is Jyotsnamoy Chakravorty, President of the Union. He has stated that 100 out of the employees of the Colliery are members of the Union. The concerned workmen in both the cases are also members. His evidence is that on 24th April 1977 a resolution was passed in the annual general meeting of the Union and on the basis of that resolution the cases of the workmen were taken up by the Union. That resolution has been marked Ext. W-2. He has further stated that the above resolution authorised the Union to take up their cases and in this connection, he referred to the resolution. He has proved certain counterparts of the subscription receipts in respect of the concerned workmen. Some subscription counterfoil books were marked exhibits, they are Exts. W-3, W-3a and W-3b. During cross-examination he stated that in May 1977 all the concerned workmen became members of the Union. He has also admitted that in the membership register produced before this Tribunal and marked exhibit, there is no date showing when they were admitted as members. His evidence is that in the receipt book the dates of enrolment will appear. According to him, Dharam Karmakar, Mahabir Karmakar, Lakhiram Karmakar, Bimal Karmakar, Kalo Karmakar and Naru Karmakar were enrolled as members on 1-5-77. During cross-examination the witness has further stated that the workmen did not raise the dispute but the Union raised it through a letter. Of course, that letter written to the Assistant Labour Commissioner, Central has not been produced. We also get from him that Union received admission form from all the concerned workmen but in this case no such form has been filed. He has further stated

that whenever admission is taken, it is mentioned in the receipt. Membership register is maintained in bound books but in this particular case for Ranipur Colliery bound book could not be used for want of money for the purpose of membership register. The witness has stated that only the employees of Ranipur Colliery and no other colliery will appear in Ext. W-4, the membership register. We get that in Ranipur Sub-area there are several collieries, namely, Parbelia, Deoli, Ranipur and Bhamoria. Again he has stated that according to Sub-area the Union maintains membership register but from his evidence we further get that the employees of Deoli colliery who are members of the Union have been mentioned in the membership register of Ranipur Sub-area filed in another case and in that register the names of Satyaban Das, Sunit Karmakar, Bimal Karmakar, Kalo Karmakar and Naru Karmakar appearing in the present register for Ranipur colliery were also entered. Therefore, although the witness wanted to say that only the employees of Ranipur colliery could be found in Ext. W-4, he has admitted during cross-examination that in another case connected with Deoli colliery register of Ranipur Sub-area included the members of both Deoli as well as some employees of Ranipur, namely, Satyaban, Sunit, Kalo and Naru who are not expected to appear in that register. The President of the Union, WW-1, has stated that at the time of reference the strength of the workmen of Ranipur colliery would be about 1500 to 1600 and according to him and the membership register Ext. W-4, there are only 100 of those workmen shown as members of the Union. This number, that is to say 100 workmen, cannot be taken as reasonable, sufficient or appreciable number of workmen who could raise an industrial dispute on behalf of the workmen. According to the witness several of the concerned workmen became members of the Union on 1-5-1977. In Ext. W-3, the counterfoil book of subscription receipts it appears quite clearly that several dates of the counterfoils originally purported to have been written in May were tampered with and the dates have been altered from May to April and thereafter names of Dharam Karmakar, Mahabir Karmakar, Lakhiram Karmakar and Harekrishna Karmakar were written out with the date 1-5-1977. Exhibit W-3 contains counterfoils from 19-2-1977 to 2-6-1977 but in the Receipt Book which contains the names of Satyaban, Sunit, Kalo, Naroo and Bimal, Exts. 10 to 10(d) consists of counterfoils ranging from 30-4-1977 to dates following. Clearly, therefore, the names of Dharam Karmakar, Harekrishna, Mahabir and Lakhiram were shown in the receipt book by altering the dates of the preceding counterfoils to show that they were members on 1-5-1977. Again, Exts. 10 to 10(d) will show that Satyaban, Sunit, Kalo, Naroo and Bimal paid subscriptions from January to December, 1977 on 31-8-1977. Therefore, they could not have been made members of the Union on 1-5-1977 as stated by WW-1. The counterparts of the subscription relating to concerned workmen are, according to my finding, spurious and most unreliable. The workmen concerned were not members of the Union. Moreover, in the membership register W-4 there is no indication or date given as to when the persons mentioned there became members of the union. Apart from that several pages appear to have been written by the same hand and at the same sitting. The colliery has challenged the membership of the workmen but it is curious to note that none of the concerned workmen nor any other workman of the colliery has been examined in this case in support of the Union's claim that it has got several workmen of the colliery as its members. Mere filing of documents describing as membership register or counterfoils of subscription receipts will not prove the genuine membership of the workmen. Giving my best consideration to the evidence. I have no doubt to hold that the Union has failed to prove that the names appearing in the counterfoils of the subscription receipts or the membership register are real or bona fide members of the Union. Even if it is assumed for the sake of argument that there were 100 workmen of the colliery as members of the Union at the relevant time, in view of the evidence that there were 1500 to 1600 workmen of the colliery 100 workmen do not constitute a reasonable, sufficient or appreciable number of workmen who will be entitled to raise an industrial dispute. The evidence does not show that the Union was ever representing the workmen of the colliery for the purpose of raising an industrial dispute.

8. Mr. Chakravorty has contended that according to law even a minority union may raise an industrial dispute. Yes, in some cases a minority union may raise an industrial dispute.

but, it cannot be invariably taken as a proposition that all minority unions will be entitled to raise an industrial dispute. For example, there are 100 workmen in a particular establishment; one union has got 50 of them as members; another has 40 as its members and the third union has got five workmen as its members. In these circumstances the second union although minor in relation to the first union having an appreciable number of 40 workmen can certainly raise an industrial dispute. But, the union having only five workmen cannot raise such dispute without being aided by either of the remaining unions. In the present case I have already found that the Union has failed to prove that it has got reasonable and appreciable number of workmen to represent the workmen. The contention of Mr. Chakravorty in this respect, therefore, fails.

9. Mr. Chakravorty's next contention is that the Union was authorised to raise the industrial dispute by virtue of a resolution passed in a general meeting and the resolution has been marked in this case as Ext. W-2. The relevant portion of the resolution relates to Agenda 1A which says that the members present at the general meeting of the Union gave general authority to the next committee and the office-bearers to take and sponsor industrial disputes, etc., on behalf of any workman of any establishment under the E.C.I. and that it would not be necessary to have prior approval of the Executive Committee to raise any industrial dispute in respect of any member by any authorised office-bearer of the Union. According to Mr. Chakravorty this was the authority given by the Union to espouse the cause of the workmen and to raise the industrial dispute. I am afraid this resolution gives no authority and valid authority to the Union to raise any industrial dispute in respect of the workmen. Moreover, WW-1 has stated that the Union raised the dispute and that the workmen did not raise the dispute. There is no evidence before this Tribunal to show that sufficient number of workmen of the colliery approached the Union to take up their case and to raise the present dispute. Two applications have been marked exhibits in this case signed by the concerned workmen, one is Ext. W-1 dated 25th May, 1977 addressed to the President of the Union bearing the names of Dhamakar and Harekrishna Karmakar and thumb impressions of two persons alleged to be of Mahabir Karmakar and Lakhiram Karmakar. They are the concerned workmen. None of them has come forward to say that this application was submitted by them. The other application, Ext. W-9, dated 31st August, 1977 is addressed to the Joint Secretaries of the Union. It bears the names of Satyaban, Sunil, Bimal, Kalo and Naru. These two applications even if given by the concerned workmen will not authorise the Union to raise the present disputes. They are of no value. In the circumstances, I cannot hold that the Union was authorised by any lawful authority or by an appreciable number of workmen of the colliery to raise the dispute.

10. In consequence of the findings above, it cannot be held that the present dispute is an industrial dispute as defined by the Industrial Disputes Act and as such I hold that this Tribunal has no jurisdiction to adjudicate upon the dispute sent to it.

11. In view of my findings above, the points raised in paragraph 5 above are answered as follows :

Point No. (i)—Answered in the negative;

Point No. (ii)—Answered in the negative;

Point No. (iii)—Answered against the Union;

Point No. (iv)—I hold that the dispute referred to this Tribunal is not an industrial dispute.

Point No. (v)—As already stated, this Tribunal has no jurisdiction to adjudicate upon the disputes referred to in the reference cases which are not maintainable in law.

I pass an award accordingly.

Dated, Calcutta,
6th February, 1981.

R. BHATTACHARYA, Presiding Officer.
[No. L-19012/49/77-D.IV(B) L-19012/78/77-D.IV(B)]

New Delhi, the 27th February, 1981

S.O. 789.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby

publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of General Manager, Western Coalfields Limited, Kanhan Area, Chicklalmau Colliery and their workmen, which was received by the Central Government on the 17th February, 1981.

BEFORE SHRI A. G. QURESHI, M.A. LL.B., PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (MADHYA PRADESH)

Case No. CGIT/LC(R)(6)/1980

PARTIES :

Employer in relation to the management of General Manager, Western Coalfields Limited, Kanhan Area, Chicklalmau Colliery, Madhya Pradesh and their workmen represented by M.P. Rashtriya Koya Khan Mazdoor Sangh (INTUC), Chandametta, P.O. Parasia, District Chhindwara (M.P.).

APPEARANCES :

For Union—Shri S. K. Rao, Advocate and Shri S. S. Bhardwaj.

For Management—Shri P. S. Nair, Advocate.

INDUSTRY : Coal

DISTRICT : Chhindwara (M.P.).

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on it by Clause 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act 1947, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication by Notification No. L-22011(6)/79-D.IV(B) dated 13th February, 1980 :—

"Whether the demand of the Madhya Pradesh Rashtriya Koya Khadan Mazdoor Sangh, Chandametta for regularisation of S/Shri Gulab S/o Tukas and 97 other truck loaders (as per annexure at Chicklalmau Colliery of Messrs. Western Coalfields Limited Kanhan Area is justified. If so, to what relief are the concerned workmen entitled?"

1. Shri Ram Bhai S/o Devkaran
2. Mohd. Yakub S/o Bashore Pathak
3. Shri Gulab S/o Dumne
4. Shri Gashru Prasad S/o Kishore
5. Shri Amarlal S/o Sushan
6. Shri Dayaram S/o Chetu
7. Shri Banshi S/o Tode
8. Shri Shabor S/o Shekherhfm
9. Shri Ramdas S/o Krishna
10. Shri Badhu S/o Kishori
11. Shri Khubchand S/o Bharat
12. Shri Shaoi Moti S/o Kukaran
13. Shri Laxmidas Bartanlal
14. Shri Nandanala S/o Ramdev
15. Shri Ratilal S/o Ganesh
16. Shri Kamal S/o Tode
17. Shri Panalal S/o Ganesh
18. Shri Ishwardas S/o Mansaram
19. Shri Sukhdas S/o Thudan
20. Shri Antaram S/o Hariprasad
21. Shri Ram Avtar S/o Bodh Singh
22. Shri Kailash S/o Dindayal
23. Shri Shri Narandra Soni S/o Chinonji
24. Shri Amilal S/o Jhamsingh
25. Shri Har S/o Kala
26. Shri Shantilal S/o Bharu
27. Shri Chandraman S/o Damsulal
28. Shri Kishanlal S/o Bharat
29. Shri Babulal S/o Sukar
30. Shri Laxmi S/o Hirday
31. Shri Jamanath S/o Jhanaklal
32. Shri Ramji S/o Ramprasad
33. Shri Komal S/o Chabilal

34. Shri Kanaiahla S/o Blrju
 35. Shri Thudan S/o Mehtu
 36. Shri Bhutsingh S/o Indrapal
 37. Shri Jhalkan S/o Premsha
 38. Shri Uttam Prasad Sharma
 39. Shri Subhash Chandra
 40. Shri Karnodhsingh Verma
 41. Shri Dhatrudhan Singh S/o Bachnsingh
 42. Shri Bhangu S/o Namdev
 43. Shri Pulilal S/o Damru
 44. Smt. Kaushya W/o Amarlaal
 45. Smt. Hanso W/o Tado
 46. Smt. Champa W/o Motilal
 47. Shri Behra S/o Sankar
 48. Shri Baggu S/o Dhorsha
 49. Shri Janglu Summar
 50. Smt. Bhulbati W/o Bhanjan
 51. Smt. Bhagwati W/o Behara
 52. Smt. Sukhbati W/o Nandu
 53. Shri Panna S/o Tirath
 54. Smt. Anarbati W/o Kahlu
 55. Smt. Khukarnia W/o Moblu
 56. Smt. Sukhbati W/o Regu
 57. Shri Hira S/o Sulu
 58. Shri Kallu S/o Gendu
 59. Smt. Subedo W/o Ramsingh
 60. Shri Chotelal S/o Shobharam
 61. Smt. Kalsha W/o Chunnilal
 62. Smt. Punabai W/o Nanhu
 63. Shri Mongeshwar Sahu S/o Prabhudayal
 64. Shri Kishorilal S/o Jhona
 65. Shri Ramdas S/o Chunilal
 66. Shri Sadan S/o Langru
 67. Shri Shirna S/o Gandu
 68. Shri Arjun S/o Kushilal
 69. Shri Ganesh S/o Pillu
 70. Shri Batiram S/o Bhopal
 71. Shri Badri Prasad S/o Ganesh
 72. Shri Ramlal S/o Kokul
 73. Shri Anakhla S/o Surju
 74. Shri Ramprasad S/o Malukchand
 75. Shri Suku S/o Kareshwar
 76. Shri Shramansha S/o Jugransha
 77. Shri Nanhulal S/o Damru
 78. Shri Rajkaran Singh S/o Lalbahadur Singh
 79. Shri Harichandra S/o Barikrao
 80. Shri Ganga S/o Ujjan
 81. Shri Drapti S/o Behra
 82. Shri Munalal S/o Kishanlal
 83. Shri Tulshiram S/o Dhyani
 84. Smt. Darshiya W/o Thudan
 85. Smt. Bundi W/o Kishan
 86. Smt. Rambati W/o Sampatlal
 87. Shri Madesingh S/o Gaban Singh
 88. Smt. Shyama W/o Budhu
 89. Smt. Prembati W/o Diniu
 90. Smt. Shanti W/o Kithori
 91. Smt. Ramkali W/o Bishan
 92. Smt. Malti W/o Panna
 93. Smt. Mehda W/o Dayaram
 94. Smt. Tulsia W/o Bishan
 95. Shri Kanshi S/o Chhuttan
 96. Shri Tarachand S/o Chotelal
 97. Smt. Sumarbati W/o Amarsingh
 98. Smt. Regu W/o Rashum
 99. Shri Ramprasad S/o Bhanu.

2. The case of the Union in short is that the concerned workmen were employed as truck loaders/dumper loaders, trimmers, Clamp makers, etc. at Chicklamau Colliery for the last three years. They were stopped from work without any notice as required under Industrial Disputes Act. The action of the management is therefore unjustified and the workmen be therefore ordered to be reinstated with full back wages and the costs of Rs. 1000 to the Union.

3. The case of the management in short is that the 99 concerned employees were not working in the mine i.e. at Chicklamau Colliery. Therefore the Central Government is not the appropriate Government as defined in Sec. 2(a)(1) of the Industrial Disputes Act. The workmen were not deployed at all by the Colliery. Therefore the management has no record of the employment of the workmen. However, from the information gathered the management has come to know that the 99 persons were engaged by the purchasers of coal for loading the coal into their trucks. Loading of coal in the truck is not in any way connected with the mining operation. There was no employer employee relationship between 99 individuals and the management of Western Coalfields Limited. The management never appointed them for any work anywhere. No appointment letters were issued and no wages were paid by the management. There was no supervision whatsoever by the management of the work of individuals. The owners and the drivers of the trucks engaged the workmen without the knowledge of the management. Loading of the truck is a casual nature of work and none of the individuals was engaged on a regular basis even by the truck owners and purchasers of the coal. The reference is also discriminatory in as much as the Central Government in similar cases has held that it is not the appropriate Government for making a reference under Section 10 of the Industrial Disputes Act. It has also been alleged that the workmen cannot be the members of the M.P. Rashtriya Koya Khan Mazdoor Sangh (INTUC) because according to the constitution of the Union the outsiders cannot be enrolled as members of the union and the concerned workmen not being the employees of the mining industry cannot become the members of that Union.

4. In rejoinder the management has further pleaded that the work of the workers will be covered by the definition of the Motor Transport Workers Act defined in Sec. 2(h) of the Motor Transport Workers Act, 1961. The truck loaders are specifically included in that definition and all of them are governed by the provisions of the said Act.

5. From the aforesaid pleadings of the parties the first question which arises for consideration is whether the concerned workmen were employed by the mine or mining industry and whether the Central Government is the appropriate Government for making a reference in the present dispute.

The management has examined two witnesses Shri Chedilal and Shri Vijay Kumar Sharma. Shri Chedilal states that he is working as transporter since 1962 at Parasia. He is transporting coal since 1966. From the year 1976 he is transporting coal from Chicklamau Colliery. He loads the coal from the pits of the Colliery in his own vehicles and engages his own loaders for unloading and loading. There are other contractors transporting the coal like him. They also adopt the same procedure. The loaders engaged by the Contractors are available outside the Colliery and are employed according to the requirements. They are not employed on regular basis. Payment is made according to the loading of the truck. It is not on daily or weekly basis. None of the loaders does any work connected with the colliery. Workmen at Sl. No. 29, 53, 10 and 60 have worked with this witness for loading the coal in the truck. This witness does not know the names of the other workers.

In cross-examination this witness states that the payment is made to the loaders by the truck driver who gives the account, to this witness, on the basis of the account builtly is prepared. The loading charges are included in the freight and the freight charges are being paid by the purchasers. No particular loader is assigned in this vehicle. Loaders are available and whatever vehicles reaches there for loading the loaders load that vehicle and take the loading charges.

6. The second witness of the management Shri Vijay Kumar Sharma is the purchaser of the coal and he is in coal business since 1974. Corroborating the statement of Shri Chedilal this witness states that he purchased coal from Chicklamaru Colliery and other collieries. According to him he engages labourers for loading the trucks from amongst the labourers who are available there. Other coal dealers also follow the same practice. The trucks reach the colliery pit and they are loaded by the labourers who are available to whom the witness and other purchasers make payments for loading. Generally the labour charges are on the basis of loading per truck load and sometimes according to the loading of whole truck. According to this witness persons at Sl. No. 3, 15, 17, 25, 29, 33, 53, 57, 65, 10, 12, 16, 20, 22, 28, 30, 32, 42, 54, 60, 64, 68, 72, 73, 76, 86, 88, 80, 81, 82, 90, 91 and 95 are known to him. They worked for him for loading the trucks.

In cross-examination this witness states that for transportation of the coal he uses his own vehicles. While maintaining the accounts he include the loading charges in the freight. The labourers do not do any other work of the mine while loading the trucks but if in free time they do any other work he cannot state about it.

7. From the statements of the above witnesses of the management it is abundantly clear that most of the 99 workmen are not employed by the mines management but actually are doing the job of loading the coal on contract basis. The loading is also not in lieu of a contract with the management but the contract for loading is between the truck owners who transport the coal or the coal purchasers who purchase the coal in the mine. The labour charges are included in the freight by the transporters and the coal purchasers also include the labour charges in the cost of the coal. As such loading the trucks is primarily not the responsibility of the management but of the transporter or the purchasers. The Union has pleaded that the concerned workmen were deployed by the management as truck loaders, timber loaders, trammers and clamp makers, but the Union has led no evidence to show that any of the aforesaid work was taken by the management from the concerned workmen. Not a single workman has appeared before me to state that the workmen were employed by the management of the mines for doing any of the jobs as claimed by the Union in the statement of claim. Even, this has also not been proved that the work of truck loading was done by any of the workmen at the instance of the management. From the statements of the witnesses of the management it is clear that the concerned workmen were employed for loading the coal in the trucks belonging to the transporters or coal purchasers. Loading is done on a contract basis and there is no regular employment of any of the workmen on the trucks for loading. The workmen sit waiting for the trucks to be loaded and whenever a transporter or a coal purchaser requires their services, 8 to 10 workmen for loading one truck are taken up for loading and are paid wages according to the work done i.e. either per tonne of coal loading or per truck. Therefore by any stretch of imagination these workmen cannot be held to be the employees of the mine or mining industry. The workmen are not deployed for loading the trucks belonging to the mine and are not employed by any agency of the mine for any work connected with the mining operation. Even if the workmen were able to show that they were the regular employees of any of the transporters or coal purchasers still they could not claim to be the employees of the mines. At the most they could be the employees of the transport industry and being motor transport workers they would be governed by the Motor Transport Workers Act, 1961. In respect of a dispute between the motor transporters and their workers, the State Government is the appropriate government and not the Central Government.

8. In view of the aforesaid discussion I hold that the concerned workmen were neither the employees of the mine nor of the mining industry. Therefore the Central Government is not the appropriate Government for making this reference and consequently this Tribunal has no jurisdiction to adjudicate upon the dispute referred to it. The concerned workmen therefore are not entitled to any relief from this Tribunal. Parties to bear their own costs as incurred.

27-1-1981.

A. G. QURESHI, Presiding Officer

[No. L-22011(6)/79-D.IV(R)]

S.O. 790.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Surakachhar Colliery, Post Office Banki Mogra, District Bilaspur and their workman, which was received by the Central Government on the 17th February, 1981.

BEFORE SHRI A. G. QURESHI, M.A., LL.B., PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.).

Case No. CGIT/LC(R)(4)/1980

PARTIES :

Employers in relation to the management of Surakachhar Colliery, P. O. Banki Mogra, District Bilaspur and their workman, Shri P. K. Chand, General Mazdoor, Bengal Bihar Construction Co. Ltd., Balco Township, Korba, Distt. Bilaspur (M. P.).

APPEARANCES :

For workman—Shri S. K. Rao, Advocate.

For management—Shri P. S. Nair, Advocate.

INDUSTRY : W. C. L. District : BILASPUR (M. P.).

AWARD

By Notification No. L-22012(17)/79-D.IV(B) Dated 2nd February, 1980 the Government of India in the Ministry of Labour in exercise of its power conferred by Clause 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal, for adjudication :—

“Whether the action of the management of Surakachhar Colliery of Messrs Western Coalfields Limited in removing Shri P. K. Chand, General Mazdoor from service is justified. If not, to what relief is the concerned workman entitled ?”

2. On receipt of the reference the parties were noticed to file their respective statements of claim and rejoinders which they did on 3-3-1980 and 26-3-1980. Then 21-4-1980 was fixed for filing of documents. After another date documents on behalf of the workman were filed on 22-4-1980 and by the management on 29-5-1980.

3. The workman challenged the validity of the enquiry proceedings and sought relief of reinstatement with full back wages. The management in its statement of claim and rejoinders has averred that the enquiry conducted by the Enquiry Officer was fair, full opportunity was given to the workman to defend his case, hence the action of the management in terminating the services of Shri P. K. Chand was justified. As such the workman concerned is not entitled to any relief.

4. On the pleadings of the parties issues were framed on 17-6-1980 and the case was fixed for evidence of parties on preliminary issues on 16-7-1980. Parties examined their witnesses on preliminary issues on 17-7-1980. Then the parties submitted that they will file written arguments which was allowed. Counsel for the workman has filed written arguments and the written submission on behalf of the management was awaited. In the meanwhile Counsel for the management submitted an another application on 26-7-1980. The copy of the application of the management was given to the workman for reply and filling of the list of witnesses or documents by the parties in support of their respective contentions about the signatures on the enquiry report. Counsel for the workman filed reply on 12-12-1980 and then the case was fixed for arguments. Arguments of the parties were heard on 7-1-1981 and the case was closed for orders.

5. But before the order could be dictated Counsel for both the parties appeared on 14-1-1981 and filed a compromise petition dated 12-1-1981 making a prayer therein that the Hon'ble Court be pleased to make an Award in terms of the settlement arrived at between the parties.

6. I have perused the terms of the settlement as incorporated in the compromise petition dated 13-1-1981 and am of the view that the terms of the settlement are fair, reasonable and beneficial to the workman concerned.

Shri P. K. Chand. An award is passed in terms of the settlement which shall form part of the award.

14-1-1981. A. G. QURESHI, Presiding Officer
[No. L-22012(17)/79-DIV (B)]

BEFORE THE CENTRAL GOVT. : INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT : JABALPUR
Case No. CGIT/LC/R(4)/1980

P. K. Chand.....Applicant.
V/s.

The Sub-Area Manager, Surakachhar Colliery...Non-applicant

The parties beg to submit as under :—

1. That Sri P. K. Chand employed in Surakachhar Colliery, Korba Area, of Western Coalfields Ltd. was given a charge sheet on 21-2-1976 and after holding a departmental enquiry, his services were terminated by order dated 19-9-1976 by the Agent and Superintendent of Mine, Surakachhar Colliery.

2. Thereafter Sri P. K. Chand raised an industrial Dispute with the Asstt. Labour Commissioner (Central) Raipur. The parties appeared before the Conciliation Officer and submitted their respective cases. The Conciliation ended in failure and failure report was submitted to the Secretary, Ministry of Labour by the Conciliation Officer.

3. On the basis of the failure report, the Central Government was pleased to make the following reference to the Central Govt. Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur :—

"Whether the action of the management of Surakachhar Colliery of Messrs Western Coalfields Limited in removing Sri P. K. Chand, General Mazdoor from Service is justified. If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

4. The parties led evidence to prove the legality of the departmental enquiry.

5. During the pendency of the proceedings, the parties again negotiated the dispute and with a view to bring about Industrial peace and harmony in the industry, repeated attempts were made to settle the case. After prolonged detailed discussion, the parties have decided to settle the dispute on the following terms :

TERMS OF SETTLEMENT

(i) Sri P. K. Chand will be reinstated without back wages within one month of the publication of the award by the Central Govt. Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur.

(ii) That Sri P. K. Chand will not get any benefit whatsoever for the period from the date of dismissal i.e., 19-9-1976 till his reinstatement including wages.

(iii) Sri P. K. Chand accepts the above offer of the Management in full and final settlement of all his demands whatsoever in respect of the pending dispute and neither he nor any one on his behalf shall make any further claim on the Management in respect of the dispute in question.

(iv) Management, as a measure of goodwill and gesture, has agreed to make an ex-gratia payment of Rs. 1,000 as cost as a special case to the workman, which shall not be treated as precedence in other cases.

6. The parties submit that the settlement is fair and reasonable and it is in the interest of parties and industrial peace.

7. It is in the interest of justice that the Award in terms of the settlement is made by this Hon'ble Tribunal.

PRAYER

It is, therefore, prayed that this Hon'ble Court be pleased to make an Award in terms of the above settlement.

Sd/-
Counsel for Workman

Jabalpur, 13-1-1981

Sd/-
Counsel for Management

PART OF AWARD
A. G. QURESHI, Presiding Officer

S.O. 791.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Burhar Sub-Area of Messrs Western Coalfields Limited, Amlai, District Shahdol and their workmen, which was received by the Central Government on the 17th February, 1981.

BEFORE SHRI A. G. QURESHI, M.A., LL.B., PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(75)/1980

PARTIES :

Employers in relation to the management of Burhar Sub-Area of Messrs Western Coalfields Limited, Amlai, District Shahdol (M.P.) and their workmen represented by The General Secretary, Shahdol Jila Janta Koya Khan Mazdoor Sangh, Shahdol, P.O. Dhanpuri, District Shahdol (M.P.)

APPEARANCES :

For Workman.—Shri D. L. Agarwal.

For Management.—Shri P. S. Nair, Advocate.

INDUSTRY : Coal

DISTRICT : Shahdol (M.P.)

AWARD

By Notification No. L-22012(24)/79-D.IV(B), dated 25th November, 1981, Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on it has referred the following dispute to this Tribunal, for adjudication :—

"Whether the action of the management of Burhar Sub-Area of Messrs Western Coalfields Limited, Amlai, District Shahdol in terminating the services of Shri Ram Milan, son of Garni, with effect from 14th December, 1977 without retrenchment benefits, is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

2. The parties were noticed to file their respective statement of claims on 3-1-1981 on which date Shri P. S. Nair, Advocate, for the management appeared and submitted that the matter has been mutually settled between the parties therefore no dispute award be given. The management was directed to file the proof of settlement on 7-1-1981. On 7-1-1981 Shri P. S. Nair, Advocate for the management and Shri D. L. Agarwal for the Union appeared before the Tribunal. Shri Nair submitted that he filed the settlement on 16-1-1981 but on this date Shri Nair filed only the copy of settlement and he was further allowed time to file the original settlement on 24-1-1981. Ultimately on 24-1-1981 a settlement duly signed by the parties concerned has been filed.

3. I have perused the terms of settlement and am of the view that the terms of settlement are fair and reasonable and beneficial to the workman concerned. As such an award in terms of the settlement is recorded. The Memorandum of Settlement incorporating the terms of settlement shall form part of this award.

Dated : 27-1-1981.

A. G. QURESHI, Presiding Officer
[No. L-22012(24)/79-D.IV(B)]

FORM 'H'

(See Rule 58)

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Representing Management.—Sri L. Saxena, Dy. Personnel Manager, WCL, Sohagpur Area, P. O. Dhanpuri Dist. Shahdol (MP).

Representing workman.—Sri Y. S. Verma, General Secretary, Colliery Labour Union (INTUC) P.O. Dhanpuri.

2. Sri Rammillan, Ex-Casual Mazdoor Amlai colliery.

SHORT RECITAL OF THE CASE

The General Secretary, Colliery Labour Union (INTUC) approached the Management alongwith the workman, Sri Rammillan and requested for his reinstatement in view of the recommendations of the Central Hospital, Mahendragarh, M.P. vide which the Medical Superintendent has recommended surface light duty for life long. It was also submitted by the Union that the workman has a large family to support and is finding difficulty to manage his affairs in the absence of any job. The union therefore requested for his employment. The representatives of the Management argued that Sri Rammillan has already been declared unfit due to some heart-trouble and therefore his services have been discharged.

However, on the persistant request of the union, the Management agreed to consider his case on the following terms and conditions :—

TERMS OF SETTLEMENT

1. It is agreed that Sri Rammillan would be offered a fresh employment as Badli/Casual worker on surface.
2. It is agreed that period of idleness shall be treated on the principle of 'No work no pay'.
3. It is agreed that Sri Rammillan would not be given any continuity of service.
4. It is also agreed that Union shall not make any precedence of this case.
5. The above case now finally stands disposed off.

Sd/-

Management Representative.—(L. Saxena) Dy. Personnel Manager, Sohagpur Area, Dhanpuri.

Sd/-

Workman's representative.—(Y. S. Verma) General Secretary, Colliery Labour Union (INTUC) Dhanpuri
Sd/-

(Rammillan) Ex-Casual Mazdoor Amlai Colliery

WITNESSES :

Sd/-

1. (N. B. Asan) PA, Area Office.

Sd/-

2. (M. L. Das) Clerk, Area Office.

PART OF AWARD

A. G. QURESHI, Presiding Officer

Dhanpuri : 2-12-80.

S.O. 792.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Johilla Sub-Area of Western Coalfields Limited, P.O. Nowrozabad Colliery, District Shahdol (M.P.) and their workman, which was received by the Central Government on the 17th February, 1981.

BEFORE SHRI A. G. QURESHI M.A., LL.B., PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. GCIT/LC(R)(79)/1980

PARTIES :

Employers in relation to the management of Johilla Sub-Area of Western Coalfields Limited P.O. Nowrozabad Colliery, District Shahdol (M.P.) and their workman Shri Murari Singh, Loading Clerk Grade II of Umaria Colliery of Western Coalfields Limited, District Shahdol (M.P.).

APPEARANCES :

For Management—Shri Bhave, Advocate and Shri Lalit Saxena, Deputy Personnel Manager.

For Union—None.

DISTRICT : Shahdol (M.P.).

INDUSTRY : Coal.

AWARD

In exercise of the powers conferred by clause 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947, the Government of India in the Ministry of Labour has referred the following dispute to this Tribunal, for adjudication, vide Notification No. L-22012 (25)/80-D.IV(B), dated 15-12-1980.—

"Keeping in view the nature of duties performed by Shri Murari Singh, Loading Clerk Grade II of Umaria Colliery of Western Coalfields Limited, District Shahdol (M.P.), whether the demand of the Koya Mazdoor Sangh (AITUC), Dhanpuri Branch, Umaria Colliery, District Shahdol, for placement of the said workman in Clerical Grade I is justified ?

If so, to what relief is the concerned workman entitled and from what date ?"

2. When the reference was received by this Tribunal the parties were noticed to appear before the Tribunal to file their respective statement of claims but the Union did not put in appearance while Shri Bhave, Advocate, appeared on behalf of the management and filed a Memorandum of Settlement on 19-1-1981 duly signed by the Deputy Personnel Manager, Shri Lalit Saxena and Shri Murari Singh, the workman concerned. As the Union was a party to the dispute and the Memorandum of Settlement was not signed by the Union representative the case was fixed for verification of the settlement and the Union was again sent a notice to appear on 2-2-1981. On this date also none appeared on behalf of the Union. Shri Lalit Saxena appeared and stated that the concerned workman has entered into an agreement with the management without any coercion and of his own will. As such an award be given in term of the settlement arrived at between Shri Murari Lal, the concerned workman, and the management.

3. I have perused the terms of the settlement and the matter of dispute referred to this Tribunal for adjudication. As the dispute does not relate to a general demand of the workers as raised by the Union but is actually an individual dispute concerning Shri Murari Singh who has entered into a settlement with the management, I have no hesitation in passing an award in terms of the settlement arrived at between the concerned workman and the management. The terms of settlement being fair and reasonable and beneficial to the workman concerned, I make my award accordingly. The Memorandum of Settlement shall form part of the award.

4-2-1981

A. G. QURESHI, Presiding Officer.

[No. L-22012(25)/80-D.IV(B)]

S. S. MEHTA, Desk Officer

FORM 'H'

(See Rule 58)

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Representing Management : Sri L. Saxena, Dy. Personnel Manager, WCL : Sohagpur Area P.O. Dhanpuri, Distt. Shahdol (M.P.).

Representing Workman : Shri Murari Singh, Clerk Gr. II Umaria Colliery of Sohagpur Area.

SHORT RECITAL OF THE CASE

Shri Murari Singh, Clerk Gr. II of Umaria Colliery approached the Management and placed that he has been performing the duties of Loading Incharge at Umaria Colliery siding and as such he should be placed in Clerical Grade I.

He supported the above contention by showing some documentary evidence regarding nature of duties being performed by him.

Management, however denied the contention of the workman and submitted that Sri Murari Singh is correctly placed in Clerical Gr. II. It was also submitted by the Management that Umaria Colliery being a very small colliery with an average output of 6500 to 7000 tonnes per month, there is hardly any need of a Loading Incharge of Grade I.

However, on the persistent request of the workman and in order to create goodwill, the Management agreed to consider his case on the following terms and conditions :-

TERMS OF SETTLEMENT

1. It is agreed to promote/regularise Sri Murari Singh Clerk Gr. II with effect from 1-1-81 to Clerical Gr. I.
2. It is also decided/agreed to give him the designation of Loading Inspector from 1-1-81 in terms of the Clerical Staff grading and nomenclature as per Central Wage Board Recommendations.

3. It is also agreed that this would finally decide the case of Sri Marari Singh regarding his promotion/regularisation and no past claim would accrue to him on account of this issue.

Management Representative
Sd/- (L. Saxena) 12-1-81.

Dy. Personnel Manager, Sohagpur Area.
Workman's Representative

Sd/- (Murari Singh)/12-1-81
Clerk, Gr. II, Umaria Colliery.

Witnesses :

1. Sd/- (V. K. Chaddha)/12-1-81
Manager, Umaria Colliery.
2. Sd/- (Ram Pratap) Clerk
12-1-81 Umaria Colliery.

Umaria,
Dt. 12-1-81.

PART OF AWARD

A. O. QURESHI, Presiding Officer.